राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थांक १४३

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची
भाग ६
(जयपुर-संग्रह)

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम. ए.
महोपाध्याय विनयसागर

प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur.

1983

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

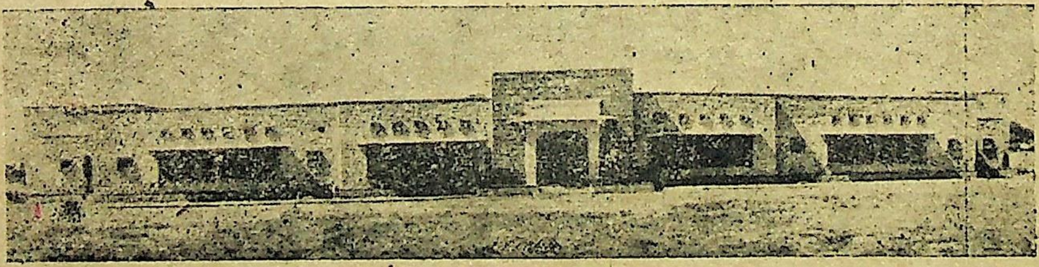
ग्रन्थाङ्क १४३

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची

भाग ६

(जयपुर-संग्रह)

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम. ए.
महोपाध्याय विनयसागर



प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)
Rajasthan Oriental Research Institute. Jodhpur.

1983

प्रथमावृत्ति 250 मूल्य : रु. 79/-

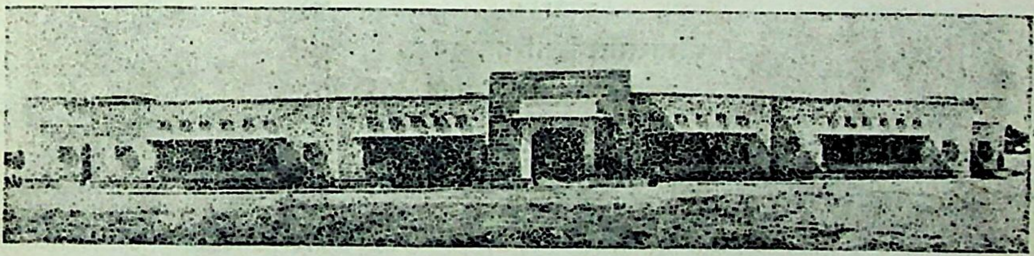
राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक
[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क १४३

राजस्थानी हिन्दी हस्तलिखित ग्रन्थ सूची
भाग ६
(जयपुर-संग्रह)

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम. ए.
महोपाध्याय विनयसागर



प्रकाशक
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)
Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur.

1983

प्रथमावृत्ति 250 मूल्य : रु. 79/-

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थान प्रदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, राजस्थानी आदि भाषा-निवद्ध
विविध वाङ्मय प्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावली

प्रधान-सम्पादक
डा० पद्मधर पाठक

ग्रन्थाङ्क १४३

सम्पादक
ओंकारलाल मेनारिया, एम.ए.
महोपाध्याय विनयसागर

प्रकाशक
राजस्थान राज्य संस्थापित
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राज.)

मुद्रक
पंकज प्रिन्टर्स, जोधपुर

वि सं. 2040 ❋ ई. सन् 1983

अनुक्रम

———

प्रधान सम्पादकीय

अन्य शाखाओं की तरह जयपुर में भी संस्कृत-प्राकृत ग्रन्थों के अतिरिक्त हिन्दी-राजस्थानी के भी अनेक हस्तलिखित ग्रन्थ संगृहीत हैं। यहां के संस्कृत-प्राकृत ग्रन्थों के तीन सूचीपत्र बतौर भाग २ (सी), ११ व १८ निकल ही चुके हैं। प्रस्तुत भाग में पूर्व भाग ५ की तरह केवल हिन्दी-राजस्थानी ग्रन्थों को सम्मिलित किया गया है। ग्रन्थांक ७१२० से ११८९२ के बीच आए इन ग्रन्थों के विवरण के साथ कुछ और उपयोगी सामग्री जोड़ दी गई है। एक तो, सार्वजनिक पुस्तकालय से प्राप्त हिन्दी-राजस्थानी की अवशिष्ट सामग्री इसी भाग में ले ली है। दूसरे, एक पृथक् परिशिष्ट ३ के रूप में स्व० पुरोहित हरिनारायणजी के संग्रह में उपलब्ध शेष सामग्री-यथा उनका साहित्यिक पत्र-व्यवहार, 'मीरां वृहत्पदावली' का सम्पादन करते समय उन्होंने जो पत्राचार किया वह सब यहां एक जगह देखने को मिल जाता है।

जिन महानुभावों ने हमारी जयपुर शाखा को कृपा पूर्वक ग्रन्थ भेंट किए हैं उनका विवरण इस प्रकार है—

	संग्रह का नाम/भेंटकर्ता		ग्रन्थ-संख्या
१.	पुरोहित हरिनारायणजी "विद्याभूषण-संग्रह" (श्री रामगोपालजी पुरोहित द्वारा प्रदत्त)	....	८३०+११०=९४०
२.	पं० लक्ष्मीनाथजी दाधीच-संग्रह (श्रीमती सुभद्रादेवी एवं सौभाग्यदेवी द्वारा प्रदत्त)	....	५५२
३.	विश्वनाथ शारदानन्दन-संग्रह (स्वयं द्वारा प्रदत्त)	....	३३६
४.	महाराजा पब्लिक लाइब्रेरी, जयपुर (राज्याज्ञा से स्थानान्तरित)	....	४६२

संग्रह का नाम/भेंटकर्ता		ग्रन्थ-संख्या
५. श्री बद्रीनारायण गुप्ता फोटोग्राफर, जयपुर	....	१९०६+१३०५ +५५६+१६३३= ५४००
६. श्री रामकृपालु शर्मा, जयपुर	....	१५०१
७. जिनधरणेन्द्रसूरि, बड़ा उपासरा; जयपुर	....	२५९२
८. श्री सीतासहाय पारीक, जयपुर	....	३
९. श्री लक्ष्मणरायजी हल्दिया, जयपुर	....	४०
१०. श्री सीतारामजी हल्दिया, जयपुर	....	४२
११. बाबा हरिदास	....	१

एक बार पुनः हम इन सुहृद महानुभावों को अपना धन्यवाद देना चाहेंगे।

इन हस्तलिखित ग्रन्थों के साथ जो मुद्रित साहित्य हमें भेंट में मिला है, वह भी कम मूल्यवान नहीं। इस प्रसंग में पद्मभूषण पं० झाबरमलजी शर्मा को कदापि भुलाया नहीं जा सकता जिन्होंने बहुमूल्य मुद्रित ग्रन्थों एवं दुर्लभ पत्र-पत्रिकाऐं भेंट कर जयपुर शाखा के प्रति शोधार्थियों का आकर्षण और बढ़ा दिया है।

इस भाग का सम्पादन श्री ओंकारलाल मेनारिया, सहायक निदेशक एवं महोपाध्याय श्री विनयसागर वरिष्ठ शोध सहायक ने पूरी सावधानी से किया है। मुद्रण की असावधानी से जो त्रुटियां रह गई हैं उसे हमारे सुधी पाठक सहज में लेने की कृपा करेंगे। प्रुफ संशोधन में विभाग के कनिष्ठ तकनीकी सहायक श्री गिरधरवल्लभ दाधीच ने बड़े मनोयोग से सहयोग किया है। 'पंकज प्रेस' के व्यवस्थापक श्री पुखराज जांगिड़ ने मुद्रण में उल्लेखनीय सहयोग दिया है।

पद्मधर पाठक
निदेशक

विषय-तालिका

संकेत-तालिका

1. र०का०	रचना-काल
2. र०स्था०	रचना-स्थान
3. टी०	टीकाकार; टीका
4. सं०क०	संकलनकर्त्ता
5. सं०का०	संकलन-काल
6. लि०क०	लिपिकर्त्ता
7. लि०स्था०	लिपि-स्थान
8. गु०	गुटका (जिसमें अनेक रचनाओं का संकलन हो)
9. मू०	मूल ग्रन्थ
10. प०	परिशिष्ट
11. वि०स०	विक्रम संवत्
12. श०	शताब्दी (विक्रमी)

शुद्धि-पत्र

क्रमाङ्क	कोष्ठक सं०	अशुद्ध	शुद्ध
78	2	9781(1)	9781(2)
83	2	10177	11486
84	2	9612	10177
85	2	1883(42)	9612
86	2	11823(5)	1883(42)
87	2	11486	11823(5)
103	2	8128(1)	8128
104	2	8664	8464
219	2	1883	1883(44)
227	2	7285(5)	7285
233	2	9480	9380
243	2	9615(7)	9615(5)
313	2	7969	7967
347	4	चोरंगनाथ	चोरंगीनाथ
366	2	2165(3)	2165(4)
432	2	9512(1)	9512(4)
444	2	961....(6)	9618(6)
445	2	6189A(10)	9618(10)
545	3	वद्यबोध	वैद्यबोध
627	2	9095	9059
680	2	11251	11215
687	2	9043	9034
691	2	10249	10249(21)
728	2	10249(20)	10249(10)
735	2	11819	11819(7)
845	2	7602(2)	7607(2)
846	2	7642	7672
866	2	7540(2)	7540(3)

क्रमाङ्क	कोष्ठक सं०	अशुद्ध	शुद्ध
890	2	8151(1)	8151(4)
955	2	8169	8169(17)
963	4	रामचन्द	रायचन्द
990	2	7247	7247(5)
994	2	7502(2)	7502(4)
1010	2	8151	8151(8)
1024	2	10262	10262(1)
1052	1	—	प०
1066	4	थोमण	थोभण
1091	4	चरित्रसिंह	चारित्रसिंह
1094	2	7361(3)	7361(2)
1096	4	हरिविजयसूरि	हीरविजयसूरि
1136	2	11788	11788(9)
1206	2	1863(4)	1863(9)
1215	2	7129	7129(2)
1233	2	1876(6)	1873(6)
1249	2	10249	10249(22)
1261	2	7119	7119(5)
1277	4	विजयकुशल	विनयकुशल
1289	2	1963(3)	1863(3)
1318	2	8204(2)	8204(1)
1348	2	7215	7214
1368	2	50-51)	50-55
1375	2	7158	8158
1391	2	11537	11573
1418	2	8142(2)	8142(7)
1431	2	7458(1-2)	7459(1-2)
1432	4	चरित्रनन्दी	चारित्रनन्दी
1461	2	11723	11273
1478	2	7886	7786
1488	2	7195	7195(6)
1534	2	7902	9207

क्रमाङ्क	कोष्ठक सं०	अशुद्ध	शुद्ध
1602	2	1873(2)	1873(32)
1624	2	8163	8163(5)
1625	2	7393	7393(1)
पृष्ठ सं०			
308	3	जैनविजय	चैनविजय
312	3	1446/7130	1346/7130
312	3	नयनविमल	नयविमल
321	3	जैनदास	जिनदास
324	3	1359/7714	1359/7774
327	3	मूधर	भूधर
328	3	शिवाराम	शिवराम
354	3	1380/816	1380/8168
389	3	वडाषली	वड़ायली
390	3	वडाषली	वड़ायली
391	3	वडापली	वड़ायली
430	3	डूंढलोक	डूंडलोद
439	3	मंडवा	मंडावा
476	3	वडापली	वड़ायली

राजस्थानी हिन्दी-हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची

भाग 6

राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

(जयपुर-संग्रह)

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
दर्शन 1	1104	जीव-ब्रह्म-एकता निर्णयनी प्रक्रिया	
2	9618A (9)	ज्ञानसमुद्र	सुन्दरदास
3	10503	ब्रह्मज्ञान	
4	8437	योगवाशिष्ठसार (वैराग्य प्रकरण)	
5	9618A (14)	षट्शास्त्रमत	
प. 6	1129	स्वानुभवसार	गोपीनाथ पुत्र मालीराम
धर्मशास्त्र 7	11454	कर्मविपाक-भाषा	
8	10520	गणेशपूजा	
9	8621 (3)	गोत्राचार	
10	10801	ग्रहणकालीन पुरश्चरण-विधि	
11	10850	पंचक-विधि	
12	11860 (3)	पूजाविलास	रसिकदास शिष्य नरहरिदास
13	11867	"	" "

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20.5×13 17; 17	15	अपूर्ण	20 वीं श.	गुजराती; गौड़पादीय कारिकानुसार; लि.क. मगनलाल पीताम्बर लि. स्था. स्थावनगर बंदर
15×7 9; 26	52 (458–509)	पूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण
21×10 9; 25	6	,,	19 वीं श.	
27×14 10; 29	38	अपूर्ण	20 वीं श.	
15×7 9; 26	697–699	पूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण
21×16.5 28; 32	192+18	,,	1943	र. का. 1942; लि. स्था. जयपुर लि. क. गोपीनाथ (ग्रन्थकार)
17×26 20; 14	18	अपूर्ण	19 वीं श.	
16.5×11 7; 21	4	पूर्ण	19 वीं श.	
10.5×7.5 5; 10	16 23	अपूर्ण	20 वीं श.	
30×15.5 13; 34	2	पूर्ण	1889	लि. क. मोहनदास
21-5×10.5 9; 30	2	,,	19 वीं श.	
21×15.5 13; 20	7-16	,,	19 वीं श.	
15×12 7; 16	6	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
धर्मशास्त्र 14	10776	भगवत्-पूजा-विधि	
15	11582	विवाह-विधि	अभयकुशल शिष्य पुण्यहर्ष
पुराण 16	9134	अनंतव्रत-कथा	
17	10478	"	
18	7409	अश्वमेधपर्व-भाषा (पद्यबद्ध)	
19	11878	अश्वमेधयज्ञ-भाषा	
20	7634	आदिवंशावली	
21	10224	एकादशी-कथा	
22	7127	एकादशी-कथा-संग्रह	
23	8461	एकादशी-माहात्म्य (आषाढ कृष्णा)	
24	8561	एकादशी-माहात्म्य (आश्विन शुक्ला)	
25	8453	एकादशी-माहात्म्य-संग्रह	
26	10222	एकादशी-वार्ता-भाषा	

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×19 14;18	16	अपूर्ण	19 वीं श.	
23×11.5 15;41	3	पूर्ण	1917	लि. क. जुहारमल्ल
21.5×9.5 8;31	3	,,	19 वीं श.	भविष्यपुराणगत
13×8 10;16	6	,,	1757	लि.क. रामेश्वर व्यास
25 5×11 15;38	9	अपूर्ण	19 वीं श.	
14×14 12;22	210	,,	18 वीं श.	
25.5×12.5 12;27	2	पूर्ण	1897	लि. क. गुलाबचंद लि. स्था. ईसवाल
22×11 13;34	16	,,	19 वीं श.	
22.5×15 14;23	45 61	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्र 1 से 44 अप्राप्त
30×14 13;38	2	पूर्ण	19 वीं श.	ब्रह्माण्डपुराणगत
27.5×17.5 10;22	3	,,	1929	पद्मपुराणगत; लि. क. खूबचन्द लि.स्था. सिकवाल
15.5×21.5 15;16	42	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10.5 8;40	14	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
पुराण 27	8545	कमला एकादशी-कथा	
28	8548 (1)	कार्तिक वदि रामराज-कथा	
29	8549 (1)	"	
30	10898	केदारकल्प	
31	9385 (2)	गणेश-कथा	
32	11090	गीता-माहात्म्य	
33	11873 (4)	"	
34	9797	गोपाष्टमी व्रत-कथा	
35	8199 (2)	चौथ-मातारी कथा	
36	8789	"	
37	10484	"	
38	11432	"	
39	11826 (1)	"	

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×15.5 9;25	4	पूर्ण	19 वीं श.	स्कन्दपुराण-गत
28×15 11;28	3	,,	20 वीं श.	ब्रह्माण्डपुराण-गत
25×15 9;27	3	,,	20 वीं श.	,,
13×14 14;13	68	,,	1759	लि. स्था. टोडा
15×10.5 9;22	22	,,	1901	अन्त के 8 पत्रों में मंत्र और औषध हैं।
26.5×14 11;27	6	अपूर्ण	20 वीं श.	
18×12.5 9;23	68	पूर्ण	1866	
28.5×13.5 9;30	3	,,	20 वीं श.	,,
15.5×12 9;27	74-85	अपूर्ण	19 वीं श.	74 वां पत्र अप्राप्त
10×10 11;11	26	,,	1841	लि.क.पं.नौनन्दराम; लि.स्था दांता अमानी सिंह राज्य; पत्र 1 से 12 तक अप्राप्त
15×9 12;27	4	पूर्ण	1719	
10.5×17 10;11	10	,,	1904	
19×12 12;25	25	,,	1872	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
40	10249 (30)	चौथमाता री कथा	
41	11747	,,	
42	11860 (16)	धर्मनौका-पतिव्रता-माहात्म्य	
43	7121 (6)	नासिकेतरी कथा	
44	10229 (4)	,,	
45	9462	नासिकेतोपाख्यान	स्वामी नन्ददास
46	11869 (1)	,,	अजयचंद भटनागर पुत्र दीपचन्द
47	11887	,,	चरनदास
48	11851	पुराणचन्द्रिका	
49	11101	पुरुषोतम-माहात्म्य-भाषा	
50	11874 (3)	बलि-चरित्र	
51	11843 (1)	,,	गोपीनाथ
प. 52	11813	बिदुर-प्रजागर	कृष्णकवि

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10 10;30	25–27	पूर्ण	20 वीं श.	
23.5×11 7;22	5	,,	20 वीं श.	
15.5×11 11;24	23	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×15.5 16;17	2–14	,,	1803	
24×16.5 13;21	47–70	पूर्ण	1855	लि. क. पं. देवविजय
23×15.5 8;35	36	अपूर्ण	19 वीं श.	बीच के 15 पत्र अप्राप्त; पत्रांक फटे हुए हैं ।
10×15.5 16;12	2–68	,,	1783	र. का. 1624; लि.क. सेढमल; प्रथम पत्र अप्राप्त
33×17 13:34	40	,,	19 वीं श.	
16×11 7;74	44	पूर्ण	1852	अष्टादशपुराण सूचनिका; लि.क. लछीराम दादूपंथी
20.5×14 12;22	107	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1 से 36 अप्राप्त
15×14 12;19	27–32	,,	19 वीं श.	
15×10.5 10;20	8	पूर्ण	1809	लि.क. पं. मोजीराम सारस्वत; लि. स्था. हिंडोन
13×18.5 15;13	96	,,	1881	महाभारतगत; र.का. 1792

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
पुराण 53	11861	भगवद्गीता-भाषा	
54	11810	"	
55	11819 (1)	"	
56	6159 (2)	भागवत-पुराण दोहा-क्रम	
57	8153	भागवत-पुराण-भाषा पद्यानुवाद	
58	8570	भागवत-पुराण-दशमस्कन्ध-भाषा	
59	8881	भागवत-पुराण-दशमस्कन्ध-भाषा	सन्तदास
60	2165 (14)	" "	
61	8004	" "	
62	9443 (1)	भागवत-पुराण स्फुट चौपई	
63	8016	भोगलपुराण	
64	11826 (3)	मृग-संवाद-कथा	जावड
65	11811 (2)	रामाश्वमेध-भाषा	हरिदास

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×14.5 20;20	32	अपूर्ण	18 वीं श.	
22×29 22;30	29	,,	1892	आरम्भ में 'जानकी मंगल' और अन्त में 'कार्तिक माहात्म्य भाषा' है; पत्र चिपक कर नष्ट।
12×20 21;18	35	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
16×13 13;16	11	,,	19 वीं श.	अन्त में 'यजुर्वेद की पाटी' है।
16×15 14;19	298	,,	19 वीं श.	चतुर्थ स्कन्ध से दशम स्कन्ध; 74 वें अध्याय तक पूर्ण; पांच पत्र अतिरिक्त हैं।
21×15 12;21	10	पूर्ण	19 वीं श.	प्रथमअध्याय
19×9 10;25	214	,,	1824	लि.क. मोहणराम
21×14.5 13;34	855-873	अपूर्ण	1976	कृष्ण-उद्धव-सम्वादात्मक
23.5×11 17;47	2	,,	19 वीं श.	
8×7.5 8;10	4–25	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 16;43	4	अपूर्ण	18 वीं श.	
19×12 12;25	44-70	पूर्ण	1812	
24×11.5 8;38	46	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
पुराण 66	11832	रामाश्वमेध-भाषा	हरिआनन्द
67	7824	शनिश्चर-कथा	
68	8792	,,	
69	9176	,,	रामानन्द
70	9184	,,	,,
71	9614 (6)	,,	
72	10353	,,	,,
73	11874 (1)	,,	
74	8138	शिवरात्रि-कथा	
75	8546	सुरंगदा-एकादशी-कथा	
76	11873 (1)	सूर्यदेवता की कथा	
77	11874 (2)	,,	
78	9781 (1)	सोलह-सोमवार-कथा	

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×14 13; 37	394	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1 से 143 अप्राप्त
26×11.5 20; 50	2	पूर्ण	19 वीं श.	
10×7 8; 11	20	अपूर्ण	1934	लि.क. पूरणदास; पत्रांक 1,2,5,8, व 9 वां अप्राप्त
18×13 7; 21	50	,,	20 वीं श.	र.का. 1820; प्रथम 4 पत्र अप्राप्त
16×11 9; 19	8	,,	19 वीं श.	
12×9.5 7; 11	97–116	पूर्ण	1866	
19×14 15; 23	18	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×14 11; 18	13	,,	1853	लि.स्था. देवीपुरा: पत्र 1-4 अप्राप्त
10×12 9; 9	29	,,	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1-7
25×15.5 9; 21	4	पूर्ण	1898	स्कन्दपुराणगतः लि.क. दिलराम-पुरी गुंसाई
18×12.5 9; 15	8	अपूर्ण	1876	प्रथम पत्र अप्राप्त
15×14 12; 17	13–27	पूर्ण	1854	लि.क. गोपाल
15×12 9; 13	33-52	,,	19 वीं श.	मराठीभाषा में

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
पुराण 79	11826 (2)	स्वर्गारोहणी-कथा	विसनदास
इतिहास प. 80	9617	आइने अकबरी का भाषानुवाद	अनु.कायस्थ गुमानीराम
81	9604 (1)	आमेर के राजाओं की वंशावली एवं सात विलायतों की तफसील	
82	7239 (2)	ऐतिहासिक टिप्पण	
83	10177	ऐतिहासिक-विगत	
84	9612	कछवांहा री वंशावली	
85	1883 (42)	गोगा-चौहान-वर्णन	
86	11823 (5)	नगर, गढ़, कोट कराबा री विगत	
ऐ'त.काव्य 87	11486	राठौड़ा री वंशावली	
88	1883 (22)	उदयपुर री गजल	कवि खेतल
89	10254	ओसवंस-छंद	रूप कवि
90	9133	ओसवाल री उत्पत्ति रा कवित्त	,,
91	7239	ओसवाल री साढ़ा बारै न्यात रा छंद	

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×12 12; 15	26-43	पूर्ण	1812	
30×40 41;30	16	अपूर्ण	20 वीं श.	र. का. 1852
16×11 8;27	1-5	पूर्ण	20 वीं श.	
25×12 13;18	4-6	अपूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11 16;41	4	पूर्ण	20 वीं श.	
22×16.5 14;32	9	अपूर्ण	20 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
21×32 23;29	4	पूर्ण	20 वीं श.	वंशभास्करगत
19×12.5 16;30	225-226	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्रांक 226-227 पर शाहजहां के समय बुलाकीदास खत्री की वार्ता है
13×21 18;13	138-55	"	19 वीं श.	
19×12.5 16;34	111-114	"	18 वीं श.	
18×11 14;29	3	पूर्ण	1916	लि.क. धनसुख ऋषि
25×10.5 13;30	2	"	20 वीं श.	
25×12 12;27	1-3	"	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ऐति.काव्य 92	1883 (8)	कवित-संग्रह :—— छतीसवंस राजकुली तेरै-साखरा, रिणधवलरा, पवांरारी वंशावली; करमचंद रे साका रा राठौड़ रामसिंह-करमसिंहोत रा	 मैंणभट्ट केसोदास गाडण
93	1883 (28)	गोगैजी रा रसावला	मेहाजी
94	1883 (29)	गोरा-वादल री वात	जटमल नाहर पुत्र धमसी
95	1883 (23)	चित्तौड़ री गजल	कवि खेतल
96	1883 (1)	पाबूजी रा छंद	मेहाजी
97	1883 (45)	पाबूजी रा दूहा	लधमल
98	1883 (39)	महाराजा अजीतसिंहजी रो गीत एवं कवित्तादि	अमीचंद आदि
99	1883 (30)	रतनसिंह-महेशदासोत री वचनिका	खिड़िया जगा
100	9511 (1)	लावारासा	कवि गुपालदान
101	1883 (43)	षट्चक्रवर्ती (चक्कवै) विवरण	
102	1251	सौभाग्यसिंह-आत्मकथा [पुत्र वाघसिंह]	
103	8128 (1)	हमीरदे चौपई-प्रबन्ध (हमीरायण)	जिनसाधुसूरि

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19.5×12.5 22; 34	14–16	पूर्ण	18 वीं श.	
..				
19×12.5 16; 32	135–38	,,	18 वीं श.	22 छन्द हैं ; अन्त में गोगा जी के साथ काम आए व्यक्तियों का एक कवित्त है ।
19×12.5 17; 32	138–47	,,	18 वीं श.	
19×12.5 17; 34	114-17	,,	18 वीं श.	र.का. 1748 ; लि. स्था. जालोर
19×12.5 16; 32	1-3	,,	18 वीं श.	41 छन्द हैं; अंत में कवि कनक कृत बोथरांरी उत्पत्ति का सवैया है;प्रारंभ में एक चित्रहैं घुड़सवार तथादो पैदल
19×12.5 14–16; 28–32	235–43	,,	18 वीं श.	अन्त में वस्तुपाल-तेजपाल रो कवित्त है । इसके बाद गूढार्थ है ।
19×12.5 16; 30	218–20	,,	,,	तीन गीत हैं;पत्रांक 220 पर संवत् 806से दिल्ली राजधानी करने वालों की वंशावली दी है जहांगीर तक ।
19×12.5 16; 32	148–163	,,	18 वीं श.	अन्त में स्फुट दोहा-संग्रह है
14.5×20.5 22; 16	43	,,	1914	लि.क. विजैराज बारठ; लि. स्था. सीकर
19×12.5 15; 30	228–29	,,	18 वीं श.	पत्रांक 228 एवं 229 पर स्फुट ऐतिहासिक कवित्तादि हैं ।
16.5×12.5 12; 14	2–11	अपूर्ण	19 वीं श.	र.का. महाराजा रामसिंह के समय; प्रथम पत्र अप्राप्त; अन्त पूर्ण
24×10.5 21; 50	8	,,	1621	र.का.1565; लि.क.रतन; 1–5 अप्राप्त पत्र

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 104	8664	कवितावली	गो. तुलसीदास
105	9683	कवितावली (बालकांड)	,,
106	10174	कृष्णकाव्य	
107	1883 (18)	कृष्ण-रुक्मणी री वेली	पृथ्वीराज राठौड़
108	9313	कृष्ण-विवाह	
109	7665	कृष्ण-विवाहलो	पदम
110	7664	,,	
111	11224	केशव-बावनी	केशवदास शिष्य लावण्य दास
112	11814 (2)	छवितरंग	
113	9511 (2)	जमकसत (यमकशत)	मेदराम पालावत
114	1186D (14)	जुगलरस-माधुरी	रसिक गोविंद
115	1883 (3)	ढोला-मारू रा दूहा	
116	7639	,,	

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28.5×13.5 13;41	16	अपूर्ण	19 वीं श.	
33×19 15; 36	3	पूर्ण	19 वीं श.	
19×15.5 12;16	40–154	अपूर्ण	18 वीं श.	भागवत पर आधारित है।
19×12.5 16;34	36	पूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1638; अंत में महाकाली का छन्द है।
24×10.5 10;30	7	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×13 14;30	6	,,	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1-2
26×13 14;33	2	,,	20 वीं श.	
24×10 15:39	5	पूर्ण	1736	
12.5×19.5 19;15	27–34	अपूर्ण	19 वीं श.	
14.5×15.5 22;16	4	,,	1914	
12×15.5 6;18	47	पूर्ण	19 वीं श.	
19×12.5 16;32	164–174	,,	1772	351 दोहे हैं; लि.क. पं. लालचन्द
23.5×13 9;23	11	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 117	11843 (4)	दान-वेली	वृन्दावनदास
प. 118	1868	दीवान-ए-हाफिज भाषा	भा. रामराय मिश्र मू. हाफिज
119	7657	नागदमण	सांयाजीझूला
120	8159 (4)	,,	,,
121	1883 (19)	,,	,,
122	10971	नारायण-लीला	माधवदास
123	1872 (2)	बिहारी-सतसई	बिहारीदास
124	8177	बिहारीसतसई-सटिप्पण	,,
125	1570	बिहारीसतसई-टीका	मू. बिहारीदास टी. मनीराम
126	11843 (3)	भंवर-गीत	रसिकराय
127	8567	,,	नन्ददास
128	11825 (9)	मधुमालती रा दूहा	

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×10.5 10; 17	8–14	पूर्ण	19 वीं श.	
27×18 4; 20	478	,,	20 वीं श.	1849में सवाई प्रतापसिंह की आज्ञा से रचित; गुमानीराम ने फारसी का अर्थ बताया एवं रामराय द्वारा भाषा की गई; लि क.पं. सोनीलाल;लि. स्था. जयनगर
22.5×11 16; 38	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
16×13 14; 20	19–35	पूर्ण	1852	अन्तिम पांच पत्रों पर स्फुट कवित्तादि हैं; लि.क. पं. रामकरण
19 ×12.5 16; 34	50–55	,,	18 वीं श.	
19.5×9.5 7; 11	26	,,	1843	
21×12 15; 23	44	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ की पुष्पिका महत्वपूर्ण है।
22.5×12 13; 36	16	अपूर्ण	19 वीं श.	टिप्पण में 'नायिका भेद' और अलंकारों का दिग्दर्शन है; प्रथम पत्र अप्राप्त।
29×14 10; 34	95	,,	19 वीं श.	प्रत्र स.40 अप्राप्त;357 वें दोहे पर्यन्त; नखशिख के शीर्षकों को देते हुए अनवर चन्द्रिका, अमर चन्द्रिका आदि के मतों को देते हुए टीका लिखी गई हैं; ग्रन्थांक 11817 पर इसी ग्रन्थ की अन्य प्रति है जिसमें प्रारम्भ का पूरा अंश है तथा कवि-परिचय उससे प्राप्त होता है।
15×10.5 10; 17	7	,,	19 वीं श.	
19×12.5 8; 18	21	पूर्ण	1863	
14×24 12; 20	34–37	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 129	7122 (1)	माधवानल-कामकन्दला चौपई	आलम
130	7849	,,	,,
131	11828 (1)	मानमहोत्सव	प्राणनाथ
132	11814 (3)	,,	,,
133	11860	रसमुक्तावली	हितध्रुव
134	11820	राधाकृष्ण-शृंगार काव्य	
135	11576	राम गीतावली	
136	10069	,,	तुलसीदास
137	9684	रामचरितमानस (बालकाण्ड)	गो. तुलसीदास
138	10029	,, ,,	,,
139	10142	,, ,,	,,
140	10161 (1)	,, ,,	,,
141	10832	,, ,,	,,

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12×15 10; 17	12–89	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्र 1 से 11 अप्राप्त
25×11 13; 40	18	,,	19 वीं श.	पत्र 1 से 10 अप्राप्त
15×22 19; 17	8	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×19.5 19; 15	35–41	,,	19 वीं श.	
21×15.5 12; 22	10	अपूर्ण	19 वीं श.	
11×20 16; 12	139	,,	19 वीं श.	
15×21.5 17; 22	78	,,	19 वीं श.	वाल, अयोध्या एवं अरण्य काण्ड
22×11 10; 30	31	,,	19 वीं श	लंकाकाण्ड
33×15 9; 40	2–1389	,,	1837	लि.क.हिमाचल उपाध्याय;लि,स्था. वडवार ग्राम पत्रांक 1,10,20,30,40, 41,43,53,62,73,75,84,91, 110,121,122,125,133 अप्राप्त
31×15.5 17; 42	69	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 12, 38, 43 से 45, 48 से 62
28×13 9; 24	252	,,	1878	लि. क. जुगतराम वैष्णव; लि. स्था. जयपुर; अप्राप्त पत्र 180, 181,234 से 236, 249
34×16 13; 35	100	,,	1911	पत्र चिपके हुए;लि.क. छोटू सिद्ध अप्राप्त पत्र 1, 2
27.5×14 17; 42	60	पूर्ण	18 वीं श.	अंतिम पत्र 'गीता माहात्म्य' का है;लि.क. कृष्णदास शिष्य रामदास लि.स्था नागौर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 142	11835	रामचरितमानस (बालकाण्ड)	गो. तुलसीदास
143	11836	,, ,,	,,
144	10109	,, (अयोध्याकाण्ड)	,,
145	10141	,, ,,	,,
146	10159	,, ,,	,,
147	10160	,, ,,	,,
148	10835	,, ,,	,,
149	11419	,, ,,	,,
150	10140	,, (अरण्यकाण्ड)	,,
151	10161 (2)	,, ,,	,,
152	10816	,, ,,	,,
153	11418	,, ,,	,,
154	8813	,, (किष्कन्धाकाण्ड)	,,

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×14 14;30	43	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1, 2, 40
30×14 11;37	18	,,	19 वीं श.	
27×13 10;33	93	,,	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 2 से 11,13 से 21,32 34,39,58,70 से 73,75
28×13 8;22	229	,,	1879	लि.क. जुगतराम; अप्राप्त पत्र 170 से 172, 193 से 20
36×16 11;34	96	पूर्ण	1903	पत्र चिपके हुए हैं; लि. क. केशव-देव ब्राह्मण
34×16 14;40	81	,,	1911	पत्र चिपके हुए हैं; लि.क. छोटू सिद्ध
27×14.5 17;46	52	अपूर्ण	1828	लि.क. कृष्णदेव वैष्णव; लि.था. चुरु; प्रथम पत्र अप्राप्त
29.5×13.5 13:33	83	,,	1892	लि.क. ब्राह्मण गोपाल;पत्र 23वां अप्राप्त
28×13 9;22	59	,,	1879	लि. क. जुगतराम
34×16 13;35	19	पूर्ण	1911	पत्र चिपके हुए हैं; लि. क. छोटू सिद्ध; लि.स्था. चंद्रावती
23×12.5 10;26	41	,,	19 वीं श.	लि. क. बाबा गोकुलदास
29×14 11;36	30	,,	19 वीं श.	..
21×9.5 8;25	26	,,	1904	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 155	9912 (1)	रामचरितमानस (किष्किधाकाण्ड)	गो. तुलसीदास
156	10025	,, ,,	,,
157	10026	,, ,,	,,
158	10158	,, ,,	,,
159	10817	,, ,,	,,
106	10818	,, ,,	,,
161	10819	,, ,,	,,
162	10833	,, ,,	,,
163	11460 (1)	,, (सुन्दरकाण्ड)	,,
164	10156	,, ,,	,,
165	9161	,, ,,	,,
166	10135	,, ,,	,,
167	10139	,, ,,	,,

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×16.5 14; 10	21	अपूर्ण	19 वीं श.	
24×11.5 8; 24	25	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1,9,10,18,19
30×14 10; 27	38	,,	1899	अप्राप्त पत्र 1 से 3,5,9 से 12,14 20, से 26,29,36,37,
34×17 13; 37	11	पूर्ण	20 वीं श.	पत्र चिपके हुए हैं।
21.5×14 16; 30	12	,,	1836	लि. क. रामदास वैष्णव लि. स्था. बीकानेर
22×12.5 12; 27	19	,,	1856	लि. क. वैष्णव प्रेमदास; लि. स्था. सेमल्या
23.5×12.5 10; 26	18	अपूर्ण	1889	पत्र 15 वां अप्राप्त
26×14 9; 21	29	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
14×10 10; 21	75	,,	1895	लि. क. जोशी भंगूतराम; लि. स्था. नारायणपुर; पत्र 1-4 अप्राप्त
34×14 13; 40	19	पूर्ण	1911	लि.क. छोटू सिद्ध
24.5×12 11; 30	12	अपूर्ण	19 वीं श.	
26.5×14.5 12; 32	18	पूर्ण	1853	लि. क. रघुनाथदास; लि. स्था. चित्रकूट
28×13 9; 40	33	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 168	10149	रामचरितमानस (सुन्दरकाण्ड)	गो. तुलसीदास
169	10162	,, ,,	,,
170	10836	,, ,,	,,
171	11416	,, ,,	,,
172	9162	,, (लंकाकाण्ड)	,,
173	10136	,, ,,	,,
174	10138	,, ,,	,,
175	10157	,, ,,	,,
176	10834	,, ,,	,,
177	11417	,, ,,	,,
178	10838	,, (लंका एवं उत्तरकाण्ड)	,,
179	9738	,, (उत्तरकाण्ड)	,,
180	10163	,, ,,	,,

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×12 11:28	21	अपूर्ण	19 वीं श.	
37×16.5 13;44	17	पूर्ण	1892	पत्र चिपके हुए हैं; लि.क.जैकृष्ण
26×12.5 12;39	32	,,	19 वीं श.	
29×13.5 11 30	25	,,	19 वीं श.	
20×12 10;21	114	अपूर्ण	18 वीं श.	
30·13 9;34	60	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 33 से 42. 44, 50, 54 से 58
28×13 9;22	137	पूर्ण	1879	लि.क. जुगतराम निरंजनी
34×17 12;37	62	,,	1911	पत्र चिपके हुए हैं; लि.क.छोटू सिद्ध
29×13.5 15;41	22	,,	19 वीं श.	
29×13.5 13;34	58	,,	1891	लि.क. ब्राह्मण गोपाल
17.5×27.5 18;26	205	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र--188,189,193,196 से 200
24×12.5 11;23	78	,,	1869	लि.स्था. करौली; अप्राप्त पत्र--1,2,4,13,16
25×14 10;34	66	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र--16 से 20, 24 से 28 33, 34, 37 से 43, 45,65

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 181	10164	रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड)	गो. तुलसीदास
182	10831	,, ,,	,,
183	10837	,, ,,	,,
184	10849	,, ,,	,,
185	10864	,, ,,	,,
186	11422	,, ,,	,,
187	11460 (4)	,, ,,	,,
188	10176	,, प्रेम. तरंगिणी टीका सहत	,,
189	1883 (20)	रामरासो	माधवदास दधवाड़िया
190	10155	रामविजय	
191	9577	रामाज्ञा	गो. तुलसीदास
192	9731	,,	,,
193	11858	,,	,,

माप से मी में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27.5×12 10;34	59	अपूर्ण	1823	अप्राप्त पत्र-1 से 20 व 58 वां
26×14 11;31	57	पूर्ण	1871	
27×15 12;31	54	,,	1894	लि.क. यति मोजीराम लि. स्था. पाडल्या
25×12.5 13;36	45	,,	1895	लि.क.बालकदास साध
31×14 11;34	53	,,	1839	लि.क. तिवाड़ी रामराय लि.स्था. चौमू
33×14 13;44	44	,,	19 वीं श.	
14×10 8;15	39	अपूर्ण	19 वीं श.	
33×20 22;26	20	,,	20 वीं श.	
19×12.5 16;34	56-102	पूर्ण	18 वीं श.	
28×17.5 13;26	15	अपूर्ण	19 वीं श.	मराठी भाषा में;अप्राप्त पत्र 1 से 4
24×10 8;32	27	पूर्ण	20 वीं श.	ब्रज भाषा में; लि.स्था. काशी
21.5×11 10;32	26	अपूर्ण	1852	अप्राप्त पत्र-5,7,9,12,15,21, 23,24
16×11 9;22	36	पूर्ण	1945	लि.क. ब्राह्मण मंगलजी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 194	11575	रामायण-बालकाण्ड के पद	
195	11860 (15)	रामायण-सूचनिका	गोविन्द
196	8353	रास-पञ्चाध्यायी	नंददास
197	9614 (1)	रुक्मिणीजी को ब्याहलो	सहसमल मेहता
198	8197 (1)	रुक्मिणी-हरण	सांयाजी भूला
199	11825 (10)	विजैब्याह (विवाह)	अजयराज
200	11844	विज्ञान-गीता	केशव मिश्र
201	7668	विष्णु-चरित	
202	10056	वृंद-सतसई	कविवृन्द
203	11853	"	"
204	11846	वृन्दावन रति शतक (पद्यबद्ध टीका सहित)	
205	1883 (26)	वैताल विक्रमादित्य रा कवित्त	
206	11818 (2)	श्रृंगार-मंजरी	

माप से. मी में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×22.5 24;20	31	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र–1,3 से 7
21×15,5 6;15	10	पूर्ण	19 वीं श.	
22.5×10.5 7;20	28	अपूर्ण	18 वीं श.	ब्रज भाषा में
12×9 5 7;11	33	,,	1869	
23,5×17.5 13;24	11	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ के दो अतिरिक्त पत्रों में रामायण प्रसंग अपूर्ण है।
14×24 17;29	38-53	पूर्ण	1828	लि.क. जीवराज बारहट
31×14 10;54	26	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×12.5 13;27	4	,,	20 वीं श.	
19.5×15 12;22	45	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र–1,3,5,7,22
13×17 15;18	53	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. जयकृष्ण
22×11 9;27	50	अपूर्ण	19 वीं श.	संस्कृत-हिन्दी;अप्राप्त पत्र–1,3,4
19×12·5 17;30	125–130	पूर्ण	18 वीं श.	58 छन्द हैं।
29×12.5 11;38	10–17	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य 207	10175	सीताराम प्रेम-प्रवाह	शिष्य रामवल्लभ
208	11890	सीता-स्वयंवर	गो. तुलसीदास
स्फु. का. 209	11852	अष्टजाम एवं कवित्तादि-संग्रह	देव (देवदत्त)
210	9480 (2)	अहमद को बारहमासो	अहमद
211	7502 (2)	आतम-गुण-बारहखड़ी	चेतन
प. 212	8143 (14)	आभूषण-बत्तीसी	चन्द
213	8002	ईश्वर-शिक्षा	
214	7550	औपदेशिक दोहा-संग्रह	
215	11434	कक्का-बत्तीसी	
216	11088	कक्का-बारहखड़ी	
217	8325	कलियुग-पच्चीसी	नंदराम खण्डेलवाल पुत्र बलिराम
218	11860 (27)	कलियुग-रासो	रसिक गोविंद
219	1883	कवित्त-संग्रह	उदयराज; कविगर्द

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×18 12 25	599	पूर्ण	20 वीं श.	आठ तरंगों मे विभक्त है तथा सभी के पदों की अनुक्रमणिका दी गई है; गुरु-परम्परा रामानन्द से प्रारम्भ की गई है
20.5×14 11; 35	14	,,	19 वीं श.	
16×12 10; 19	64	,,	1845	लि. क. प्रह्लाददास वैष्णव
14.5×12.5 12; 17	8-11	अपूर्ण	19 वीं श.	
22×12.5 14; 29	4	,,	19 वीं श.	र.का. 1855; रचनाकार खरतरगच्छीय प्रतीत होता है।
12×10.5 11; 15	55-61	पूर्ण	18 वीं श.	आभूषण सूची सहित; र. का. 1776; कुमार चन्द्रसेन हेतु।
26×11 12; 39	2	पूर्ण	18 वीं श.	
25×11.5 18; 42	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×10.5 13; 32	2	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. तिलोकचन्द
25×11.5 5; 22	8	पूर्ण	1911	लि.क. ब्राह्मण गंगारामदास लि. स्था. वृन्दावन
29.5×13.5 11; 42	2	पूर्ण	19 वीं श.	र. का. 1744
15.5×11 14; 27	3	पूर्ण	19 वीं श.	
19×12.5 14; 28	231-244	,,	18 वीं श.	अन्त मे साढा पच्चीस आर्य देश नाम दिए हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फु. काव्य 220	7216	कवित्त-संग्रह	निपट
221	7815	"	
222	11864 (1)	किशनजी री बारहखड़ी	
223	7285 (5)	किशनीयै रा दूहा	किसन
प. 224	11589	कुँवर-खुंमाणसिंह री बारामासी	दलपति
225	11087	कृष्णपद-2	
226	7860	कृष्ण-रुक्मिणी-पद तथा कृष्ण-पद	पदम
227	7285 (5)	खींवडे रा दूहा	खींवड़ा
228	7285 (3)	गहगह रा दूहा	
229	11470 (2)	गूढ़-प्रहेलिकाएं	
230	1883 (24)	गूढ़-प्रहेलिका-संग्रह	
231	1883 (36)	गोपीचन्द राजा रा कवित्त	
232	1883 (16)	गौरी रा दूहा	

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11 10.28	14	पूर्ण	20 वीं श.	लि. क. दोलतराम
26.5×11.5 17;41	11-15	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क.सदारुचि गणि
15×10.5 7;14	21	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
24×11 10:38	12 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11 16;30	2	,,	18 वीं श.	लि.क. अभयरुचि
16.5×10 6;16	2	,,	20 वीं श.	
26×13 15;32	2	,,	19 वीं श.	
24×11 12;38	13 वां	,,	19 वीं श.	
24×11 19;38	11 वां	,,	19 वीं श.	
14×10 10 22	75–79	,,	1895	
19×12.5 11;22	117–120	,,	18 वीं श.	49 पहेलियां हैं, अर्थ साथ ही दिए गए हैं । अन्त मे प्रेमी को लिखा गया पत्र है ।
19×12.5 16;32	197-201	,,	1778	लि.क. पण्डित लालचन्द शिष्य महिमचन्द
19×12.5 18;34	28 वां	,,	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फू. काव्य 233	9480	चेत्रा-अष्टक दूहा	कवि कस्सम(कासिम)
234	1281	चन्द्रभानु-प्रशंसा कवित्त	
235	9199	चूड़लो-रास (रुक्मिणी का बारहमासा)	
236	9480 (5)	जमाल रा दूहा	जमाल
237	7285 (4)	जवानी रा दूहा	
238	10824	जानकी-मंगल	बालकृष्ण
239	1883 (14)	जेठवा रा दूहा	
240	8554	ज्ञानसंदीपनी कुण्डलियां (बारहखड़ी कुण्डलियां)	हरिदास
241	9604 (3)	दोहा-रेखता	
242	10311	दोहा-संग्रह (कुल 111 दोहे)	तुलसीदास
243	7363	,, 1 गुरु चेला रा दूहा 2 नागड़ा रा दूहा 3 हीयाली रा दूहा 4 किसनिया रा दूहा 5 पनरैतिथी रा दूहा 6 सातवार रा दूहा 7 बारैमासा रा दूहा 8 बरसात रा दूहा 9 भली री उक्तियां	नागडा, किसनिया जसराज आदि

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14.5×12.5 15;17	12–21	पूर्ण	18 वीं श.	
27×18 9; 16	1	,,	20 वीं श.	एक कवित्त;मात्र अन्त में संवत् 1967में बडे माजीजी द्वारा दिए गए अन्नदान की विगत है तथा षोडशोपचार मंत्र लिखा है
25×10.5 14;57	2	,,	1786	
14.5×12.5 15;16	23–25	,,	19 वीं श.	
24×11 12;38	11 वां	,,	19 वीं श.	
15×9 7;12	7	,,	19 वीं श.	
19×12.5 16;32	27 28	,,	18 वीं श.	
25.5×12.5 10:28	8	,,	1883	र.का. 1881; र.स्था. प्रसली
16×11 8;22	6	,,	20 वीं श.	
16.5×7 8;30	10	अपूर्ण	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र—1,2
25×11.5 15;30	6	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फु.काव्य	9615 (7)	दोहासागर	
244	7285 (7)	नागड़ै रा दूहा	बिहारी आदि
245	10846	पत्र-लेखन-प्रकार	नागड़ा
246	11661	,, प्रशस्ति	
247	1883 (7)	परमेश्वरजी रा कवित्त आदि संग्रह	
248	8164	प्रास्ताविक-संग्रह	सदैराज
249	1883 (7)	,,	
250	7736	,,	कवि गद आदि
251	11860 (13)	प्रेम-पचीसी	
252	11557	प्रेमपत्री रा दूहा	
253	11607	,,	
254	8143 (17)	फूल-चिन्तवणी कुतूहल रा दूहा	
255	9614 (3)	बारहमासा	

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×30 19;24	7–26	अपूर्ण	20 वीं श.	
24×11 16;38	13 वां	पूर्ण	19 वीं श.	
11×10 8;12	14	,,	1906	लि.क. अमर
26.5×11.5 12;38	2	,,	19 वीं श.	
19×12.5 17;32	12–13	,,	18 वीं श.	
16.5×12 10;18	18	,,	1887	131 छन्द हैं; लि.क. पं. देवीचन्द किसनचंदोत बगड़ा लि.स्था. मोकलसर
19×12.5 20;36	11 वां	,,	18 वीं श.	
18×11 16;32	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
21×15.5 11;27	6	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10.5 14;44	2	,,	,,	
24.5×10 13;56	1	,,	19 वीं श.	
12×10.5 11;15	68–70	अपूर्ण	1796	
12.9×5 7;11	46–58	पूर्ण	1868	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फु. काव्य 257	9614 (8)	बारहमासा	
258	1883 (8)	बारामासा रा दूहा	
259	11829 (2)	,, एवं सवैया	गोविन्द
260	7734 (1)	बारहमासो	दलपत
261	9339 (3)	बुद्धिप्रकाश बड़ा-कक्का	
262	1883 (40)	भ्रमर-बत्तीसी रा दूहा	मुनि केशव
263	9386	रसिक-पच्चीसी आदि	प्रतापसिंह
264	8143 (16)	राग-चिन्तवणी कुतूहल रा दूहा	
265	1397	राजेश्वरी रो बारहमासो	
266	11864 (2)	रामचन्द्रजी की बारखडी	
267	9341 (4)	रामचन्द्रजी के विवाह की पातरी	
268	1883 (13)	लाखा-फूलाणी रा दूहा	
269	1883 (41)	वर्षा ऋतु रा दूहा	उदयराज आदि

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12×9.5 7;11	124–130	पूर्ण	1869	
19×12.5 17;32	14	,,	18 वीं श.	अन्त में 'लाखा फूलाणी रा दूहा' है
15×20 19;21	6–9	,,	19 वीं श.	
26×11.5 17;48	1	,,	19 वीं श.	लि.क. उदैराज; लि.स्था. पलासर
16×12 10;18	60–61	,,	1918	
19×12.5 16;30	221–222	,,	18 वीं श.	
14×9.5 6;18	12–34	अपूर्ण	18 वीं श.	स्फु. कवित,नवरत्न दोहे आदि भागीरथमल उकील; र. स्था. जयनगर; प्रथम 11 पत्र अप्राप्त
12×10.5 11:15	63-67	पूर्ण	1796	रागसूची के साथ है; लि. क. पं. जीवण
16×11 9;17	2–6	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त;प्रारम्भ के दो पत्रों में 'अम्बाजी का गरवा' अपूर्ण है।
15×10.5 7;14	22–28	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×12.5 10:23	16–21	,,	19 वीं श.	अन्त में 'शाखोच्चार' और 'स्तुति-पद्य' संस्कृत में है।
19×12.5 16;32	27 वां	पूर्ण	18 वीं श.	
13×12.5 16; 30	222–224	,,	18 वीं श.	अंत में'छत्तीस कारखानोंके नाम'तथा 'बत्तीस आभूषणों के नाम' दिए हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फु.काव्य 270	8172	वाजिंद री अरिल्ल आदि	वाजिंद
271	11788 (3)	वाल्हाजी रो (कृष्ण) बारहमासो	
272	9614 (7)	विरह-बारहखड़ी	
273	?	विहारी-सतसई स्फुट दोहे	बिहारी
274	9233	शबरी-मंगल	गो. तुलसीदास
275	11082	"	"
276	11841	श्रृंगारिक-सवैया-संग्रह	सवाई प्रतापसिंह, फतेचन्द आदि
277	10840	सरस-दोहा-संग्रह	
278	7526	सवैया कुण्डलियां, दोहादि स्फुट	
279	7123 (5)	सवैया, दूहा आदि	
280	8594 (4)	सुदामाजी री बारहखड़ी	
281	8784	"	
282	9339 (4)	"	

माप से. मी में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×13.5 13;20	13	अपूर्ण	20वीं श.	पत्र 9 से सवैया, बुलाकीदास कायस्थ री वात (अपूर्ण) तथा श्रीमालों की130 गोत्रों की सूची है। अप्राप्त पत्र 1,4,7
25.5×11.5 16;26	2–6	पूर्ण	1882	
12×9.5 7;11	117–121	,,	1866	पत्रांक 122-123 पर गज़ल आदि स्फुट छन्द हैं।
22×30 19;24	1–2	,,	20 वीं श.	
29×13 12;45	1	,,	20 वीं श.	
16×8.5 6;18	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
15.5×3 20;17	9	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
27×14.5 14;34	7	,,	19 वीं श	
18×13.5 16;26	2	पूर्ण	20 वीं श.	
10×10 8;10	3–11	पूर्ण	1788	लि.क. पं. मेघराज; लि.स्था. डेरा इस्माईल खांन
29×15.5 11;30	4–6	,,	19 वीं श.	
13.5×9 7;15	8	अपूर्ण	1911	लि.क. रामप्रसाद; अप्राप्त पत्र 4,5
16×12 10;19	61–66	पूर्ण	1918	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फु. काव्य 283	10807	सुदामाजी री बारहखड़ी	
284	9604 (7)	सुभाषित-कवित्त	
285	9339 (5)	,, कुण्डलियां, दोहा, छप्पैया, कवित्त आदि	तुलसी, नरहरि आदि
286	7999	,, -दोहे	
287	7858	,, -संग्रह	
288	7891	,,	
289	7895	,,	
290	1398	सुरति रो बारहमासो	प्रेमानन्द
291	1883 (15)	सुरिया रा दूहा	सूरिया
292	7285 (6)	,,	,,
293	7285 (9)	सूहव रा दूहा	सुहव
294	7640	सोरठ-वींजा रा दूहा	
295	11842	स्फुट-कवित्त एवं निशाणी आदि	

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×10 8;22	7	पूर्ण	19 वीं श.	
16×11 10;22	15 वां	,,	20 वीं श.	
16×12 10;20	66-70	,,	20 वीं श.	
25×11.3 13:37	2	,,	1879	लि. क. मनसुख; लि.स्था. जयपुर
19.5×14.5 11;22	7	,,	19 वीं श.	
20×10.3 9;26	4	अपूर्ण	20 वीं श.	
20×10.5 9;25	5	पूर्ण	20 वीं श.	
15.5×10.5 9;18	3-12	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम दो पत्र अप्राप्त
19×12.5 16;32	28	पूर्ण	18 वीं श.	
24×11 20; 38	12 वां	,,	19 वीं श.	
24×11 16;38	13–14	पूर्ण	19 वीं श.	
23.5×13 8;22	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×20 16;20	8	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
स्फु. काव्य 296	9604 (11)	स्फुट कवित्त-संग्रह	
297	10264	,,	
298	11825 (3)	,,	
299	9614 (5)	स्फुट सवैया-संग्रह	
300	10700	स्फुट-गीत-कवित्त-संग्रह	
301	7285	स्फुट-दोहा, पद्य एवं पहेली-संग्रह	
302	8633	स्फुट-दोहादि-संग्रह	
303	11829 (1)	,,	
304	11838	,,	
305	11849	,,	
306	1883 (32)	,,	
307	10848 (3)	,,	
308	11866 (2)	,,	

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×11 8;22	19–22	अपूर्ण	20 वीं श.	
19×10.5 15;45	3	पूर्ण	20 वीं श.	
14×24 15;26	7–10	,,	1827	
12×9.5 7;12	90–96	,,	1866	
11×18 6;17	16	,,	20 वीं श.	
24×11.1 16;38	14–19	,,	19 वीं श.	
14×12 12;19	3	,,	19 वीं श.	
15×20 19;21	1–5	,,	19 वीं श.	साथ में विठ्ठलेशस्तोत्र' (संस्कृत में) है।
10×20 14;9	30	अपूर्ण	19 वीं श.	
17×13 11;24	29	,,	19 वीं श.	
19×12.5 16;32	175–177	पूर्ण	18 वीं श.	
24.5×15.5 12;22	6–8	,,	20 वीं श.	
8×18 11;10	31–37	,,	1820	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्फु० काव्य 309	11814 (4)	स्फुट दोहा, नवरत्न कवित्त आदि संग्रह	
310	11828 (2)	,, ,,	विहारी, रतन, रसखान, गंग आदि
311	9604 (9)	स्फुट-दोहे	
नीति शा. 312	1883 (27)	उदयराज-बावनी	उदयराज
313	7969	नसीयत-नामा	
314	11818 (1)	नीति-मंजरी-भाषा	सवाई प्रतापसिंह
315	1883 (5)	मूरख के प्रकार एवं सज्जन के लक्षण	
316	1883 (2)	विवेक-विलास	
भक्ति सा० 317	9512 (9)	अधारू कृति-संग्रह एवं पद-संग्रह	अधारू, वीसाजी, ऋषिकेश, नायक
318	8202 (2)	अष्टदल- कमल(जोग ग्रन्थ)	
319	11560 (10)	इश्क-चिमन	नागरीदास
320	2169 (1)	उत्तमबोध	रामजन शिष्य रामचरण

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×19.5 11; 10	42–108	पूर्ण	19वीं श.	
15×22 19; 17	9–68	अपूर्ण	19 वीं श.	
16×11 8; 22	16 वां	,,	20 वीं श.	
19×12.5 16; 30	131–133	पूर्ण	18 वीं श.	78 छन्द हैं। पत्र 134 पर राठोड़ां री संक्षिप्त उत्पत्ति एवं वंशावली दी है।
23.5×11.5 13; 30	4	,,	1928	लि.क. कासीराम सेवग; लि.स्था. जोधपुर
29×12.5 11; 38	1–10	अपूर्ण	19 वीं श.	
19×12.5 17; 32	9–10	,,	18 वीं श.	लि.क. लालचन्द; लि.स्था. पुढियाग्राम; प्रारम्भ में हाथ फुरकने का शकुन-विचार तथा तीड़ंजी का कवित्त है।
19×12.5 20; 34	3 रा	,,	18 वीं श.	प्रातःकाल से जीवन के अनेक प्रसंगों पर नीति वाक्य हैं।
19.5×14.5 21; 35	140–147	,,	18 वीं. श.	ब्रज भाषा में; देव विनती; रास-ग्रन्थ, पद संग्रह; घोड़ली कृतियां अधारू कृत हैं।
10.5×10.5 13; 15	19–21	,,	19 वीं श.	
21×15.5 12; 25	3	,,	19 वीं श.	
20.5×14 27; 16	1–6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा०			
321	2168 (6)	उपदेश-दिढावरगी	
322	9618A (13)	कबीरजी आदि की आरती-संग्रह	
323	2168 (5)	कबीरजी की साखी	कबीरदास
324	2165 (8)	कबीरजी की वांणी	”
325	9596	कबीर-रैदास सवाद	सैन
326	9597	”	”
327	11877 (11)	”	गोपाल
328	8202 (7)	करुणा-बत्तीसी	माधवदास
329	2168 (3)	काल-चितावनी	सुन्दरदास
330	9598	काली-दमन-लीला	
331	9480 (4)	कृष्णपद तथा बाललीला	माधोदास जगन्नाथी
332	11873 (5)	कृष्णलीला	माधवरूप सनातन
333	8202 (4)	गजमोक्ष	माधवदास

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11×8 6;15	56–59	पूर्ण	19 वीं श.	
15×7 9;26	678–697	,,	18 वीं श.	6 आरतियां हैं।
11×8 6-8;15	54–56	अपूर्ण	19 वीं श.	
21×14.5 30:22	589–600	पूर्ण	19 वीं श.	गु. 1876
19×9 14;35	3	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र फटा हुआ है।
16×20 20;27	3	पूर्ण	1994	ग्रन्थांक 9596 की प्रतिलिपि; लि.क. ब्राह्मण ईश्वरीप्रसाद
12×10 12;18	100-104	,,	17 वीं श.	
10.5×10.5 13;18	54-59	अपूर्ण	19 वीं श.	
11×8 6;13	18–29	पूर्ण	19 वीं श.	
26.5×12 15; 42	1	,,	19 वीं श.	
14.5×12.5 15;16	21–23	,,	19 वीं श.	
18×12.5 9;22	41	अपूर्ण	19 वीं श.	
10.5×10.5 9;10	34-41	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 334.	9618A (15)	गंजनामा	
335	1883 (37)	गुण-निंदा-स्तुति	ईसरदास बारठ
336	9480 (1)	गुणपेमनामो	वाजिंद
337	7387	गुरुकरण-सबद	गोरखनाथ
338	9469	गुरु-चरित्र	जन हरिदास
339	2169 (2)	गुरुदेव कौ अंग	रामचरण
340	7285 (2)	,,	केसव
341	10118	1. गुरुदेव कौ अंग 2. सुमिरण कौ अंग 3. बिरह कौ अंग	दादूदयाल
342	10424 (3-6)	3. गुरु-परम्परा 4. पूर्वाचार्यगोष्ठी 5-6. स्वामीजी श्री जयरामदासजी गुरु-महिमा	जयराम
343	11860 (2)	गुरु-प्रस्थान-लीला	दामोदरदास
344	8537	गुरु-महिमा	जगन्नाथ शिष्य तुलसीदास स्वामी
345	9443 (2)	गोरख-गणेश-गोष्ठी	

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×7 9;26	699–706	पूर्ण	18 वीं श.	
19×12.5 17;32	202–214	,,	1775	328 छन्द हैं। अन्त में संतो की जाति लिखी है।
14.5×12.5 15;16	1–8	,,	19 वीं श.	
25.5×12.5 13;31	6	,,	20 वीं श.	
25.5×15 13;37	2	,,	19 वीं श.	र.का. 1760
20.5×14 32;30	7–8	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्त में गीता के सटीक श्लोक हैं।
24×11 15;38	8–11	पूर्ण	19 वीं श.	
13×8.5 7:17	55	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
30×14.5 14;40	3–16	पूर्ण	19 वीं श.	छठी कृति अपूर्ण है।
21×15.5 13;20	7	,,	19 वीं श.	
24.5×11.5 9:33	3	,,	19 वीं श.	र.का. 1760
8×7.5 7-8;12	26–33	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति मा० 346	9460	गोरख-चरपट जी का वचन	
347	9512 (16)	गोरखनाथजी की सबदी एवं चोरंगीनाथ की प्राण-सकली	गोरखनाथ, चोरंगनाथ
348	8231	गोवर्धन वासी सांवरा रा पद	लालदास
349	9605	गौरी पूजन, एवं रुक्मिणी के पद	
350	1883 (4)	चेतावनी रा छन्द	राजा जसवन्त
351	9618A (4)	छीतरदास जी के सवैये	छीतरदास
352	2165 (7)	जड़भरत	जनगोपाल
353	9618A (5)	जनगोपालजी के सवैये	"
354	9618A (3)	जैमलजी एवं छीतरदास के सवैये	जैमलदास; छीतरदास
355	9618A (7)	जैमलजी की वाणी	जैमलजी
356	8605	ज्ञानलीला	कबीरदास
357	1883 (11)	ठाकुरां रा दूहा	पृथ्वीराज राठौड़

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×10 10;23	3	पूर्ण	20 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	169–182	,,	18 वीं श.	
16.5×12.5 9;17	4	अपूर्ण	20 वीं श.	
19×30 25;18	4	पूर्ण	20 वीं श.	अन्तिम दो पत्र उर्दू मे लिखे हुए हैं।
19×12.5 21;30	6–7	,,	1785	धर्मशिक्षा प्रद 55 छन्द हैं; लि.क.पं. लालचन्द: पत्रांक 7–8 पर षट्दर्शन विचार, जैनदर्शन, शिवदर्शन, सांख्य, चार्वाक आदि के पाखण्ड दिए हैं।
15×7 9;26	345–364	,,	18 वीं	संतों से भेंट के समय के हैं।
21×14.5 30;22	586–589	,,	गु. 1876	
15×7 9;26	364–368	,,	19 वीं श.	
15×7 9;26	353–354	,,	18 वीं श.	गरीबदास आदि संतों से भेंट के समय के।
15×7 9;26	396–407	,,	18 वीं श.	
16×10.5 9;20	2	,,	20 वीं श.	
19×12.5 17;34	25–26	,,	18 वीं श.	अन्त में 'सप्तश्लोकी' गीता है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा०			
358	9595	1 दादू-अष्टक 2 कृष्ण-इन्द्र लीला 3 उपदेशाष्टक	आतमराय
359	2618 (1)	दादूवांणी	दादूदयाल
360	9618A (1)	,, -संग्रह	,,
361	9512 (1)	,, एवं पद-संग्रह	दादू, परसराम, नाथाजी, वेणीदास, बींजल
362	9614 (2)	दान-दधिलीला	
363	8205	दानमाधुरी	
364	9049	दानलीला	
365	9339 (7)	,,	
366	2165 (3)	दूल्हैरामजी की वांणी का छाटमा सबद	दूल्हैराम
प. 367	1105 (1)	ध्रुव-चरित्र	रामचन्द्र पारीक पुत्र रामकृष्ण पुत्र केशवदास
368	9771 (2)	,,	जनगोपाल
369	11825 (4)	,,	,,

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×12 10;38	3	पूर्ण	19वीं श.	
11×8 6;13	1–30	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 2,12; पत्रांक 13 वां दो बार
15×7 9;26	346	पूर्ण	18 वीं श.	149–150 संयुक्त पत्र (141 दोहे हैं) 19–20 संयुक्त पत्र (10 दोहे हैं)
19.5×14.5 21;35	110	अपूर्ण	18 वीं श.	प्रथम 8 पत्र अप्राप्त
12×9.5 7;11	34–45	पूर्ण	1868	अन्त में एक झूलना हैं।
13.5×22 15;12	7	,,	1956	लि.क.नन्दलाल
11×12 10;13	13	अपूर्ण	20 वीं श.	
16×12 11;19	83–87	पूर्ण	1918	
21×14.5 30;22	501–570	,,	गु. 1876	
17×14 10;14	2–12	अपूर्ण	गु. 1759	प्रथम पत्र अप्राप्त
16×21.5 16;18	51–70	पूर्ण	1877	
14×24 15;23	11–23	,,	1828	लि.क. अजबराम

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 370	11860 (11)	ध्रुवचरित्र	
371	7859	नरसीजी रो-माहेरो	रतनो
372	9512 (5)	नानकजी की साखी, पद-संग्रह, साधु को ग्रन्थ तथा कान्हाजी का पद	नानकजी, कान्हाजी
373	9080 (9)	नाममाला	वाजिंद
374	11860 (4)	नारायण-लीला	माधवदास
375	9563	नीतिनामो अंग एवं सवैये	बद्रीदास, गंग आदि
376	9415	पद-संग्रह	सूरदास, नन्ददास, परमानन्ददास, कृष्णदास, चतुरदास आदि
377	9418	"	सूरदास, नन्ददास, कुम्भनदास आदि
378	9450	"	कुंजबिहारीदास
379	9480 (6)	"	सूरदास, नन्ददास, कबीर, परमानन्द आदि
380	9480 (10)	"	सूरदास, मीरां, गोरखनाथ सुजान, जन बालम, बखना आदि
381	9512 (2)	"	सूर्यदास, कृष्णानन्द, आंसानन्द
382	9512 (3)	"	खेलियानन्द, गरीबानन्द, कर्मानन्द

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×15.5 7:18	3–34	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1,2
26×13 13;30	3	"	19 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	115–132	"	18 वीं श.	
14.5×12.5 10:16	63–72	"	19 वीं श.	
21×15.5 12;26	17–34	"	19 वीं श.	
7×6 6;11	57	अपूर्ण	19 वीं श.	
18 5×11 13;12	38	"	19 वीं श.	
20×15 16; 24	25	"	20 वीं श.	
14×11.5 11; 18	19	"	19 वीं श.	
14.5×12.5 15; 16	26–45	पूर्ण	19 वीं श.	
14.5×12.5 15; 16	75–107	"	19 वीं श.	
19.5×14.5 21; 35	110-111	"	18 वीं श.	
19.5×14.4 21; 35	111–112	"	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 383	9512 (6)	पद-संग्रह	चत्रुनाथ, पृथ्वीराज, पूरण वैरागी
384	9512 (7)	"	भीमजी, सांवलिया, सोभाजी
385	9512 (10)	"	मतिसुन्दर, भैंरू, सारी
386	9512 (11)	"	रहुवा, पठांण, जीवद
387	9512 (14)	"	गोरखनाथ, भरथरी, हणवन्तजी
388	9512 (15)	"	कणेरीपाव, प्रगटनाथजी, हालीपावजी, देवलनाथ, पृथ्वीनाथ
389	11656	"	मीरां, तुलसीदास, चतुर्सखी कबीर, अग्रदास, परमानन्द, माधोदास आदि
390	9512 (13)	" एवं जखड़ी	श्रीरंग, करमचन्द, भगवानजी छीतमजी, बहिबलदास
391	9512 (12)	" एवं ज्ञान त्रिलोक-बावनी	लघु बीठला, ज्ञानत्रिलोक
392	9512 (8)	" एवं हरिकेशी की लीला	अगंदजी, नरसो
393	11825 (2)	परीछित-लीला	
394	2165 (19)	पिसण-सिंगार	सेवादास
395	11460 (3)	"	"

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19.5×14.5 21;35	132–134	पूर्ण	18 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	134–137	,,	18 वीं श.	
19.5×14.5 21 35	147–148	,,	18 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	148–149	,,	18 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	155–167	,,	18 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	167–168	,,	18 वीं श.	ग्रन्थ मे 'सती कणेरी' लिखा है।
13×9.5 8;20	42	,,	19 वीं श.	
19.5×14.5 21:35	151–155	,,	18 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	149–151	,,	18 वीं श.	
19.5×14.5 21;35	131–140	,,	18 वीं श.	
14×24 14:22	4–6	,,	1827	
21×14.5 30;22	945–948	,,	1876	लि.क. रामचिमन शिष्य मनोरथ राम; लि. स्था. राजगढ़
14×10 10;15	79–94	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 396	11825 (11)	प्रतीति-परीक्षा	बालकृष्ण
397	11860 (8)	"	"
प. 398	1105 (3)	प्रह्लाद-चरित्र	रामचन्द्र पारीक दूबे
399	2165 (10)	"	जनगोपाल
400	8238	प्रेम-प्रकास	उग्रसेन कवि
401	11873 (3)	"	सवाई प्रतापसिंह
402	18825 (12)	प्रेम-परीच्छा	बालकृष्ण
403	9618 A (12)	फुटकर-पद, साखी, कड़खा, सवैया, कवित्त, अरिल्ल, सोरठा, दोहा-संग्रह	
404	8913 (4)	बद्रीनाथ-पन्चरत्न- स्तोत्र	
405	11869 (3)	बाल-लीला	माधवदास
406	9496	भक्तमाल 'भक्तिरस बोधिनी' टीका सहित	मू. नाभादास टी. प्रियादास
407	10702	"	"
408	11002	"	"

माप से.मी. में, पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
14×24 17;29	53–58	पूर्ण	1828	
21×15.5 12;25	3	,,	19 वीं श.	
17×14 10;14	25–37	,,	1759	लि.क. रामचन्द्र
21×14.5 30;22	797–807	,,	गु. 1876	
22×11.5 27;10	27	अपूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
18×12.5 9;20	12–17	पूर्ण	19 वीं श.	
14X24 17;29	58–60	,,	1828	
15×7 9;26	652–678	,,	18 वीं श.	जीर्ण
20×11 9;23	6ठा	,,	20 वीं श.	
10×15.5 12;15	78–86	,,	1786	पत्र 86 से 88 तक सुभाषित श्लोक हैं। लि.क. सेढमल
23×15.5 17:17	8	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5X13 12;38	121	,,	19 वीं श.	पत्र 78वां अप्राप्त
25.5×11.5 9;34	184	,,	1826	लि.क. विष्णुदास पत्र 1 से 45 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 409	9618-B	भक्तमाल-सटीक 'भक्तिरस-बोधिनी'	राघवदास
410	11860 (6)	भक्तिसिद्धान्तमणि	स्वामी रसिकदास
411	11825 (1)	भगति छन्द विरदावली	अमरदास (हरिदास ?)
412	2165 (5)	भगतिविधान-सटीक	
413	9771 (3)	भवतरण	धर्मदास
414	2165 (15)	मनोरथरामजी की वांणी	मनोरथराम
415	2165 (11)	मोहमरद राजा की कथा	जगन्नाथ
416	9618-A (2)	रज्जब-वांणी	रज्जब
417	9618-A (8)	"	"
418	11860 (9)	राधिका-परीच्छा	
419	2165 (2)	रामचरणजी की वांणी एवं कृति-संग्रह	रामचरण
420	9679 (3)	,, ,, लावणी	लवलीनराम

माप से. मी में, पंक्ति प्रति पत्र, अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
30×15 16;45	93	पूर्ण	1861	टी.सं. 1857 लि.क. गोकुलदास
21×15 12;23	9	,,	19 वीं श.	
14×14 13;26	3	,,	1827	
21×14 5 30;22	571–578	,,	गु. 1876	
16×21.5 16;18	70–77	अपूर्ण	1877	लि क. अजरदास लि स्था. जोधपुर
21×14.5 30;22	873–941	पूर्ण	गु. 1876	
21×14 5 30;22	807–818	,,	गु. 1876	र.का. 1776
15×7 9;26	346–353	,,	18 वीं श.	
15×7 9;26	407–458	,,	18 वीं श.	जीर्ण
21×15.5 12;25	3–9	अपूर्ण	19 वीं श.	
21x14.5 30;22	49–425	पूर्ण	1876	वाणी, ग्रन्थ, रेखता, पद संग्रह एवं अंतिम ग्रन्थ दृष्टांतसागर रा दोहा सटीक है। लि.क. रामचिमन शिष्य मनोरथराम
9.5×7.5 7;10	60–73	,,	19 वीं श.	नेमिनाथ की लावणी भी अन्त में है।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 421	9679 (2)	रामचरणजी की साखी अंगबद्ध	रामचरणजी
422	9443 (3)	„ „ चिंतावणी अंग, शब्द आदि	„
423	2165 (3)	रामजन की फुटकर वांणी एवं कृति संग्रह	रामजन
424	8201 (1)	राम-नाम-महिमा	
425	2165 (12)	रामसत	चत्रभुज
426	2165 (16–18)	रामसागर, रमेणी, ग्यांन-बत्तीसी	कबीर
प. 427	1876	लीलासागर	ध्यानेश्वर जोगजीत शिष्य चरनदास
428	9771 (1)	विचारमाला	अनाथदास
429	7122 (2)	विरह-मंजरी	कवि नन्ददास
430	7899	विवेकवार री निसांणी	केसोदास गाडण
431	2165 (13)	वैराग्य बोध-भाषा टीका	भगवानदास निरंजनी
432	9512 (1)	(॥) वैष्णव महिमा एवं पद संग्रह	चतुर्भुज, भुवनजी
433	8566	श्याम-सगाई	माधोदास

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
9.5×7.5 7; 10	24–60	पूर्ण	19 वीं श.	
8×7.5 8; 12	33–59	,,	19 वीं श.	
21×14.5 30; 22	426–500	,,	गु. 1876	
11×10 13;14	11	अपूर्ण	1884	अन्त में करुणाबत्तीसी का शेषांश है । लि.क भोपा खेता; लि.स्था. वाधावस; अप्राप्त पत्र 1–5
21×14.5 30; 22	818–821	पूर्ण	गु. 1876	
21×14.5 30; 22	941–445	,,	गु. 1876	
33×20.5 24; 24	112	,,	1952	र.का. 1819; लि.क. नानूलाल वैद; लि स्था. जयपुर
16×21.5 16; 18	50	अपूर्ण	1877	लि क. अजरदास शिष्य लच्छीदास गोसांई; लि स्था. जोधपुर; प्रथम 35 पत्र अप्राप्त
12×15 10; 15	90–97	,,	20 वीं श.	
25X11 13; 37	6	,,	19 वीं श.	
21×14.5 30; 22	821–853	पूर्ण	गु. 1876	पत्राङ्क 853-855 पर वाजीद कृत स्फुट अरिल्ल हैं ।
19.5×14.5 21; 35	112–115	,,	18 वीं श.	
27×13.7 9; 37	3	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा॰ 434	11152	श्रीपाठ-जाप (गोरखपंथी)	
435	2165 (1)	संतदासजी की वांणी एवं कृति संग्रह	मू. सन्तदास सं.क. नवलराम
436	9679 (4)	संतदासजी की वांणी	,,
437	9679 (1)	संतदासजी की साखी-अंगबद्ध	,,
प. 438	9514	सन्तगुण-सागर [दादू जन्म लीला]	माधोदास
439	2165 (9)	सर्वङ्गसार सन्तविचार-सटीक	सं.क. नवलराम
प. 440	1879 (1)	सहज-प्रकाश अंगवद्ध	सहजोबाई शिष्य चरनदास शिष्य हरिप्रसाद
441	1879 (4)	सहजोबाई के सबद (पद)	सहजोबाई
442	1879 (3)	सातवार	,,
प. 443	1105 (2)	सुदामा-चरित्र	रामचन्द्र पारीक 'दुबे'
444	9618-A (6)	सुन्दरदासजी की वांणी	सुन्दरदास
445	6189-A (10)	,,	,,

माप से. मी. में पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.5×12 8;17	32	पूर्ण	20 वीं श.	
21×14.5 30;22	49	"	गु. 1876	सं का 1830, शाहपुरा; लि.क. रामचिमन शिष्य मनोरथराम; ग्रन्त में सन्तदास एवं कृपाराम के परमधाम प्राप्ति सूचक कवित्त हैं।
9.5×7.5 7;10	74-145	"	19 वीं श.	
9.5×9.5 7;10	24	"	19 वीं श.	
20×32.5 33;23	131	"	1991	र.का. 1661 लि क. गोपीचन्द शर्मा
21×14.5 30;22	601–797	"	गु. 1876	
13.5×9.5 6;14	97	"	20 वीं श.	र का. 1800 र स्था. दिल्ली–परीक्षितपुर
13.5×9.5 6; 14	113–153	"	20 वीं श.	रागबद्ध
13 5×9.5 6; 14	108–113	"	20 वीं श.	
17×14 10; 14	12–25	"	गु. 1759	
15×7 9; 26	368-386	"	18 वीं श.	जीर्ण
15×7 9; 26	509–647	"	18 वीं श.	"

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा॰ 446	2168 (4)	सुमिरण को अङ्ग	दादूदयाल
447	1879 (11)	सोलह तिथि निर्णय	सहजोबाई शिष्य चरनदास
448	9149	स्नेहलीला	जनमोहन
449	9339 (6)	,,	,,
450	9614 (4)	,, (भंवरगीता)	,,
451	11857	,,	मोहनदास वैष्णव
452	11873 (2)	,,	,,
453	11086	,,	रसिकदास
454	11860 (5)	,,	,,
455	11426	,,	विष्णुदास
456	11874 (4)	,,	
457	8422	स्नेह-संग्राम	सवाई प्रतापसिंह
458	9480 (8)	स्फुट पद कवित्तादि संग्रह	अमरदास, सूरदास, गोपाल, टीकमदास आदि

माप से मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11×8 6–8; 15	30–54	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×9.5 6; 14	97–108	,,	20 वीं श.	कुण्डलियाबद्ध
13×9 5; 9	57	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्र 50 से 57 पर शिवस्तुति अपूर्ण है; प्रथम पत्र नहीं है।
16×12 11; 18	70–83	पूर्ण	1918	
12×9.5 7; 12	59–89	,,	1886	लि.क. काजी बदरुद्दीन
15.5×11 8; 18	15	अपूर्ण	19 वीं श.	
18×12.5 9; 25	11	पूर्ण	1866	
16×11 9; 17	15	,,	19 वीं श.	
21×15.5 12; 24	7	,,	19 वीं श.	
15X10.5 7; 16	20	,,	19 वीं श.	
15×14 10; 16	36–51	,,	1855	लि.क. गोपाल
11×62.5 65; 14	1	अपूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1854 र.स्था. जयपुर
14.5×12.5 15; 17	54–63	पूर्ण	1893	लि.क. फतहकरण भंडारी

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
भक्ति सा० 459	9614 (9)	हरिदास की बारहखड़ी	हरिदास
460	8202 (1)	हरिनाममाला	अखैराज आढा
461	1883 (9)	हरिरस	ईसरदास बारठ
462	8197 (2)	,,	,,
463	8202	,,	,,
464	10122	,,	
कथा वार्ता 465	8197 (3)	अचलदास खींची री वचनिका	शिवदास गाडण
466	7123	,,	
467	9912 (2)	अनन्तदेव री कथा	
468	7734 (2)	गींदोली री बात	
469	7921	,,	
470	9604 (6)	गोरख-भरथरी री बात	
471	10249	चौथमाता री वचनिका	केसरसिंह सांवलदासोत

माप से मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12×9.5 7; 11	131–139	पूर्ण	1869	पत्राङ्क 140-41 पर स्फुट दोहे हैं।
10.5×10.5 13;17	19	अपूर्ण	1874	लि.क. सेवग खेता चेलावत लि.स्था. वाघावस
19×12.5 17;38	17–24	पूर्ण	18 वीं श.	लि.क. पण्डित लाभजय मुनि
23.5×17.5 14;29	12–24	,,	1802	खण्डित; लि क. गोरधन शिष्य पं खीमा
10.5×10.5 10; 13	33	,,	19 वीं श.	
18×12.5 12;15	9	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्र 1–2 अप्राप्त
23.5X17.5 14;29	25–31	,,	19 वीं श.	खण्डित
10×10 8;10	3	पूर्ण	1788	लि क. मेघराज
10×16.5 14;10	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×11.5 16;46	2–5	पूर्ण	1817	
18×10.5 15:28	10	,,	19 वीं श.	लि.क. दुर्गाप्रसाद मुनि लि.स्था. सेत्रावा
16X11 8;22	11–15	अपूर्ण	20 वीं श.	
23×10 10;36	50–54	पूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
कथा वार्ता			
472	1883 (38)	जलाल-बूबना री वात	
473	1883 (3)	पंचाख्यान रा श्लोक-कथासूचन	
474	8171	पन्ना-विरमदे री वात	
475	11875	"	
476	2167	माधवविलास	लल्लूलाल औदीच्य
477	11874 (5)	राजाभरथरी री कथा	
478	7734 (3)	राजा-रिसालू री बात	
479	11885	वैताल-पचीसी (प्रथम कथा तक)	गंगेश
480	11886	" (23वीं कथा तक)	
481	1883 (33)	सदैवच्छ-सावलिंगा री चौपाई	
482	9495	सिंहासन-बत्तीसी	
483	10440	"	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×12.5 17:32	215–217	पूर्ण	1778	वार्त्ता के बाद पुनः दोहे हैं। लि.क. लालचन्द; लि स्था. युढ़िया
19×12.5 20;30	4–5	,,	18 वीं श.	संस्कृतश्लोक देकर कथा का निर्देश मात्र किया गया है।
15×11.5 10;18	43	अपूर्ण	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1–19
21×16 13;20	109	पूर्ण	20 वीं श.	
19.5×15 16;12	55	,,	1937	कवि आगरे का निवासी था। लि.क. मांगीलाल खण्डेलवाल लि.स्था. जयपुर; 'माधव-सुलोचना-कथा'
15×14 12;26	7	अपूर्ण	वीं श.	
26×11.5 16;46	5–8	,,	19 वीं श.	
15.5×22 21; 19	13	,,	19 वीं श.	
16×22 18; 20	60	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 3, 35
19.×12.5 16; 32	178–194	,,	1778	लि.स्था. युढियाग्राम
15.5×21.5 18; 16	41	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र, 1, 5 से 10, 31, 33, 35, 37 – 38, 40
16×10.5 16; 35	25	पूर्ण	1776	लि.क. शिवदत्त पुत्र पीताम्बर लि.स्था. मेड़ता

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
कथा वार्ता 484	11859	हितोपदेश–वचनिका	
नाटक प. 485	11860 (12)	करुणाभरण-नाटक	लछीराम
प. 486	1378	सत्य-विजय-नाटक	गोपीनाथ दाधीच
प. 487	1376	समय परिवर्त्तन नाटक	,,
काव्य शास्त्र 488	7351	अलङ्कार-वर्णन सटीक	
489	8510	कविप्रिया	केशवदास
490	11815 (3)	,,	,,
प. 491	11889	काव्य-रस	राजा जयसिंह पुत्र राजा उदयसिंह
492	1865	छन्दोरत्नावली	हरिरामदास निरंजनी
493	11815 (1)	नख-सिख-वर्णन	मतिराम
494	11825 (13)	,,	श्रीकृष्ण भट्ट
495	11848	नायिका-भेद	
496	7443	पिंगल-छन्द-ग्रन्थ	

माप से मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×23 20;20	113	पूर्ण	20 वीं श.	
21×15.5 12;23	26	"	19 वीं श.	
21.5×13 18;24	282	"	1954	महाराजा माधोसिंह के समय रचित; र.स्था. जयपुर
19×14 25;24	66	"	1860	'राम प्रकाश' रंगशाला के लिए रचित; लि.स्था. जयपुर
24.5×10.5 13;30	7–10	अपूर्ण	19 वीं श.	
31×14.5 8;45	36	"	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 16वां
13 5×21 25;22	67	पूर्ण	19 वीं श.	
15×27.5 27;21	41	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1–6 अप्राप्त
25.5×11 12;44	11	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×21 21;19	32	"	19 वीं श.	
14x24 20;35	60–67	"	1828	
13×20 14;11	2–8	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
21.5×12 14;32	7	"	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य शा० 497	1872 (1)	भाषा-भूषण	म. जसवन्तसिंह
498	10067	,,	,,
499	11814 (1)	,,	,,
प. 500	11825 (8)	रस-बखतावर	शोभनाथ
501	11096	रसरहस्य	कुलपति मिश्र
502	11816	,,	,,
503	9976	रसराज	मतिराम
504	1872 (3)	रसिकप्रिया	केशवदास
505	7793	,,	,,
506	8080	,,	,,
507	11151	,,	,,
508	11815 (4)	,,	,,
प. 509	11817	सवाई प्रतापसिंह-चन्द्रिका	मनीराम

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×12 11;32	18	अपूर्ण	19 वीं श.	अन्त में चित्रकाव्य के उदाहरण हैं।
18×12.5 11;25	3	,,	19 वीं श.	
12.5×19.5 19;14	26	,,	19 वीं श.	
14×24 17;26	27–33	,,	19 वीं श.	
15×21.5 14;14	165	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र, 1 से 10, 89, 90, 96, 98, 104, 113, 150, 159.
16×15 15;22	94	,,	18 वीं श.	
22 5×11 9;25	15	,,	20 वीं श.	
21×12 11;32	66	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1648
22.5×11 15;60	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10 6;44	4	,,	19 वीं श.	
20×30 19;19	61	,,	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र, 1, 2, 33
13.5×21 23;18	54	पूर्ण	1844	लि.क. सुखदेव मिश्र
21 5x15 11;23	48	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
काव्य शा०			
510	11824	सुखसागर	
511	11815 (5)	सुन्दर-शृंगार	सुन्दरदास
512	11819	,,	,,
513	11876	,,	,,
514	11880	,,	,,
व्याकरण			
515	10848 (1)	सिद्धोवर्णा-सूत्र	
कोष			
516	7238	मान-मंजरी-नाममाला	नन्ददास
517	7876	,,	,,
518	8059 (2)	,,	,,
आयुर्वेद			
519	8885 (4)	अद्भुत गुटिकादि विधान	
520	10341	अमृतसागर	सवाई प्रतापसिंह
521	11837	आयुर्वेद-ग्रन्थ	
522	11501	आयुर्वेदिक औषध-संग्रह	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×12.5 9;28	175	पूर्ण	18 वीं श.	
13.5×21 19;20	40	,,	19 वीं श.	पत्र 28–35 तक जीर्ण
12×20 21;18	46	,,	1845	
11×15.5 15;11	89	अपूर्ण	1800	प्रारम्भ के पत्र ग्रन्थांक 11880 में हैं। अप्राप्त पत्र 1-23; पत्र चिपके हुए भी हैं।
11×15.5 12; 10	23	,,	19 वीं श.	ग्रन्थाङ्क 11876 के प्रारम्भिक पत्र हैं; पत्र 8वां अप्राप्त है।
24.5×15.5 11;19	8	पूर्ण	20 वीं श.	
25X12 14;34	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11 13;48	6	,,	18 वीं श.	
25.5×13 14;32	6	,,	1909	अन्त में जिनहर्ष की दो षट्पदियां हैं। लि.क, पं. गुलाबचन्द मुनि लि.स्था. जहानाबाद दिल्ली
10.5×12 8;10	24–49	पूर्ण	20 वीं श.	
30×13.5 11:38	89	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1–54 अप्राप्त
14X20.5 19;18	60	,,	19 वीं श.	पत्र 1-16, 39-58 अप्राप्त
24.5×14 30;52	2	पूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
आयुर्वेद 523	7123 (28)	आयुर्वेदिक औषध-संग्रह	
524	9604 (8)	"	
525	7846	"	
526	7990	"	
527	7648	"	
528	9604 (4)	"	
529	10328	"	
530	10437	"	
531	11126	"	
532	11834	"	
प. 533	1874 (1)	किशोर-कल्पद्रुम	शिव कवि
534	11854	"	"
535	7941	चक्षुरोगादि चिकित्सा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×10 8; 12	53–62	पूर्ण	1788	लि.क मेघराज
16×11 5;22	15वां	,,	20 वीं श.	पांव के छाला की दवा
25.5×11 17;44	2,3,7	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11 21;58	3	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10.5 23;62	7	अपूर्ण	18 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1-4
16×11 8; 22	7वां	पूर्ण	20 वीं श.	
27.5×13 9;35	7	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
22×14 11;22	10	,,	19 वीं श.	साथ में मन्त्र भी हैं; पत्र 1, 2, 4-8 अप्राप्त
22×10.5 9; 30	6	,,	20 वीं श.	
13×12 11; 11	91	,,	19 वीं श.	
27.5×19 20; 20	116	पूर्ण	1954	1829 में नृपति किशोरदास की आज्ञा से रचित; पत्र 117-120 में सूची दी गई है।
14×20.5 20; 14	147	,,	1874	लि.क. जगन्नाथ पंचोली लि.स्था. कांधला
25.5×11 15; 49	2	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
आयुर्वेद 536	8962	तुरकी-दवा, रोग की टीप	
537	9604 (2)	दाद-दर्द की औषधी	
538	10901	नाड़ी-परीक्षादि	
539	1885	रामविनोद-भाषा	रामचन्द्र शिष्य पद्मरंग
540	11882	,,	,,
541	7147	,,	,,
542	7932	,,	,,
543	7354	लक्ष्मणा कल्पादि औषध एवं तन्त्र	
544	11819 (12)	वैद्यजीवन	
545	1882	वद्यबोध	अखैराम
546	7197	वैद्यमनोत्सव-भाषा	नैनसुख
547	10200	,,	,,
548	11868	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12.5 13;27	5	पूर्ण	19 वीं श.	अकबरी तिब्ब फारसी वैद्यक ग्रंथ; रोग–औषधी की टीप
16×11 8;21	5-6	,,	20 वीं श.	
20.5×15 12;23	16	अपूर्ण	19 वीं श.	स्फुट औषध, मन्त्रादि
24.5×11 15;44	65	पूर्ण	1877	लि.क. पण्डित दौलतसुन्दर लि.स्था. विक्रमपुर (बीकानेर)
24×9 15;46	65	,,	18 वीं श.	
23.5×12 15;33	4	अपूर्ण	20 वीं श.	
23×10.5 14;40	5	,,	19 वीं श.	
16×10 13;21	6	पूर्ण	20 वीं श.	
12×20 21;18	118-135	,,	19 वीं श.	
32×20 23;20	113	,,	20 वीं श.	
24.5×10 16;50	4	,,	19 वीं श.	तृतीय समुद्देश पर्यन्त
17×10 17;34	14	अपूर्ण	18 वीं श.	
14×11 11;20	37	पूर्ण	1770	लि.स्था. अजयदुर्ग

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
आयुर्वेद 549	11491	वैद्यवल्लभ	
550	7514	सफेद तांबेसर री विधि, अर्बुदकल्प आदि	
551	11819 (10)	सालिहोत्र	नकुल
ज्योतिष 552	10289 (2)	अंग-फुरकरण चौपाई	हेमाणंद शिष्य हर्षप्रभु
553	7402 (3)	अंग-स्फुरण–विचार	महिमाणंद शिष्य हर्षप्रभु
554	7158	अबजदी प्रश्न शकुनावली	
555	10398	,,	
556	7400	उल्कापात–विचार तथा राशिफल	
557	7141	करण रा ग्रहां रो उदाहरण	
558	11373	कर्मविपाक	
559	11531	,,	
560	11819 (5)	केवली-प्रश्न	
561	6911	गतिष्टीया ग्रह उदाहरण	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. सवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×12 16; 38	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
27×12 9;42	9	,,	19 वीं श.	जीर्ण
12×20 21;18	54–87	,,	19 वीं श.	
15×21.5 35;27	4था	पूर्ण	1769	अन्त में औषधीकल्प है; र. का. 1639 या 1679; लि.क अजब–सागर लि.स्था. अरांई
21.5×11 19; 45	2रा	,,	20 वीं श.	प्रारम्भ में छींकफल है। र.का. 1679
25×11 11;33	7	,,	1891	लि.क. विनयवल्लभ मुनि
20×10 9;27	12	,,	19 वीं श.	
24.5×12 14;33	3	,,	19 वीं श.	
21.5×10.5 14;33	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
25×10.5 15;44	4	पूर्ण	1761	लि.क. गणि सुजांण शिष्य राजरुचि
22.5×12 18;38	3	,,	20 वीं श.	
12×20 21;18	50वां	,,	19 वीं श.	
25.5×11 11;33	9	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 562	11482	गुरु-फल, 12 राशि	
563	6159 (3)	घात–चन्द्रमा–फलाफल	
564	7229	चन्द्रावली शकुनविचार	
565	9108	चन्द्रग्रहण-सारणी-टीका	
566	10416	छायाविचार	
567	8520	छिपकली-विचार	
568	7402 (1)	छींक–विचार	
569	7121	जन्म–नक्षत्रावली	
570	11378	जन्मराशि-फल	
571	10263	जिनचन्द्र-शकुनावली	सुमतिमंडण उपाध्याय
572	10253	,,	
573	7954 (2)	ज्ञान-स्वरोदय	चरणदास
574	9338	,,	,,

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11 14; 33	2	पूर्ण	20 वीं श.	
16×13 10; 12	12–18	,,	19 वीं श.	साथ में 'स्फुट मन्त्र संग्रह' और 'विवाह समय के श्लोकादि' हैं।
25×9.5 12; 30	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
22×10 8; 26	2	,,	20 वीं श.	
22×13 16; 30	3	पूर्ण	19 वीं श.	
13.5×8 7; 20	2	,,	20 वीं श.	
21.5×11 13; 45	1	,,	20 वीं श.	
15×15.5 16; 17	18–19	अपूर्ण	1803	
21×10 12; 23	6	पूर्ण	1949	
24X12 17; 33	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
24×12 19; 44	4	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5×10.5 10; 30	6	अपूर्ण	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1-4
13.5×11 11; 20	23	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. चोलीराम पाराशर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 575	10361	ज्ञान-स्वरोदय	चरणदास
576	11819 (14)	,,	,,
577	10889	ज्योतिष-वायक	
578	8031	ज्योतिष-संग्रह	
579	1862 (1)	तिथिपत्र-सारिणी	
580	7385 (1)	तुरकी-शकुनावली	
581	7121 (2)	दोष-शकुनावली	
582	7378	दोषावली	
583	7805	,,	
584	11382	,,	
585	11493	,,	
586	11517	,,	
587	7924	द्वादश-भवनफल	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×12.5 10;28	14	अपूर्ण	19 वीं श.	
12×20 21; 18	15	पूर्ण	19 वीं श.	
28×13 11; 33	6	,,	19 वीं श.	
24×10.5 12; 37	33	अपूर्ण	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1–16, 19
24×11 12; 34	1–3	पूर्ण	19 वीं श.	पत्र अस्त-व्यस्त
25×10.5 12; 37	2	,,	1838	जीर्ण; लि.क. निहालचन्द्र मुनि लि.स्था. पाली
15×15.5 12; 15	12–15	,,	1803	लि क. मेघराज
25.5×12.5 11; 29	5	अपूर्ण	20 वीं श.	
24×10.3 14; 34	2	पूर्ण	1763	लि.स्था. जैसलमेर
24.5×11 12; 28	6	,,	1953	लि.क. लब्धिकुशल लि.स्था. कनकावती
22.5×11 12;32	2	,,	19 वीं श.	लि.क. पं. मोहनरुचि
25.5×13 14; 36	2	,,	20 वीं श.	
24X12 16; 30	2	,,	19 वीं श.	पत्रों के किनारे कटे हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
588	7448	द्वादश-राशिफल	
589	11593	द्वादशवर्गी वात-यन्त्र	
590	7885	नक्षत्र-चित्र	
591	11597	नवग्रह-फल	
592	9404	नष्ट-जन्म-ज्ञान	
593	7411	पक्षी-शकुनावली	
594	7827	,,	
595	7840	,,	
596	11355	,,	
597	11507	,,	
598	7132	पंचवर्गी-उदाहरण	
599	7121 (1)	पाशाकेवली	
600	7421	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र सख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 13;31	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10 13;50	2	र्ण	20 वीं श.	
24×10.5 7;21	1	,,	20 वीं श.	
23.5×10.5 14;35	2	,,	1800	लि क. रामविमल
24×10 16;43	2	,	19 वीं श.	जीर्ण
25.5×11 15;22	5	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्रांक रहित पत्र हैं; पत्र 2 पर छींक-विचार भी है।
25.5×11 12;26	5	पूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र में नक्षत्र–वार रोगफल स्वरूप है। लि क पं. कुशलराम
25×11 17;36	3	,,	18 वीं श.	लि.क. पं कीर्तिविजय गणि, लि.स्था पालणपुर
23×11 11;30	5	,,	1901	लि.क. दुलीचन्दे
25.5×11.5 11;24	5	,,	19 वीं श.	
23×12 15;31	1	,,	19 वीं श.	
15×15.5 15;18	7–12	अपूर्ण	1803	लि.क. मेघराज; अप्राप्त पत्र 1–6
24×11 13;34	2	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 601	10295	पाशाकेवली	
602	10421	"	
603	11325	"	
604	11650	"	
605	11396	"	
606	8747	पैगम्बर-शकुनावली	
607	1860	प्रश्न-शकुनावली	
608	11792	प्रश्नावली	
609	1147	वारह-भवन फल रा दूहा	
610	7135	वारह-भवन-विचार	
611	11823 (2)	बिसंभरा को विचार	
612	9984	भड्डली पुराण-सार्थ	
613	10334	भड्डली-वायक ग्रन्थ	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×15.5 14; 36	7	पूर्ण	19 वीं श.	
21×10 11;26	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
21×11 12;25	9	पूर्ण	1940	लि.स्था. जोधपुर
23.5×11 10;25	11	अपूर्ण	1841	लि.क. ग्यानविजय प्रथम पत्र अप्राप्त
24.5×11.5 12;36	6	पूर्ण	20 वीं श.	
10×8 11; 20	6	,,	1923	लि.क. रामचन्द्र लि.स्था. बीकानेर
24×13 14;36	8	,,	20 वीं श.	पत्र अस्त-व्यस्त हैं।
24×11.5 13;24	16	अपूर्ण	20 वीं श.	
25×10.5 18; 41	2	पूर्ण	19 वीं श.	लि.स्था आसोप
25×11 10; 34	3	,,	19 वीं श.	
13×21 11; 9	117–123	अपूर्ण	19 वीं श.	'पल्लीपतनविचार'
32×15 13; 59	5	पूर्ण	1906	
14.5×21 14; 14	17	,,	1909	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 614	11297	भवानी-शकुनावली	
615	7390	महादेवी ग्रह स्पष्टीकरण विधि	
616	9256	,,	
617	11315	महामाई-वायक	
618	11588	,,	
619	11616	,,	
620	7125	महामाई रा दूहा	
621	7473	माघ–फोगसी-संवाद	
622	11591	मुसलमानी–शकुनावली	
623	11390	मेघमाला	
624	10298	रमलसार-प्रश्न–भाषा	
625	10638	,,	
626	11316	राशिपल	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 12; 37	2	पूर्ण	1958	लि.क. केसरकुशल लि.स्था. कनकावती
22.5×11 10; 23	2	,,	19 वीं श.	
24×10.5 9; 30	2	,,	19 वीं श.	
21.5×9.5 14; 33	3	,,	1820	लि.क. मेघविजय शिष्य माणिक्यविजय
25.5×11 12; 36	3	,,	1888	सईकी 1801-1900
25×11.5 15; 35	3	,,	1811	,, लि.क. भाणविजय
15×11 13; 20	9	अपूर्ण	1884	लि.क. पण्डित अखैरुचि; लि.स्था. थोभ; प्रथम पत्र अप्राप्त
25×11 16; 42	3	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11.5 16; 53	2	,,	19 वीं श.	
22x12.5 19; 50	3	,,	1882	
30×15 12; 40	4	,,	1919	जीर्ण; लि.क. रूपदास वैष्णव लि.स्था. हीगोणा
17×12 12; 20	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
22×9.5 14; 35	3	पूर्ण	1820	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष 627	9095	राशिफल	
628	7888	विवाह-पटल	
629	7346 (1)	वेधज्ञान	
630	9373	शकुन-विचार	
631	11472	,,	
632	10289 (1)	शकुनशास्त्र-प्रस्थान-मुहूर्त्त	
633	7739	शकुनावली	
634	8162 (1)	,,	
635	10259	,,	
636	10390	शुक्रास्त आदि फल	
637	11356	सईकी (1938 से 1999 तक)	,,
638	9236	संक्रान्ति-अर्घं	
639	9102	संक्रान्ति-फल	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×20.5 15; 11	18	पूर्ण	20 वीं श.	
24.5×10 10;25	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
22×10 11;30	2–3	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
17.5×9.5 9;21	1	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.5 9; 25	2	,,	20 वीं श.	
15×21.5 35;27	4	,,	18 वीं श.	
25.5x10.5 22;30	10	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1–5
7.5×7.5 8;8	29	,,	1868	लि.क. पं. प्रेमचन्द रतनचन्द लि.स्था. रोहीठ; प्रथम पत्र अप्राप्त
23.5×10 15;42	4	,,	19 वीं श.	
21×10 9;25	2	,,	19 वीं श.	
26×11 16;52	2	पूर्ण	20 वीं श.	
22x10 10;31	2	,,	20 वीं श.	
20.5×10.5 14;20	1		20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
640	11541	संक्रान्ति-विचार-सवैया	
641	9513	समर-विजय (समरसार-भाषा)	तीर्थराज
642	11823 (4)	सुगनौती	
643	10808	सूर्यादि-स्पष्टीकरण	
644	7293	स्फुट-शकुनविचार	
645	7316	स्वर-विचार-संग्रह	
646	7610	स्वरोदय	मुनि कपूरचन्द
647	7188 (3)	,,	
648	9480 (7)	,,	
649	11306	,,	
650	11208	हंसराज-स्वरोदयशास्त्र-भाषा	हंसराज
651	7284	हीरकलस-जोइससार	हीरकलस
652	7288	,,	,,

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.5 16;31	2	पूर्ण	1873	लि.स्था. व्यालपुर
25×15 16;34	21	,,	1901	लि.क. गणेश
13×21 10;8	129–137	अपूर्ण	19 वीं श.	(शकुनावली)
25.5×10.5 10;43	4	पूर्ण	20 वीं श.	
23×9 5 13;33	2	,,	19 वीं श.	(वर्षा सम्बन्धी)
24×9.5 16;44	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.7×12.5 11;48	18	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1907; लि.क. छोगमल्ल लि.स्था. पाली
24.5×11 15;30	5–8	,,	20 वीं श.	
14.5×12.3 15;17	47–54	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11;30	4	,,	19 वीं श.	
21×1 12;31	7	,,	20 वीं श.	योगवाशिष्ठ के आधार पर
24.5×9.5 13;48	2–4	अपूर्ण	18 वीं श.	आगे के 5 से 21 तक के पत्र ग्रन्थांक 2788 में हैं। प्रथम पत्र अप्राप्त
25X10 17;50	5–21	,,	18 वीं श.	(ज्योतिषसार) प्रारम्भ के चार पत्र ग्रन्थांक 7284 में हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
ज्योतिष			
653	10320	हीरकलस-जोइससार	
गणित			
654	7889	पट्टी-पहाड़ा	
655	10229 (1)	,,	
656	10223	,, एवं सिद्धोवर्णा	
657	9339 (2)	,, हिसाब व लेखा	
658	7340	लीलावती-भाषा	
659	11503	,,	
660	7420	हिसाव के गुर	
काम-शास्त्र			
661	9604 (5)	कामशास्त्र	
662	11819 (15)	कोकमंजरी	आनन्द कवि
663	10896	कोकशास्त्र	
मन्त्र-तन्त्र-शास्त्र			
664	10293	इन्द्रजाल	
665	8005 (2)	उपद्रव-रोग नाशक, शत्रु-उच्चाटणादिमन्त्र	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10.5 8;31	16	अपूर्ण	18 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
25×11.5 11;30	10	,,	18 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1-5
24×16.5 14;18	11	,,	1850	प्रारम्भ के पत्र फटे हुए हैं; पत्र 1-5 एवं 9वां अप्राप्त
20.5×10.5 10;21	22	,,	1894	प्रथम पत्र अप्राप्त
16×12 10;19	14–59	पूर्ण	1918	लि.क. बलदेव मिश्र लि.स्था. मेरावड़
24×11 13; 35	6	अपूर्ण	20 वीं श.	
26.5×12.5 11;31	9	,,	19 वीं श.	
21X11 10;22	1,2,7, 77–79	,,	20 वीं श.	
16×11 8;22	8–11	,,	20 वीं श.	
12×20 21;18	25	पूर्ण	1846	
15×10 14;22	20	अपूर्ण	1890	लि.क. सालिग्राम मुनि; लि.स्था. पचेवर; अप्राप्त पत्र 1, 2
21×10 14;40	34	पूर्ण	20 वीं श.	पत्र 15वां अप्राप्त
25.5X12.5 11;32	6–8	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
मंत्र-तंत्रशा. 666	11815 (2)	कौतुक-रत्नावली	
667	7501	गुरुपूजादि मन्त्र-संग्रह	
668	8139	टीउरो मन्त्र सविधि	
669	11298	नाग मन्त्र विद्या	
670	7820	पञ्चदशी-यन्त्र-विधान	
671	8906	,,	
672	11481	पञ्चांगुली मन्त्र–कल्प	
673	8176	पुनाखर रो कलर	वेणीराम
674	7189	मन्त्रादि-संग्रह	
675	7334	,,	
676	7799	,,	
677	11617	,,	
678	11347	मन्त्रावली	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
13.5×21 16; 20	20	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. बैजनाथसिंह लि.स्था. देवनाथपुर
26×11 15; 46	5	अपूर्ण	18 वीं श.	
17×12 13; 17	2	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10 17; 50	5	„	1716	लि.क. पं. दयाराम लि.स्था. नवहर
16×10.5 17; 25	3	„	19 वीं श.	
30×13.5 11; 38	26	अपूर्ण	1901	अप्राप्त पत्र 1–13
25.5×13 12; 33	3	पूर्ण	1848	लि.क. माणकविजय लि.स्था. लाखोला ग्राम
23×10.5 13; 35	6	अपूर्ण	1822	लि क. पं. विद्यादत्त; लि.स्था. दियावडी ग्राम; प्रथम पत्र अप्राप्त
24×11 23; 55	5	„	19 वीं श.	
24x10.5 13; 40	2–5	„	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
24.5×10.5 13; 46	4	पूर्ण	17 वीं श.	
21.5×11.5 11; 26	4	„	20 वीं श	
25.5×11 11; 34	3	„	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
मंत्र-तंत्र शा. 679	10881	यन्त्र-मन्त्रादि-संग्रह	
680	11251	लजालू कल्प एवं इन्द्रजाल आदि	
681	8638	वीसा मन्त्र-विधि	
682	11823 (3)	स्फुट-मन्त्र-औषध आदि	
683	2166	स्फुट मन्त्र-तन्त्रविचारादि	
684	1703	हनुमान-मन्त्र	
685	11225 (2)	,,	
स्तुति-स्तोत्र 686	10249 (43)	अम्बाजी री आरती	
687	9043	अम्बिका-आरती	शिवानन्द
688	9615 (3)	,, -छन्द	
689	9324	,, -स्तुति	आशाराम
690	11592 (2)	,, ,,	इन्द्रजी
691	10249	,, -स्तोत्र	

माप से.मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10×13 12;16	38	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1, 2, 19, 20
23×11 10;31	3	पूर्ण	1882	
13.8×9 5;14	4	,,	20 वीं श.	
13×21 15;12	124-126	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 127, 128
21.5×16 19;20	42	,,	19 वीं श.	कुछ मन्त्र संस्कृत में हैं; स्फुट ज्योतिष एवं औषधी विचार भी हैं; बीच 2 में पत्र अप्राप्त हैं।
35×11 18;10	1	पूर्ण	20 वीं श.	
24×11.5 9;33	3रा	,,	20 वीं श.	
23×10 10;30	41-42	,,	20 वीं श.	
25.5×10 7;22	2	,,	1918	लि.क. बालमुकुन्द शिष्य आनन्दराय; लि.स्था. फागी
22×30 19;24	4-5	,,	20 वीं श.	
24×11.5 11;32	2	,,	20 वीं श.	
25X11 17;42	3रा	,,	19 वीं श.	
23X10 10;30	17-18	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र			
692	9939	अम्बिका-स्तोत्र-भाषा	
693	11643	,,	
694	10249 (50)	आसापूराजी रो स्तोत्र	आणन्द
695	10249 (3)	ईश्वरी-स्तुति	
696	9867 (3)	कमल-नेत्र-स्तोत्र	
697	9615 (4)	काली-अष्टक	
698	9444 (2)	कृष्णाष्टक	वामन
699	9615 (2)	,,	पूरण
700	11569	खेतला वीरजी रो छन्द	नारायण
701	8359	गङ्गा स्तुति	
702	9444 (3)	गजेन्द्र-मोक्ष स्तोत्र	
703	11665	गणपति-चोथ छन्द एवं हिंगुलाष्टक माता छन्द	हरिराम
704	10249 (24)	गणपति-छन्द	अभयराम कवि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×10 5 9 2	3	पूर्ण	20 वीं श.	लि.क. बैजनाथ
15×10 12;17	3	,,	1790	लि.क. बीरेश्वर लि.स्था भंवरपुर
23×10 10;32	55–56	,	20 वीं श.	
23×10 9;38	3रा	,,	20 वीं श.	प्रारम्भ में गणेश भेल एवं तीर्थ–स्तुति है।
13×8.5 7;16	3	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
20×30 19;20	5-6	पूर्ण	20 वीं श.	लि.क. घासी; अन्त में महाराजा ईश्वरीसिंह का कवित है।
1×542 52;9	1खरड़ा	,,	1996	मराठी भाषा में
22×30 19;24	2–3	,,	20 वीं श.	अन्त में स्फुट कवित्त हैं।
21.5×9.5 10;21	4	,,	1850	
10×8 6;11	6	,,	20 वीं श.	
1×542 91;9	1खरड़ा	,,	1996	
21×10.5 17;41	2	,,	1768	लि.क. अजितसुन्दर
23×10 10;32	21वां	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र 705	10249 (23)	गणपति-छन्द	
706	10249 (28)	,, (जैन)	हेमरत्न
707	10249 (25–26)	गणपति-स्तुति (द्वय)	
708	11465	गणेश-आरती	
709	11352	1. चरचरी गणेशजी की 2. ,, कृष्णजी री	
710	8311	जगदम्बा-आरती	
711	9329	दुर्गा-आरती	
712	10205	दुर्गा-सप्तशती (भाषानुवाद)	
713	10051	देवी-अष्टक	
714	11171	नर्बदा-स्तोत्र	
715	9522	नृसिंह-जैति	शिवानन्द
716	7372	पन्नगपति री वीनती	
717	9259	बद्रीनाथ पञ्चरत्न-स्तोत्र	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10 10;32	20-21	पूर्ण	20 वीं श.	
23×10 10;32	23-25	,,	20 वीं श.	
23×10 10;32	21-22	,,	20 वीं श.	अन्त में 'गणपति मन्त्र' है।
28×13 10;32	1	,,	1889	लि.क. सदानन्दः लि.स्था. दुर्गापुर
12.5×8 9;20	4	,,	20 वीं श.	
20.5×10 9;28	2	,,	19 वीं श.	
27×10 49;13	1	,,	20 वीं श.	
26×9 5 17;32	24	,,	1929	लि. क. धनराज ऋषि लि.स्था. नागोर, डीडवाना,सुमेल
14.5×9.5 5;13	9	अपूर्ण	20 वीं श.	
21×8.5 6;28	2	पूर्ण	1828	लि.क. अनोपराम
14.5×19 19;19	2	,,	20 वीं श.	
16×11.5 7;14	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
13×8 5;18	2	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र 718	10249 (49)	ब्रह्मशान्ति-स्तोत्र	
719	10249 (46)	भगवती-छन्द (जैन)	सारंग
720	10249 (20)	भवानी-छन्द (जैन)	पीथल-मुनि
721	10249 (53)	,,	
722	11244	,, (जैन)	
723	9457	भैरव-छन्द	कल्याणराव
प. 724	11380	,,	वखताजी (ग्राम-हरीग्राली वाला)
725	10249 (31)	भैरवाष्टक	
726	10847	मथुरेशजी का पद	
727	11781	महादेव-छन्द	
प. 728	10249 (20)	माताजी री बावनी (जैन)	वल्लभ सेवक
729	11584	1. माताजी रो अष्टक (जैन) 2. सरस्वती रो छन्द (,,)	दयासूर सहजसुन्दर
730	10249 (42)	माताजी रो छन्द	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10 10; 30	55वां	पूर्ण	20 वीं श.	अन्त में 'सरस्वती मन्त्र' है।
23×10 10; 30	48–50	,,	20 वीं श.	
23×10 10; 32	16–17	,,	20 वीं श.	
23×10 9; 30	59–61	,,	1926	लि.क. केशरिध लि.स्था. गढवाली
24×10.5 14; 44	2	,,	18 वीं श.	लि.क. आनन्दविजय गणि
21×10 81; 34	1	,,	20 वीं श.	
26×11.5 10; 27	2	;,	1911	र.का. 1832
23×10 10; 30	27–28	,,	20 वीं श.	
17×8 6; 16	5	,,	20 वीं श.	
24X11 14; 36	1	,,	1852	
23×10 9; 33	7–10	,,	20 वीं श.	
24×11.5 11; 27	3	,,	20 वीं श	
23×10 10; 32	40–41	,,	20 वीं श.	अन्त में 'अम्बाजी का कवित्त' है

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र			
731	8524	रामरक्षा-स्तोत्र	
732	8202 (3)	,, आदि	
733	8562	रामव्याह-विनोद	तुलसीदास
734	8375	रामस्तवराज	
735	11819	राम-स्तुति	तुलसीदास
736	11312	लक्ष्मीजी की आरती	
737	9444 (4)	विष्णु ध्यान स्तोत्र	
738	11804	विष्णु,शिव,लक्ष्मीशक्ति की आरती	
739	10249 (35)	शनिश्चर-छन्द (जैन)	हेम
740	11241	,,	,,
741	7883	,,	
742	10249 (36)	,,	
743	10249 (48)	शारदा-स्तुति	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22x12 7;22	5	पूर्ण	19 वीं श.	
10.5x10.5 13;15	21--30	,,	19 वीं श.	अन्त में 'मन्त्र-संग्रह' है।
29.5x13.7 8;33	1	,,	20 वीं श.	
22x12 8;18	2	,,	1925	
12x20 24;18	52वां	,,	19 वीं श.	
29.5x11 8;27	2	,,	19 वीं श.	लि.क. लब्धिकुशल
1x542 151;9	1खरड़ा	,,	1996	मराठी भाषा में
15.5x10.5 10;15	3	,,	20 वीं श.	
23x10 10;30	33–35	,,	20 वीं श.	
23.5x11.5 11;28	3	,,	1919	लि.क. कृपारुचि लि.स्था. कनकावती
23×10 7;22	2	,,	19 वीं श.	
23x10 10;30	35–37	,,	1915	
23x10 10;30	54–55	,,	20 वीं श॰	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र			
744	11839	शिव-गणेश स्तुति एवं स्फुट कवित्त	
745	9362 (28)	शिव प्रदोष आरती	
746	8402	शिव-स्तुति	
747	9125 (2)	,,	
748	10249 (52)	,,	
749	11512 (2)	,,	
750	7951	सचिया मात स्तुति; आरती; लटीयाली देवी स्तुति और आरती	(1–4) सिवदानसिंघ
751	10229 (6)	सचिया माता रो छन्द	
752	10249 (18)	,,	
753	10249 (15)	सरस्वती-छन्द	पंचोली पण्डित
754	7357	,, (जैन)	शान्तिकुशल शिष्य कवि विनयकुशल
755	10249 (2)	,, (,,)	सहजसुन्दर

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×20 14;23	1	अपूर्ण	19 वीं श.	
23×10 8;27	1	पूर्ण	20 वीं श.	
21×11 11;30	1	,,	20 वीं श.	
10×7.5 5;13	20–28	,,	19 वीं श.	लि.क. गंगाधर मिश्र लि.स्था. मठेरी
23×10 10;32	57–58	,,	1917	अन्त में उपवास एकासरण के पच्चक्खारण हैं; लि.क. केशरिध शिष्य वीरचन्द ब्रह्माणगच्छी लि.स्था. गढवाली
22×11.5 16; 34	1–2	,,	20 वीं श.	
9.5×45 89:27	1	,,	20 वीं श.	लि क देवीचन्द (देवविजय)
24x16.5 92;23	75–76	,,	1860	
23×10 8;22	15–16	,,	20 वीं श.	
23×10 10;32	13–14	,,	20 वीं श.	
25×11 13;39	2	,,	1843	अन्त में 'महावीर स्तवन' अपूर्ण है ।
23×10 9;38	1–2	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तोत्र 756	10249 (11)	सरस्वती-छन्द (जैन)	हेम
757	10249 (14)	,, (,,)	कवि सध्व ?
758	11186	,,	
759	11279	,,	
760	10229 (5)	सूर्य-छन्द	
761	9480 (10)	सूर्य-जाप	
762	10249 (34)	सेनाँणा सेवाड़ी क्षेत्रपाल छन्द	नारायण
763	8401	हनुमान-अष्टक	तुलसीदास
764	8383 (1)	,, -जैति	नरहरि
प. 765	9871	हिंगुलाज-अष्टक	हरिरांम
जैनागम 766	11789	उत्तराध्ययनसूत्र कथा-संग्रह	
767	7356	कल्पसूत्र-पीठिका	
768	7365	,,	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×10 10;33	10–11	पूर्ण	20 वीं श.	
23×10 10;30	12–13	,,	20 वीं श.	
12×11 11;17	3	,,	20 वीं श.	
27×11 11;34	2	,,	19 वीं श.	लि.क. मेघराज लि.स्था. कपासन
24×16.5 12;23	70–71	,,	19 वीं श.	पत्र 74 पर सं. 1856 मुंहता केशरीसिंह के पत्र की जन्मकुण्डली है।
14.5×12.5 15;16	73–75	अपूर्ण	19 वीं श.	
23×10 10;30	31–33	पूर्ण	20 वीं श.	
21.5×10.5 8;36	1	,,	20 वीं श.	
21.5×11 8;30	2	,,	20 वीं श.	
22×11 7;16	2	,,	20 वीं श.	
26×11 18;50	8	अपूर्ण	19 वीं श.	
25X10 11;38	2–5	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
25.5X10.5 13;42	5	,,	19 वीं श.	,,

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनागम, 769	8055	कल्पसूत्र-व्याख्यान-पद्धति	
770	8050	द्रव्यप्रकाश	देवचन्द्रोपाध्याय
771	11752	सप्तभयविचार	
जैन-प्रकरण	7574	अष्टकर्म-प्रकृति-विचार	
773	7995	,,	
774	7225	अष्टकर्म-प्रकृति-विवरण	
775	11660	,,	
776	7299	उपदेशमाला विषय गाथा सूची	
777	7606	एकसप्तति स्थानकप्रकरण–यन्त्र	
778	7526	एक सौ सत्तावीस बोल (प्रश्न)	
779	7986	काम (काय) स्थिति द्वार बोल	
780	7398	कालप्रमाण-विचार	
781	1881 (1)	क्षेत्रसमास-विवरण	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11 13;34	30	अपूर्ण	1845	लि.क. वलरसागर शिष्य भाग्य-सागर; लि.स्था. भैसरोड; पत्र 1-15 एवं 22वां अप्राप्त
24.7×12 10;24	27	,,	19 वीं श.	
25×11 14;33	4	पूर्ण	20 वीं श.	
11×23.5 25;7	4	,,	19 वीं श.	लि.क. पं. जयशेखर
23.5×10.5 12;40	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
22x99 190; 44	1खरड़ा	,,	19 वीं श.	
11×26 42; 24	3	पूर्ण	20 वीं श.	
25×10 22;37	2	,,	18 वीं श.	
26X11 13;48	11–27	,,	19 वीं श	एक पत्र 'पच्चक्खाण यन्त्र' का है ।
26.5×12 14;40	4	,,	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;43	4	,,	19 वीं श.	लि क. रूपा आर्या लि स्था. शेरपुर
25×11 17;48	2	,;	19 वीं श.	अन्त में 'बारह व्रत' और 'मंगल' के नाम हैं ।
25.5×10 14;42	8	,,	18 वीं श.	गुटका

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैन-प्रकरण			
782	7185	खण्डा-जोयरण	
783	11797 (1)	गुरण-स्थान के 33 द्वार	
784	7320	चक्रवर्ती-रिद्धि	
785	11300	चौरासी-बोल (श्वेताम्बर-दिगम्बर भेद के बोल)	
786	7459 (5)	चौबीस-तीर्थंकर-बोल	
787	7869	,, सम्बन्धी-विचार	
788	7604	चौबीस-दण्डक-विचार	
789	8123	,,	
790	7281	जम्बूद्वीप-विचारादि	
791	7600	जम्बूद्वीपे भरतादि नवक्षेत्र विशेष विचार यन्त्रक	
792	1866	जीव-विचार-यंत्र	
793	10204	जीवादि की चर्चा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×11 16;50	5	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. रूपा आर्या शिष्या दीपा आर्या
25×11 23;62	8	,,	17 वीं श.	
25×12 13;28	4	,,	19 वीं श.	तीसरे पत्र पर राजा पूंजरे तेरह बेटांरी विगत, वंशावली, कवित्त और चौथे पत्र पर कुछ ऐतिहासिक टिप्पणियां हैं।
		,,		
24.5×13 19;34	2	,,	20 वीं श.	
24 5×11.5 18;43	5	,,	19 वीं श.	
25×12 15;35	4	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×11 23;44	4	,,	17 वीं श.	लि.क. मुनि माणिकचन्द प्रथम पत्र अप्राप्त
26×11.5 10;34	21	,,	1901	लि.क. पं. खुश्यालचन्द्र; लि.स्था. रतलाम; पत्र 1-8, 10, 17 एवं 19वां अप्राप्त
24×10.5 19;47	7	,,	19 वीं श	प्रारम्भ में 'पुच्छिसणं' अध्ययन है।
26x11·5 14;44	8	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11;26	8	पूर्ण	1874	
22×13 16;32	10	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैन-प्रकरण			
794	7622	जीवादि भेद विचार	
795	11324	जैन-चर्चा-पत्र	
796	11394	"	
797	7209	तीर्थंकर-चौबीस-स्थानक यन्त्र	
798	7971	तीर्थंकरों की आयु-विवरण आदि	
799	7230	तेतीस-बोल	
800	7991	दान विचार	
801	7894	द्वाषष्टि-मार्गणा यन्त्र	
802	8867	धर्मध्यान शुक्लध्यान भावना	
803	11571	धर्मोपदेश	
804	7405	नरक-देवलोक आयु-प्रमाण आदि बोल-संग्रह	
805	7310	नवतत्व-पदार्थ स्वरूप	
806	9618A (11)	नाटक के फुटकर सवैये (समरसार नाटक के)	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26x11 10; 37	2	पूर्ण	20 वीं श.	
27x11.5 21;57	4	,,	1923	लि. क. तेजसी; लि.स्था. रतनगढ़
24x11 14;45	10	अपूर्ण	19 वीं श.	
61x47 27; 65	1	पूर्ण	1972	जीर्ण; लि. क. छोगालाल लि.स्था. बाड़मेर
23x12 13; 26	4	अपूर्ण	20 वीं श.	
25.5×11 25;48	14	,,	19 वीं श.	
24 5x12 12; 30	5	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
25x11.5 12; 32	3	पूर्ण	19 वीं श.	
26x11.5 14; 38	6	,,	19 वीं श.	
21x10.5 12; 23	4	,,	19 वीं श.	
21×10.5 17;37	4–8	अपूर्ण	19 वीं श.	संस्कृत, प्राकृत, राज.
25x11.5 12;33	10	,,	19 वीं श.	
15x7 9; 26	647–652	पूर्ण	18 वीं श.	जीर्ण

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैन-प्रकरण			
807	10262 (2)	पच्चीस बोल का थोकड़ा और स्फुट बोल	
808	1881 (2)	पुरुषादानी विचार, देवलोक-विमान, प्रासाद, प्रतिमा संख्या आदि संग्रह	
809	11379	पैंतीस-बोल-विचार	
810	9226	1. पैंतीस वचन विचार, 2. नव वासदेव नो अधिकार	
811	7139 (1)	प्रतिमा स्वरूप गुणाग्रह विचार	
812	7988	प्रत्याख्यान-भाष्य-बालावबोध	
813	7561	प्रश्नोत्तर सार्द्ध शतक	क्षमाकल्याणोपाध्याय
814	11277	वीसबोल	
815	7943	बोल-संग्रह	
816	7591	'भीमे भवंमि' महादण्डकस्तोत्र-बालावबोध	
817	7632	महावीर-सर्वायुविचार	
818	7957	मिथ्यात्व के दश भेद आदि बोल	
819	11630	लूंका को पूछने योग्य बोल	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10 14;35	3-6	पूर्ण	19 वीं श.	
25×10 12;34	4	,,	18 वीं श.	गुटका; लि.क. पं. खुस्यालविजय
25.5×12 17;44	3	,,	19 वीं श.	लि. क. रामचन्द्र लि.स्था. ग्राम बड़ोदा
24.5×10 16;37	1	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 13;40	1	,,	श.	
24.5×10 5 18;56	8–10	,,	17 वीं श.	
27×11 15;35	25	,,	19 वीं श.	पत्र चिपके हुए लि.क. पं. ज्ञानलाभ लि. स्था. बीकानेर
23×10 10;27	2	,,	20 वीं श.	
21×11 10;20	7	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्रांक रहित
24×11.5 14;35	13	,,	19 वीं श.	
24×11 10;34	2	पूर्ण	20 वीं श.	
25×11 15;36	4	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×11.5 15;38	2	पूर्ण	1832	लि. स्था. बेहारनगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैन-प्रकरण 820	7980	लोकान्तिक देवलोक विचार	
821	8183	विचारषट् त्रिंशिका-बालावबोध	
822	7352	विचारषट् त्रिंशिका-यन्त्र	पं. सुमतिवर्धन
823	7718	षडारक स्वरूपादि विचार	
824	7251	षड्विंशति प्रश्नोतराणि	जयसोम उपाध्याय
825	10266	संख्यातादिकनो विचार	
826	11370	संग्रहणी-द्वार	
827	11577	समकित के सतसठ भेद	
828	7965	समयसार-नाटक	
829	7151	सम्यक्त्व-जीवभेदादि स्फुट-संग्रह	
830	11783	सूक्तावली-भाषा टीका-संग्रह	
831	7882	सूक्तावली तथा उत्तम साधु सज्झाय	
832	11397	सूक्तिमाला	

माप से मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10.5 15;48	1	पूर्ण	18 वीं श.	
24.5×11.5 11;36	15	अपूर्ण	1903	पत्र 1-10 अप्राप्त
25.5×13.5 16;24	6	पूर्ण	1889	
25×12.3 15;34	5	,,	20 वीं श.	कल्पसूत्रगत
25×10.5 16;47	11	,,	18 वीं श.	लि. स्था. लाहोर
25×12 15;40	3	,,	1939	लि. क. ऋषभचन्द्र ऋषि लि.स्था. अजीमगज
25×11.5 18;52	6	,,	1931	लि.क. पं. हुकमचन्द लि.स्था. बेलाग्राम
25.5×10.5 11;30	3	,,	18 वीं श.	
25.5×10.5 15;46	20	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1-6 अप्राप्त
25×10 5 18;46	3	,,	19 वीं श.	
25×11.5 14;32	10	,,	19 वीं श.	
27x11.5 15;52	2	पूर्ण	18 वीं श.	लि. क. पंन्यास माणविमल लि. स्था. सूरत
25.5X11 16;49	8	,,	1861	लि.क. गुमानहंस; लि. स्था. पारखी ग्राम

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैन-प्रकरण 833	7662	सूक्तिमाला	
834	1873 (38)	सूतक-विचार	
835	7402 (2)	,,	
836	7336	सैद्धान्तिक-बोल	
837	7952	,,	
838	11494	,,	
839	11603	,,	
840	8109	,, -संग्रह	
841	8188	,, ,,	
842	11342	,, ,,	
जैनाचार 843	7308 (1)	अन्त-समय आलोयणा	
844	7194	अष्टप्रकारी-पूजा	देवचन्द्र
845	7602 (2)	,,	

नाप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5X12 11;38	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
10.5×8 7;10	311–314	पूर्ण	19 वीं श.	
21.5×11 21;45	1	"	20 वीं श.	अन्त में 13 काठिया, 5 प्रमाद, 5 आश्रव संवरणादि के नाम हैं।
21×10.5 11;30	4	अपूर्ण	19 वीं श.	
10×25 40;17	2	पूर्ण	17 वीं श.	
25×10.5 13;41	4	"	17 वीं श.	प्राकृत, राज०
26X11 16;46	4	"	20 वीं श.	
24×11 12;35	13	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1–2 अप्राप्त
11.5×23.5 23;16	11	"	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;52	20	"	18 वीं श	प्रथम पत्र अप्राप्त
24×10 15;33	5	पूर्ण	19 वीं श.	
22.5×10 8;23	8	अपूर्ण	20 वीं श.	राज० - संस्कृत;प्रथम पत्र अप्राप्त
27×12 5 13;38	51–54	पूर्ण	19 वीं श.	"

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार			
846	7642	अष्टप्रकारी–पूजा	देवविजय शिष्य विनीतविजय
847	11283	1. अष्टप्रकारी-पूजा 2. नवपद-भेद नामावली एवं असुपूर्वी	देवचन्द्र
848	11216	अष्टोत्तरी स्नात्र-विधि	
849	7936	आत्मालोचन	
850	8170 (5)	आदिनाथ-न्हवण	
851	11388	आदीश्वर जन्माभिषेक कलश (स्नात्रविधि)	
852	7886	आनुपूर्वी	
853	10261	आराधना	
854	8025	आराधना-विधि	
855	10217	आराधना, आलोयण आराधना, पदावली आलोयण, संस्तारक-विधि	
856	7322	आलोचना–विधी	
857	7839 (1)	,,	
858	7605	,, आदि	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5x11 10; 35	6	अपूर्ण	1859	राज०, संस्कृत; र. क. 1821; र. स्था. राजनगर; लि. क. नेणा प्रथम पत्र अप्राप्त
25.5x11 17;45	6	पूर्ण	1867	लि स्था. ब्यालपुर
24x12.5 15;32	3	,,	20 वीं श.	
25x11 16; 42	6	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 5-6 पर आलोयणाछत्तीसी समयसुन्दर कृत है; प्रथम पत्र अप्राप्त
13x12 9; 14	40-41	पूर्ण	19 वीं श.	[दिगम्बर]
22×10 11;25	5	,,	20 वीं श.	
11 5x25.5 30; 15	1	,,	19 वीं श.	प्राकृत, राज०
24x10 13; 36	5	;,	1960	लि. स्था. नागोर
26x11.5 14; 30	5	,'	20 वीं श.	
25x12 10; 31	11	,,	20 वीं श.	
25×10 14;45	2–4	अपूर्ण	18 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
24.5x12.5 12;48	7	पूर्ण	20 वीं श.	
22.5x10 10; 34	3	,,	1823	समकितस्वरूप एवं सूक्ष्म जीव-दया विचार; लि.स्था. वडनगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार			
859	7217 (2)	आलोयरण-पाठ	
860	1873 (16)	आहार के सैंतालीस दोष	
861	1859	इकवीस प्रकार की पूजा	शिवचन्द पाठक शिष्य समयसून्दर
862	7433	ऋषिमण्डल-पूजनविधि	
863	9013	कलश-स्थापन-विधि	
864	7542	कालग्रहरण-विधि	
865	7702	चैत्री पूर्णिमा-देववन्दन-विधि	ज्ञानविमलसूरि
866	7540 (2)	,,	
867	7633	,,	
868	11310	,, एवं व्रतविधि-सग्रह	
869	11807	1. चैत्री पूर्णिमा-देववन्दन-विधि 2. पञ्चमीग्रहरण-विधि	
870	7472	चौदह नियम एवं प्रत्याख्यान आहार-विचार	
871	11330	चौदह-नियम-विवरण	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25x12 13; 30	3–4	पूर्ण	19 वीं श.	
10.5x8 6;10	218–227	;,	19 वीं श.	
23x13 15;44	2–8	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भ की पांच पूजा अप्राप्त
25.5x12.5 15; 36	3	,,	20 वीं श.	संस्कृत, राज॰
25x11.5 14; 40	2	पूर्ण	20 वीं श.	,,
25×10.5 15;42	2	,,	19 वीं श.	प्राकृत, राज॰
25x11 11; 26	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5x12.5 11; 23	13–15	पूर्ण	20 वीं श.	
25.5x11.5 11; 34	2	,,	20 वीं श.	
24x10.5 17; 56	2	,,	20 वीं श.	
25×12 11;32	2	;,	20 वीं श.	
24.5x11 16;40	3	;,	20 वीं श.	
24.5x12.5 13; 33	6	अपूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचर 872	11314	चौबीस जिन स्नात्र विधि एवं अष्टप्रकारी पूजा	
873	7305	जिनकुशलसूरि अष्टप्रकारी-पूजा	जिनचन्द्रसूरि
874	8151 (138)	,, ,,	,,
875	11358	जिनबिम्ब-प्रतिष्ठा-विधि	
876	7435 (2)	ज्ञानपंचमी एवं चैत्री पूर्णिमा-विधि	
877	7576	तपोविधि	
878	7887	,,	
879	8003	,,	
880	8187 (3)	,,	
881	8170 (1)	देवपूजा जयमाला सहित	
882	7403	दैवसिक प्रतिक्रमण-विधि	
883	7595	,,	
884	7865	नवपद अष्ट-द्रव्यपूजा	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×12.5 11;35	5	पूर्ण	1959	लि.क. मथुरालाल ब्राह्मण लि.स्था. भींडर
26×10 13;41	3	,,	1855	संस्कृत, राज०; र.का. सं. 1853 लि.क. विजैचन्द; लि.स्था. राजनगर
10×9 9;12	623-633	,,	1865	किनारे कटे हुए; संस्कृत, राज० र.का. 1853; र.स्था.– राजनगर; लि. स्था. बीकानेर
26×11 10;30	11	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
24×10 14;38	2–3	पूर्ण	1874	लि. क. लक्ष्मण यति लि.स्था. पुनरासर
27×12.5 11;29	3	अपूर्ण	1895	प्राकृत, राज०; लि.क. कनकविनय; लि.स्था. जेसलमेर प्रथम पत्र अप्राप्त
25.5×11 15;35	3	,,	18 वीं श.	
25.5×11.5 13;44	2	,,	20 वीं श.	
18.5×11 14;23	41–45	,,	19 वीं श.	
13.5×12 9;15	32	,,	19 वीं श.	हिन्दी, संस्कृत, अपभ्रंश अप्राप्त पत्र 1-26
24×10.5 12;35	2	,,	19 वीं श.	
25.5×12 12;30	2	,,	20 वीं श.	
25.5×12.5 8;30	2	पूर्ण	20 वीं श.	राज०, संस्कृत

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार			
885	1837 (1)	नवपद-पूजा	यशोविजय, देवचन्द्र, ज्ञानविमल
886	8140 (2)	,,	,,
887	8151 (2)	,,	,,
888	8169 (18)	,,	,,
889	7454	,, -आदि	,,
890	8151 (1)	नवपद-स्तुति, पूजा-विधि-सह	
891	11292	पञ्चज्ञान-पूजा	रूपविजय शिष्य पद्मविजय
892	11609	पर्यन्ताराधना	
893	8170 (2)	पार्श्वनाथ पूजा जयमाल सहित	
894	11248	पौषध-विधि	
895	11798 (1)	पौषधादि-विधि-संग्रह	
896	7947	प्रतिक्रमण विचार; कथानकादि	
897	7253	प्रतिक्रमण-विधि	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10.5×8 7;11	1–48	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×10 10; 16	14–29	,,	19 वीं श.	
10×9 9; 11	64–93	,,	1865	लि. स्था. विक्रमपुर
11×7.5 7; 10	26	अपूर्ण	19 वीं श.	राज०, प्राकृत,संस्कृत;पत्रांक रहित मध्य के कई पत्र अप्राप्त
23×11 11; 22	38	पूर्ण	1848	रा०, प्रा०; सं०; अष्टप्रकारी पूजा और नवपद के प्रत्येक पद के गुण लिखे हैं। लि. क. फतेचन्द
10×9 9; 11	97-130	,,	1865	राज०, प्रा०; सं०
26×11 10; 34	7	,,	1888	र.का. 1887; लि.स्था. पुष्पावती
25×10.5 22; 50	5	,,	1706	प्राकृत; लि.क. मुनि कल्याण-सुन्दर; लि.स्था. राजनगर
13.5×12 9; 15	33–37	,,	19 वीं श.	हिन्दी, संस्कृत
22.5×10 12; 28	2	,,	20 वीं श.	
25.5×13 9;30	1	,,	19 वीं श.	
25.5X11.5	15	अपूर्ण	20 वीं श.	अन्त में 'श्रावक विचार' है प्रथम पत्र अप्राप्त
21X11 12; 25	3	पूर्ण	1854	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार 898	7842	प्रतिक्रमण-विधि	
899	11402	,,	
900	7942	प्रतिष्ठा-विधि	
901	11363	प्रभात प्रतिक्रमण-विधि सह	
902	1873 (17)	प्रभात री पाछला पोहर री पडिलेहण	
903	11245	प्रव्रज्या-विधि	
904	7707	प्रायश्चित्त तथा बोल	
905	7529 (1)	प्रायश्चित्तादि विविध संग्रह	
906	8174	बिम्बप्रवेश-विधि	
907	7843	ब्रह्मचर्य व्रतोच्चारण-विधि	
908	7198	लघुविधि-प्रपा	शिवनिधान उपाध्याय
909	7631	विकृति (विगय) विचार	
910	11246	वीसस्थानक तप-विधि	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22X11 17;30	3	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10.5 15;50	4	,,	18 वीं श.	
26×12 14;40	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
24.5×11 12;40	7	,,	19 वीं श.	पत्र 3 रा अप्राप्त
10.5×8 6;10	227–239	पूर्ण	19 वीं श.	
24×11.5 14;43	2	,,	1939	लि. क मुनि दीपसागर लि स्था. फलोदी
25X11 11;27	11–14	,,	1833	लि. क. उदयचन्द लि.स्था. बाघावास
24×10.5 13;40	12	अपूर्ण	1836	अप्राप्त पत्र 8वां, 11वां
24×12.5 15;34	24	,,	20 वीं श.	राज० प्रा०; अप्राप्त पत्र 7-8
24×11 13;33	2	पूर्ण	19 वीं श	रा०, सं०,
25.5×10.5 15;42	14	अपूर्ण	19 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1-5
25×12 11;29	2	पूर्ण	19 वीं श.	
23.5×11.5 16;36	2	,,	1874	लि.क. पं. मोहनरुचि लि.स्था. मुरासदाबाद

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार 911	8152 (1)	वीसस्थानक-पूजा-आरती सह	जिनहर्षसूरि शिष्य जिनचन्द्रसूरि
912	11377	वृद्ध-आलोयणा	
913	7371	श्रावक के तीन मनोरथ	
914	7177	श्रावक विधि प्रकाश	
915	1881 (14)	श्रावकातिचार	
916	7120 (1)	"	
917	7144	"	
918	7184	"	
919	7338	"	
920	7377	"	
921	7412	"	
922	7458	"	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11×6 6;16	18–90	पूर्ण	1880	रा० सं०; पत्र 89-90 पर चैत्री-पूर्णिमा विधि है। र.का. 1871 र.स्था. अजीमगंज लि. क. जयचन्द
25×11 11;33	6	,,	19 वीं श.	
16×15 13;19	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
20×12 14;27	18	पूर्ण	1912	र.का. 1838; र.स्था. जेसलमेर; लि.क. मनसुख; लि स्था. खीचन्द
25x10 15 ; 34	12–18	,,	1847	
13.5×19 23; 18	14–18	अपूर्ण	20 वीं श.	अप्राप्त पत्र 1-13
25×12 11;26	4	,,	20 वीं श.	
23.5x11 9;24	15	,,	19 वीं श	प्रथम पत्र अप्राप्त
24×10.5 10;26	10	,,	20 वीं श.	पत्र 7वां अप्राप्त
25.5×11.5 8;29	12	,,	1873	लि क. ऋषि माणकचन्द; लि.स्था. जयनगर;पत्र 1-5 अप्राप्त
26×11 11;33	2	,,	18 वीं श.	
25×11.5	8	पूर्ण	1903	लि. स्था. सेत्रावा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार			
923	7549	श्रावकातिचार	
924	8120	,,	
925	8165 (1)	,,	
926	11232	,,	
927	11496	,,	
928	11548	,,	
929	7607 (3)	सतरहभेदी-पूजा	साधुकीर्त्ति
930	7892	,,	,,
931	8140 (3)	,,	,,
932	8146 (21)	,,	,,
933	8151 (1)	,,	,,
934	7495	साधु-अतिचार	
935	11262	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11 11;30	21	अपूर्ण	17 वीं श.	एक कोण जीर्ण पत्र 1-2 अप्राप्त
26×12 13;30	6	,,	20 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
10×7 8;14	31–59	पूर्ण	19 वीं श.	राज० प्राकृत
25.5×11 15;40	2	,,	18 वीं श.	लि. स्था. लाकड़ीया नगर
25×12.5 12;29	5	अपूर्ण	20 वीं श.	जीर्ण
23×10.5 15;33	3	पूर्ण	20 वीं श.	
27×12.5 13;38	54–60	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×11 15;48	3	,,	19 वीं श.	
12.5×10 11;18	29–44	पूर्ण	20 वीं श.	
12×9 8;13	69–89	,,	19 वीं श.	जीर्ण
10×9 9;11	35–63	,,	1865	प्रारम्भ के 1-31 पत्र अप्राप्त 32-34 तक अष्टप्रकारी-पूजा अपूर्ण है ।
22×11 10;24	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
25.5×9 12;40	3	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार 936	11282	साधु-अतिचार	
937	11371	,,	
938	11628	,,	
939	7663	सामायिक ग्रहण-विधि ससूत्र	
940	8103	सामायिकादि-विधि, प्रतिक्रमणसूत्र, आलोयणा-विधि	
941	7120 (2)	सामायिकादि प्रतिक्रमण-विधि-संग्रह	
942	8029	सामायिकादि-विधि-संग्रह	
943	8070	,,	
944	7199	सूतक-असज्झाय-विचार	
945	11583	,,	
946	1873 (9)	स्नात्र-पूजा	देवचन्द्र
947	7178	,,	,,
948	7489	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×10 12;36	3	पूर्ण	1786	लि.क धनकुशल गणि
25.5×11.5 10;30	6	,,	1939	लि.क. जिनकुशल लि.स्था. उदयपुर
24×10 9;28	4	,,	19 वीं श.	
23×11 10;24	2	अपूर्ण	20 वीं श.	राज०, प्राकृत
23×11 5 15;30	10	,,	19 वीं श.	राज०, प्राकृत पत्र 1, 2, 9 अप्राप्त
13 5×19 23;18	18–37	पूर्ण	20 वीं श.	अन्त में 'दश पच्चक्खाण' दिये हैं।
25×11 17;52	11	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र चिपके हैं; लि.क. पं. खीमराज लि.स्था. जेसलमेर; पत्र 1-3अप्राप्त
25×11 10;34	17	,,	19 वीं श.	पत्र 1, 12-14 अप्राप्त
25×11.5 12;38	3	पूर्ण	20 वीं श.	
21×11 13;27	4	,,	20 वीं श.	
10.5×8 7;11	173-202	,,	20 वीं श.	
25×11 13;35	4	,,	1822	लि.क. कुशलचन्द शिष्य पं. रामवल्लभ गणि
8 5×9 8;11	12	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्र 2-6 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनाचार 949	7607 (1)	स्नात्र-पूजा	देवचन्द्र
950	7976 (3)	,,	,,
951	11564	,,	,,
952	1878 (1-2)	स्नात्र-पूजा, अष्टप्रकारी-पूजा	देवचन्द्र शिष्य दीपचन्द
953	8137 (1)	,, ,,	देवचन्द्र
954	8140 (1)	,, ,,	,,
955	8169	,, ,,	,,
956	10892	(1)स्नात्र-पूजा; (2)अष्टप्रकारी-पूजा; (3)सत्तरभेदी-पूजा	(1-2) देवचन्द्र (3) साधुकीर्ति
रास-चौ० 957	7611	अञ्जना सुन्दरी रास	पुण्यसागर वाचक
958	8866	,,	
959	11788 (1)	अठावीस लब्धि रो चोढालियो	रतन ऋषि
960	7160	अध्यात्म-गीता	देवचन्द्र
961	11207	,,	,,

माप से.मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
27×12.5 13;38	47–51	पूर्ण	19 वीं श.	
23.5×11.5 16;40	4–7	,,	20 वीं श.	
16.5×13 14;20	8	अपूर्ण	20 वीं श.	
24.5×10 11;32	(?)	पूर्ण	20 वीं श.	अन्त में समयसुन्दर कृत 'अष्टापदजी रो पद' है।
15.5×11 11;18	14	अपूर्ण	20 वीं श.	राज०; सं०; प्रा०; प्रथम पत्र अप्राप्त
12 5×10 10;16	14	पूर्ण	19 वीं श.	
11×7.5 7;10	28-44	अपूर्ण	19 वीं श.	राज०; प्रा०; सं०; 35-42 तथा बाद के कई पत्र अप्राप्त हैं।
14×8.5 8;16	27	,,	20 वीं श.	
25×11.5 17;37	20	,,	18 वीं श.	
24×10 5 20;57	2	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 16;26	2	पूर्ण	1882	र.का. 1835
24x11 15;40	3	,,	1817	
25.5x13 10;28	6	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास चौ० 962	7543 (2)	अनाथी-सन्धि	विमलविनय शिष्य नयरंग
963	11323	अन्त समय आराधना	जयमल शिष्य रामचन्द
964	11284	अभयकुमार पञ्चसाधु-रास	कीर्तिसुन्दर शिष्य धर्मवर्धन
965	7811 (12)	अमरकुमार-सुर सुन्दरी-रास	धर्मवर्धन
966	7119 (4)	अयवन्ती-सुकुमाल-रास	जिनहर्ष
967	7666	,, ,,	,,
968	7819	,, ,,	,, शिष्य शान्तिहर्ष
969	8142 (12)	,, ,,	,,
970	11319	,, ,,	,,
971	11570	,, ,,	,,
972	7547	आनन्द-सन्धि	श्रीसार
973	7847	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×10 17;47	8–9	अपूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1647; र.स्था. कसूरपुर
27×11.5 24;66	3	पूर्ण	1939	र का. 1935; र.स्था. बीदासर लि.क. ऋषि हजारीमल लि.स्था. पटलावद
25×10.5 18;50	6	"	1886	अन्त में लावण्यसमय की 'दान-सज्झाय' है।; र.का. 1759 र.स्था. जैतारण; लि.क. ऋषि मलूकचन्द; लि.स्था. सुभटपुर
24.5×15 13;23	55–82	अपूर्ण	19 वीं श.	
15×16 15;14	22–35	पूर्ण	1822	
25.5×10.5 17;56	3	"	18 वीं श.	अन्त में 'शील नववाडि सज्झाय' अपूर्ण है।; लि.स्था. गुढ़ा
24.5×11 14;40	5	"	19 वीं श.	अन्त में 'तत्वानिव्रतधर्म संयम' पद्य का अर्थ अपूर्ण है
17×15.5 15;17	149–159	"	19 वीं श.	
23×10 10;32	11	अपूर्ण	1830	लि.क. हेतशीलगणि पत्र द्वितीय अप्राप्त
16×12 15;23	7	पूर्ण	1899	लि.क. तेजरुचि; लि.स्था. सणवाड़
25×11.5 18;38	7	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×10.5 17;50	7	"	18 वीं श.	अन्त में 'अनाथी सज्झाय' अपूर्ण है। प्रथम पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 974	8142 (5)	आनन्द-सन्धि	श्रीसार
975	8151 (67)	,,	,,
976	8155 (67)	,,	,,
977	7467	आरामनन्दन-चौपई	
978	7585	आषाढ़भूति-चतुष्पदी	ज्ञानसागर शिष्य माणिकसागर
979	7772	,,	,,
980	7961	आषाढ़भूति-चौपई	मानसागर शिष्य जीतसागर
981	7962	,,	,,
982	7940	,,	,,
983	11542	,,	,,
984	7543 (3)	आषाढ़भूति-धमाल	कनकसोम
985	8715	,,	,,
986	11407	,,	,,

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×15.5 16;18	44–50	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 51–83 तक अप्राप्त
10×9 9;11	404–469	पूर्ण	19 वीं श.	
12.5×16 18;15	142–163	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 151-156 तक अप्राप्त
27.5×11 17;55	6	,,	17 वीं श.	
25×11 15;36	8	,,	1768	लि.क. क्षमासुन्दर पत्र 1-2 अप्राप्त
26×10 5 14;40	9	पूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1724; र.स्था. श्री चम्पापुरी प्रथम पत्र अप्राप्त
24.5×11 16;44	4	,,	1943	र.का. 1737
25×11 12;42	3	अपूर्ण	20 वीं श.	
26×11.5 12;32	6	,,	20 वीं श.	
25.5×10.5 17;40	4	पूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1730; र.स्था. भोसंदनगर लि.क. ललितहंस शिष्य तत्त्वहंस
25.5×10 17;47	9-11	,,	18 वीं श.	
25.5×10.5 20;36	2	,,	20 वीं श.	
25×10.5 15;48	2	,,	18 वीं श.	लि.स्था. मीठोडा

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ॰			
987	11543	आषाढ़भूति धमाल एवं जम्बू-स्वामी सज्झाय	कनकसोम
988	11566	इलापुत्र-चौपई	ज्ञानसागर
989	11393	"	
990	7247	उदयराज-बावनी	उदयराज
991	11401	उपदेश-सत्तरी	श्रीसार उपाध्याय
992	7568	ऋषभदेव-रास	
993	7524	औपदेशिक ढाल	
994	7502 (2)	कयवन्ना-चरित्र-चौपई	चेतन
			"
995	7503	"	
996	8121	कयवन्ना-चौपई	जयरंग (जैतसी)
997	7659	कान्हड़-कठियारा री चौपई	मानसागर
998	7944	केशव-बावनी	केशवदास

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×11.5 15;43	3	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. ऋषि मलूकचन्द्र शिष्य खुश्यालचन्द्र
16×10 14;23	15	,,	1806	लि.स्था. काननपुर
21.5×10 10;32	10	अपूर्ण	20 वीं श.	
24×11 16;46	11–15	,,	19 वीं श.	
24×10 20;45	2	पूर्ण	1742	लि.क. विमलरुचि लि.स्था. विजोवा
25.5×11 13;38	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
23.5×11.5 14;36	2	पूर्ण	17 वीं श.	अन्त में 'गज-सुकुमाल-सञ्झाय' अपूर्ण है ।
22×12.5 14;29	10	अपूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1853; र.स्था अजीम-गंज; लि.क. कवि खरतर–गच्छीय प्रतीत होता है । पत्र 1-4 अप्राप्त
22×12.5 14;29	2	,,	19 वीं श	ग्रन्थांक 7502 (4) की प्रति के प्रारम्भ के ये दो पत्र हैं ।
25×10.5 15;48	17	,,	1821	लि.क. हरनाथ शिष्य क्षमाविमल पत्र 1-5 अप्राप्त
25.5×11 15;44	2	,,	19 वीं श.	
19×10.5 14;21	2	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ०			
999	8041	केशव-बावनी	केशवदास शिष्य लावण्यरत्न
1000	8144 (8)	केसी-सन्धि	
1001	11760 (2)	खंधककुमार-चोढालियो	जयसिंघ ऋषि
प.1002	7787	गजसुकुमाल-विवाहलु	शिष्य शुभवर्धन
1003	8895	गुणावली-चौपई	ज्ञानमेरु शिष्य महिमसुन्दर वाचक
1004	9242	गौतमपृच्छा-चौपई	शिष्य समयरत्न
1005	7129 (1)	गौतम-स्वामी-रास	विनयप्रभ उपाध्याय
1006	7179 (1)	,,	,,
1007	7379	,,	,,
1008	7850	,,	,,
1009	7994 (1)	,,	,,
1010	8151	,,	,,
1011	9417	,,	,,

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 9;29	12	पूर्ण	20 वीं श.	अन्त में 12वें पत्र पर केशव कृत दूसरी बावनी अपूर्ण है। र.का. 1736
13.5×14 13;17	153–160	,,	17 वीं श.	अपभ्रंश में
23.5×10.5 16;33	4–5	,,	19 वीं श.	र.का. 1751; र.स्था. मंगलपुर लि.क. सागरचन्द
26×10.5 14;40	4	,,	1602	लि.क. जयकीर्त्ति शिष्य विनय-कीर्त्ति गणि;लि.स्था.नडीयार नगर
24 5×10 15;43	7	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्र चिपके हुए; र.का. 1672 प्रथम पत्र अप्राप्त
24 5×9.5 13;60	3	पूर्ण	1720	लि.क. मुनि तेजसिंह लि.स्था. बूसी
15×11 10;15	1–10	,,	1849	
25×11 14;35	1–3	,,	19 वीं श.	
21.5×11 11;27	6	,,	1926	लि.क. केसरीचन्द
25.5×10.5 15;50	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×10.5 15;38	4-7	पूर्ण	19 वीं श.	अन्त में शिवनिधान कृत 'स्थूलिभद्रसज्झाय' है।
10×9 9;11	155–173	,,	19 वीं श.	
23.5×11 8;21	11	अपूर्ण	20 वीं श.	पत्र 1–2 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 1012	10265	गौतम-स्वामी-रास	विनयप्रभ
1013	11272	,,	,,
1014	11551	,,	,,
1015	7723	चन्द-चरित्र-चौपई	विद्यारुचि
1016	8018	,,	मोहनविजय
1017	8038	,,	,,
1018	8043	,,	,,
1019	8076	,,	,,
1020	8190	,,	,,
1021	1341	चन्दन-मलयागिरि री वार्त्ता	भद्रसेन
1022	1883 (25)	,,	,,
1023	11318	चन्द्रलेखा-चौपई	
1024	10262	चेलणा-सती-चउढालियो	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10 15;48	3	पूर्ण	19 वीं श.	जीर्ण
25.5×11 12; 35	4	,,	19 वीं श.	
24×11 14;33	5	,,	20 वीं श.	लि.क. पं. हस्तिविजय
25×10.5 14;37	12	अपूर्ण	19 वीं श.	
25 5×12 15 44	82	,,	19 वीं श.	द्वितीय पत्र अप्राप्त; 17वां दो बार
25.5x12.5 17 ; 40	90	,,	19 वीं श.	पत्र 1-78 अप्राप्त
24×11.5 11; 37	146	,,	19 वीं श.	पत्र 1-18, 20, 85-86 अप्राप्त
25.5×12.5 15;40	58	,,	19 वीं श.	पत्र 7-15, 19-33 अप्राप्त
13×22.5 36;19	36	,,	19 वीं श	पत्र 1-27 अप्राप्त
25×11 15;48	3-6	,,	19 वीं श.	
19×12.5 21;34	121–124	पूर्ण	18 वीं श.	प्रारम्भ के 17 छन्द अप्राप्त हैं।
26×12 11;33	12	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10 14;35	3	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1833; र स्था. रीयां; लि.क. रायचन्द्र कवि शिष्य जयमल

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास चौ॰ 1025	1883 (35)	चौबोली री वार्त्ता	जिनहर्ष
1026	11788 (8)	जम्बूकुमार–चौढ़ालियो	गंगमुनि शिष्य लखमीचंद
1027	9270	जांम्बवती-चौपई	
1028	7243	जिनमहिमादि सवैया-संग्रह	
1029	7476	जिनरक्षित-जिनपाल चौपई	
1030	8040	जिनरक्षित जिनपाल रो चौढ़ालियो	
1031	8091	„ „	
1032	7247 (2)	जिनरंग-बहुत्तरी	जिनरंगसूरि
1033	1883 (2)	डूंगरसी-बावनी	पदमभट (पद्मनाम)
1034	8869	ढालसागर और पाण्डवचरित्र की देशियों की सूची	
1035	7242 (3)	ढुंढारासो	
1036	8206	तेतलिपुत्र मुनि संन्धि	देवनन्द शिष्य ज्ञानचन्द
1037	8714	दसारणभद्र राजर्षि चौढ़ालियो	कुशलसिंह शिष्य रामसिंह

माप से.मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19×12.5 16;30	197	पूर्ण	1878	
25.5×11.5 16;26	7–10	,,	1882	
24×9.5 14;48	6	अपूर्ण	20 वीं श.	
29×12 12;32	8	,,	19 वीं श.	
26.5×11.5 7;19	3	,,	20 वीं श.	
26 5×11 7;20	9	,,	1876	लि.स्था. बड़ी सादड़ी पत्र 1-3 अप्राप्त
21×11 13;22	4	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
24×11 16;46	4–6	पूर्ण	19 वीं श.	
19×12.5 17;34	103–108	,,	18 वीं श.	र.का. 1503; पत्र 108-110 पर छन्दों की जाति का, पिंगल के अनुसार वर्णन है।
25×11 14;40	2	,,	19 वीं श.	
25×12 15;31	2रा	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×10.5 14;35	9	,,	1876	लि स्था. सोजत; पत्र 1-2 अप्राप्त
24×9 11;38	2	पूर्ण	1806	र.का. 1886; र.स्था. सोजत लि.क. पं. मानचंद

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० प.1038	9188	दसारणभद्र राजर्षि चौढ़ालियो एवं हीयाली	कुशलसिंह शिष्य रामसिंह; कपूरचन्द
1039	1873 (5)	दसारणभद्र राजर्षि-चौपई	धर्मसिंह पाठक शिष्य विजयहर्ष
1040	7741	दान-शील-तप-भावना-चौढ़ालियो	समयसुन्दर
1041	7811 (11)	,,	,,
1042	8072	,,	,,
1043	8147 (10)	,,	,,
1044	8151 (68)	,,	,,
1045	8157 (20)	,,	,,
1046	8199 (1)	,,	,,
1047	10178 (1)	,,	,,
1048	10195	दान-शील-तप-भावना-चौपई; स्थूल भद्र नवरसो; शीतल-नाथ स्तवन	समयसुन्दर; उदयरत्न; बुद्धिकुशल
1049	7247 (3)	दूहा-बावनी	हेमराज उपाध्याय
1050	8160 (4)	देवराज-वच्छराज चरित्र रास	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×10 14;30	2	पूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1786; र.स्था. सोजत । लि क. कुशलसिंह लि.स्था. विक्रमपुर
10.5×8 7;11	88–118	,,	19 वीं श.	र.का. 1757; र.स्था. मेड़ता
25×11 11;24	7	,,	19 वीं श.	छठा पत्र अप्राप्त
24.5×15 13;24	52–55	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×10 5 17;41	3	पूर्ण	1772	लि.क. लालचन्द यति
14 5×14 18;20	14–19	,,	19 वीं श.	
10×9 9;11	469–491	,,	19 वीं श.	
14.5×12 8;14	30–49	,,	19 वीं श.	
15.5×12 9;15	74	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1-62 व 74वां अप्राप्त
24×10.5 11;33	7	पूर्ण	1919	
23×10.5 10;35	6	,,	1867	लि.क. जैचन्द; लि.स्था. सेवाड़ी
24×11 16;46	6–7	,,	19 वीं श.	
16×15 5 16;23	94–109	अपूर्ण	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 1051	8198 (2)	देवराज-वच्छराज चरित्र-रास	लावण्यसमय
1052	8144 (7)	धन्ना-ऋषि-सन्धि	कल्याणतिलक
1053	7641 (2)	नन्द-बत्तीसी	
1054	1883 (34)	नन्द-बहोत्तरी	जसराज
1055	7423	नमि-राजर्षि-चौढ़ालियो	पूज्य आसकरण
1056	7963 (4)	नरक-चौढ़ालियो	गुणसागर
1057	1881 (7)	नरदेव-चौपई	सहजकीर्ति शिष्य हेमनन्दन
1058	7119 (6)	नल-दवदंती-चौपई	समयसुन्दर
1059	8191 (4)	"	"
1060	9221	नवकार-रास	
1061	11758	नवतत्त्व-चौपई	वरसिंह ऋषि, लोकागच्छी शिष्य दाम मुनि
1062	8147 (11)	नेमिनाथ-रास	पुण्यरत्न

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16×15.5 16;23	94–120	अपूर्ण	17 वीं श.	प्रारम्भ के पत्र ग्रन्थांक 8160(4) में सम्मिलित हैं । दोनों को मिलाने से कृति पूरी हो जाती है । पत्र 94-109 अप्राप्त
13.5×14 13;17	147–153	पूर्ण	17 वीं श.	र.स्था. जेसलमेर
26×11.5 13;36	14–19	अपूर्ण	17 वीं श.	
19×12.5 16;30	194–197	पूर्ण	1778	र.का. 1714 र.स्था. वील्हावास
25.5×12 15;38	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10.5 13;35	5–6	पूर्ण	19 वीं श.	प्रथम स्फुट पत्र सुभाषित दोहों का है ।
25.5×10 16;46	7	,,	18 वीं श.	र.का. 1682 र.स्था. पाली
15×10 13;14	38-117	,,	1822	लि.क. पं. शिवचन्द लि.स्था. रोहीठ
15×12 13;16	65-141	,,	19 वीं श.	प्रशस्ति मात्र अपूर्ण है । र.का. 1673 र.स्था. मेड़ता
22×10 13;27	3	,,	20 वीं श.	लि.क. आर्या संतोषा
25.5×11.5 17;34	6	,,	19 वीं श.	र.का. 1766 र.स्था. कालावड
14.5×14 18;18	19–24	,,	1802	लि.क. फतेचन्द लि.स्था. मेड़ता

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 1063	9220	नेमिनाथ-रास	पुण्यरत्न
1064	11221 (1)	,,	,,
1065	11612 (1)	,,	,,
1066	11760 (11)	पञ्च-प्रमाद पञ्च ढालियो	थोमरण ऋषि शिष्य मानजी ऋषि
ष. 1067	7407	परदेशी राजा री चौपई	अमरसिन्धुर शिष्य जयसार शिष्य युक्तिसेन
1068	1871	पुण्यरंग-चौपई	लालचन्द (लब्धिसागर)
1069	8871	पूज्य सबलदासजी-रास	
1070	8185	प्रत्येक बुद्ध रास	समयसुन्दर
1071	1881 (8)	प्रियमेलक-चौपई	,,
1072	7761	प्रियमेलक-चतुष्पदी	,,
1073	11799	बारह-भावना-सन्धि	?
1074	1837 (2)	,,	जयसोम शिष्य प्रमोद उपाध्याय
1075	8142 (4)	,,	जयसोम उपाध्याय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
22×10 13; 29	4	पूर्ण	1711	लि.स्था. विक्रमपुर
25×11 15; 37	3	,,	18 वीं श.	
25.5×11 15; 40	3	,,	19 वीं श.	
23.5×10.5 16; 33	7–8	,,	19 वीं श.	लि.क. सागरचन्द ऋषि लि.स्था. हरिदुर्ग
25.5×11 14; 41	53	,,	19 वीं श.	र.का. 1892; र.स्था. बम्बई
24.5×10.5 13; 42	12	अपूर्ण	19 वीं श.	अंतिमांश अप्राप्त
23.5×10 15; 37	2	,,	19 वीं श.	
25×11.5 19; 14	20	,,	18 वीं श.	पत्र 8-12 अप्राप्त
25.5×10 13; 46	9	पूर्ण	1708	र.का. 1672; र.स्था. मेड़ता लि.क. सत्यविजय; लि. स्था. झालरा ग्राम
26.5×10.5 13; 41	7	अपूर्ण	18 वीं श	
23×13 16; 30	3	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. ताराचन्द
10.5×8 7; 11	48–71	,,	19 वीं श.	र.का. 1646; (रस वारिधि-रसि ससि) र.स्था. बीकानेर
17×15.5 16; 18	39–44		19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ०			
1076	7482	बारह-भावना-सन्धि	
1077	11231	,,	
1078	7934	बुढ़ापा री ढ़ाल	
1079	8028	बुद्धिरास	शालिभद्र
1080	7247	भावना-विलास	राज कवि
1081	11357	,,	
1082	7602	भोज-प्रबन्ध चौपई	कुशलधीर पाटक
1083	1881 (3)	माधवानल-कामकंदला-चौपई	कुशललाभ
1084	8194	मानतुंग-मानवती-रास	मोहनविजय
1085	7447	,,	
1086	7557	,,	
1087	7848	,,	
1088	7249	मुनिपति-चरित्र-चौपई	पं. धर्ममन्दिर शिष्य दयाकुशल

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 12;38	5	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×10.5 12;30	5	पूर्ण	17 वीं श.	
24×11 11;28	4	,,	1904	
25.5×10.5 16;50	2	,,	19 वीं श.	
24×11 16;54	4	,,	19 वीं श.	र.का. 1727
25 5×10 16; 54	3	अपूर्ण	18 वीं श.	
25.5×10 5 17;52	53	,,	18 वीं श.	र.का. 1729; र.स्था. सोजत प्रत्र प्रथम व 52वां अप्राप्त
25.5×10 13;40	25	पूर्ण	1768	र.का. 1616; र.स्था. जैसलमेर लि.स्था. (हरलाल) कृष्णदुर्ग
20×12 15; 26	50	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1-23 अप्राप्त
25.5×10.5 17; 44	6	,,	19 वीं श.	पत्र 1-3 अप्राप्त
26×12 11; 29	4	,,	19 वीं श.	
25×12 19; 46	5	,,	19 वीं श.	
25×11 16; 48	29	,,	19 वीं श.	पत्र प्रथम व चतुर्थ अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 1089	8044	मुनिपति-चरित्र-चौपई	पं. धर्ममन्दिर शिष्य दयाकुशल
1090	8116	,,	,,
1091	8142 (3)	मुनिमालिका	चरित्रसिंह
1092	1873	मृगाङ्कलेखा-चरित्र-चौपई	वच्छ
1093	7289	मृगापुत्र-चौढालियो	जिनहर्ष
1094	7361 (3)	,,	,,
1095	7621	,,	
1096	7776	मृगावती-चौपई	सकलचन्द शिष्य हरिविजयसूरि
1097	8009 (1)	,,	समयसुन्दर उपाध्याय
1098	7361 (1)	मेघकुमार-चौढालियो	जिनहर्ष
1099	7145	मेतार्य-ऋषि-चौपई	अमरविजय
1100	7745	,,	,,
1101	11480	मोती-कपासिया संवाद	श्रीसार

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10 11;38	54	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11 12;38	5	,,	20 वीं श.	
17×15.5 16;18	34–38	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10.5 13;38	16	,,	19 वीं श.	
25×10.5 19;52	3	अपूर्ण	18 वीं श.	
26×12 16;44	2–4	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 14;42	6	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1715; र.स्था. सत्यपुर लि.क. पं. गुणविलास लि.स्था. पुनरासर
25×10.5 16;37	18	अपूर्ण	1656	पत्र 1-3 अप्राप्त
25.5×11 11;38	26	,,	18 वीं श.	पत्र 1. 14, 23 एवं 24वां अप्राप्त
26×12 16;44	2	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. रायचन्द लि.स्था. पटोदी
25×10 16;42	10	अपूर्ण	19 वीं श.	
26×10.5 15;42	13	,,	19 वीं श.	पत्र 1-10 अप्राप्त
26×10.5 15;45	3	पूर्ण	1778	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 1102	7830 (1)	युगप्रधान जिनचन्द्रसूरि निर्वाण-रास	समय प्रमोद
प. 1103	7861	रत्नकुमार श्रीमाली रास	
1104	7182	रत्नचूड-रास	शिष्य रत्नसिंहसूरि
1105	7641 (1)	,,	
1106	7646 (1)	राजबावनी (कुण्डलिया बावनी)	लक्ष्मीवल्लभ राजऋषि
1107	8932 (2)	रात्रिभोजन-चौढालियो	सबलदास ऋषि
1108	8049	,, -रास	लक्ष्मीवल्लभ
1109	10187	लीलावती-चौपई	हेमरत्नसूरि शिष्य ज्ञानतिलकसूरि
1110	7162	वज्रस्वामी-भास	जिनहर्ष शिष्य शान्तिहर्ष
1111	1886	विक्रम-चरित्र-प्रबन्ध	उदयभान वाचक
1112	7775	विक्रमादित्य-खापरया चोर चौपई	अभयसोम शिष्य सोमसुन्दर
1113	7629	विमलमन्त्री-रास	लावण्यसमय
1114	9283	वृद्ध विवाह चौपई	देवशील शिष्य प्रमोदशील

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25.5×11.5 15;38	3	पूर्ण	1841	चिपकने से अक्षर नष्ट हो गये।
26×12.5 15; 34	2	,,	19 वीं श.	16वीं ढाल मात्र है; रतनकुमार श्रीमाली नाथा ऋषि का शिष्य है।
23×10 14;40	15	,,	1641	र.का. 1571; लि.क. विनयप्रमोद शिष्य जीवकलश लि.स्था. गारियाधार
26×11 5 14;36	14	,,	1680	र.का. 1517 लि.स्था. सूरावद नगर
20×15 5 15;22	11	,,	1848	लि.स्था. गारबदेसर
24.5×10.5 18; 55	2–3	,,	19 वीं श.	र.का. 1855 र.स्था. पीपाड़
26 13 11; 31	12	अपूर्ण	20 वीं श.	
21×10 13;30	23	पूर्ण	1912	लि.क. केसरसिंह शिष्य वीरचन्द लि.स्था. गढवाली
25.5×11 10;25	8	,,	1846	अन्त में आनन्द रचित 'पार्श्वनाथ-स्तवन' और जिनचन्द्रसूरि रचित 'चिन्तामणि पार्श्वनाथ स्तवन' है।
22×10.5 14;28	27	,,	18 वीं श.	र.का.1565; लि.क पूनमगच्छीय; पड़ी मात्राओं का प्रयोग किया गया है।
25.5×10.5 15;38	10	अपूर्ण	1766	र.का. 1723; र.स्था. सिरोही लि.क. शान्तिविजय
26 5×11 5 19;52	27	,,	17 वीं श.	प्रथम एवं 21-27 पूरित पत्र
25.5×10.5 17; 45	2	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ॰ 1115	7350	वैताल पच्चीसी कथा चौपई	देवशील शिष्य प्रमोदशील
1116	7594	शत्रुञ्जय-रास	
1117	1873 (39)	"	समयसुन्दर उपाध्याय
1118	7480	"	"
1119	7530	"	"
1120	7588	"	"
1121	8142 (2)	"	"
1122	8145 (1)	"	"
1123	8151 (7)	"	"
1124	8157 (19)	"	"
1125	8173	"	"
1126	7613	शालिभद्र-चौपई	जिनराजसूरि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×10 18:42	10-22	अपूर्ण	1788	र.का. 1619; लि.क. धनसोम पत्र1-9 व 21 वां अप्राप्त
26×11 14;46	3	,,	18 वीं श.	
10.5×8 7;10	315-348	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1682; र.स्था. नागोर पत्राङ्क 349 पर 24 तीर्थङ्करों के नाम हैं।
23×12 11;33	5	अपूर्ण	20 वीं श.	
23×9.5 10;26	9	पूर्ण	1834	लि.क. अमरदत्त शिष्य श्रीचन्द लि.क. कोढणा
25×11 5 12;40	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
17×15.5 13;16	25--33	पूर्ण	19 वीं श.	
16×12 11;18	23–33	,,	1853	जीर्ण; प्रारम्भ के कुल 11 पत्र जीर्ण और अस्त-व्यस्त हैं जिनमें प्रतिक्रमण, चाणक्यनीति, गौतमरास आदि हैं। लि.स्था. फलवर्द्धिका
10×9 9; 11	132–155	,,	19 वीं श.	
14.5×12 8; 14	10–30	,,	19 वीं श.	
15.5×11.5 10; 16	15	अपूर्ण	20 वीं श.	चौथे पत्र पर लावण्यसमय कृत 'पञ्चतीर्थी स्तवन' अपूर्ण है। पत्र 1-3 अप्राप्त
27×12.5 12; 28	30	,,	1904	लि.क. गोकचन्द; लि स्था. लसकर पत्र 1-24 अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 1127	7912	शालिभद्र-चौपई	जिनराजसूरि
1128	8079	,,	,,
1129	8122	,,	,,
1130	8142 (10)	,,	,,
1131	8191 (1)	,,	,,
1132	9451	,,	,,
1133	10229 (3)	,,	,,
1134	7492	शीलरास	
1135	7791	,,	विजयदेवसूरि
1136	11788	शीलवेली	वीरविजय
प. 1137	7748	शुद्धात्मध्यान स्वसूत्र-चौपई	
1138	7418	श्रीपाल-रास	जिनहर्ष

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.5 17;41	16	पूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11 15;40	10	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1-4 अप्राप्त
26×10 15;37	18	"	1821	लि.क. रतनधीर शिष्य ललितकमल लि.स्था. कोटडा;पत्र 1-12 अप्राप्त
17×15 16;48	95–136	"	19 वीं श.	जीर्ण, खण्डित पत्र 105-136 अप्राप्त
15×12 12;17	9	"	1803	लि.क. पं. उदैराज शिष्य लालचन्द शिष्य महिमचन्द लि.स्था. यूढीयाग्राम
25×10 15;46	14	"	19 वीं श.	पत्र 2-3 अप्राप्त
24×16.5 15;26	13-46	पूर्ण	1855	लि.क. पं. देवविजय पत्र 53वां अप्राप्त
25.5×10 21;45	4	अपूर्ण	18 वीं श.	
26×11 14;44	6	पूर्ण	17 वीं श	
25.5×11.5 16;26	10–19	"	18 वीं श.	
24×10.5 12;37	7	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×11.5 12;39	5	"	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ० 1139	8182	श्रीपाल-रास	जिनहर्ष
1140	8908	,,	,,
1141	7816	,,	लाचन्द (लावण्यकमल) शिष्य रत्नकुशल
1142	8064	,,	,,
1143	10219	,,	विनयविजय; यशोविजय
1144	8932 (1)	संखपोपली-चौढालियो	सबलदास ऋषि
प. 1145	9219	सनत्कुमार-चौढालियो	ऋषि कुशलसिंह शिष्य रामसिंह
1146	11750	सनत्कुमार चक्री छह-ढ़ालियो	महानन्द मुनि
1147	11519	सम्मेतशिखरतीर्थ-चौपई	सुबुध
1148	7439	सम्मेतशिखर-रास	सत्यरत्न
1149	7646 (2)	सवासौ-सीख	धर्मवर्धन
1150	1883 (17)	सवैया-बावनी	हेमराज 'राज'

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11.5 13;36	37	अपूर्ण	20 वीं श.	जलसिक्त
25.5×10 12; 34	4	,,	19 वीं श.	
26×12 13;37	45	,,	1857	र.का. 1837; र.स्था. अजीमगंज लि.क. पं. नयनन्द; पत्र 1-20 व 35-44 अप्राप्त
26×12 13;44	44	,,	19 वीं श.	पत्र 21–34 अप्राप्त
21.5×10 6;28	45	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 18; 55	2	पूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1855; र.स्था. नागौर
24×10 12;36	3	,,	1795	र.का. 1787; र.स्था. मेड़ता लि.क. मुनि कुशलसिंह; लि.स्था. विक्रमपुर; रचनाकार की स्वलिखित प्रति ।
26×11.5 18;34	5	,,	19 वीं श.	
24×12.5 16;33	3	,,	20 वीं श.	लि.क. मोहनरुचि लि.स्था. पावापुरी
21.5×11 13;36	6	अपूर्ण	20 वीं श.	
20×15.5 15;22	11–13	पूर्ण	1848	
19×12.5 13;28	29–35	,,	1774	लि.क. लालचन्द मुनि; लि.स्था. नागौर; अन्त में स्फुट प्रास्ताविक छन्द हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ॰			
1151	7247 (4)	सवैया-बावनी	हेमराज 'राज'
1152	7384	साधुवन्दना (बड़ी)	ऋषि जयमल
1153	8165 (2)	,,	,,
1154	7180	,,	समयसुन्दर
1155	11212	,,	,,
1156	11395	,,	,,
1157	7335	सुदर्शन-सेठ-चौपई	
1158	8144 (9)	सुबाहु-सन्धि	पुण्यसागर उपाध्याय
1159	7169 (1)	सुभद्रा-चौढालियो	मानसागर शिष्य जीतसागर
1160	7425	सुमित्रकुमार-रास	
1161	76,1	सुरप्रियकुमार-रास	
1162	8198 (3)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11 16;44	7–11	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11.5 18;45	3	,,	1925	लि.क. पेस शिष्य ज्ञानचन्द
10×7 8;13	59–72	,,	19 वीं श.	
24×11.5 14;32	28	,,	1834	र.का. 1697; र.स्था. अहमदाबाद लि.स्था. बाघावास; लि.क. श्रीकरनोत, घनश्यामकरनजी के राज में ।
25.5×11 15;37	22	अपूर्ण	1939	र.का. 1697; र.स्था. अहमदाबाद पत्र 3 रा अप्राप्त
25×10 15;44	2	,,	18 वीं श.	
24×10 11;38	6–17	,,	18 वीं श.	पत्र 1 से 5 अप्राप्त
13.5×14 13;17	160–171	पूर्ण	17 वीं श.	
25.5×11 16;40	1–3	,,	19 वीं श.	र.का. 1759
26×10.5 12;44	17	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×11 12;46	6	,,	17 वीं श.	
16×15.5 13;18	121–122	,,	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
रास-चौ॰ 1163	10178 (2)	स्थूलिभद्र-नवरसो	उदयरत्न
1164	10195 (2)	,,	,,
1165	8060(?)	हरिबल मच्छी-रास	लब्धिविजय
1166	1849	हरिवंशपुराण-भाषा	खुस्यालचन्द काला
1167	1863 (11)	हंसराज-वच्छराज-चौपई	जिनोदयसूरि
1168	7929	,,	,,
1169	8060(?)	,,	,,
1170	7682	हंसावली-चौपई (प्रथम खण्ड)	,,
जैनकथा-गद्य 1171	7449	कालिकाचार्य-कथा	,,
1172	7466	,,	
1173	7818	,,	
1174	10179	चातुर्मासिक-व्याख्यान	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.5 11;33	7–11	पूर्ण	1919	
23×10.5 10;35	6–11	,,	1867	लि.क. जैचन्द; लि.स्था. सेवाडी
25.5×11 18;43	23	अपूर्ण	19 वीं श.	
31.5×13.5 10;32	29–410	,,	20 वीं श.	र.का. 1780; र.स्था. जयसिंहपुरा (जिहानावाद); प्रारम्भ अप्राप्त
23.5×11.5 14;40	1–32	,,	19 वीं श.	42वीं ढाल पर्यन्त
25 5×13 15;38	36	,,	1875	लि.क. कृपासागर; लि.स्था. रूपनगर;पत्र 1,2,17,19,29वां अप्राप्त 9वां दो बार
22×9.8 15;34	30	,,	19 वीं श.	पत्र 1-3 अप्राप्त
25×11.5 12;31	10	,,	19 वीं श.	पत्र 1–2, 4था अप्राप्त
26×11.5 14;38	4	,,	19 वीं श.	
26×11 11;29	20	,,	1611	जीर्ण; लि.क राजशेखर गणि; पं. लक्ष्मीप्रभ, पं. कुमारसुन्दर, पं. रत्नसार पठनार्थ पत्र 1, 2, 9 से 15 अप्राप्त
25×11 15;42	4	,,	19 वीं श.	
25×11.5 12;35	14	पूर्ण	1928	लि.क. धनसुख ऋषि लि.स्था. सुजानगढ़

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनकथा-गद्य			
1175	10184	चातुर्मासिक-व्याख्यान	
1176	7479	चौवीस तीर्थंकर अधिकार	
1177	7742	जम्बू-स्वामी-चरित्र	
1178	11210	नवकार कथा-संग्रह	
1179	8082	नेमिनाथ-चरित्र	
1180	7534	पर्युषण-पर्व माहात्म्य	
1181	7509	पार्श्वनाथ-कथा	
1182	9204	,, -दसभव-कथा	
1183	7396	महावीर सताईस भव-विवरण	
1184	7504	मानवभव दसदृष्टान्त-कथा	
1185	1820	मौनैकादशी-कथा	
1186	8012	,,	
1187	11620	राजगच्छ-पट्टावली	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
28×13 12;30	14	पूर्ण	1922	लि.क. विनयविजय
25.5×11 21;33	4	अपूर्ण	19 वीं श.	तीसरा पत्र अप्राप्त
26×11.5 13;48	20	"	1822	पत्र 1-8 अप्राप्त
25.5×10.5 19;45	7	"	18 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
25×11 15;44	20	"	18 वीं श.	कल्पसूत्रान्तर्गत पत्र 1-13 अप्राप्त
26×11 21;58	2	"	18 वीं श.	
27.5×11.5 13;40	2	"	20 वीं श.	
24.5×10 15;49	3	पूर्ण	18 वीं श.	
25×12.5 14;32	2	"	20 वीं श.	द्वितीय पत्र 'कल्पसूत्र-टीका' के प्रारम्भ का है।
25.5×11.5 12;34	5	अपूर्ण	20 वीं श.	
23.5×10 11;30	1–8	पूर्ण	1838	लि.क. दानविजय
26×11 15;38	6	"	19 वीं श.	चिपके पत्र; छठे पत्र पर 'होलिका व्याख्यान' अपूर्ण है।
25×10.5 12;35	2	अपूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
जैनकथा-गद्य			
1188	11888	श्रावक-गौत्र (दिगम्बर)	
1189	8133	श्रीपाल-चरित्र	
1190	7246	सौभाग्य-पञ्चमी-कथा	
1191	11286	"	
1192	11433	होली-कथा	
स्तुति-स्त०			
1193	8191 (2-3)	अजितनाथ एवं पार्श्वनाथ-स्तवन	राजसिंह
1194	8144 (13)	अजितनाथ-स्तवन	पुण्यसागर उपाध्याय
1195	7309	अजितशान्ति-स्तवन	मेरुनन्दन
1196	8144 (10)	"	"
1197	9203	"	"
1198	7902	अठारह-नातारी-सज्झाय	ऋद्धिविजय
1199	11320	"	मुनिविमल शिष्य सोमविमल सूरि
1200	9195	अठावीसलब्धि-स्तवन	धर्मवर्धन

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21.5×15.5 13; 18	5	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
24×11 11; 30	32	"	19 वीं श.	पत्र 1-8, 12,27,30-31 अप्राप्त
23.5×10.5 8; 32	2–3	"	20 वीं श.	
24.5×12 15; 31	4	पूर्ण	1921	लि.क. ऋषि मोतीचन्द लि.स्था. नागोर
28×12.5 10; 30	4	"	20 वीं श.	
15×12 12; 15	63–64	"	19 वीं श.	लि.क. राजसिंह
23.5×14 13; 17	178-181	"	17 वीं श	खण्डित
19×9.5 12; 34	2	"	19 वीं श.	
13.5×14 13; 17	171–174	"	17 वीं श	
23.5×10 14; 60	1	"	18 वीं श.	
24×12 12; 33	3	"	19 वीं श.	
24.5×11 11; 28	4	"	19 वीं श.	
22×9.5 13; 34	2	"	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त०			
1201	1873 (36)	अनाथी-सज्झाय	समयसुन्दर
1202	7254 (1)	अन्तरीक-पार्श्वनाथ-स्तवन	लावण्यसमय
1203	8152 (1)	,,	विनयराज वाचक शिष्य ललितकीर्त्ति उपाध्याय
1204	11284	अभयकुमार पञ्चसाधु-रास	कीर्त्तिसुन्दर शिष्य धर्मवर्धन
1205	11580	अभिनन्दन, सुत्ति, सुपार्श्व, चन्द्र-प्रभ, सुविधि, श्रेयांसनाथ के स्तवन	जिनेन्द्रसागर शिष्य जसवन्तसागर
1206	1863 (4)	अरणिक-मुनि-सज्झाय	रूपविजय
1207	8154 (3)	,,	,,
1208	8649	,	समयसुन्दर
1209	7880	अमरनाथ-स्तवन तथा जिनलावणी	1. मलूकचन्द शिष्य दयाराम 2. जिनदास
1210	7722	अरहन्तमहिमा-स्तव	दयातिलक
1211	9191	अरहन्नक मुनि सज्झाय	
1212	7817 (10)	अल्प-बहुत्व विचारगर्भित-स्तवन	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10.5×8 7;10	303–305	पूर्ण	19 वीं श.	
20.5×10 15;28	3	,,	19 वीं श.	
11×6 6;16	1–11	,,	1880	र.का. 1712; लि.क. जयचन्द लि.स्था. पाली
25×10.5 18;50	6	,,	1886	अन्त में लावण्यसमय की 'दान-सज्झाय' है। र.का. 1759 र.स्था. जैतारण; लि.क. ऋषि मलूकचन्द; लि.स्था. सुभटपुर
23.5×11.5 16;38	2	,,	19 वीं श.	
23.5×11.5 15;34	2रा	,,	19 वीं श.	
11.5×14 1516	8–9	,,	19 वीं श.	
10.5×10 8;10	3	,,	20 वीं श.	
25×11.5 8;30	2	,,	19 वीं श.	र.का. 1861; र.स्था. जयपुर
26×11.5 10;32	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×10.5 8;29	2	पूर्ण	19 वीं श.	
26×11.5 13;46	7–8	अपूर्ण	19 वीं श.	सातवां पत्र अप्राप्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1213	11615	अष्टमी तिथि-स्तवन	कान्तिविजय
1214	1873 (24)	अष्टापदतीर्थ-स्तवन	ज्ञानविमल
1215	7129	,,	समयसुन्दर
1216	8152 (5)	,,	जसवन्तसागर
1217	11629	आत्मउत्पत्ति प्रतिबोध-सज्झाय	श्रीसार
1218	7581	आत्मप्रबोध (अष्ट-दृष्टि) सज्झाय	यशोविजय शिष्य नयविजय
1219	11227	आत्मशिक्षा-सज्झाय	लावण्यकीर्त्ति
1220	8878	आत्मशिक्षा-स्वाध्याय	
1221	8170 (7)	आदिनाथ-पद	
1222	11760 (3-9)	आदिनाथादि पद-संग्रह (7 पद)	रूपचन्द मुनिराम, मलूकचन्द, हरदास, निरभैराम
1223	7267	आदिनाथ-वीनती	मुनि लावण्यसमय
1224	9201	,,	गुणसूरि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×12 12;35	2	पूर्ण	1929	लि.क. पं. मानसोम लि.स्था. ग्राम गोल
10.5×8 7;10	267–270	;,	19 वीं श.	
15×11 11;15	11–12	,,	19 वीं श.	पृष्ठ 15 से 18 तक पार्श्वनाथ स्तवन, भरत बाहुबली सज्झाय, शनिश्चरकथा, चेलणा सज्झाय आदि कृतिया अपूर्ण हैं।
11×6 7;18	16-17	,,	1880	लि.क. जयचन्द; लि.स्था. पाली
27×12 18;40	2	,,	20 वीं श.	लि.क. ऋषि भागचन्द
24.5×10.5 10;31	7	अपूर्ण	19 वीं श.	7वें पत्र पर 'चन्द्राउला सज्झाय' अपूर्ण है। प्रथम पत्र अप्राप्त
25×11 9;26	2	पूर्ण	20 वीं श.	
24×10 12;46	1	,,	1855	लि.क्र. अखु; लि.स्था. नागोर
13.5×12 9;14	44वां	,,	19 वीं श.	
23.5×10.5 16;33	5–6	;,	19 वीं श.	
25.5×12 11;28	3	अपूर्ण	1904	लि.क. गजेन्द्रसागर प्रथम पत्र अप्राप्त
25×10 12;34	2	पूर्ण	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त०			
1225	1873 (22)	आदिनाथ-स्तवन	श्रीविजयशिष्य ?
1226	1873 (25)	,,	उदयरत्न
1227	8708	,,	चन्द
1228	11512 (1)	आदिनाथ-स्तवन	दीपसौभाग्य
1229	8152 (137)	आनन्दघन-चौबीसी	आनन्दघन
1230	7358	आलोयणा गीत(4), नाकोड़ा पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर
1231	7832	आलोयणा (पद्मावती) बत्तीसी	,,
1232	11553	आलोयणा-स्तवन	धर्मसिंह
1233	1876 (6)	,,	,, (धर्मवर्धन)
1234	10214	,, ,पदमावती-आलोयणा, पुण्यप्रकाश आराधना-स्तवन	(1-2) समयसुन्दर (3) विनयविजय
1235	11223	उपदेश-छत्तीसी	जिनहर्ष
1236	11749	,,	,,
1237	7169 (3)	उपदेश-बत्तीसी	राज

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10.5×8 7;10	261–263	पूर्ण	19 वीं श.	
10.5×8 7;10	270–272	,,	19 वीं श.	
25×10 13;40	1	,,	18 वीं श.	
25×11.5 16;34	1ला	,,	20 वीं श.	
10×9 9;12	573–623	,,	19 वीं श.	किनारे खण्डित
24×9.5 11;34	1	अपूर्ण	19 वीं श.	'आलोयणा गीत' तीसरा अपूर्ण है ।
25.5×10 7;24	3	पूर्ण	19 वीं श	
23×10.5 15;35	2	,,	1874	अन्त में उपदेश पद है; लि.क. पं. जसरूप; लि.स्था. ब्यालपुर
10.5×8 7;11	121–137	,,	19 वीं श.	र.का. 1754 र.स्था. फलवर्द्धिपुर
22×12 14;25	8	,,	1961	लि.क. ऋषि दीपचन्द्र
26×11 13;35	4	,,	20 वीं श.	पानी से स्याही फैली हुई है ।
26×11.5 16;52	4	,,	1882	लि.क. सागरचन्द ऋषि
25.5×11 16;40	4था	,,	19 वीं श.	अतिरिक्त 5वें स्फुट पत्र में नरसिंघ जी री नीसांणी' अपूर्ण और 'उपदेश नीसांणी' है ।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त०			
1238	8090	उपदेश-बत्तीसी	बालचन्द
1239	11251	उपदेश री ढाल	
1240	9208	उपदेश सज्झाय, पार्श्वजी रो स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1241	11237	उपदेश सज्झाय, सिखामण सज्झाय	पं. लखमी कल्लोल, मुनि लावण्य
1242	11219	ऋषभदेव-लावणी	दीपविजय
1243	1863 (10)	" -स्तवन	जिनराजसूरि
1244	8152 (4)	"	मोहनविजय शिष्य रूपविजय
1245	8650	"	समयसुन्दर
1246	7159 (1)	ऋषभदेव-स्तवन (नरक नौ चौढालियो)	गुणसागर
1247	11234	ऋषभदेव स्तवन, जिनपद, पार्श्वजिन स्तवन, जिनपद, ऋषभजिनपद, शत्रुञ्जय स्तवन, आदिनाथ वृद्ध स्तवन	ललितविजय शिष्य सुमति-विजय, भावसागर, राम, ज्ञानविमल, ऋषभविजय, नयविमल, समयसुन्दर
1248	11612 (2)	ऋषभदेव-स्तुति	कवि ऋषभदास
1249	10249	ऋषभदेवाष्टक	गुणसूरि

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
21×11 11;28	5	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
26.5×11.5 26;46	2	पूर्ण	1865	
21.5×9.5 10;32	2	„	1844	लि.क. ऋषि चतुर्भुज लि.स्था. विक्रमपुर
21×11 10;28	2	„	19 वीं श.	लि.क. जसविजय शिष्य बुद्धिविजय; अन्त में संस्कृत के 5 प्रास्ताविक श्लोक हैं।
27×12 15;38	3	„	19 वीं श.	
23.5×11.5 14;34	6ठा	„	19 वीं श.	
11×6 6;16	14-16	„	1880	लि.क. जयचन्द; लि.स्था. पाली
10.5×12 12;13	2	„	20 वीं श.	राज०; पंजाबी
25.5×10.5 7;28	1-4	„	1787	
24×12.5 19;41	2	„	19 वीं श.	
25.5×11 13;38	3रा	„	19 वीं श.	
23×10 10;32	19-20	„	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1250	8932 (3)	कुदेशिक-ढाल	जयमल ऋषि
1251	7241 (3)	,, -लावणी	जिनदास
1252	11485	,, -स्तवन गजल आदि (23 कृतियां)	1-7, 9 चौथमल शिष्य हीरामल, 8 किसन, 11-13 रामचन्द्र
1253	7732	,, स्वाध्याय	रतनचन्द
1254	8160 (3)	,,	
1255	11221 (2)	,,	विजयदेवसूरि
1256	7210 (1)	कक्का-बत्तीसी-लावणी	तिलोक ऋषि
1257	7217 (1)	कमलावती री सज्झाय	
1258	1863 (5)	कर्म-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष
1259	1873 (10)	,,	,,
1260	11550	कल्याणमन्दिर स्तोत्र-भाषा	बनारसीदास
1261	7119	कायारो गीत आदि	आसौ आदि
1262	1873 (35)	काया-सज्झाय	सहजसुन्दर

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10.5 18;55	3रा	पूर्ण	1855	
24×10.5 12;39	2रा	,,	20 वीं श.	
24.5×11.5 21;48	2	,,	20 वीं श.	र.का. 1972; लि.क. कजोड़ीमल लि.स्था. रामपुरा
25×10.5 9;34	2	,,	1908	दूसरी 'औपदेशिक-स्वाध्याय' अपूर्ण है। लि.क. साधु हीरचन्द्र
16×15.5 13;22	92–93	अपूर्ण	17 वीं श.	
25×11 17;42	3रा	पूर्ण	18 वीं श.	
24 5×11.5 17;41	2	,,	20 वीं श.	र.का. 1938
25×12 13;30	1–3	,,	19 वीं श.	
23.5×11.5 15;34	3रा	,,	19 वीं श.	
10.5×8 7;11	202–208	,,	19 वीं श.	
25×11 17;39	2	,,	1852	लि.क. पं. अर्जुन
15×16 13;14	35–37	,,	1822	
10.5×8 7;10	301–303	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1263	11487	कृष्ण-बलभद्र-सज्झाय	
1264	1873 (28)	क्रोध-सज्झाय	उदयरत्न
1265	9241	,, , माया-उपरि-सज्झाय	भावसागर
1266	9200	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर
1267	8652	क्षामणा-पद	गुणसागर
1268	7623	गजसुकुमाल-सज्झाय	देवचन्द्र
1269	1863 (8)	गौड़ी-पार्श्वनाथ-स्तवन (वांणी ब्रह्मा स्तवन)	प्रीतिविमल
1270	7324	,,	,,
1271	7813	,,	,,
1272	11521	,,	,,
1273	7195 (1)	,, , जिनकुशलसूरि-स्तवन	,, ; जिनचन्द्रसूरि
1274	7119 (2)	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष
1275	7765	,,	जिनलाभसूरि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.5 10; 28	2	पूर्ण	1853	
10.5×8 7;10	284–286	,,	19 वीं श.	
20.5×10 14;28	1	,,	1857	लि.स्था. पाली
25×10 13; 44	2	,,	18 वीं श.	लि.क. नयनसुन्दर
24×12.5 14; 28	1	,,	20 वीं श.	
25.5×11.5 10;42	3	,,	20 वीं श.	
23.5×11.5 14; 34	5वां	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भ के पत्र अप्राप्त हैं।
24×11 13;35	2	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 12;27	3	,,	19 वीं श.	
23.5×11.5 15; 36	2	,,	20 वीं श.	
24.5×9.5 13; 35	1–3	पूर्ण	1866	लि.क. योधमल
15×16 15; 14	15–16	,,	1822	
23.5×10 13;33	3	,,	1825	र.का. 1813;लि.क. पं. गौड़ीदत्त

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1276	7241 (5)	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन (बीठोडा)	मोहनहर्ष शिष्य लक्ष्मीप्रधान
1277	11243	"	शान्तिकुशल शिष्य विजयकुशल
1278	1873 (20)1-4	"	यशोवर्द्धन, अमृतवल्लभ, जिनहर्ष, सुमतिहंस
1279	7195 (8-9)	" ; अन्तरीक -पार्श्वनाथ-स्तवन	समयरंग शिष्य गुणशेखर, आनन्द
1280	7586	गौतमपृच्छा-स्तवन	
1281	7494	गौतम-प्रश्नोत्तर-स्तवन	ऋषभदास श्रावक शिष्य सांगण
1282	1881 (9-10)	गौतम-स्वामी-गीत	
1283	7397 (2)	" -छन्द	लावण्यसमय
1284	8170 (6)	" -स्तवन	"
1285	10257 (4)	"	"
1286	9144	गौतम स्तुति, षोडश सती-नामावली (पद्य) सरस्वती स्तुति, भरहेसर बाहुबली स्वाध्याय	
1287	7976 (1-2)	घट स्थापना गीत एवं समवसरण गर्भित पार्श्वनाथ स्तवन	देवचन्द

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.5 13; 39	2रा	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1939
25.5×10.5 13;30	3	,,	19 वीं श.	र.का. 1663 लि.क. पं. दयालरुचि
10.5×8 6; 10	245-247, 247-248, 249-250, 251–253	,,	19 वीं श.	चौथा स्तवन'कापरहेडा पार्श्वनाथ का है ।
24.5×9.5 13;35	11–12	,,	1866	लि.क. पं. योधमल
24×11 12; 36	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
26×11.5 13;36	5	,,	1786	लि.क. पं. रामसागर; लि..स्था. राजनगर; प्रथम पत्र अप्राप्त
25×10 10; 34	2–3	पूर्ण	1847	प्रारम्भ के दो पत्रों में श्रावक के तीन मनोरथ हैं । पत्र 3-4 पर 13 मंगल हैं ।
21; 11 9;25	7वां	,,	20 वीं श.	
13.5×12 9; 14	41–43	,,	19 वीं श.	सोलह सती नाम(पद्य)तथा गौतम-स्तुत्यात्मक पद्य भी अन्त में हैं ।
24×11 11; 27	6ठा	,,	1914	लि.क. केसरिच
23×10 18; 44	1	,,	19 वीं श.	संस्कृत-प्राकृत
23.5×11.5 16; 48	3–4	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1288	7817 (1)	चतुर्विंशति जिन नमस्कार	क्षमाकल्याण
1289	9192	चन्दनबाला-सज्झाय	
1290	11228	,,	
1291	7435 (1)	चन्द्रगुप्त-सोलह-स्वप्न-स्वाध्याय	ऋषि जयमल
1292	9198	,,	गुणचन्द शिष्य मुनि सूरजमल
1293	7181	चन्द्रप्रभ-जिन-स्तवन	चारित्रसागर शिष्य विबुधसागर
1294	11546	चार-कषाय-त्याग-गीत	
1295	1873 (6)	चार-मंगल-गीत	नन्दसोम
1296	1873 (11)	चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष
1297	1873 (18)	,,	बनारसीदास
1298	1963 (3)	चेलणा-सज्झाय	समयसुन्दर
1299	1873 (34)	,,	,,
प 1300	11578	चैत्यवन्दन-स्तुति-स्तवन-संग्रह	

माप से मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11.5 13;46	5	अपूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1856; र.स्था. नागपुर (महाराष्ट्र); पत्र 1-2 अप्राप्त
24×10 16;36	2	पूर्ण	1850	लि.स्था. बीकानेर
26.5×12 12;46	2	,,	19 वीं श.	लि.क. मौबतराम
24×10 14;38	2	,,	1874	लि.क. लछमणयति लि.स्था. पुनरासर
23×10 16;38	2	,,	19 वीं श.	र.का. 1850; र.स्था. बीकानेर
23×11 13;42	6	,,	19 वीं श.	लि.क. यशविजय
24.5×10.5 15;52	2	,,	18 वीं श.	
10.5×8 7;11	118–121	,,	19 वीं श.	
10.5×8 7;11	208–209	,,	19 वीं श.	
10.5×8 6;10	239–240	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 15;34	2रा	,,	19 वीं श.	
10.5×8 7;10	298–301	,,	19 वीं श.	
23×11 12;30	5	,,	1863	लि.क. पं. अर्जुन, जसरूप लि.स्था. [illegible]पुर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त०			
1301	7823	चौदह-गुणस्थान-स्तवन-सस्तवक	
1302	7630	चौदह पूर्व-स्तवन	नयविमल
1303	7976 (4-5)	चौरासी आसानना तथा मुंहपत्ति बोल-स्तवन	धर्मवर्द्धन, लक्ष्मीवल्लभ
1304	7264	चौरासी-आसातना-स्तवन	धर्मसी
1305	7259	चौवीस जिन भास	मेरुविजय शिष्य जयविजय
1306	11572	चौवीस-जिन-स्तवन, नवकार-स्तवन, चौवीस-तीर्थंकर-स्तवन विहरमान-स्तवन	ललितविनोद, जिनगुणप्रभसूरि, क्षमाकल्याण
1307	7149 (1)	चौवीस-तीर्थंकर-पञ्च-स्थानक-स्तवन	आनन्दविजय
1308	7300 (2)	,, -परिवार-स्तवन	ऋषि सुखलाल
1309	1881 (6)	,, -स्तुति	
1310	8875	,, एवं होली री ढाल	विनोदीलाल, फतेचन्द
1311	11474	चौवीस-दण्डक-स्तवन, चन्द्रगुप्त-सोलह-स्वप्न-सज्झाय, दशार्णभद्र-सज्झाय, मगसी-पार्श्वनाथ-स्तवन पजुसरण-पर्व-स्तुति	धर्मसुन्दर गणि, ललितविजय शिष्य शुभविजय, विद्याकुशल, जिनेन्द्रसागर
1312	8141	चौवीसी	आनन्दघन

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×10.5 16;42	3	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×11.5 12;27	2	पूर्ण	20 वीं श.	लि.क. चमनविजय
23.5×11.5 16;40	7–8	,,	20 वीं श.	लि.स्था. मिर्जापुर
21×11 11;25	2	,,	1924	लि.क. कमलसुख शिष्य सत्य-मारिगक गरिग; लि.स्था. जयपुर
23×10.5 18;38	5	अपूर्ण	19 वीं श.	'नेमिनाथ भास, पर्यन्त प्राप्त है।
25×11.5 14;30	2	पूर्ण	20 वीं श.	
25×11 11;36	1–2	,,	1807	
22×11.5 12;38	2रा	,	20 वीं श	तीसरा, दसवां अतिरिक्त पत्र किसी रास का है।
25.5×10 11;34	2–4	,,	18 वीं श	लि.क. श्राविका अमरबाई
24.5×10.5 14;38	1	,,	1855	लि.क. सिरदारमल शिष्य फतेचन्द लि.स्था. नागोर
25×10.5 13;36	4	,,	19 वीं श.	
5×8 12;7	50	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1313	8148 (1)	चौवीसी	आनन्दघन
1314	7416	,,	केसरकुशल
1315	7124 (39)	,,	जिनराजसूरि
1316	7529 (3)	,,	,,
1317	8142 (11)	,,	,,
1318	8204 (2)	,,	,,
1319	11287	,,	,,
प. 1320	11205	,,	मोहनरुचि शिष्य विनोदरुचि
1321	7157	,,	यशोविजय शिष्य नयविनय
1322	11367	,,	,,
1323	1881 (10)	,,	,,
1324	7159 (2)	धन्नु-जिनवर-नाम-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनरत्नसूरि
1325	11506	,,	जयविजय शिष्य देवविजय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11 5×7.5 9; 14	36	अपूर्ण	19 वीं श.	लि.क. कर्पूरभद्र; लि स्था. उदयपुर पत्र 1-4 अप्राप्त
25×12.5 13;40	7	,,	19 वीं श.	21वां 'नेमिनाथ गीत' चालू है।
12×12 14; 16	42-53	,,	1894	
24×10.5 11;28	22–32	पूर्ण	1836	
17×15.5 15;17	136-148	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 136वां अप्राप्त
16 5×11.5 10; 19	21	,,	1898	जीर्ण; पत्र 1-10 अप्राप्त
25.5×11 14;32	6	पूर्ण	1802	लि.क. क्षमाप्रमोद गणि लि.स्था. मांडवी
25.5×11.5 15; 39	7	,,	1882	अन्त में हेमविमलसूरि कृत 'नेमीनाथ स्तवन' है। लि.क.-उम्मेदहंस; लि.स्था जेसलमेर
25; 11 16;44	6	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 13; 32	4	अपूर्ण	20 वीं श.	12वें 'वासुपूज्य' तक लिखित है
25×10 10; 34	4–5	पूर्ण	1847	
25.5×10.5 7; 28	4–6	,,	1787	
23×11 13;30	2	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1326	8651	जिन-आरती	अमरदास
प. 1327	7878	जिनकुशलसूरि-छन्द	अमरसिन्धुर गणि
1328	7841	,,	कविराज
1329	7179 (2-3)	,, एवं स्तवन	साधुकीर्ति, समयसुन्दर
1330	7195 (5)	जिनदत्तसूरि-गीत	सूरचन्द गणि
1331	1863 (6)	जिन-पद (द्वय)	जिनचन्दसूरि
1332	8632	,, -(त्रय)	जिनदास
1333	1873 (26)	जिनपद-संग्रह	रूपचन्द्र, समयसुन्दर आदि
1334	7960	,, (28 पद)	नवल आदि
1335	11511	,,	लाल, नवल, जैचन्द, आनन्दलाल, वखतराम द्यानत आदि
1336	7502 (2)	जिनरक्षा-स्तोत्र	चेतन (ख)
1337	7255 (2)	जिनलाभसूरि, जिनभक्तिसूरि, जिनचन्द्रसूरि, जिनसुखसूरि गीत-संग्रह (7)	चौथा आदि

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×13 15;29	1	पूर्ण	20 वीं श.	
24×11 14;36	3	,,	19 वीं श.	र.का. 1892; र.स्था. बम्बई
22.5×11 11;29	4	,,	19 वीं श.	लि.क. तिलोकचन्द लि.स्था. कुण्डल.
25×11 14;35	4था	,,	19 वीं श.	
24.5×9.5 13;35	8वां	,,	19 वीं श.	लि.क. योधमल
23.5×11.5 15;34	3–4	,,	19 वीं श.	
14×13 10;15	2	,,	1907	लि.क. अखैराज मुनि लि.स्था. जेसलमेर
10.5×8 7;10	272–281	,,	19 वीं श.	रागबद्ध
19×11 14;28	4	,,	19 वीं श.	पत्र चिपक कर नष्ट
16.5×12 10;16	15	अपूर्ण	20 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
22×12.5 14;29	5–6	पूर्ण	19 वीं श.	
20×11 12;27	2–4	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1338	7241 (2)	जिनवाणी-सज्झाय	तिलोकचन्द शिष्य जयरंग शिष्य पुण्यकलश
1339	8170 (4)	जिन-वीनती	कनककीर्ति
1340	11209 (2)	जिन-स्तवन, शान्तिनाथ-स्तवन	कपूर
1341	1873 (27)	जिनस्तवन-संग्र	वाचक यशोविजय
प. 1342	7120 (3)	जिन-स्तवनादि-संग्रह	
प. 1343	7123 (1-3,6-27)	,,	
प. 1444	7124 (1-38)	,,	
प. 1345	7126 (1-150)	,,	
प. 1346	7130 (1-83)	,,	
प. 1347	7210 (1–16)	,,	
प 1348	7215 (1–44)	,,	
प. 1349	7236 (1 11)	,,	सुखलाल शिष्य विनयविमल
प. 1350	7250 (1 25)	,,	कवि रूपचन्द-वसता, कबीर

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10.5 16; 43	1ला	पूर्ण	20 वीं श.	
13.5×12 9;24	38–40	,,	19 वीं श.	
22.5×15.5 11;32	8वां	,,	20 वीं श.	'शान्तिनाथ-स्तवन' अपूर्ण है। 9वां पत्र 'वीर-स्तवन' का है
10.5×8 7; 10	281–284	,,	19 वीं श.	
13.5×19 23; 18	37-44	,,	20 वीं श.	भाषा रा०, सं० प्रा०
10×10 13;10	1–3, 3–52	,,	1788	लि.क. मेघराज; लि.स्था. डेरा इस्माइलखांन
12×12 14; 16	41	अपूर्ण	1894	लि.क. पं. रत्नचन्द; लि.स्था.पाल पत्र 1–3 अप्राप्त
10×17 19; 13	71	,,	20 वीं श.	पत्र 1-5 अप्राप्त
13×10 10; 20	14–70	,,	20 वीं श.	पत्र 1-13 अप्राप्त
23×10 13; 38	27	,,	19 वीं श.	पत्र 1-5, व 18-20 अप्राप्त
23×11 15; 35	16	,,	19 वीं श.	
19.5×10 10; 20	7	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1912-1916
25×10.5 14;36	4	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० प. 1351	7272 (1–10)	जिन-स्तवनादि-संग्रह	
प. 1352	7392 (1–13)	,,	
प. 1353	7401 (1–10)	,,	जिनदास, तिलोकचन्द
प. 1354	7415 (1–11)	,,	
प. 1355	7420 (1-5)	,,	
प. 1356	7488 (1–71)	,,	
प. 1357	7589 (1–7)	,,	
प. 1358	7712 (1–11)	,,	
प. 1359	7774 (1–12)	,,	
प. 1360	7785 (1–12)	,,	
प. 1361	7811 (2-10)	,,	
प. 1362	8137 (2-38)	,,	
प. 1363	8140 (4-48)	,,	

माप से मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23×9.5 11:37	7	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 3, 4, 6ठा अप्राप्त
(?) 17; 56	3	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×11 16; 44	4	"	20 वीं श.	
25×11.5 10; 32	11	अपूर्ण	20 वीं श.	
21×11 10; 22	12	"	20 वीं श.	पत्र 1-7 अप्राप्त
17.5×13 11; 17	38	पूर्ण	20 वीं श.	
24.5×10.5 9; 38	4	अपूर्ण	19 वीं श.	
(?) 16; 36	5	पूर्ण	19 वीं श.	रा०; प्रा०
(?) 15; 34	17	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1-4, 11-13 अप्राप्त
23.5×10 5 14; 34	4	पूर्ण	19 वीं श.	
24.5×15 12;20	21–36	"	19 वीं श.	
15.5×11 11; 18	15–61	"	20 वीं श.	
12.5×10 11; 18	44–72	"	20 वी श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० प. 1364	8142 (13-31)	जिन-स्तवनादि-संग्रह	
प. 1365	8143 (1-12)	,,	
प. 1366	8145 (2-28, 30-63)	,,	
प. 1367	8146 (1-19)	,,	
प. 1368	8147 (1-9, 12-21, 24-48, 50-51)	,,	
प. 1369	8148 (2-45, 47-79)	,,	
प. 1370	8149 (1-39)	,,	
प. 1371	8150 (2-29, 31-32)	,,	
प. 1372	8151 (9-12, 13-66, 69-136, 139-149)	,,	
प. 1373	8155 (1-66, 68–75)	,,	
प. 1374	8157 (1-17 21-32)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×15.5 15; 17	160–181	पूर्ण	19 वीं श.	
12×10.5 10; 15	36	,,	18 वीं श.	जीर्ण
16×12 13; 17	33–56, 58–82	,,	1853	जीर्ण; लि.क. उत्तमचन्द मुनि लि.स्था. फलवर्द्धिका पत्र 80वां अप्राप्त
12×9 9; 14	68	,,	19 वीं श.	जीर्ण; प्रथम पत्र अप्राप्त
14.5×14 18; 17	4-14, 24-39, 40-73, 81-92	,,	19 वीं श.	जीर्ण
11.5×7.5 9; 14	37-73, 102–121	,,	1878	लि.क. कपूरभद्र मुनि लि.स्था. उदयपुर
10×6 7; 16	73	,,	19 वीं श.	
12×10.5 12; 14	8-28, 30–32	,,	19 वीं श.	
10×9 9; 11	173-192, 198-404, 491-570, 634–642	,,	19 वीं श.	
12.5×16 18; 15	1-142, 163–169	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1-11, 16-20, 23-32, 47-72, 80-86, 104-107 व 109-110 अप्राप्त
14.5×12 8; 14	1-11, 49–71	पूर्ण	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० प. 1375	7158	जिन-स्तवनादि-संग्रह	
प. 1376	8161 (1-6, 9-26)	,,	
प. 1377	8162 (2-9)	,,	
प. 1378	8166 (1-61)	,,	
प. 1379	8167 (1-30)	,,	
प. 1380	8168 (1-41)	,,	
प. 1381	8169 (1-15)	,,	
प. 1382	8193 (1-31)	,,	
प. 1383	8195 (1-44)	,,	
प. 1384	8236 (1-12)	,,	
प. 1385	10191 (1-17,20)	,,	
प. 1386	10207 (1-73)	,,	
प. 1387	10247 (2-9, 11-39)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र: अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
17×13 11;7	21	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र अस्त-व्यस्त हैं।
15×16 17;15	1–9,16-42	पूर्ण	1814	लि.स्था. सोढावास ग्राम
7.5×7.5 8;10	30–37	अपूर्ण	19 वीं श.	
7×7 8;7	90	,,	19 वीं श.	जीर्ण; पत्र चिपके; पत्र 1, 5, 6, 81–82, 84-86 अप्राप्त
10.5×8 8;14	49	,,	1854	
7×6.5 9;10	69	,,	19 वीं श.	पत्र 1-10, 12-15 अप्राप्त
11×7.5 7;10	24	,,	19 वीं श.	पत्र 1-8 अप्राप्त
15×10 9;14	24	,,	20 वीं श.	पत्रांक रहित हैं।
11.5×9 9;12	43	,,	20 वीं श.	पत्र 1-4, 6-8, 11-15 अप्राप्त
17.5×10.5 6;20	10	पूर्ण	20 वीं श.	
25×12 8;25	21	,,	20 वीं श.	
21×10.5 10;21	23	,,	1928	लि.क. गोकुलचन्द ऋषि लि.स्था अजीमगंज
11×14.5 15;12	64	,,	1912	लि.क. केशरसिंह मथेरण; लि.स्था. गढवाली; पत्र 3,8,9,40 अप्राप्त इसमें अम्बाजी की आरती-प्रार्थना आदि भी दिये हुए हैं।

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० प. 1388	11326	जिन-स्तवनादि-संग्रह	रत्नचन्द्र
प. 1389	11399 (1-10)	”	
प. 1390	11510	”	
प. 1391	11537 (1-27)	”	
प. 1392	11623	”	
प. 1393	11788 (2. 4-7, 10-17)	”	
1394	11488	जिन-स्तवनादि-औपदेशिक-पद-संग्रह (13)	1,3 समयसुन्दर. 2 अखैमल दूल, नैनानन्द, तुलसीदास, शर्मा
1395	8170 (3)	जिन-स्तुति	
1396	11568	(1)जिन-स्तुति,(2)उपधान-स्तवन, (3)शान्ति-जिन-स्तवन, (4) जिन-स्तवन; (5) पार्श्वनाथ-स्तवन, (6) गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	(2)समयसुन्दर,(3)जयसोम (4) सुमतिरंग, (5-6) जिनचन्द्रसूरि
1397	7328	जिन-स्तुति-संग्रह	जिनकुशलसूरि, जिनलाभसूरि
प. 1398	11556 (1-23)	”	

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×12 15;40	5	अपूर्ण	1887	द्वितीय पत्र अप्राप्त
24.5×11.5 20; 53	2	पूर्ण	19 वीं श.	
16×10 13;20	45	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 1-10, 33, 41-43 अप्राप्त
12×12.5 20;21	16	पूर्ण	20 वीं श.	
24.5×10.5 16;44	4	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 16 ; 26	2,6,8 19–21	,,	1882	लि.स्था. अजमेर
24×11.5 16;44	2	,,	19 वीं श.	
13.5×12 9;14	37–38	,,	19 वीं श.	
24×10 16;56	2	,,	18 वीं श.	
24×10.5 12;44	2–3	,,	19 वीं श.	साथ में मौनैकादशी-स्तोत्र, 'द्रें द्रें कि' स्तुति, नवपद स्तुति, पर्युषरण-स्तुति, वीर-स्तुति, शत्रुञ्जय-स्तुति, चतुर्दशी-स्तुति हैं।
25×11 16; 44	5	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1399	1863 (1)	जीर्ण-सेठ-स्तवन (महावीर पारणा-स्तवन)	मुनिलाभ (मुनिमाल)
1400	10144 (5)	जीव-दया-सज्झाय	शिवसागर
1401	9211	जूवटो (दोहा जुआरा)	कुशल
1402	9012 (2)	ज्ञान की आरती	दानसागर शिष्य अमृतवर्धन
1403	11362	ज्ञानपञ्चमी, बाहुबली, मेघकुमार, इलाचीपुत्र-सज्झाय	विजयलक्ष्मी सूरि, सहजसुन्दर अमर, लब्धिविजय
1404	11618	ज्ञानपञ्चमी-स्तवन-सज्झाय	ज्ञानविमल, कान्तिविजय
1405	11504	झांझरिया-मुनि-सज्झाय, मेघकुमार-सज्झाय, सीलनववाड़-सज्झाय	शान्तिकुशल शिष्य विनयकुशल, अमर
1406	8154 (4)	ढंढण-ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष
1407	7910	तिरेसठ-शलाका-स्तवन, 14 गुण ठाणा-स्तवन, 28 लब्धि-स्तवन	मुनि वस्ता, धर्मसी
1408	10239	तीर्थमाला, नवकारछन्द सौले-सती को छन्द	समयसुन्दर, कुशललाभ उदयरत्न
1409	1881 (5)	तीर्थ-स्तुति	
1410	7930	दश-दृष्टांत-स्तवन, विमलाचल-स्तवन	सूरजउदय शिष्य सुन्दरसूरि जिनहर्षसूरि शिष्य जिनचन्द्र-सूरि
1411	7436	दश पच्चक्खाण-स्तवन	रामचन्द गणि शिष्य [illegible]

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×11.5 15;34	1–2	पूर्ण	19 वीं श.	
30×14 8;24	8-10	,,	20 वीं श.	
24.5×11 31;36	1	,,	19 वीं श.	
25×12 15;34	2रा	,,	20 वीं श.	
23.5×13 12;37	3	,,	19 वीं श.	
25×11 11;36	2	,,	20 वीं श.	
24.5×9.5 18;50	3	,,	19 वीं श.	
11.5×14 15;16	9–10	,,	19 वीं श.	
25.5×14.5 16;38	4	,,	20 वीं श.	
26×13 11;36	3	,,	1966	लि.क. रामलाल ऋषि लि.स्था. सुजानगढ़
25.5×10 11;34	1–2	,,	18 वीं श.	
25.5×11.5 15;41	2	,,	1902	
24.5×12 12;32	2	,,	20 वी श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्तो० 1412	11128	दश पच्चक्खाण-स्तवन	कान्तिसागरसूरि
1413	8865	,, -सज्झाय	रामचन्द ऋषि
1414	11600	दश पच्चक्खाण-सज्झाय, झांझरिया-ऋषि-सज्झाय	लब्धिविजय
1415	11376	दशवैकालिक-सज्झाय-संग्रह	कमलहर्ष
1416	7169 (2)	दशार्ण-भद्र-सज्झाय	लालविजय शिष्य शुभविजय
1417	8142 (9)	दादा-जिनकुशलसूरि-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1418	8142 (2)	,,	लाभोदय शिष्य भुवनकीर्त्ति
1419	8142 (8)	दादा-जिनदत्तसूरि-स्तवन	राजसमुद्र
1420	7963 (1-3)	देवकी-षट्पुत्र-स्तवन, अमीझरा-पार्श्वनाथ-स्तवन शालिभद्र-सज्झाय	कुशलमुनि शिष्य रामसिंह जिनचन्द्रसूरि, समयसुन्दर
1421	7241 (1)	धन्ना-ऋषि-सज्झाय	
1422	8154 (2)	,,	
1423	8154 (6)	धर्मरुचि-सज्झाय	चौथमल ऋषि
1424	11626	धर्म-सज्झाय	खेमो साह

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15.5×12 13; 21	2	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1862
24×10.5 16;36	1	,,	19 वीं श.	र.का. 1794; र.स्था. नवानगर
25×10.5 16; 35	2	,,	19 वीं श.	
25.5×11.5 12;30	10	,,	20 वीं श.	
25.5×11 16;40	3-4	,,	19 वीं श.	
17×15.5 7; 17	94वां	,,	1846	
17×15.5 15;18	93वां	,,	1846	जीर्ण; लि.स्था. जेसलमेर
17×15.5 16; 18	94वां	,,	1846	जीर्ण
24.5; 10.5 13;35	3-5	,,	19 वीं श.	
24×10.5 17; 43	1	,,	20 वीं श.	
11.5×14 15; 16	7–8	,,	19 वीं श.	
11.5×14 15; 14	12–13	,,	19 वीं श.	
14×11 10; 17	2	,,	1809	र.का. 1777; लि.क. आसकरण लि.स्था. हथणापुर नगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1425	11619	नन्द-बत्तीसी-चौपई	शिष्य धर्मचन्द्रसूरि पूर्णिमापक्षीय
1426	9217	नमिराजर्षि-सज्झाय	समयसुन्दर
1427	7165 (1)	नवकार-छन्द	कुशललाभ
1428	11271	,,	,,
1429	8152 (3)	नवकारवाली री हीयाली	रूपविजय शिष्य विनयविजय उपाध्याय
1430	7343	नवकार-स्तवन	जिनवल्लभसूरि
1431	7458 (1-2)	नवपद, रोहिणि-स्तुति	जिनलाभसूरि, लब्धिरुचि
1432	7235	नवपद चैत्य वन्दन, स्तवन, स्तुति	चरित्रनन्दी
1433	7440	नवपद-देववन्दन	हीरधर्म, लब्धिरुचि, ज्ञानविमलादि
1434	8151 (3)	नवपद-स्तवन	जिनलाभसूरि
1435	8151 (5-6)	नवपद-स्तवन (द्वय)	लालचन्द, क्षमाकल्याण
1436	1 530	नवपद-स्तुति-सस्तवक	यशोविजय
1437	11498	नवपल्लव-पार्श्वनाथ-स्तवन	मुनि लावण्य

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×10 15;42	5	पूर्ण	18 वीं श.	र.का. 1560
25×10 11;31	3	,,	19 वीं श.	
25×12 12;28	1–2	,,	20 वीं श.	
23×11 11;29	2	,,	20 वीं श.	
11×6 6;16	13-14	,,	1880	लि.क. जयचन्द; लि.स्था. पाली
18.5×12 11;21	3	,,	19 वीं श.	अपभ्रंश
24.5×11.5 15;41	1	,,	19 वीं श.	
16×8 5;20	25	,,	1941	लि.स्था. जयपुर
25.5×12.5 13;37	3	अपूर्ण	20 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
10×9 9;11	93–96	पूर्ण	1865	लि.स्था विक्रमपुर
10×9 9;11	130–132	,,	19 वीं श.	
23.5×12 20;40	2	,,	19 वीं श.	
24.5×10.5 14;37	2	,,	19 वीं श.	अन्त में 1 उपदेश पद हैं। र.का. 1598

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1438	1873 (8)	नववाड़ी-सज्झाय	जिनहर्ष
1439	11359	नववाड़ी-स्वाध्याय	,,
1440	1873 (19)	नाकोड़ा-पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर
1441	7459 (3-4)	नारी-परिहार, सामायिक-सज्झाय,	उदयरत्न, कमलविजय
1442	9170	नेमिनाथ-गीत (द्वय)	1·2 दयाकुशल
1443	11226	नेमिनाथ-चौवीस-चौक	अमृतविजय शिष्य विवेकविजय
1444	11759	,,	,,
1445	7507	नेमिनाथ-नवभाव-स्तवन	
1446	9385 (1)	नेमिनाथ-नवमंगल	लाल
1447	9197	नेमिनाथ-पद, मृगापुत्र-स्वाध्याय, शत्रुञ्जय-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1448	7166	नेमिनाथ-बारहमासो, पद्मप्रभु-स्तवन	जयचन्द्र, शान्ति
1449	7536	नेमिनाथ लावणी	गुमानचन्द
1450	8709	,,	जिणदास

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
10.5×8 7;11	145–173	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्राङ्क 143-145 पर 'नवपद-पूजा' का प्रारम्भ है; पत्राङ्क 146-162 अप्राप्त
25×10.5 15;43	4	पूर्ण	1744	र.का. 1729
10.5×8 6;10	240–244	,,	19 वीं श.	लि.क. अजबसुन्दर
24 5×11 5 18;41	1	,,	19 वीं श.	
24×10.5 14;28	1	,,	19 वीं श.	
26×12 17;35	4	,,	1866	लि.क. फतेन्द्रविजय लि.स्था. वालूचर
25.5×10.5 13;41	5	,,	1852	—
20.5×11 17;26	2	,,	20 वीं श.	लि.क. चादु; लि.स्था. किसनगढ़
15×10.5 7;21	24	अपूर्ण	1944	र.स्था. साहजापुर; लि.क.-नौनन्दराम सेठी, लि.स्था. कुशलगढ़ प्रथम दो पत्र नहीं है ।
20.5×10 16;27	2	पूर्ण	1848	
25.5×13 12;25	2	,,	20 वीं श.	
24×13 11;21	4	अपूर्ण	19 वीं श.	र.का. 1866 प्रथम पत्र अप्राप्त
23×10 9;30	1	पूर्ण	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1451	11308	नेमिनाथ-स्तवन	शिष्य मोहनसागर
1452	7695 (1-5)	नेमिनाथ-स्तवन नेमिनाथ-गीत स्थूलिभद्र-गीत जिनदत्तसूरि-गीत ऋषभदेव-स्तवन	यशोविजय ऋषभसुन्दर रुघपति
1453	7385 (2)	नेमिनाथ-स्तवन शोतलनाथ-स्तवन पद्मावती-आलोयणा	 जिनलाभसूरि समयसुन्दर
1454	1881 (11)	नेमि-राजीमती-रेखता	सहसू (सहसमल)
1455	7241 (4)	नेमि-राजुल-पद	जिनदास
1456	11598	पञ्चतिथि-स्तुति-संग्रह	नयविमल, जिनचन्द्रसूरि, भावप्रभसूरि, लालविजय
1457	1881 (4)	पञ्चतीर्थी-स्तुति	
1458	8874	पञ्च-महाव्रत-स्वाध्याय	कान्तिविजय
1459	11552	,,	,,
1460	7119 (1)	पञ्चमी-तप-बृहत्-स्वतन	समयसुन्दर
1461	11723	पञ्चमी-तप-स्तवन एवं सज्झाय	,, , विजयलक्ष्मीसूरि
1462	7165 (2)	पञ्चेन्द्रिय-वशीकरण-सज्झाय	विजयदेवसूरि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24.5×11 10;25	2	पूर्ण	1852	लि.क. नाथूराम लि.स्था. डुंगलाग्राम
25×10 15;48	2	,,	19 वीं श.	
25×10.5 12;37	2, 4, 5	,,	1859	जीर्ण
25×10 10;34	5–9	,,	1847	र.का. 1652; र.स्था. त्रिकूट
24×10.5 10;42	2रा	,,	20 वीं श.	
24.5×11 11;32	2	,,	19 वीं श.	'स्नातस्त्रा'--स्तुति अपूर्ण है।
25.5×10 11;34	1	,,	18 वीं श.	
26.5×12 12;43	2	,,	19 वीं श.	
23×11 15;39	2	,,	1878	लि.क. बुद्धिविजय गणि लि.स्था. नाडोल
15×16 15;14	14–15	अपूर्ण	1822	
23×11.5 12;39	3	पूर्ण	1904	लि.क. यति जोधराज लि.स्था. जालोर
25×12 13;28	2–3	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1463	1863 (2)	पद	
1464	7382	पद-संग्रह (27 पद)	ज्ञानसार
1465	7901	,, (15 पद)	धर्मवर्धन
1466	11354	,,	आनन्दघन
1467	7308 (2)	पद्मावती-आलोयणा	समयसुन्दर
1468	8870	,,	,,
1469	11278	,,	,,
1470	11304	,,	,,
1471	11403	,,	,,
1472	7217 (3)	पार्श्वनाथ-आरती आदि	
1473	7119 (3)	,, -घग्घर-निसांणी	जिनहर्ष
1474	7863	,, ,,	,,
1475	1870 (2)	,, -छन्द	भावविजय वाचक

माप से मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
23.5×11.5 15;34	2रा	पूर्ण	19 वीं श.	
25×11 10;36	7	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×10.5 15;42	2	पूर्ण	19 वीं श.	अन्त में धर्मसुन्दर कृत 'शान्तिजिन स्तवन' है।
24×11 12;29	8	,,	20 वीं श.	
24×10 15;33	5–6	,,	19 वीं श.	अन्त में भाव के उपशमादिक भेदोपभेदों का उल्लेख है।
25.5×12 15;40	1	,,	1865	लि.क. पं. हरखचन्द लि.स्था. खींवसर
27×11 10;29	3	,,	20 वीं श.	
26×12 10;29	3	,,	1948	लि.क. चतुर्भुज
24×11.5 8;23	4	,,	20 वीं श.	
25×12 13;30	4था	,,	19 वीं श.	सामायिक षारण-विधि और सात वर्षो पनोती रो मन्त्र है।
15×16 15;14	16–22	,,	1882	
25.5×11 13;42	3	अपूर्ण	19 वी श.	
20.5×9 11;32	1–4	पूर्ण	1890	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1476	11757	पार्श्वनाथ-छन्द	भावविजय वाचक
1477	11751	,,	लब्धिरुचि शिष्य हर्षरुचि
1478	7886	,, -देसंतरी-छन्द	
1479	8143 (15)	,, -नेमिनाथ, अभिनंदन-अजितनाथ-सवैये	धर्मसी राज, राजमुनि
1480	7348	पार्श्वनाथ-लावणी, नेमिनाथ-पद, पार्श्वनाथ-पद	शिवचंद ,,
1481	1873 (30)	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1482	1873 (31)	,,	कनकमूर्ति
1483	7502 (3)	,,	
1484	9196	,, (द्वय)	
1485	8204 (2-3)	,, ; शांतिनाथ-स्तवन	जैतसी, मोहनविजय
1486	7527	पार्श्वनाथ-स्तवनादि	
1487	11798 (2)	पासचन्द्रसूरि-सज्झाय	मुनि मेघराज
1488	7195	पुण्डरीकगिरी-स्तवन विधि-सहित	साधुकीर्ति

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×12 12;33	5	पूर्ण	1880	अन्त में 'जिनपद' हैं। लि.स्था. जैतपुर
26×11.5 13;31	2	,,	1865	लि.क. रूपचन्द
25×11 13;40	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
12×10.5 11;15	61–62	पूर्ण	18 वीं श.	
24×11 11;24	2	,,	19 वीं श.	
10.5×8 7;10	287-290	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ में एक पद है।
10.5×8 7;10	290–292	,,	19 वीं श.	
22×12.5 14;29	6ठा	अपूर्ण	19 वीं श.	
19×9.5 12;22	1	पूर्ण	20 वीं श	
16.5×11.5 10;20	21–23	,,	1898	जीर्ण; अन्त में 'वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन' अपूर्ण है।
20.5×11 9;25	6	,,	20 वीं श.	अन्त में भूख पर सवैया और कीर्तिसागर रचित भ्राता पद है। र.का. 1926
25.5×13 9;30	8वां	,,	19 वीं श.	
24.5×9.5 13;35	8–10	,,	1866	लि क योधमल

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1489	11230	पुण्य-प्रकाश-वीर-जिन-स्तवन	विनयविजय
1490	7149 (2)	पोसह-सामायिक-सज्झाय	सुमतिकुशल शिष्य हंसरत्नसूरि
1491	7434	प्रतिक्रमण-विधि-स्तवन	विमलकीर्त्ति शिष्य साधुसुन्दर
प. 1492	11492	प्रतिमा-हुंडी-स्तवन	साह बधो पींपाडा
प. 1493	7298	प्रमोद-पचीसी	कवि सुन्दर शिष्य शांतिदास
1494	11478	प्रवचन-स्तुति, स्थविर-स्तुति. कमलवन्ध-पार्श्वनाथ-स्तुति, ऋषभ-जिन-स्तवन	चेतनविजय शिष्य ऋद्धिविजय
1495	11547	प्रीति-छत्तीसी	सहजकीर्त्ति वाचक
प. 1496	11608	फलवर्घी-पार्श्वनाथ-छन्द	कवि कान्ह (भावडगच्छ)
1497	8879	,,	गुणसेन
1498	9212	,, ; कुशलसूरी-गीत	मुनि खेमराज जिनराजसूरि
1499	7804	फूल-ग्रंगोच्छा रो गीत, सीमंधर-स्तवन, पार्श्वनाथपद नेमिनाथ-पद ग्रष्टापद-स्तवन, पद, सिद्धाचल-स्तवन	क्षमाकल्याण कविया, जिनेन्द्रसागर, ग्रानन्दघन, क्षमारत्न

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×11.5 20; 23	5	पूर्ण	20 वीं श.	
25×11 11; 36	2–3	,,	1807	
25.5×10.5 13;47	2	,,	19 वीं श.	र.का. 1690 र.स्था. मुलतान
23.5×10 13;47	2	,,	19 वीं श.	र.का. 1724; र.स्था. सोजत
24×11 15; 35	2	,,	19 वीं श.	कवि खरतरगच्छ का है।
22×12 13;25	2	,,	19 वीं श.	
19 5×11 10; 27	3	,,	20 वीं श.	र.का. 1688; र.स्था. सांगानेर
25×11 16;41	5	,,	1812	लि.क. पं. रूपचन्द
25×10.5 10;39	1	,,	1768	अन्त में सुभाषित दो पद्य हैं। लि.क. साध्वी भागलच्छी
25×10 13; 40	2	,,	18 वीं श.	
25.5×13 14; 37	2	,,	20 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1500	9474	बत्तीस-दोष-सज्झाय	
1501	11625	बम्भणवाड-महावीर-स्तवन	कमलकलश सूरि
1502	7402 (4)	बालचन्द-बत्तीसी	बालचन्द शिष्य गंगदास शिष्य श्रीमल्लमुनि शिष्य रूपजीव गणि
1503	1837 (3)	ब.लमुनि- राजर्षि-सज्झाय	
1504	7285 (1)	बाहुबली-सज्झाय	राज
1505	1875	भक्तामर-स्तोत्र-भाषा	मू० मानतुङ्गाचार्य टी० हेमराज
1506	8187 (2)	भक्ष्याभक्ष्य-परिहार-सज्झाय	
1507	9058	भरतजी का बारहमासा	लालदास
1508	1881 (13)	भरत-बाहुबली-संवाद	कुसल
1509	1873 (7)	मंगलीक-व्याख्यान-गीत	रंगवल्लभ शिष्य रंगशील
1510	10249 (33)	मणिभद्र-छन्द	उदयकुशल शिष्य सुखकुशल
1511	11477	,,	राजरत्न पाठक

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
19.5×10 12;40	1	अपूर्ण	19 वीं श.	
25×11 11;34	2	पूर्ण	1791	
21.5×11 25;45	2–3	,,	20 वीं श.	र.का. 1685;र.स्था. अहमदाबाद
10.5×8 7;11	71–81	,,	19 वीं श.	
24×11 19;38	7वां	अपूर्ण	19 वीं श.	प्रारम्भ में गुणनिधि कृत 'जम्बू सज्झाय' अपूर्ण है और अन्त में शंकर का एक कवित्त हैं। पत्र 1–6 अप्राप्त
25×11 12;38	1–7	पूर्ण	19 वीं श.	
18.5×11 14;23	37–40	,,	19 वीं श.	
22×13 14;28	2	,,	20 वीं श.	
25×10 15;34	10–12	,,	1847	लि.क. पटवा मोतीचन्द लि.स्था. जिहानाबाद
10.5×8 7;11	137–142	,,	19 वीं श.	
23×10 10;30	29–31	,,	20 वीं श.	
23×11 12;32	2	,,	19 वीं श.	जीर्ण

क्रमांक एव विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1512	10258	मणिभद्र-छन्द, ऋषभदेवजी री लावणी	उदयकुशल शिष्य शिवकुशल
1513	7497	मल्लिनाथ-स्तवन	कुशललाभ शिष्य कुशलधीर
1514	9306	महावीर-जन्मोत्सव-स्तवन	गोवर्धन ऋषि
1515	7955	महावीर-पञ्च-कल्याणक-स्तवन, आत्म-स्वाध्याय	गुणसूरि, नयविजय
1516	7727	महावीर-पारणक-स्तवन	मुनिमाल
1517	7562	महावीर-स्तवन (प्रज्ञापना 36 पद विवरण रूप)	विनयमेरु गणि शिष्य हेमधर्म
1518	1863 (9)	"	समयसुन्दर
1519	8154 (7)	"	"
1520	8695	"	कुशलहर्ष
1521	9216	"	ऋषि कुशलसिंह शिष्य रामसिंह
1522	8144 (14)	"	
1523	11329	महावीर-स्तवन, सुमतिनाथ-स्तवन, सुपार्श्व-स्तवन	समयसुन्दर यशोविजय "

माप से.मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
15×10 10;20	4	पूर्ण	19 वीं श.	
24 5×11 17; 48	2	,,	19 वीं श.	अन्त में 'अन्तरकाल स्तवन' है। र.का. 1756; र.स्था.जेसलमेर
25×10 17;32	1	,,	20 वीं श.	
25.5×13 15:38	2	,,	19 वीं श.	अन्त में अपूर्ण एक 'आत्म-स्वाध्याय' और है।
25×10.5 12;34	2	,,	19 वीं श.	
22.5×10.5 11; 32	3	,,	19 वीं श.	अक्षर प्रायः नष्ट हैं।
23.5×11.5 14;34	5–6	,,	19 वीं श.	र.स्था. जैसलमेर
11.5×14 15;16	13वां	अपूर्ण	19 वीं श.	
24.5×10 14;45	1	पूर्ण	18 वीं श.	
25×10 13;33	1	,,	19 वीं श.	र.का. 1834 र.स्था. हस्तिनापुर
23.5×14 13; 17	181–182	अपूर्ण	17 वीं श.	खंडित
25.5×12 13; 28	2	पूर्ण	20 वीं श.	लि.क. रत्नविजय

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1524	8200	माताजी रो छन्द	शान्तिकुशल शिष्य विनयकुशल
1525	11255	मान-बत्तीसी	मान
1526	1873 (29)	मान-सज्झाय	उदयरत्न
1527	8350	,, , उपदेश-सज्झाय, उपदेशलावणी	जिनदास
1528	7979	मुनि सुव्रत, महावीर. शांतिनाथ-स्तुतियां	
1529	1873 (37)	मुंहपत्ती-पडिलेहण-स्तवन	लक्ष्मीवल्लभ
1530	8154 (5)	मोक्षनगर-सज्झाय	
1531	7556	मौन-एकादशी-स्तवन	
1532	7255 (1)	युगप्रधान-जिनचन्द्रसूरि-अष्टक	समयसुन्दर
1533	7830 (2)	,, - आलिजा-भास	,,
1534	7902	रथनेमि-वैराग्य-गीत, अन्तरीक-पार्श्वनाथ-पंद	श्रीदेव, आनन्द
1535	8438	रथनेमि-स्वाध्याय	दीपविजय शिष्य देवविजय

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
12.5×16 18; 14	32	पूर्ण	1816	शनिश्चर-छन्द, वंभणवाड महावीर, घग्घर निसांणी, अपूर्ण पद, कवित्त, यन्त्र, औषध आदि स्फुट संग्रह है। लि.क. पं. क्षांति लि.स्था. जावर
25×11 13; 41	5	,,	18 वीं श.	लि.स्था. अजमेर
10.5×8 7;10	286-287	,,	19 वीं श.	
26×12 17;40	2	अपूर्ण	19 वीं श.	
25.5×12.5 10; 26	2	पूर्ण	20 वीं श.	
10.5×8 7;10	306-310	,,	19 वीं श.	
11.5×14 15; 13	10-11	,,	19 वीं श.	
26; 11.5 11;35	2	अपूर्ण	20 वीं श.	
20×11 12; 27	1ला	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ में जिनसुखसूरि का कवित्त है।
25.5×11.5 14; 38	3रा	पूर्ण	1871	लि.स्था. सूरत
25×10 12; 27	1	,,	1838	
22.5×11 11; 31	1	,,	1874	लि.क. माणकचन्द मथेन लि.स्था. मेड़ता

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1536	11389	राजुल-पचीसी	ग्रानन्दचन्द
1537	11260	राणकपुर-स्तवन	देवसुन्दर
प. 1538	9202	रामसिंहजी रो गीत (द्वय)	कुशलसिंह
1539	7437	रोहिणी-तप-स्तवन	श्रीसार
1540	7575	,,	,,
1541	10209	,,	,,
1542	11214	,,	,,
1543	11475	,,	,,
1544	11586	,,	,,
1545	10255	लकडा-पचीसी	,,
1546	1873 (21)	लौद्रवा-पार्श्वनाथ-पद, ध्रुपद-संग्रह	अज्ञात, रूपचन्द
1547	7228 (1)	लौद्रवा-पार्श्व-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1548	7969	वटपद्रस्थ-चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-स्तवन	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
25×11.5 14;36	4	पूर्ण	20 वीं श.	
26×12 12;25	2	,,	20 वीं श.	
24×9.5 12;47	1	,,	1780	र.का. 1779; र.स्था. अहिपुर लि.क. मुनि कुशलाजी; लि स्था.-विक्रमपुर; स्वलिखित प्रति
25×11.5 16;32	2	,,	20 वीं श.	र.का. 1720
25×11.5 15;46	2	,,	1869	
19×10 7;16	10	,,	1933	लि.क. अनोपचन्द्र ऋषि लि स्था. अजीमगंज
25×12.5 15;50	3	,,	20 वीं श.	
25×10.5 15;42	2	,,	19 वीं श	
25.5×11 12;60	2	,,	19 वीं श	
16×13 12;14	4	,,	20 वीं श.	लि.क. वमेचन्द; लि.स्था. रोहीड़ा
10.5×8 7;10	253–260	,,	19 वीं श.	
24×11.5 13;35	3रा	अपूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1841; र.स्था. जैसलमेर पत्र 1-2 अप्राप्त
25.5×11 9;33	3	पूर्ण	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1549	11242	वरकाणा-मण्डन-स्तवन, चौवीस-तीर्थङ्कर-लक्षण-स्तवन	हंस शिष्य देवचन्द, कमलशेखर
1550	7260 (1)	विजयसेठ-सज्झाय	
1551	11523	विषापहार-स्तोत्र	अचलकीर्त्ति
1552	7835	विहरमान-जिन-स्तवन	धर्मवर्धन
1553	11545	"	" शिष्य विजयहर्ष
1554	11610	वीस-स्थानक-सज्झाय	महानन्द मुनि शिष्य सोमचन्द ऋषि
1555	7175	" -स्तवन	ज्ञानविमलसूरि
1556	11344	"	भाणविजय शिष्य प्रेमविजय
1557	7529 (2)	वीसी	जिनराजसूरि
1558	7671	"	"
1559	8142 (6)	"	"
1560	8143 (13)	"	"

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×10 13; 34	3	पूर्ण	18 वीं श.	लि.क. मुनि जिनदास
18.5×12 12;19	4	,,	19 वीं श.	
22×11 15;38	2	,,	1863	अन्त में पद्मविजय कृत 'विमलाचल स्तवन' है । लि.क. कनकरुचि लि.स्था. भिण्डर
24×10.5 14; 46	2	,,	1810	र.का. 1729; र.स्था. जैसलमेर लि.क पं० सुभा(ष)चन्द गणि
23×11 16; 60	2	,,	19 वीं श.	लि.क. पं० अर्जुन
22×10.5 14; 25	2	,,	1846	र.स्था. दीवबन्दर; लि.क.लालाजी लि.स्था. दीवबन्दर
23×10 14;40	4	,,	19 वीं श.	र.का. 1766
25×13 15; 36	5	,,	20 वीं श.	र.का. 1792; र.स्था. पालणपुर
24×10.5 10; 27	12–22	अपूर्ण	1836	
27×11 11; 35	5	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
17×15.5 16; 18	83–93	,,	19 वीं श.	पत्र 83वां अप्राप्त
12×10.5 11;15	37–54	पूर्ण	18 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1561	8148 (46)	वीसी	देवचन्द्र उपाध्याय
1562	11269	शंखेश्वर-पार्श्वनाथ-छन्द	नित्यविजय शिष्य लावण्यविजय
1563	1873 (24)	,, -स्तवन	उदयरत्न
1564	7242	,,	,,
1565	10257 (3)	,,	,,
1566	11345	,,	उदयविजय वाचक
1567	7760	शंखेश्वर-पार्श्वनाथ, पञ्चासरा-पार्श्वनाथ नारी-सज्झाय ऋषभजिन-स्तवन	मोहनविजय ,, , रामविजय
1568	7228 (3)	शत्रुञ्जय-आदिनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि
1569	8144 (11)	,,	
1570	11365	,,	प्रेमविजय शिष्य विमलहर्ष
1571	11513	,,	,,
1572	7195 (4)	शान्तिनाथ--स्तवन	हर्षविशाल शिष्य कीर्त्तिरत्नसूरि

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
11.5×7.5 10; 14	73-102	पूर्ण	1878	लि.क. कर्पूरभद्र मुनि लि.स्था. उदयपुर
25×11.5 12; 31	4	,,	1953	र.का. 1745; लि.क. केशरकुशल
10.5×8 6;10	265–267	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ में नन्दलाल का एक पद है ।
25×12 12;28	1ला	,,	19 वीं श.	
24×11 11; 27	5वां	,,	1914	
22×11 17;34	2	,,	19 वीं श.	
25.5×11 13; 37	2	,,	19 वीं श.	
24×11.5 16;35	4था	,,	20 वीं श.	र.का. 1871
13.5×14 13;17	174–176	,,	17 वीं श.	
25×10 12; 42	2	,,	1647	लि.क. महीपाल
24×10.5 14; 37	2	,,	20 वीं श.	
24.5×9.5 13;35	6–7	,,	1866	लि.क. पं. योधमल

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1573	7821	शान्तिनाथ-स्तवन	गुणसागरसूरि
1574	9210	,,	,,
1575	11562	,,	,,
1576	7706	शान्तिनाथ-स्तवन	जयविजय
		पर्युषण-स्तुति	बुद्धिविजय
		श्रावक की करणी	जिनहर्ष
		उपदेश-पद	
		पार्श्वनाथ-पद	धर्मसी
		अर्बुदाचल-स्तवन	रूपचन्द
		पार्श्वनाथ-स्तवन	
1577	10249 (45)	शारदा-स्तुति	
1578	10252	,,	भक्तिचन्द
1579	7195 (7)	शाश्वत-चैत्य-प्रतिमा-स्तवन	समयसुन्दर
1580	11350	शासनदेवी-गीत 6, शत्रुञ्जय-गीत	
1581	10195 (3)	शीतलनाथ-स्तवन	बुद्धिकुशल शिष्य बुद्धिसुन्दर
1582	10178 (3-5)	, ; आत्मपद; महावीर-पञ्चकल्याणक-स्तवन	,, , रूपचन्द रामविजय शिष्य विमलविजय
1583	11760 (1)	शील-नववाड़-सज्झाय	

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
16.5×9.5 9;13	3	पूर्ण	19 वीं श.	
22×10.5 12;25	2	,,	1838	लि.क. चन्द्रभाण
25×11 9;24	2	,,	1900	लि.क. पं. जैतसी लि.स्था. गढवाड़ा
24×11 12;27	11–19	अपूर्ण	19 वीं श.	पत्र 18वां अप्राप्त
23×10 10;32	45–48	पूर्ण	20 वीं श.	र.का. 1648 या 1678 र.स्था.चंदकला; सायरसिद्धि
26×10 9;34	5	,,	1969	र.का. 1646 या 1676 लि.क मायाचन्द शिष्य वनेचन्द लि.स्था. बम्बई
24.5×9.5 13;35	10–11	,,	1866	लि.क. पं० योधमल
25×11.5 13;34	4	,,	19 वीं श.	1-5 गीत जिनहर्षसूरि से और 6ठा गीत जिनराजसूरि की गहूंली के रूप में है।
23×10.5 10;35	11वां	,,	1867	लि.क. जैचन्द; लि.स्था. सेवाड़ी
24×10.5 11;33	11–15	,,	19 वी श.	लि.क. केशरीष; लि.स्था. गढ़वाल
23.5×10.5 16;33	4	,,	19 वीं श.	लि.क. ऋषि सागरचन्द लि.स्था. हरिदुर्ग नगर

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1584	7638	शील-शिक्षा-सज्झाय (द्वय)	
1585	8152 (2)	श्रुत-स्तवन	क्षमाकल्याण
1586	9237	षोडशसती-सज्झाय, नवकार-स्तवन	प्रेमराज ,,
1587	7839 (2)	सचित-अचित-विचार-सज्झाय, सामायिक-सज्झाय	नयविमल ज्ञानविमल
1588	1881 (12)	सतरह–संयम-गीत	
1589	7165 (3)	सप्त-व्यसन-सज्झाय	
1590	7342	समकित-स्वाध्याय	लावण्यसमय
1591	1873 (23)	समेतशिखर–गिरि-पद	ऋद्धिहर्ष
1592	10249 (44)	सरस्वती-छन्द	शान्तिकुशल शिष्य विनयकुशल
1593	1864	सर्वजिन-चैत्य-स्तवन	सरूपचन्द शिष्य भक्तिविशाल
1594	7254 (2)	साण्डेराव-पार्श्वनाथ-स्तवन	
1595	7242 (2)	सिखामण-गीत	लाधोसाह
1596	11760 (10)	,, -सज्झाय	प्रेमविमल

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/ अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
20×10.5 10; 36	2	पूर्ण	1880	लि.स्था. बम्बई
11×6 6;16	11–13	,,	1880	लि.क. जयचन्द; लि.स्था. पाली
23×9.5 16;52	1	,,	19 वीं श.	
24.5×12.5 12; 46	7–8	,,	20 वीं श.	
25×10 10; 34	9–10	,,	1847	
25×12 9; 28	3रा	अपूर्ण	19 वीं श.	
22×9.5 9; 30	2–3	,,	19 वीं श.	प्रथम पत्र अप्राप्त
10.5×8 6;10	263–264	पूर्ण	1744	
23×10 10; 32	42–45	,,	20 वीं श.	
23.5×9.5 14; 40	1–4	,,	19 वीं श.	र.का. 1776 लि.क. कुशलविजय
20.5×10 15; 28	4था	,,	19 वीं श.	
25×12 16; 31	1–2	,,	19 वीं श.	
23.5×10.5 16;33	6–7	,,	19 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1597	7817 (2-9)	सिद्धचन्द, ऋषभ, शान्ति, नेमि, गौडी पार्श्व, महावीर, स्तम्भनक-पार्श्व, सीमन्धर स्वामी—चैत्यवन्दनादि	क्षमाकल्याण उपाध्याय
1598	1873 (4)	सिद्धचक्र-स्तवन	दानविजय शिष्य विजयराज
1599	7625 (1-4)	सिद्धाचल-स्तवन 3, पार्श्वनाथ-स्तवन	क्षमाकल्याण, पद्मविजय, जिनचन्द्रसूरि, जिनहर्षसूरि
1600	8966 (1-7)	सिद्धाचल-स्तवन लौद्रवा-पार्श्वनाथ-स्तवन सिद्धाचल-स्तवन रथनेमि-सज्झाय गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन शंखेश्वर-पार्श्वनाथ-स्तवन जिनकुशलसूरि-स्तवन	जिनहर्षसूरि जयसारगणि श्रीभद्र लक्ष्मीवल्लभ राजसागर सुखलाभ गूजर
1601	8008 (1-4)	सिद्धाचल-स्तवन ,, शंखेश्वर-पार्श्वनाथ-स्तवन केशरियानाथ-स्तवन (अपूर्ण)	सदालाभ ,, विनयलाभ
1602	1873 (2)	सीख-सज्झाय	सहजसुन्दर
1603	1873 (33)	सीता-सज्झाय	जिनहर्ष
1604	7260 (2)	,,	
1605	1863 (7)	सीमन्धर-स्वामी-स्तवन	भक्तिलाभ
1606	7148 (2)	,,	

माप से. मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11.5 13;46	5-6	पूर्ण	19 वीं श.	
10.5×8 7;11	82–88	,,	19 वीं श.	र.का. 1762 र.स्था. सूरतबन्दर
25.5×11.5 13;24	2	,,	19 वीं श.	
14.5×13 8;11	14	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ में 'आदिनाथ स्तवन' अपूर्ण है। 'सिद्धाचल-स्तवन' का र. का. 1876 है।
24×12 11;27	3	,,	20 वीं श.	र.का. 1914
10.5×8 7;10	293–295	,,	19 वीं श.	प्रारम्भ में एक पद है।
10.5×8 7;10	296-298	,,	19 वीं श.	
18.5;12 12;19	4था	अपूर्ण	19 वीं श.	
23.5×11.5 18;36	4था	पूर्ण	19 वीं श.	लि.क. पं० मनरूपविजय लि.स्था. अमरावती
22×16 16;47	3रा	,,	19 वीं श.	अपभ्रंश

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1607	7228 (2)	सीमन्धर-स्वामी-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1608	11532	,,	
1609	11558	,,	अगरचन्द
		जीव-सिखामण-स्तवन	क्षमाकल्याण
		मधु-बिन्दु-सज्झाय	नयविमल
1610	7831	सीमन्धर-स्वामी-स्तवन	भक्तिलाभ
		पञ्चमी-तप लघु एवं बृहत्-स्तवन	समयसुन्दर
			,,
		मौनैकादशी ,,	,,
		विमलाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि
1611	7404	सुभद्रा सती-सज्झाय	परमसागर शिष्य लावण्यसागर
1612	11606	सोलह-सती-छन्द	
1613	10144 (2-4)	सोलहसती-सज्झाय	रूपविजय
		सारबोलनी-सज्झाय	लक्ष्मीकल्लोल
		श्रावक-करणी-सज्झाय	जिनहर्ष
1614	7195 (3)	स्तम्भन-पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ
1615	11270	,,	,,
1616	7540 (15)	,,	
1617	7879	स्थूलिभद्र-एकवीसउ	लावण्यसमय

माप से. मी में; पंक्ति प्रति पत्र अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
24×11.5 19;35	3–4	पूर्ण	20 वीं श.	
24.5×12 7;16	6	,,	20 वीं श.	
24.5×11.5 13;28	5	,,	20 वीं श.	
24.5×11 10;30	6	,,	19 वीं श.	
24×10.5 12;35	2	,,	19 वीं श.	
25×11.5 11;30	1	अपूर्ण	19 वीं श.	
30×14 8;24	2–8	पूर्ण	20 वीं श.	
24.5×9.5 13;35	4–6	,,	1866	लि.क. पं. योधमल
24×10.5 12;44	3	,,	1883	
24.5×12.5 10;26	25वां	,,	20 वीं श.	
29.5×11 15;50	2	,,	17 वीं श.	

क्रमांक एवं विषय	ग्रन्थांक	ग्रन्थ-नाम	कर्त्ता एवं टीकाकार
स्तुति-स्त० 1618	11259	स्थूलिभद्र-बारहमासा	लक्ष्मीविजय शिष्य अमृतविजय
1619	7410 (2-3)	,, -सज्झाय, वम्बई-चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-लावणी	जिनहर्ष मुक्तिकमल
1620	8187 (1)	स्याद्वाद-नयविचार-स्तवन	श्रीसार
प. 1621	7678 (1-25)	स्वाध्याय-संग्रह	
प. 1622	11529	,,	
प. 1623	7505 (1-6)	,,	
1624	8163	स्वाध्याय आदि संग्रह	
1625	7393	हरख-बत्तीसी (कक्का-बत्तीसी)	मुनि महेस
विविध 1626	9604 (10)	भूगोल	

माप से मी. में; पंक्ति प्रति पत्र; अक्षर प्रति पंक्ति	पत्र संख्या	पूर्ण/अपूर्ण	लिपिकाल (वि. संवत्)	विशेष ज्ञातव्य
26×11.5 13;34	2	पूर्ण	20 वीं श.	
24.5×11.5 17;41	2स	,,	20 वीं श.	सं० 1930 में लुम्पकगच्छीय अजयराज ने संघनी बुधसिंह के साथ बम्बई पार्श्वनाथ की यात्रा की, का उल्लेख है।
18.5×11 14:23	35-36	,,	19 वीं श.	
26×10.5 17;49	11	अपूर्ण	18 वीं श.	पत्र 1-2 अप्राप्त
24.5×11.5 20;50	2	पूर्ण	19 वीं श.	
24×12 11;35	6	,,	19 वीं श.	
16×12 12:20	8	,,	19 वीं श.	कर्म सज्झाय अपूर्ण, उपदेश-सजझाय अपूर्ण, खंधक-मुनि-चौढ़ालियो अपूर्ण, जिनराजसूरि कृत नन्दिषेण-सज्झाय, भुवनकीर्त्ति कृत लोभ-निवारण-सज्झाय है।
23×10.5 11;34	2	,,	19 वीं श.	र.का. 1725; र.स्था. उदयपुर
16×11 8;22	16–18	अपूर्ण	20 वीं श.	

कतिपय विशिष्ट 'प' चिह्नित ग्रन्थों के उद्धरण

[परिशिष्ट - १]

6/1129 स्वानुभवसार

मुख पत्र

॥ श्री हरिः ॥

॥ ग्रन्थः ॥

॥ पण्डित ॥

॥ गोपीनाथ विरचितः वेदान्त मुख्य सिद्धान्तः ॥

॥ दोहा ॥

ज्यो याके हृदययार्थ कूं, समुझै चित दे कोय।
जल सिर पैं धारण करूँ, ताके पद जुग धोय ॥१॥

॥ श्लोकः ॥

गङ्गा वारीणि वारीणि, चिन्तारत्नानि भूधरा।
श्रुतयः सर्ववाचः स्युर्जाति ज्ञानोदये हृदि ॥१॥
....[एक श्लोक और है]

प्रारम्भ

॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ अथ स्वानुभवसाराख्यो वेदान्त ग्रन्थ प्रारभ्यते ॥

॥ दोह ॥

ज्यो सत चित आनन्द अमल, अलख अरूप अनूप।
जाकूं श्रुति नित ही रटत, सो निज आतम रूप ॥१॥

ज्यो जग विन जा विन न जग, ज्यो जग जगत न ज्योइ।
जिहिं लखि परमानंद लहै, सो निज आतम होइ ॥२॥

जाहि लखें जग होय वो, न लखें जगत लखात।
सो निज आतम जानिये, श्रुति शिर ताहि बतात ॥३॥

जाकी बाणी वेद हू, जाकूं कहत थकात।
शेष सैंस मुख हू रटत, सोचि सोचि सकुचात ॥४॥

योग साधि योगी सकल, लह्यो न जाको पार।
सो खेले व्रज-भूमि मैं, लेय आप अवतार ॥५॥

गीता को उपदेश कहि, हरयो पाण्डु सुत मोह।
सो मो पैं करुणा करी, धरयो न औगन छोह ॥६॥

हृदय तिमिर कूं दूर करि, दियो ग्यान परकाश।
संशय सकल निवारि कैं, कियो भेद को नाश ॥७।

शिष्य विमल मति नाम इक, धारि ग्यान की आस।
भेट लेइ घर तैं गयो, ज्ञान सिद्ध गुरु पास ॥८॥

पूजा करि कर जोरि कैं, गुरु पद सीस नवाय।
या विधतैं विनती किई, भव दुख लखि घबराय ॥९॥

परमानंद परमात्तमा, सुन्यों वेद मैं एक।
ताके दरशन काज मैं, कीन्हे जतन अनेक ॥१०॥

मत वहु भांति पढें सुने, वाढ्यों भरम अथाह।
करो आप उपदेश ज्यों, पूरै चित की चाह ॥११॥

विनती विमल मति की सुनी, लख्यो ताहि वहु ताप।
ज्ञान सिद्ध वोले गुरु, धरि करुणा उर आप ॥१२॥

सुर वाणी मैं ग्रन्थ वहु, तिन मैं अति विसतार।
तातैं मैं तोकूं सुमति, कहूं स्वानुभव-सार ॥१३॥

जीव ईश मैं जगत मैं, जिहि सुनि रहै न भेद।
कहूं स्वानुभव-सार सो, सुनहु त्यागि मन खेद ॥१४॥

तेरे आतम रूप को, करहुं तोइ उपदेश।
भेद-वाद खण्डन करूं, रहै न संशय लेश ॥१५॥

अन्त

॥ चोपइ ॥

है जयनगर जगत विख्याता। जहां नृपति माधव सुखदाता ॥
वसैं तहां दध्यच ऋषि वंसा। सकल विप्र कुल को अवतंसा ॥१६॥

नन्दराम तामैं उपजायो। हरि भक्तन मैं ज्यो सरसायौ ॥
गोत्र ताहि काश्यप यह जानौं। डेरोल्या अवटंक पिछानों ॥१७॥

मालीराम भयो सुत ताकै। भई सुन्दरी वनिता वाकै ॥
दोनूं कृष्ण भक्ति रस पाये। तिनतैं दोय पुत्र उपजाये ॥१८॥

गङ्गाविष्णु पूर्व सुत जानहु। दूजो गोपीनाथ पिछानहु ॥
गङ्गाविष्णु भक्ति परवीना। दूजो ज्ञान भक्ति रस लीना ॥१९॥

॥ दोहा ॥

गुरु तैं आतम बोध लहि, रहत सदा आनन्द ।
कृष्ण चरण जुग कंज को, पिवत रहत मकरन्द ॥२०॥
तापैं गुरु करि कैं कृपा, दियो स्वानुभव ग्रन्थ ।
जहां अविद्या को न मल, शुद्ध मोक्ष को पन्थ ॥२१॥
गहि ताकूं तातैं रच्यो, यहै स्वानुभव-सार ।
मनन करत याको पुरुष, सहज लहत निसतार ॥२२॥
पांच कोश त्रिपुटि सकल, तीन अवस्था जोइ ।
तिन्हैं प्रकाशत कृष्ण है, मेरो आतम सोइ ॥२३॥
दीसत जातैं सकल यह, यह जाकूं न लखात ।
यहै कृष्ण निज रूप है, आपहि तैं दरसात ॥२४॥
र०का० उगणींसैं चालीस अरु,दोय(१९४२)वर्ष यह जानि ।
पुरुषोत्तम के मास मैं, ज्येष्ठ कृष्ण पहिचानि ॥२५॥
तेरसि (१३) अरु गुरुवार मैं, नीको ग्रन्थ बणाय ।
कृष्ण चरण जुग कंज मैं, दीह्नौं याहि चढ़ाय ॥२६॥

पुष्पिका इति श्री जयपुर निवासिना श्रीदधीचि वंशोद्भवेन काश्यप गोत्रेण डेरावल्यावटङ्केन श्री **गोपीनाथ** शर्मण विरचिते स्वानुभवसारे वेदान्त मुख्य सिद्धान्ते श्रीज्ञानसिद्ध गुरुपदेश ज्ञान स्वरूप विवेचन तृतीयो भागः समाप्तः ॥३॥ ॥ श्री ॥ ॥ शुभम ॥

गुण (३) निगम (४) नन्द (९) शीतांशु (१) प्रमिते वर्षे आषाढ कृष्ण पक्षे सप्तम्यां गुरुवासरे पुस्तक मिदम लेखि श्री **गोपीनाथेन** । ॥ श्रीरस्तु ॥ ॥ समाप्तोऽयं ग्रन्थः ॥

x x x

52/11813 बिदुरप्रजागर

प्रारम्भ **श्रीरामाय नमः । अथ बिदुरप्रजागर लिख्यते ।**

॥ दोहा ॥

सुमति बदन सिंधुर बरन, येक दंत बरदांनि ।
धन रुचि बिघन विनास कर, गणपति मोदक पानि ॥१॥

सरद सुधा निधि वदन, दुति सुमरो सारद माय ।
जाकी कृपा-कटाक्ष तैं, विमल बुद्धि अधिकाय ॥२॥

बंदौं गुर गोबिंद के, चरन कमल सु बिलास ।
कहौं जथा मति बरनि कछु, भारत कौ इतिहास ॥३॥

ध्रतराष्ट्र अर बिदुर नैं, कियौ धरम संवाद ।
कहत कृष्ण भाषा वरनि, सुनत बिलाय विषाद ॥४॥

अन्त

सकल कथा इतिहास कौ, भारत कहिये सार ।
ताहू में उद्दिम परब, तामैं बिदुर विचार ॥३४॥

राजा आधामल्ल की, आज्ञा अति हित जांनि ।
बिदुर प्रजागर कृष्ण कवि, भाषा कह्यौ बखांनि ॥३५॥

मैं अति ही ढीढ्यौं करी, कविकुल सरल सुभाइ ।
भूल चूक कछु होय तौ, लीज्यौं समझि बनाय ॥३६॥

सतरैं से अर बांनवैं, संवत कार्त्तिक मास ।
सुकल पछ पांचैं गुरो, कीनौ ग्रंथ प्रकास ॥३७॥

इति श्री महाभारते उद्योग परवणि विदुरप्रजागरे, विदुर धृतराष्ट्र संवादे नवमोध्याय ॥६॥ संवत् १८८१ माह सुदी २ बुधवार संपूरन ॥

x x x

80/9617 आइने अकबरी का भाषानुवाद

प्रारम्भ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसरस्वत्यै नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
॥ अथ आईन अकबरी का भाषानुवाद लिख्यते ॥

सुमुखश्चैकदंतश्च कपिलो गजकर्णकः
लंबोदरश्च विकटो विघ्ननाशो विनायकः
धूम्रकेतुर्गणाध्यक्षो भालचन्द्रो गजाननः
द्वादशैतानि नामानि यः पठेत श्रृणुयादिभिः
विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा
संग्रामे संकट चैव विघ्नस्तस्य न जायते ॥१॥

॥ दोहा ॥

सूरजवंशी कूर्म कुल, रवि सौ तेज प्रताप ।
तिमिर नसावन जगत कौ, छत्रपति नृप आप ॥१॥

श्रीमन्महाराजाधिराज श्रीधरम मूरति धरमावतार प्रथ्वीपति सूरिज प्रताप सकल नृप-शीरोमणि सुख-निधान बुद्धिवंत विचक्षण गुणसागर विसे प्रकासी इंदु से सीतल अमृत समान मंगल-मूर्ति कर्ण सम दानी परम दयाल परम गरिष्ट रूणामय परम उदार श्री विदमु भक्ति-परायण सब छत्रिन सिरमौर श्री राज-राजेन्द्र श्री महाराजाधिराज श्री सवाई प्रतापसिंहजी देव अग्या तैं भवन ग्रन्थ आईन अकबरी का भाषा बचनिका जथा प्रति लिखी ।

॥ दोहा ॥

हुकम नृपति कौ पाय कैं, हृदय भयो परकास ।
जैसें रवि के उदय सों, अंधकार को नास ॥

॥ कवित्त ॥

॥ दोहा ॥

संबत अष्टादशसत, बावन अधिक पुनीत ।
पोस मास तिथि पंचमी, किय आरंभ इहि रीति । १॥

स्यौलाल हीरालाल मुनसी हुकम ल्यायौ तब हुकम कूं सीस चढायौ अर लिखबे कौ आरंभ कीयो, परम सेवग आग्याकारी गुमानीराम कायस्थ ।

॥ दोहा ॥

देसी भाषा नव नवी, आंणी छै इण ठौड़ ।
हो तौ पंडित मति हंसो, मति काढिज्यो खोड़ ॥

अब शेष अबलफजल ग्रंथ कौ करता प्रभु को निमस्कार करि कैं अकबर बादस्याह की तारीफ लिखबे कूं कसत करै है । अर कहे है याकी बढाई अर चेष्टा अर चिमत्कार कहां तक लिखूं कही जात नही ताते याके पराक्रम अर भांति भांति के दस्तूर या मनसूबा दुनियां मे प्रगट भये ताके संक्षेप लिखौ है ।

अन्त ....थोड़ो सो मध्य की भाव पेज दवल में लिखूं छुं सो बांचवा वाला ने खबरदारी रहे—

यंत्र रसोइ खांनां को :

नांव	कीमत मण का दाम
साख उन्हालू	
गोहुं	१२)
चणां कावली	१६)
चणां देसी	८)
मसूर	१२)
जो	८)
चीणों	६)
अलस	१०)
करड	८)
मेथी	२०)
मटर	६)
सिरस्यूं स्यालू	१२)
चांवल मुसकी	१०)
चांवल सुखदास	१००)
चांवल दुनाप्रसाद	८०)
चांवल स्यामजीरो	८०)
तित्तंमां स्यालू	
चांवल सक्रचीनी	८०)
चांवल देवजीरा	८०)
चांवल जंजन	८०)
चांवल जिरही	४०)
चांवल सांठी	२०)
मूंग	१८)
उडद	१६)
मोठ	१२)
तिली सूंपेद	२०)
तिली स्याह	१८)
चोंला	१२)

नांव	कीमत मण का दाम
जुवारि	१०)
बाजरो	८)
कुदरम	७)
कूरी	७)
मावो	६)
चींणो कांगणीं	८)

x x x

118/1868 दीवाने हाफिज-भाषा

आरम्भ

श्रीगणेशाय नमः । अथ हाफिज दीवांन कृत सकुन ग्रन्थ लिख्यते ।

॥ दोहा ॥

सकुन सिद्धि जग के करें, हरत दूर दुख दंद ।
ध्याये गणपति पाइये, नव निधि के आनंद ॥१॥
सकल भूप के मुकट मनि, श्री प्रताप महाराज ।
तिन हाफिज दीवांन की, भाषा रची सु काज ॥२॥

॥ चोपई ॥

अन्त

जग विख्यात हाफिज दीवांन । मसतानें फिर हें मन मांन ॥
सुंदर रूप जु नजरां देखें । ताही सों अति प्रीति विसेखें ॥३॥
एक पुरुष वासों यों भाखी । आसिक इसो रूप अभिलाखी ॥
स्याखनि बात रूप जो देखो । ह्वें मसताक ओर नहि पेखो ॥४॥

॥ चोपई ॥

बाग पंछि कहि बेंन विचारा ।
मद पी प्रभु कबिता विसतारा ॥७॥
कहें पुरातन खेती वारो ।
वाहे सोई लुनै बिचारो ॥८॥

॥ दोहा ॥

साकी हाफिज जाय लखि, मीत तुरर पुनि पाय।
मस्त भये सुख देत है, होय सदा जन आय ॥६॥

पुष्पिका इति गजल ४४५ ॥

इति श्री मन्महाराज राजेन्द्र श्री मन्महाराजाधिराज महाराज श्री ५ श्री सवाई प्रतापसिंहजी देव आज्ञायां **मिश्र रामराय** विरचितायां दीवांन हाफिज भाषा इस्क सकुनावली ग्रंथ संपूर्ण।

॥ दोहा ॥

अरथ फारसी को प्रगट, कियो **गुमानीरांम**।
रामराय कविता करी, सकुन लैन के काम ॥
संवत विक्रम भूप को, अठारह सै गुणचा[स]।
कार्तिक सुदि तिथ पंचमी, कियो ग्रन्थ प्रकाश ॥

हस्ताक्षर पण्डित सोनीलाल। सवाई जयनगर मध्ये। कालेज अध्यापक ॥१॥

x x x

212/8143(14) आभूषण-बत्तीसी

॥ दूहा ॥

प्रारम्भ

नकवेसर मोती निंकट, लटकत अधरन पाइ।
मांनु अमृत चंद इह, देखत ही सुखदाइ ॥१॥
वैणी सुख-दैणी बहुत, फूलनि गुंथ अमूल।
तिण परि जडित जडाव कौ, सोहत है सीसफूल ॥२॥

अन्त

संवत सतर छिहोत्तरै, अक्षय तृतीया कवि वार।
आभूषण बत्रीसिका, करी चंद बहु प्यार ॥३३॥
आभूषण बत्रीसिका, पढी लही सुख साज।
कुमर चतुर चंद्रसेन कै, कीनी कौतिक काज ॥३४॥

आभूषण सूची—

हथ सांकलो, अकोटा, सहेलड़ी, हाथआरसी, पग पांन, हाथवाललौ, नखला, पंचलडी नकवेसर, कांबी, गजरा, चंपकली, नवसर हार, जेहड,

निलाड टीकौ, बाजूबंध, सीसफूल, रमझोल, चूडी, घूघरा, मुद्रिका, चीढ, चंदणहार, मोतीसिरी, पगपाउटा, गूजरी, हथसांकलौ, करणफूल, मादलीया, नखला, जव, टीकौ, माला, कांकण, पाउटा, हथवाडलौ ।

x x x

224/11589 कुंवर खुमार्णसिंह री बारामासी

आरम्भ

॥९०॥ ॥ ढाल म्हांरा पगल्या ने पायल ल्याज्यो हो ध० ॥
जेहड ल्याज्यो हो रणझण वाजणी ॥

॥ दूहा ॥

तात चरण प्रणमी करि, आयो पदमणी पास ।
सीख करी ससनेह स्युं, पालवी प्रेम प्रकास ॥१॥
सोल वरस री सुंदरी, वीस वरस प्रीय वेस ।
घर घरणी छोडि करि, चालो क्युं परदेस ॥२॥
पीउ रह्यो पदमणि कहे, आयो आघण मास ।
सयण न छंडो सीत रति, अबला पुरो आस ॥३॥

॥ दूहा ॥

अन्त

कार्तिक विरह कबांण रा, त्रीय त्रीय ओलगे तीर ।
पीउ जिणरा परदेस में, जकरी विरह जंजीर ॥२५॥

॥ ढाल ॥

पीउ सुं धन ओलंभा हो, धन रा वाल्हा हो ।
सासु वाल्हा हो, वेग पधारज्यो ॥
सेहनांणी मुझ साची हो, धन रा वाल्हा हो ।
ल्याज्यो वाल्हा हो, मान वधार ज्यो ॥२६॥

॥ दूहो ॥

सीख करि ससनेह सुं, पीउ चाल्यो परदेस ।
भणिये सातमि बलपति, त्रयण विसेस ॥२७॥

इति श्री कुंअर खुमाणसींघरी बारेमासि लिपिकृतव्यं ॥ श्री रस्तु ।
लिक्षतनि अभयरुचि लिखितं ॥कल्याणमस्तु ॥

367/1105 (1) ध्रुवचरित्र

प्रारम्भ

....भवन म पैंठौ ॥
मेरे स्वत की जिनि करै सारी ।
दुरभागनि तेरी महतारी ॥११॥
जाहु निकटि तैं पीठि दिखावौ ।
वहुरि न या संग कबहू आवो ॥
श्रवन सुनत ध्रू[व] अप्रिय बैंना ।
गद गद स्वर भरि आये नैंना ।
रोवत चल्यों मात पैं धाई ॥१२॥
रांनी निरखि अधिक अकुलाई ।
रे रे वछ कहौ किन मार्‌यो ।
क्यों तू रोवत कहा उजार्‌यो ॥१३॥

अन्त

स्वांमी **रांमचंद** निज गायो । श्री त्रिभंगि चरना चित लायो ॥
जाति विप्र पारीक सुखा कर । भक्ति बिनै संपन्न परमवर ॥७४॥
केशवदास पितामह मेरे । **रामकृष्ण** पितु प्रेम तैं नेरे ॥
तिन के वंस आय इह कीनौं । ध्रू[व] चरित्र सुंदर सुख दीनौं ॥७५॥

॥ दोहा ॥

पुष्पिका

पढै सुनै सुख पाय कैं, मन बच चित्त लगाय ।
कृपा करें श्री लालजी, मन वंछित फल पाय ॥७३॥

इति श्री घ्रू [ध्रुव] चरित्र संपूर्न ।

x x x

398/1105 (3) प्रह्लादचरित्र

॥ दोहा ॥

प्रारम्भ

भक्त विमल भागवत वर, गावत जास सुनाय ।
नाम प्रगट प्रहलाद जगि, नरहरि करी सहाय ॥१॥
जाकौ जस-बर्नन करौं, सुनियौं संत सुजान ।
सब कर्मन कौ नास ह्वै, उर उपजै बिज्ञान ॥२॥

श्री कवलापति कौ निज थाना। सर्वोपरि बैंकुंठ बखानां ॥
राजत रमा सहत प्रभु देवा। सारूप धरें भक्त करैं सेवा ॥३॥
सनकादिक च्यारों तहां आवैं। प्रभु के चरन-कवल चित लावैं ॥
प्रतीहार जै विजै विराजै। हरि के भक्त विमल गति छाजै ॥४॥

अन्त

इह प्रहलाद-चरित सुखकारी। वरन्यों **रामचन्द** मतिधारी ॥
लाल त्रिभंगी सीस विराजै। जाकैं वलि आनंद तैं गाजै ॥७१॥
जाति विप्र पारीक प्रकासा। दुबे गोत्र हरि नांव की आसा ॥
रामकृष्ण सुत सव हित भावैं। निस दिन श्री गोविंद हि गावै ॥७२॥
तातैं इनकौं पढि गुनि लीज्यो। भक्त सुजस उर अंतर कीज्यो ॥
ज्यों अनेक अघ-वोध नसाई। नृमल होय परम पद पाई ॥७३॥

॥ दोहा ॥

इह प्रहलाद-चरित्र वर, पढैं सुनैं सज्ञान।
मन वंछित फल कौं लहै, उर उपजै विज्ञान ॥

पुष्पिका

इति श्री प्रहलाद-चरित्र संपूर्न। संवत्। १७५६ मिती आसौज वदि १० सनिवारे। लिखत **रामचंद** लिखायतं गंगाराम ॥

x x x

427/1876 लीलासागर

प्रारम्भ

श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीसुकदेवाय नमः ॥ श्री सतगुरु चरणदासजी के दास ध्यानेस्वर जोगजीतजी कृत लीलासागर ग्रन्थ लिख्यते ॥

॥ दोहा ॥

संतन को जस कहत हूं, प्रथम मंगलाचरन।
उनहीं कौं डंडोत है, जनम मरण दुख हरन ॥१॥
तिमर भजावन ज्ञांन दे, हियै चांदना होय।
जोगजीत यों कहत हैं, डारैं दुभद्या खोय ॥२॥

॥ चौपई ॥

संवत ठारै सै अरु ग्यारै। कृपा अधिक करी करतारै॥
कातिग सुदी जू पूरनवांसी। परभी गंगा अधिक हुलासी॥१०॥
मो तन निरख जे मृदु मुसकाए। चरचां मै तिन्हौ वैंन सुनाए॥
तुम्हरे सतगुरु जे गुरु भाई। अनभौ वानी वहुत वनाई॥११॥
पोथी औरौं सब्द रचै हैं। पांचौ अंग ता मांहि सचै हैं॥
भक्ति जोग वैराग अरु ज्ञाना। औरों वरनौं प्रेम प्रधानां॥१२॥

॥ चौपई ॥

यही वासना मन मैं आई। मैं हरि के गुण कछु न गाई॥
जौ यै गुणावाद प्रभु गाऊं। अति अगाधि कछु अंत न पाऊं॥२१॥
ब्रह्मा वेद न गुण गति पावैं। गाय जु नारद सेष थकांवैं॥
शंकर से कर ध्यांन थकांनैं। हरिगुण शक्ति कला नहि जांनै॥२२॥

॥ दोहा ॥

यही समझ अस्थिर भई, गुरु विन भजूं न और।
जोगजीत कै हिय मै, ठहरी वार किरोर॥

॥ चौपई ॥

अन्त चर्नदास की उमर रहाई। उनसठ वरस तव कथा वनांई॥
महाराज यौं अग्या दी जौ। मो पाछै या परघट कीजो॥११७॥
र०का० विक्रजीत को संवत ईसा। अष्टादस सत वर्स उनीसा॥
वर पैंतालीस के हम जवही। लीला ग्रंथ कह्यो यह तवही॥११८॥
महाराज पर्मधाम समाये। सो चरित्र तिन पाछै गाऐ॥
संत महंतन के गुन भाऐ। या लीला के संग उपाऐ॥११६॥
प्रीत सहत या सुनै सुनावैं। हरि गुरु संतन मैं हित धावैं॥
जग की व्याध सकल होय नासा। पर्मानंद पद लहै जु वासा॥१२०॥

॥ दोहा ॥

लिख ग्रंथ पूरन कियो, पर्म जु सुख की खांन।
लीला सागर नांम या, पढ सुन होय कल्यांन॥१२१॥
ऊक चूक वांणी कही, लीजौ संत सुधार।
जोगजीत की वीनती, अपनी औड निहार॥१२३॥

पूर्व पुष्पिका **इति श्री लीला सागर ग्रन्थ ध्यानेश्वर जोगजीत जी कृत संपूर्ण॥**

॥ अडिल छंद ॥

है हस्ताक्षर पंडत कालीचर्नं के।
कोल नग्र मै ग्रह है निवासी पूर्व के॥
संवत १६४० शुदी वैसाखे मिती।
वार भृगी तिथ अष्टम ग्रंथ की भई इति॥

॥ दोहा ॥

लीला सागर ग्रंथ कूं, जैपुर मध्य सुथांन।
लिख पूरन करि जानिऊं सज्जन सोध वखांन॥१॥
शुभम् कल्याणमस्तु ॥ पठनार्थं शुभं भवतं॥

सम्वत १८३९ साके १७०४ मिति मागश्री वुदी सप्तमी वार वुधवार। घटिका २०। पल ५२। मध्या नक्षत्र घटिका ४२। पल ६। वैधृत नांम जोग घटी ४२। पल ३०। विष्टी नाम कर्णं घठि २०। पल ५२। श्री सूर्जो अर्नोदय समय ब्राह्मी महूर्ते। तुल लग्न वहिमाने। श्री स्वामी महाराज श्रीयुत स्याम **चर्नदासजी अमरलोक** धाम पधारे। सर्व शुभु जोग वल दसवै द्वारै है पधारे॥१॥ इति संपूर्ण।

पुष्पिका दसकत नानूलाल बैद सरावगी म्होला पचेवर का ठाकरा का, मसजीतह की म्होमद सलेमखांजी के सामनै रहै उसनै लिखी। पूरण भई। मिति मागश्री सुदी ८ दीतवार संवत १९५२ का मैं। शुभमस्तु कल्यानमस्तु। श्री। श्री॥ श्री॥।

x x x

438/9514 संत गुणसागर सिद्धान्त [दादू जन्म लीला]

प्रारम्भ श्री रामजी सत्य। श्री दयालजी सहाय। अथ ग्रन्थ सन्त गुण सागर लीला नाम प्रताप लिख्यते। प्रथम मंगलाचरन।

॥ छप्पय छंद॥

नमो आदि ब्रह्म सर्व व्यापक सुख सागर।
सच्चिदानंद आनंद शुद्ध सर्वज्ञ उजागर॥
नमस्कार गुरु देव ज्ञान घन मूरत भारी।
नमो शांत सुख कंद राम सुमरत शुभकारी॥
आदि अंत सब संत जन जोर पाणि वंदन करौ।
माधो प्रसिद्ध नाम सुन ता जिन के गुण उच्चरौ॥१॥

1629 गुरु मिलन

विप्र सनाढच मैं सीकरि सहर कौ दादुदयाल धरचो कर सीसा ।
मोहि मिले गुरु सांभर के मधि संमत चंद ऋतु गुणतीसा ॥२६॥
जनम कथा गुरु कों हम बुझत मोहि सुनावत आय मुनीसा ।
अहमदावाद कथा बरणी मुख सांभर तें अपने दृग दीसा ॥७॥
दूसर आनंदराम कही दुज आनंदराम कथा अति आसा ।
यों सुनि आदि कथा गुरु की निज सांभर के मधि स्वामि के पासा ।
जनम कथा सुन बीस गये बरख गुलर में गुरु लेत निवासा ।

1650 रचना प्रारम्भ

चैत्र सुदि दुत पाय अज्ञा हम संमत सोलैसैं साल पचासा ॥८॥

॥ दोहा ॥

संत गुण सागर ग्रंथ में, है अवतार तरंग ।
षोडस पुर बांधे रचों, उत्तर बसू प्रसंग ॥१२॥

इंदव छन्द

1600 जन्म सं०

संमत चंद ऋतू नभ ही तिथि, अष्टमि चैत्र सुदी गुरुवार ।
पुष्य नक्षत्र उगत ही रवी, दादुदयाल लियो अवतार ॥

[सोरठा]

ताहू में कवनीस, कस्यप गोत्री तास मत ।
लोधीराम मुनीस, दिये अहमदावाद द्वज ॥२२॥
ता घर हरि अवतार, दादू दीनदयाल जन ।
करना ना उपकार, भक्ति बधाई सरस उन ॥२३॥

॥ दोहा ॥

अन्त

गुणसागर भाषा रच्यो, सतगुर के प्रसाद ।
माधो पावन विमल गुन, दादू सिंधु अगाध ॥६८॥

र०का० 1661

संमत शशी(१) रस(६) रुती(६) शशी(१), बद तेरस मधुमास ।
रचें अवतार तरंग, जन जस माधोदास ॥६८॥
कुल सनाढ्ये द्विज सीकरी, जनम भोम मम जान ।
अंबपुरी सतगुरु मिले, (निज) माधो पायो ज्ञान ॥६९॥
सारद शेप बखान कर, नारद सिव सनकादि ।
माधो पावन विमल जस, हरि सिंधु अगम अगाध ॥७०॥

॥ सोरठा ॥

दास गरीब जिहाज, भवसागर तारण तिरण ।
साधिक सिद्ध समाज, तन संगत ओहो तें तिरैं ॥७१॥

पूर्व पुष्पिका

इति श्री संत गुण सागर सिद्धान्त स्वामी दादूदयालजी की लीला माधोदास विरचितायां स्वामी महोचो संत सन्मानकरण गरीबदासजी पाट तिलक पालकाजी गुरु पूजा थापत वरसी प्रसंग संत भैराणें निवास निराणैं निज मेलो संत उछाव बरणन निरूपण नाम चोईसवां तरंग संपूर्णम्॥२४॥ उत्तरार्द्ध स्कंध सं. इंदव ४६, मनहर ५, त्रोटक ३, छंद २, दोहा ७, सोरठा ५, छप्पय ६, त्रोटक ६, मोतीदाम ३, सवैया ७, साखी ५, छन्द २७, इंदव छंद ७६६, मनहर छंद ७८, दोहा ७३, सोरठा ३६, घनाक्षरी ३

॥ दोहा ॥

समसत संख्या ग्रन्थ की, दोय सहसर जान ।
वसुमत ओर पचास गिन, अनुष्टप छंद प्रमान ॥१॥
गुणसागर पुस्तक लिखी, साधू लिछमणदास ।
यामें रत्न अपार है, हरि चरचा सुख रास ॥२॥
म्हंत श्री रामरतनजी, गूलर नगर निवास ।
मारवाड़ निज देश है, साधन कथा बिलास ॥३॥

॥ श्लोक ॥

यादृशं पुस्तकं दृष्ट्वा तादृशं लिखितं मया ।
यदि शुद्धमशुद्धवा मम दोषो न दीयते ॥१॥

सम्वत १९६७ का मिती फागण वदी १३ रविवार ॥ शुभं भवतु ॥ इत्यलम् हस्ताक्षराणि लक्षमणदासस्य ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ ददूराम ।

पुष्पिका

पुस्तक लिखितं विप्र गोपीचन्द शर्म्मा तथा श्री भगवान शर्म्मा ॥ मिति ज्येष्ठ कृष्णा १४ द्वितीय सम्वत् १९९१ विक्रम ॥ लिखायतं पुरोहितजी श्री हरिनारायणजी बी० ए० महाराजा मानसिंहजी राज्ये (जयपुर) ।

x x x

प्रारम्भ

440/1879 सहज-प्रकाश

श्री सुखदेवजी सहाय ।। अथ श्री सुखदेवजी के दास श्री चरनदास जिनकी सिष्य श्री सहजोबाईजी कृत सहज-प्रगास बहु अंग ग्रन्थ लिख्यते ।
अथ प्रथम सतगुर महिमां का अंग वर्नते—

।। दोहा ।।

कर जोरूं परनाम करि, धरूं चरन पर सीस ।
दादा गुर सुखदेवजी, पूरन बिसवा बीस ।।१।।

परमहंस तारन तरन, गुरदेवन गुरदेव ।
अनभै बानी दीजिये, सहजो पावै भेव ।।२।।

।। छन्द ।।

अन्त

हरिप्रसाद की सुता, नाम सहजो है बाई ।
दूसर कुल मैं जनम, सदा गुर-चरन सहाई ।।
चरनदास गुरदेव, भेव मोहि अगम बतायो ।
जोग जुगत सूं दुलभ, सुलभ करि दिष्ट दिखायो ।।
और सब साधन परनाम करि, कर जोरूं सिर नाय कैं ।
यहि दांन मोहि दीजिये, भक्ति करूं चित लाय कैं ।।२३।।

।। दोहा ।।

र०का०

फाग महींनां अष्टमीं, सुकल पक्ष बुधवार ।
संवत अठारैं सै हुते, सहजो किया बिचार ।।२४।।

गुर अस्तुति के करन कूं, बाढो अधिक हुलास ।
होतैं होतैं हो गई, पोथी सहज प्रगास ।।२५।।

दिल्ली सहर सुहांवना, परीक्षतपुरे मैं बास ।
तहाँ समापत ही भई, नवका सहज प्रगास ।।२६।।

सहज प्रगास पोथी कही, चरनदास परताप ।
पढैं सुनैं जो प्रीत सौं, भाजै सबही पाप ।।२७।।

पुष्पिका

इति श्री सहजोबाईजी कृत सहज प्रगास बहु अंग ग्रंथ संपूर्ण ।१

[पत्राङ्क १५२-१५३] राग-कडखा ।।

अन्त

करी मैं दास जो आपनी जांनि कै, राखियो दिष्ट तुम सदा नीकी ।
और कोई आसरो धरूं नां जगत मैं, मानियो सांच मैं कहूं ठीकी ।।

तुही है मात अरु पिता बंधू तुही, तुही कुलनांत है गोत मेरा।
तुही धन धाम अरु जीव इस देह का, तो विना और दूजा न हेरा ॥
जाप तेरा धरूं नाम हिरदै धरूं, समझ कै ग्रांन तोकूं पिछानूं।
सरन तेरी लई टेक असी गही, तुझ विना ग्रांन कूं नांहि जानूं ॥
गंही जब बाह विख्यात जग मैं भई, सकल लज्जा तुम हो गुसांई।
कलू के काल मैं महा मैं मांन हूं, चरन हूं कंवल की राखि छांई ॥
कहत सहजो सोऊ हाथ जोरैं दोऊ, सीस नीचा कियें दीन धारैं।
रांमचरनदासजी अरज सुनि लीजिये, तुही है इष्ट आसा हमारैं ॥४०॥

॥ इति शब्द संपूर्ण ॥

टिप्पणी—इसी गुटके में आगे 'सोलह तिथि निर्णय', 'सातवार', तथा 'शब्द-संग्रह' है। 'शब्द संग्रह' में जो अंतिम शब्द है उसको यहां उद्धृत किया गया है।

x x x

443/1105 (2) सुदामाचरित्र

प्रारम्भ

अथ सुदामा चरित्र लिख्यते।

॥ चौपई ॥

श्री हरि गुर चरना चित लाऊ। विप्र सुदामा चरितहि गाऊ ॥
कलि मल हरन सरन सुखदाइक। महा मिष्ट जाके बर वाइक ॥१॥
अपनी मति सम गुन गन गैये। जातै प्रेम प्रवाहहि पैये।
पढत सुनत गावत जे प्रांनी। त्रिविधि ताप ता तन तैं मिटांनी ॥२॥
द्विज वर एक सुदामा अति भल। महा प्रेम वारिधि मन नृमल।
बालापन थे भक्ति विभागी जिनकै रहत कृष्ण लव लागी। ३॥

अन्त

बिप्र वंस पारीक प्रकासा। दुवे गुणाकर केसवदासा।
जाकै रामकृष्ण स्वत भये। तिन प्रभु के चरनन चित दये ॥८४।
ताकों अंस सकल सुख धाम। रांमचंद है मेरी नाम।
लाल त्रिभंगी सोहत सीस। तातैं कृपा करी जगदीस ॥८५॥
जो इह चरित सुनै अरु गावै। मन वंछित फल बैठेंहि पावै।
अंग व्याधि व्यापै नहि कोई। सदा निरोग रहै वह लोई ॥८६॥

भक्ति बढै उर मैं अधिकाई सुनि सुनि सुजस सबै मन भाई ।
तातैं सबै अनुग्रह कीज्यो । बांचि विचारि परम सुख लीज्यों ।।८७।।

॥ दोहा ॥

इहै सुजस निज भक्त कौ, सुनै गुनै मन लाय ।
कृपा करें श्रीलालजी, मन वांछित फल पाय ।।८८।।

इति श्री **सुदामाचरित** संपूर्ण ।।

x x x

485/11860 (12) करुणा भरण नाटक

प्रारम्भ

श्रीगणेशाय नमः । अथ **करुणा भरण** नाटक लिख्यते ।

॥ दोहा ॥

रसिक भक्त पंडित कवित, कही महाफल लेहु ।
नाटक करुणा भरण तुम, लछीराम करि देहु ।।१।।
प्रेम वढै मन निपट ही, अरु आवै अति राय ।
करुणा अरु सिंगार रस, जहां वहुत करि होय ।।२।।
लछीराम नाटक करचो, दीन्हो गुनिन पढाय ।
भेख रेख नृततनि, पुन लाये नरनि सधाय ।।३।।
सुहृद मंडली जोरि कें, कीन्हौं वड़ो समाज ।।
सो उनि नाच्यो सो कह्यो, कविता में सुख साज ।।४।।

[चोपई]

अन्त

आप आप कौं चीरै छेदै । तौ कहा लोह पना में भेदै ।
काटै छोलै घसि घसि डारै । मैलौ करै रु अंग उजारै ।।
आपहि आप अनग करि लैनो । नीचौ चित्र मोथरो पैंनों ।।
जद्दपि अमित तमा ह्वै भई । लोह लोहता नेंकु न गई ।।
एक वस्तु भई कैंहू ठांव । नाना आकृति नाना नांव ।।
जो जानैं सोई पै जानें । नर अजान सो नेंक न मानैं ।।

यों कवीन्द्र सरस्वती रिझाये। गाये वचन वेद के गाये ।।
जब कवीन्द्र यौं लई परीक्षा। तव जानी सतगुरु की सिक्षा ।।

इति श्री लछीराम कृत करुणाभरणाटिके अद्वैत नाम सप्तम अंक समाप्तं ।।७।। करुणाभरणाटिका संपूर्ण। शुभं भवतु। कल्याणमस्तु ।।

x x x

486/1378 सत्यविजय

।। प्रथमोङ्क ।।

प्रारम्भ

।। नान्दी ।।

पीत पट राजै जाहि देखें दुख भाजै दूर
'रूप लखि लाजै काम सुरन सुहावनों।
मोर की किरीट धारै भक्तन के काज सारै
दुष्टन कों मारै व्रज-वनिता लुभावनों ।।
सैंस मुख गावै शेष नट को वनायें वेष
लेश हू निवाजें पाप वृन्द को नसावनों।
नन्दरायजु को बाल करि कैं गुपाल कृपा
मेटो भ्रमजाल निज सुख में समावनों ।।१।।

सूत्रधार आता है।
सूत्र० अब विशेष मङ्गल पाठ की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि—

।। दोहा ।।

एक बार केशव कहें, कलमष सकल नसाय।
पुण्डरीक वन पुण्य कुल, सहज जात लहराय ।।३।।

यातैं हमारे महाराज की यह आज्ञा है कि तुम इस वसन्त ऋतु में कोई अभिनव नाटक के अभिनय द्वारा सहृदय समाज को आनन्द मग्न करो। सो इस आज्ञा का पालन मेरे को अवश्य करना चाहिये। इसलिये मैं पण्डित गोपीनाथ जो कि जयपुर राजकीय पाठशाला में काव्याध्यापन के लिये नियुक्त है और संस्कृत तथा भाषा कविता करने में सुप्रसिद्ध है। उसके रचित **सत्य-विजय** नाम नव नाटक का अभिनय करने को सज्ज भया हों। इसलिये सकल

रसिक समाज से प्रार्थना है कि आप सब एकाग्र होकर इस अभिनय को देखें। यह अभिनय आपके उपदेश रूप होगा। इसके देखने से आपको निश्चय होगा कि बदि का सिर गर्द में है। मनुष्य बुरे काम को चाहे जितना छिपा कर करे परन्तु, वह करतब कभी छुप नहीं सकता।

हमारे इस जयपुर राजसिंहासन के ऊपर श्री माधवसिंह महाराज विराजमान हैं। यह महाराज जब से यहां पट्टाभिषिक्त भयै हैं तब से सकल प्रजा आनन्द युक्त हैं। मानुषी आपत्ति की तो कथा ही कहा है, दैवी आपत्ति भी नहीं होती।

और जिनके पूर्व जन्म के तप के प्रभाव से बाबू कान्तिचन्द इनको मन्त्री ऐसा मिला है कि जैसे महेन्द्र को वृहस्पति। जिसके राग-द्वेषादिक तो दृष्टिगोचर ही नहीं होते हैं। इसने राज कार्य का प्रबन्ध ऐसा किया है कि रिसपत हिमायत तो देश छोड़ कर न जाने कहां गई। और सकल राज्याधिकारी इससे ऐसे कम्पित होते हैं कि अन्याय करने में कोई भी प्रवृत्त नहीं होता। इस कारण गुणज्ञ महाराज सकल कार्य इसके अधीन करि कैं आप निश्चित हो राज्य-सुख भोगते हैं। मैं भी महाराज कों यह ही शुभाशिष देता हों कि आपको यह सुख अखण्ड बना रहै।

अब मैं नटी को बुलाता हों और नाटक का प्रारम्भ करता हों। (नेपथ्य की ओर देखि कैं)

॥ दोहा ॥

प्यारी तेरे दरस कों, तरसत सकल समाज।
अब तू वेगी आवरी, वेष नाट्य को साज ॥५॥

॥ दोहा ॥

अन्त

सब ही भारत वर्ष मधि, होय न षट विध ईति।
प्रजा सकल साधन करै, धर्म सनातन रीति ॥८२॥
श्री माधव नरनाह कों, वितरहु राजकुमार।
होय सकल जयनगर मधि, घर-घर मंगलाचार ॥८३॥

(इतने में मृदङ्ग ध्वनि सुनने में आता है)

श्रीगोपा० राजन् । आज श्री गोपाललाल के मन्दिर में रासोत्सव होने वाला है । इसलिये सकल नाट्य सामग्री सज्ज होती है । तुम भी इस मङ्गल नाट्य को देखो । श्री गोपाललाल की कृपा सें तुम्हारी सर्व प्रार्थना सिद्ध होगी । (ऐसें श्री गोपाल भक्ति की आज्ञा सों रासोत्सव देखने के लियें श्री गोपालभक्ति के सङ्ग ही सब जाते हैं)

[पटाक्षेप]

पुष्पिका इति सप्तमोङ्कः ।।शुभमस्तु ।। श्रा० शु० सं० १९५४

x x x

487/1376 समय-परिवर्त्तन-नाटक

।। नान्दी दोहा ।।

प्रारम्भ करत बलिन को हीन बल, हीनन कों बलवान ।
दैव ताहि पहिचानिये, जा वश सकल जिहान ।।१।।

।। कवित्त ।।

जाको कीन्हों हेम गर्भ हू न टार सकै,
जाकै वश होय सारे जग कों उमावै है ।
जाके वश होय हरि अव न करै है,
जग नाना अवतार बहुरूप ज्यों दिखावैं हैं ।।१।।
जाके वश होय शम्भु जग को विनाश करै,
नित प्रति नांचि नांचि गिरिजा रिजावें हैं ।।२।।

सूत्रधार आता है ।

सूत्र०—अब विशेष मङ्गल पाठ की कोई आवश्यकता नहीं है । रसिक शिरोमणि महाराज जयनगराधीश्वर श्री १०८ सवाई माधवसिंहजी की आज्ञा भई है कि गालव्याश्रम हमारे राज्य में बड़ा तीर्थ है । तहां रामजन्मोत्सव में देश-देशान्तर के रसिक जन आये हैं । वह जयपुर देखने के लिये कितने ही समय तक यहां रहेगें । सो तुम इस **रामप्रकाश** नाम **नाटकघर** में रसिक समाज कों अभिनव नाटक के प्रयोग सें आनन्दयुक्त करो । तो मैं पण्डित **गोपीनाथ** जो कि यहां की पाठशाला में साहित्य के पढाने में नियुक्त है, उसके रचित **समय परिवर्तन नाम नाटक** को प्रयोग करता हूं ।

इसलिये नटी कों बुलाता हूं और नाटक का प्रारम्भ करता हूं । (परदे की तरफ देखकर)।

॥ दोहा ॥

प्यारी तेरे दरस कों, सकल सभा तरसाय।
अब तूं वेगी दरस तैं, आनन्द दै बरसाय ॥३॥

नटी—और इस समय परिवर्तन नाटक का क्या तात्पर्य है।

सूत्र०—प्यारी ! इसका तात्पर्य तो नाम से ही स्पष्ट है। इसका अर्थ यह है कि—वख्त का वदलना। सो ही इस नाटक में प्रकट दिखलाया जावैगा। जिससें सकल रसिक मण्डल में विदित होगा कि संपति विपति यह समय के ही अधीन है। यातैं इनके होनें में धीर होना और हर्ष विषाद के वश न होना चाहिये।

अन्त (इतनें में श्री गोपालजी के मंदिर में घण्टा-नाद होता है। उसकों सुनि कैं और सबकी तरफ देखकर सब सैं)

इस समय में जो यह घण्टा-नाद भया है सो तुम्हारे शुभ-शकुन-रूप है। इसलिये तुम अपनें सकल वरों को सिद्ध मानि कैं सन्तोष करो। अब श्री गोपाललाल के मङ्गल नीराजन का समय है। इसलियें चलो ! और दर्शन करि कैं अपने अपने आत्मा कों कृतार्थ करो।

(ऐसें श्री गोपाल भक्ति का वचन सुनि कैं सब ही परम हर्ष सें श्री गोपालजी के दर्शन के लियें जाते हैं) पटाक्षेप

॥ इति पञ्चमोङ्क ॥

पुष्पिका इति श्री कृष्णचरणारविन्दमन्द मकरन्दास्वाद मिलिन्दी कृत मान सेन श्री मन्महाराजाधिराज राजराजेन्द्र श्री १०८ माधवसिंह देव नृपति शुभचिन्तकेन श्री दधीचिवंशोद्भवेन संस्कृत पाठशालाध्यापकेन पण्डित **गोपीनाथेन** विरचितं **समयपरिवर्तनं** नाम नाटकं समाप्तम् ॥

माघ शुक्ल १० गुरुवार सं. १९६० का। कल्याणंभवतु। श्री रस्तु।

ग्रंत में "अरज सुनों जदुराई" पद है।

x x x

491/11889 काव्यरस

प्रारम्भ
पत्राङ्क 7

प्रौढा धीरा को उदाहरन

कान्ह कही किन पान खवावो,
बढावो तरंग जनावति ढेरौ।
देखत ही हँसि देति हती,
जयसिंघ जनाइ कै प्रेमु घनेरौ ॥
बात कहौ इत कौ चितु कै,
पुनि नैंकु निहारति हों दृग फेरौ।
जानी न जाति कछू हम कौ,
तुम काहे तें मो तन सो हे नहेरो ॥८७॥

अन्त
पत्राङ्क 37

देखत बदति ऐं कहत नवनति कै हूं,
अैसी छवि लखी निज मोहन को भाई है।
मीन औ कमल और खंजन के गंज है,
अगम में गम करै अति ही निकाई है ॥
जयसिंघ इन सम ऐई सब लघु,
आइ चपलाई चतुराई जैसी गुन गाई है।
मेंलवा न काजै नैंन तेरे नाउ कहै,
सावक विसेखें मृग सोभा अधिकाई है ॥८७॥

॥ दोहा ॥

अलंकार बरननु कयौ, काव्य-प्रकास जु रीति।
निजु कै तव हीं समुझि हौ, जवै होइ या में प्रीति ॥८८॥

अथ चित्र अलंकार वर्नंते..................

x x x

500/11825 (8) रस-बखतावर

प्रारम्भ

श्रीरामाय नमः। श्रीगणेशाय नमः।

अथ रस बखतावर लिखते।

सी[श्री] राधा माधव चरन, रसिकन के आधार।
सौभनाथ चितै तिन्है, सुबुधि हेत इक सार ॥१॥

सी[श्री]रस रासि किसौर गुर, चरन स्वर स्वरी अंग।
बंदउ तिन कौ प्रेम सौं, सरसै सुबुधि तरंग ॥२॥

सूरिज कुल आवैर पति, भूप भयौ **भगवंत**।
मांनस्यंघ ताकै भयौ, महावीर बलवंत ॥३॥

ता कुल माझ प्रगटतु भयौ, दांनवीर **जगतेस**।
ताकै भयौ **झुंझारसी**, जाहर कैयौ देस ॥४॥

जास भयौ **सिगरांमसी**, ताकौ सुजस अपार।
ताकै सुत **गजस्यंघ** भौ, ग्याता परम उदार ॥५॥

कुसलस्यंघ ताकै भयौ, सब बातन समरथ।
ताकै **जसवंतस्यंघ** भौ, महावीर वड हथ ॥६॥

ताकै **कीरतस्यंघ** है, कीरति करन अपार।
बखतावर ताकै प्रगट, बखतावर दातार ॥७॥

ग्याता जीर जिहान मै, बखतावरस्यंघ बेस।
जाके जस की चंद्रिका, फैलि रही सब देस ॥८॥

ऐक दिवस सुख सदन मैं, लस्यौ हरखि कैं चित्त।
सौभनाथ केतक जहा, रस मैं पढे कवित्त ॥९॥

सुनि अति रीझ्यो ता समै, ह्वै उदार मन मांहि।
सौभनाथ सौ हरखि कैं, कही सु यो चित चाहि ॥१०॥

अैसौ कीजै ग्रंथ इक, थोरे ई पद लाय।
जासौं नाइक नाइका, परैं सु भेद जनाय ॥११॥

हाव भाव रस रूप गुन, जा मधि सब ही होइ।
ग्रंथ एक अैसो ललित, करि अब दीजै मोहि ॥१२॥

आरंभ्यो कवि सोभ इम, हुकम पाय अभिरांम।
ग्रंथ ऐक निज नांम पर, रस-बखतावर नांम ॥१३॥

लछिन लछि समेत यह, रस-बखतावर कीन।
वडे वडे कवितान के, देखि ग्रंथ प्राचीन ॥१४॥

दोहा ई केवल कीये, लछिन आधे मांहि।
आधे मांहि उदाहरन, समझि लेहु चित चाहि ॥१५॥

अन्त

अथ विलास—

सौ विलास भ्रबि छटिन मैं, चितवनि विहसनि गौन ।
हसि हेरे मन लाल की, लिये जाति यह कौंन ॥३०॥

अथ हेला—

पिय सौं छीठ्यौ देइ सौ, रति मैं हेला हाल ।
फिरि फिरि लपटति कंत सौं, अति वडाइ चित चाव ॥३१॥
[आगे का अंश अप्राप्त]

x x x

509/11817 सवाई प्रतापसिंह चन्द्रिका

प्रारम्भ

श्रीगणेशाय नमः । महाराजाधिराज महाराजा **श्री सवाई प्रतापसिंह-चन्द्रिका** लिख्यते ।

॥ छप्पै ॥

श्री गणपति तुत्र चरण सरण, द्विज वरण करुणा करि ।
देवनि के दुख दरन करन, सुख भरण भाव धरि ॥
अमरत पद दान रन पर न धारत वड भागह ।
र र न नाम सुभ धरन तरन भवसागर लागह ॥
भगवंत हरन जडता ढरन मेधा करन वखान वर ।
भनि **मनीराम** कर जोरि कैं जयति जयति सुत गवरि कर ॥१॥

अथ राजवंश वर्नन माह

॥ छप्पै ॥

सूरज कुल दशरत्थ सत्थ, देवनि सहाय हुव ।
तिन रघुवर वर गत्थ पथ्थ, पालक समथ्थ भुव ॥
[छंद २ से १५ तक है]

॥ कवित्त ॥

कुरम कलस श्री सवाई प्रतापसिंव,
भूपनि की मनि मनीरांम सुनी गत्थ है ।

गावत सु छंद के प्रबंध कवि वृन्द वर,
विचरैं सु छंद देस देस जस सत्थ है ।।
सुनि ग्ररि इंदन कै वाढै दुख दंद वहु,
मोद कौ निकंद होत मांनि सम पत्थ है ।
माधवेस नंद ग्रैसौ वखत विलंद,
भलौ ग्रानंद कौ कंद हिंद पालक समत्थ है ।।१६।।

अथ कवि वंश वर्नंनं

।। दोहा ।।

ग्रनगपाल नृप वंश के, पूज्य सुरेखा रांम ।
तिनि के तनय मुकंद जू, विद्या-धन के धांम ।।१७।।
मनीरांम तिन के तनय, राज इंद्र गिरि सेय ।
पाई विद्या मान धन, सुजस सु कहत ग्रमेय ।।१८।।
विदित जगत ग्रांमेरि पति, राजनि के राजा सु ।
श्री प्रतापसिह हुकम लहि, वरनत हौं ग्रव तासु ।।१९।।

अथ ग्रंथ प्रसंसा

।। दोहा ।।

श्री जैसाहि सु नृपति कौ. हुकम विहारी पाय ।
सतसैया ग्रैसौ कियौ, रह्यौ जगत मैं छाय ।।२०।।
ग्रनवरखां टीका कियौ, ताकौ प्रकरण लाय ।
मत जो काव्य प्रकास कौ, सास्त्र ग्रर्थ दरसाय ।।२१।।
भंडारी ग्रमरेस हौ, मारवारि के राज ।
तिनि टीका ग्रछिर ग्ररथ, कियौ सुजस कै काज ।।२२।।

र:का. ग्रष्टादश छयालीस भनि, संवत माधव मास ।
शुकल पक्षि गुरु पंचमी, किय चन्द्रिका प्रकास ।।३४।।

।। दोहा ।।

ग्रन्त ललित स्याम लीला ललन, वढी चिबुक छवि दून ।
मधु छाक्यौ मधुकर पर्यौ, मनो गुलाब प्रसून ।।

टीका—दूती की उक्ति नायका प्रति । नायका की स्तुति करि लै गयो चाहति है । उत्प्रेक्षा ग्रलंकार ।

अमर वार्त्ता—

प्रश्न—दूत कह। उत्तर—येक चिबुक की छवि दून विंदु की छबि उत्प्रेछा अलंकार………………………………………।

[आगे के पत्र अप्राप्त हैं]

x x x

533/1874(1) किशोर-कल्पद्रुम

प्रारम्भ श्री गणेशाय नमः। अथ रसोई को ग्रंथ किशोर कलप लिख्यते।

॥ दोहा ॥

वुध्य वधायक विविध रस, सिद्धिनि दायक नित्त।
मुख भोगनि कैं मुख्य है, सुख हित चिन्तौ चित्त ॥१॥
मति सों मतो उपाय हौं, मन तें भनहित जुत्ते।
भक्ति विभव भव रस मई, लुभै सरस वर उक्ति ॥२॥
अज्ञा ले रस नृपतेस की, संचय युक्त विचारी।
सिव कवि कायथ गवड नैं, रच्यौ ग्रंथ विस्तारि ॥१७॥

र.का. अष्टादस सत्त परि गुनतीस, संवत मास कुमार सुध।
सौं परिवार विसु महूरसु, रच्यौ किशौर कल्पद्रुम वुध ॥१८॥

इति श्री महाराजाधिराज नृपति किशोरदास आज्ञा प्रमाण शिव कवि विरचितं ग्रंथ किशोर कल्पद्रुमे पायसचि[वि]धान श्री वरननं नाम प्रथम साखा समाप्ता:।

अन्त

॥ मसाला दखनी ॥

मिरच लाल ऽ१, धना ऽ॥, हलदी ऽ= आधा पाव, हींग १) तोला भर, तेजपात १।२५ भर, पथरजफूल १।२५ भर, स्याहा जीरा १।२५ भर, लोंग १।२५, इलायची बडी २।२५, मिरच सफेद २। भर, दालचीनी १) तोला नागकेसर २) तोला, खोपरा आधापाव, प्याज ऽ२ सेर, सुका देना लसण ऽ॥ आधासेर अदरख ऽ=, पोदीना ऽ=, लसन ऽ‾, अमचूर ऽ=), आवजोस ऽ‾), अनारदाना ऽ‾), जरसक ऽ‾), सीमाक ६, ईलायची छोटी १), वंसलोचन ऽ‾), मिरच काली ऽ=), निमक काला सींदा ऽ≡), आलु बुखारा ॥, अरक नाना।

पुष्पिका इति खाणा की पुस्तग संपूरण। महाराजाधिराज नृप किशोरदास ग्रंथ **किशोर कल्प** संपूर्ण ।। मिती चेत वूदी ६ सं. १९५४।

x x x

724/11380 भेरूंजी रो छन्द [भैरव-छंद]

प्रारम्भ ।। छंद ।।

सरसत अखर दे सुर-रांणी, वाचा सुध आये ब्रह्मांणी।
गुणपत पांव वंदु गुण खांणी, परमल जुं गंगाजल पांणी ।।१।।
काला गोरा मेहर करीजे, रूपक तुं सांभल दल रीजे।
डेहरु डाक संत्तासर दीजे, भेरु धन भंडार भरीजे ।।२।।
म्याया करै खेत मतवाला, खरतर गछ माहे रखवाला।
मद मता घुमे मतवाला, वेल करे तु बावरी आला ।।३।।
डाकण साकण मुतण डारै, वरी वसी अर तुही वडारै।
सवलां रां तु कारज सधारै, अवलां नीवलां पार उतारै ।।४।।
जबरा असर जकै कर जोडै, मांणभद्र रा मांणज मोडै।
घोकां धोकां हुत घमांडै, चोट चलावे केड न चोडै ।।५।।

अन्त चोसठ जोगण तणाज चेला, बावन वीर नमो अलबेला।
तोने जके न मांनै टेला, ढींगा रै उपर देवे ठेला ।।१५।।
वखत भणे हरी आली वासा, संवत अठार वत्तीस सवासा।
मंगल सातम मृगसर मासा, ओ छंद जोडीयो अंग उलासा ।।१६।।

भैरूजी रो छंद संपूर्ण।

पुष्पिका सेवग रिधाजी पासै उतारीयो। संवत १९११ पोस वदि ५ वार शनीसर। पं० **बखताजीरो** कहीयो लो। गांम हरीआली वाला।

x x x

728/10249(20) माताजी री बावनी

प्रारम्भ ।।र्दं०।। श्री महामायाजी प्रसादात्।
ऊँकार अपार, मंत्र तुहारो मन धरी
जय सुं जेय जय कार, वचन ममये वीस हथ ।।१।।

नमो नमो तु नाम, परगट हंणा पांच से।
सुखम विला सर सांम, वीश सवे वीस हथ ॥२॥
मन तन वचने मात, चरण तुहारा सेवतां।
विगडे न काइ वात, वस्यै ज्यां तु वीस हथ ॥३॥
सिध साधिक सुर संग, जात्र तुंहारी जालपा।
अवन घणी अवगाय, वहि वहि आवे वीस हथ ॥४॥
धरम धरा धर ध्यांन, महेल मनोरथ मांननी।
सुंदर सुख संतान, वड सुत आपे वीस हथ ॥५॥

अन्त

हसत वदन इम, कर जोडी कीरत कहै।
प्रगट प्रकासी प्रेम, कूडो इख्यर जे क्युं कऊं।
हुकम तुहारो हेम, वीसै विद्या वीस हत्थी ॥५४॥
क्षमा करे मनि खेम, कूडु जे हुइ क्यु कहिउ।
हुंकम तुहारो हेम, वदिज कानुंई वीस हथि ॥५५॥

॥ कलश ॥

ऊँकार अपार, अवन धुर अक्षर आंणी।
अनुक्रम अक्षर एह, सयल सरखा जन वांणी ॥५६॥
पाचावन पद परठ, सांसह त्रण सुं भिला।
हुंकम तुंहारो हेम, गुथ सुं गुण भक्तं भेला ॥५७॥
वीनमुं ऐम वाघेस्वरी, वल्लभ सेवग वड गरथ।
माता मया कर मुझने, द्यो वर मांग्यो वीस हथ ॥५८॥

इति श्री माता जी री बावनी संपूर्णं

x x x

765/9871 हिंगुलाज-अष्टक

प्रारम्भ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

प्रचंड बाहु दंड चंड योग निद्रा भैरवी।
भुजंग केस पुण्डरीक कुंडला मनोहरि ॥
निकंम काम कुंडलाज कालिका कृपालनि।
भजे तु मात हिंगलाज निर्मला निरंजनी ॥१॥

अन्त

कुबेर इन्द्र विष्णु मूर्ति अर्चिता च संकरी।
त्रिलोक सत्य दीप खड्ग सेवनि पीतांबरी ।।
कृपा कटाख रिद्धि सिद्धि सर्व सत्रु मर्दनी ।
हरिराम सरण हिंगुलाज मोक्ष , मुक्ति-दायनी ।।८।।

इति श्री हिंगुलाज अष्टक संपूर्ण ।

x x x

1002/7787 गजसुकुमाल-विवाहलु

प्रारम्भ

।।र्द०।। पं० श्री नयकीर्त्तिगणि गुरुभ्यो नमः ।।

देस सोरठ द्वारापुरी भूमि तिहिं वासदेवू ए।
दसय दसांयर सिउ राजीउ बांध श्री बलदेवू ए। १।।
जीरे जीरे स्वामि समोसरिय हरिखिउ गोपी नु नाथू ए।
नेमि वंदण अलजयु कलजयु यादव साधू ए ।।२।।

अन्त

श्री शुभवर्द्धन गुरु राय । मइ प्रणमी तेहना पाय ।।
गाउ गइसुकमाल मुनीस । श्री संघ नइ हुइ आसीस ।।८०।।
जीतु गइसुकमाल मुणिंद । तस तुठउ नेमि जिणंद ।।
जस भणंतां हुइ आणंद । अनइ नामि पुरिमाणंद ।।८१।।
श्री गइसुकमाल जे गाइ । ते मन वंछित फल पाय ।।
अनइ दूरि जाइ वली । अविचल संपद थाय ।।८२।।

पुष्पिका

इति श्री गइसुकुमाल वीवाहलु लखिता संपूर्ण समाप्तः । शुभं भवतु। कल्याणमस्तु । ६ ।।श्री।। संवत १६०२ वर्षे कार्तिक शुदि सप्तमी सोमे पं० विनयकीर्ति गणि शिष्य जयकीर्त्ति मुनि लख्यंत नडीयाइ नगरे । चे० सारी पठनार्थं । श्री रस्तु ।।६।।

x x x

1036/8206 तेतलि पुत्र मुनि संधि

पत्राङ्क 3 का प्रारम्भ

एकादश मउ दिन आयउरे, तब सूतक शुद्ध करायउ ।
बारमइ दिन विविध प्रकारे, नीपजाव्या सरस आहार ।।६।।

तेडी निज सयण सुधोकरे, वलि नयरी नउ बहुलोक ।
जीमावी द्यइ सतकार रे, सहू नइ कहइ एम विचार ।।१०।।

अन्त वरस घणा संयम संयोग, पडिबोहइ बहु भवियण लोग ।
करि संलेहण सुभ उपयोग,स्वामि पधारया सिद्धि आरोग ।।६।।

छट्ठइ अंगइ ए अज्झयण,चउवीसमउ जिनवर वीर सुवयण ।
......................., सांभलि भाख्यउ चरिय सुरयण ।।१०।।

तेतली पुत्र तणउ अधिकार, भाखी सफल कीयउ अवतार ।
गुरु उपगारी श्री ज्ञानचन्द, सीस भणइ श्री देवआणंद ।।११।।

पुष्पिका इति श्री तेतली पुत्र मुनि संधिस्समाप्तोयंमिति संवत १७८६ माह सुदि १३ सोभित मध्ये लि० ।।

x x x

1038/9188 दसारण भद्र राजर्षि चौढालियो

।। ई० ।। ।। दूहा ।।

प्रारम्भ सारद समरुं मनरली, समरूं सदगुरु पाय ।
वचन अमीरस सारिखा, मुझ दीज्यौ चित लाय ।।१।।

देस दसारण नो धणी, दसारण भद्र नरिंद ।
संजम लीधो चुंप सुं, जातो सुर वर इंद ।।

।। ढाल ।।

आज घूराऊ जी हो धूंधलो एहनी देशी बावईयारी देशी मै छइ ।

अन्त नगर भलो सुख दायक हो, सोजत सैहर वखांणीयैं ।। रा०रा०
गुण गाया भलै भाव हो, संवत सतर छयासीयैं ।। रा०रा०
गछ नायक गुणवंत हो, महिमासागर खेवीया ।। रा०रा०
रांमसिंघजी गछ राय हो, कुसल सीस गुंण गाईया ।।
राय ऋषजी हो राजन जी हो ।।६।।

इति **दसारणभद्र राजऋषि चौढालीयौ** संपूर्ण । लि० पं० कुसलसिंघ बिक्रमपुरे ।

[आगे कपूरचन्द कृत 'जोगण' पर प्रहेलिका है]

x x x

1052/8144 (7) धन्ना-ऋषि-संधि

प्रारम्भ

समरिय सम रिसि तणउ निहाण।
वीर जिणेसर तिहुयण भाण॥
वीर कहिउ जे नवमइ अंगइ।
धन्ना संधि कहि सु मनरंगइ॥१॥
अच्छि काकंदी ना [मइ नगरी]।
जित शत्रु राज करइ जित वइरी॥
तिह वसइ सारथवाही भद्दा।
अद्धा दित्ता सील सु सद्दा॥२॥
कला बहुत्तर बहु गुण मुन्नउ।
सारथवाही सुत छइ धन्नउ॥३॥

अन्त

जेसलमेरउ मंडण पास।
पूजंता पूरइ मन आस॥
तासु प्रभावइ कहिउ संबंधि।
श्री जिनसमुद्र सूरि सांनिध्यइ॥६४॥
एह संबंध अमीय मय वाणी।
बोलइ वीर जिणेसर ताणी॥
अणुत्तरवाई नवमइ अंगइ।
कल्याण तिलक कहइ मनरंगि॥६५॥

पुष्पिका

इति श्री धन्ना रिसि संधि

x x x

1067/7407 परदेशी राजा री चौपई

॥ दूहा ॥

प्रारम्भ

सुख संपति दायिक सदा, चिंतामणि धर चित्त।
एक मनां आराधतां, वर वंछित दीयैं भत्ति॥१॥
श्री जिनकुशल सुरिंद गुरु, सिंघ सकल आधार।
प्रणमुं तेहनां पद कमल, चित हित धारी अपार॥२॥
सरसत उकत समापीयैं, महिर लहिर कर मात।
वचन सुधा रस वरखतां, बाधै जस विखीयात॥३॥

पर उपगारी परगडा, दायिक विद्या दांन।
विनय विवेकै बांदतां, कोड हुवै कल्यांण ॥४॥
तीन तत्व मैं तिलक सम, राजै श्री गु[र]राज।
श्रुत सागर नागर भविक, मेलक सिव पुर साज ॥५॥

अन्त [चौपई]

अधिक ओछौ कह्यो अजांणै। नहि राखुं ते छांनैंजी।
सिंघ समख्यै तेह कहीजै। मिच्छामि दुक्कडुं दीजैंजी ॥धन०॥६॥

र०का० संवत अठार बाणुंआ वरसै। मुंबई बिंदर मन हरसैंजी।
श्री चिंतामण चिंता चूरै। पर घल आसा पूरैजी ॥धन०॥१०॥

सरद उदै कार्तिक स लहीजै। कृष्ण पक्षै तिम कहीयेजी।
छठ तिथै सोमवार प्रसीधी। एह संबंध मैं कीधोजी ॥धन०॥११॥

गछ चोरासी माहे गाजै। वड खरतर-गछ राजैंजी।
कुसल सूरि सदगुरु मणिधारी। तेहनी सोभा भारीजी ॥धन०[१२]

संतानी क्षेमकीर्त्ति कहीजै। क्षेमधाड विरुद धरीजैंजी।
पाठक सहिज कीरत सुखकारी। गंध हस्ति विरुद धरीजैंजी ॥धन०[१३]

पुण्य रतन वाचक वरदाई। कनक मांणिक्य सुखदाईजी।
रतनशेखर पाठक पदधारी। दीप कुंजर हितकारीजी ॥धन०[१४]

हस्तरतन वाचक सब जांणै। श्री युक्तिशेन वखांणैंजी।
वाचक पद धारक जै सारा। विद्या गुण हितकाराजी ॥धन०[१५]

तास शीस वाचक स लहीजै। अमरसिंधुर नांम कहीजैंजी।
उत्तम पुरस तणां गुण गाया। श्री परदेसी रायाजी ॥धन०[१६]

महिमा रतन नांमै लघु भ्राता। दिन दिन अधिकी साताजी।
आणंदमंदर सीस उदारा। विनय गुणै सु विचाराजी ॥धन०[१७]

तसु आग्रह ए चौपई कीधी। लायक देसी लीधीजी।
श्रोता वक्ता तें मन भावै। मधुर सुरै गुण गावैंजी ॥धन०[१८]

सुगुण पुरस मिलनें गुण गावौ। मन वंछित फल पावोजी।
श्रोता वक्ता मंगल माला। पांमै सुख्ख रसालाजी ॥धन०[१९]

पुष्पिका इति श्री परदेशी राज्य चरित्रे चित्र सारथी गमन धर्माचरण केशी-कुमार गुरुगमन परदेसी प्रश्नोत्तर करण धर्माचरण तृतीय भवे मुक्ति

गमनाधिकारे द्वितीयोल्लास संपूर्ण मिदं। इति श्री **परदेशी राजारी चोपी** संपूर्ण। सर्वगाथा १२७१ छै। ग्रंथा ग्रंथ ॥१२०४॥

x x x

1103/7861 रत्नकुमार–'श्रीमाली'-रास

प्रारम्भ ॥ दं० ॥ रतनकुमर गुण आगलारे, आगला मुख ना छे बोल।
सांभलता रंग वासना जी, आयो मुजी मत मोल ॥रतन०॥१॥
सुर सेवा दे[ही]रानंदजी, श्रीमाली कुल चंद।
नाथा रुपजी ना बुझव्या रे, रतनकुंवर गुणवंत ॥रतन०॥२॥
सोला वरस ना रतनजी, आदरीया व्रत आचरि।
देव-कन्या सीरखी तजी रे, लेसी संजम भार ॥रतन०॥३॥
सासर जाय स्त्री ने दुझव रे, श्री बाई वर नारि।
पीव नो साथ म्हेले नही रे, राजल नेम कुमार ॥रतन०॥४॥
श्रीबाई ने समझावे वारे, सासरे चाल्या सांम।
उढण चीर लेई करीजि, साथ मन्त्री अभिरांम ॥रतन०॥५॥
वीनो करी सासु बुझीयो रे, केम पधारया आज।
रतन कहे धरम रंगीयाजी, हम तुम मेलवा काज ॥रतन०॥६॥
तेडो तुमाहारी बालकाजी, श्री बाई वर नारि।
सासरो वासो परो करोजी, आ म्हे होस्यां अणगारि ॥रतन०॥७॥

अन्त जो तुमह रहसो संसार मे जी, तो हुं तुम्हारि लार।
जो तुम संजम आदरो जी, तो हुं साधवी लार ॥रतन०॥३५॥
मान-सरोवर हंसली, नगर रवाला किम जाय।
दाख छजोरा खाईने जी, हिवं नीमोली कुण खाय ॥रतन०॥३६॥
इम वचन श्रीबाईना जी, साभल्ये रतन कुमार।
दीपतो संजम आदरो जी, जाणे जुग संसार ॥रतन॥३७॥
नम जणंद नी उपमा जी, रतन गरु गुण सार।
राजल नारी सारखी जी, श्रीबाई गुण द्वार ॥रतन०॥३८॥
सोलमी ढाल सुहावणी, श्री तना गुर सार।
सांभलता रंग उपजे जी, उपजे मत मोल र ॥रतन०॥३९॥

पुष्पिका इती संपूरण । श्री श्री श्री श्री श्री ॥

[टिप्पणी–मात्र सोलवीं ढाल ही है ।]

x x x

1137/7748 शुद्धात्मध्यान-स्वसूत्र-चौपई

॥ ऐं नमः ॥

प्रारम्भ

श्री जिनवाणी प्रणमन करी । सिद्ध चक्र भाल स्थल धरी ॥
शुद्धातम छँ महा कल्याण । दे ग्रह वानइ थाऊ जाण ॥१॥
प्रगटइ शुचि अनुभवनी ज्योति । नाशैं तव मिथ्यातम छोति ॥
शुद्धातम अवलोकन करुं । दृढ भावें एहिज चित्त धरुं ॥२॥
वचन विवेक विनय सूधि करी । तिण थी मिथ्यामति अपहरी ॥
प्रगटचो शुभ संकल्प प्रधान । आप्युं प्रथम शुद्धात्म ध्यान ॥३॥
वीतराग दौसी निकलंक । नहीं विकल्प मद माननै वंक ॥
तेह निरंजन निर्मल गुणी । प्रथम आलंबन सूं रति बनी ॥४॥
एह ध्यानें सुख ऊपनुं जेह । गूंगइ गोल गल्या परि तेह ॥
न कहाइं मुखि सुख बहु थाय । निवड कर्म ना मर्म पुलाय ॥५॥

अन्त

शांत दांत गुणवंत संत नो सेवा कारी ।
वारित्त विषय कषाय ज्ञान दर्शन सु विचारी ॥
स्यादवाद रस रंग हंस परिं समरस झीलिं ।
शुभ परिणाम निमित्त अशुभ सवि कर्म नइ खेलें ॥
ता दृश नर परमेष्टि पद साधनां कारण लहै ।
सारामजी सुत रत्न **नेमीदास** इणि परि कहै । (३)

॥ ढाल-चंद्राउलानी ॥

ए पंचे परमेष्टि तारे साधन ना आम्नाय ।
विद्या प्रवाद पूर्व मां भाख्या श्री जिनराय ॥
श्री जिन राय तणा जे गणधर
वर्द्धमान विद्या ना आगर...............

x x x

1145/9219 सनत्कुमार-चौ-ढालियो

॥ दोहा ॥

प्रारम्भ

॥ दं० ॥ सुख दाई सासण धणी, त्रिभुवन साम सहाय।
भाव सहित सदगुरु नमुं, वलि सारद वरदाय ॥१॥

ए त्रिहूं नैं त्रिविधइ करी, सीस नमुं कर जोडि।
गुण गावौं गरूवां तणा, मछर मन सूं छोडि ॥२॥

सुख-दुख करम तणैं वसै, भागवै इंण संसार।
ओत्रो जगत उत्तम पुरुष, चक्री सनत कुमार ॥३॥

कुष्टादिक नी वेदना, असुभ करम संयोग।
निज कृत भोगव रायजी, आप थया आरोग ॥४॥

ढाल देशी सवार तिहार जीजीबाई एह देशी:—

अन्त

दोय अरथ जणाया अमर कहाया एमरे 'मुनिवरजी'।
गत देव सिधाया तौ अंत बताया केमरे 'मुनिवरजी'।
फिर केवल नांणी वदै जिण वांणी जेहरे 'मुनिवरजी'।
साची कर जांणी भविक सुहांणी तेहरे 'मुनिवरजी' ॥५०॥

धन धन रिपराया मैं प्रणमुं पाया नित्तरे 'मुनिवरजी'।
गुण हरखै गाया सनत सुहायो चित्तरे 'मुनिवरजी' ॥
रांमसिंघ गछराया तास पसाया जेहरे 'मुनिवरजी'।
सिख **कुसल** रचाया वयण सुणाया एहरे 'मुनिवरजी' ॥५१॥

॥ कलस ॥

र:का.

संवत **सतरै निव्यासी वरषै**, मेडतै सुख वास ए।
वैसाख मासै मन ऊलासै, बीज सुक्ल ऊजास ए ॥

श्री सनत गायो मन सुहायो, पायो परमाणंद ए।
कवि **कुसल** प्रभणै धन्य मुनिवर, चर्णं नमुं सुखकंद ए ॥५२॥

पुष्पिका

इति श्री सनतकुमार ४ ढाल। संवत १७६५ वर्षे मिति आसाढ़ सुदि १ बुधवारे। पूज्याचार्य श्री १०८ श्री रांमसिंघजी तदांतेवासी मुनि कुसलसिंघेन लिखितं विक्रमपुरे। वाच्यवान चीरंजीवा। श्री ॥ श्री। श्रीरस्तु कल्याणमस्तु भद्रं भूयात्। श्री।

x x x

1320/11205 चौवीसी

प्रारम्भ अथ मोहनरुचि कृत चौवीसी लिख्यते ।

हिरणीजव चरे ललनां ऐ देशी—

श्री ऋषभ जिणेसर साहिबा ललनां ।
मुझ पूरो हो सरस मनना उमेद ॥
वारी तुमारी सुरते ललना ।
दरसण द्यो मुझ रिषभजी ललना ॥
जिम पांमु हो सुभ भगति ना वेद । वा०ल० ॥१॥
नरक गते बहु दुख सह्या ललना ।
वली रुलीयौ हो अनंता तीर्यंच ॥वा०ल० ॥
देव गति सुख बहु लह्या ललना ।
अब पायो हो मानव भव संच ॥वा०ल०॥२॥

अन्त आठ कुआ नव वावड़ी, हूं तो पांणिडे जाव जी तलाव रे ।
मांगीगर हस बोलौ, हस बोलौ हीया की दिल खोलो रे ॥
मा०ह० ॥देशी॥

श्री जीनवर प्रभु विरजी, हुं तां वंदण आवुं सदाइ रे ।
भवि जन जय बोलो, जय बोलो अपणा दिल खोलो रे ॥
भवी जन जय बोलौ ॥१॥

खेत्रिकुंड सोहामणो, जिहां सिधारथ राज रे ॥भ०॥
रांणी त्रिसला दे सोभति, इन्द्राणी अनुंसार रे ॥भ०ज०॥२॥
श्री वर्द्धमान जिसा जनमीया, चोविसमा जिनराय रे ।
भसुर नर नाग पति सहुं मिली, पूजे प्रभुजी ना पाय रे ॥
॥भ०ज० ॥३॥

दीक्षा लही वन वास मै, काउसग्ग ध्यांन वणाय रे ।
देव मनुंष्य तीर्यंचना, उत्सर्ग सह्या घणाइरे ॥भ०ज०॥४॥
दीक्षा लही वन वास मै, काउसग्ग ध्यांन वणाय रे ॥
पावापुरी नीर्वांण भयो, अनुभव पदवी पाइ रे ॥भ०ज०॥५॥
श्री रूपरुचि गुरुरामनो, श्री दयारुचि सुपसायरे ॥भ०॥
विनोद रुचि गुरुरायना, मोहनरुचि गुण गाय रे ॥भ०ज०॥६॥

इति वीर स्तवनं । श्री चौवीस जिनस्तवनं संपूर्णम् । संवत् १८८२ रा फागुण वद १४ दिने संपूर्ण जाता । लि०मु० उमेदहंस श्रीमद् जेसलमेर नयरे । पुन्यासजी श्री हेमविजयजीरा पत्र उपरे लीखत्वा श्री लोद्रवाजी प्रसादात् रावल श्री गजसीघजी राज्ञै वर्त्तमानं ज्ञेयं । स्वआत्मार्थे ।।

[अंत में **नेमिनाथ स्तवन** और है]

x x x

1327/7878 जिनकुशलसूरि-छन्द

प्रारम्भ

।। गाहा ।।

विमल बुध दायिक हंस वाहणि ।
सरसति उकत समापो सांमणि ।।
चिंतामणि नित चित ध्याई जै ।
तो प्रघल सु मनवंछित पाई जै ।।१।।
सदगुरु श्री जिनकुशल सुरिंदा ।
आराध्यां लहि अधिक आणंदा ।।
देवन नहीं इण समइल दूजो ।
पद युग प्रहसम नित तिण पूजो ।।२।।
चंद पटोधर चिर जस-धारी ।
वलि वलि जईयै तिण वलिहारी ।।
छोगालो छत्रपति भल छाजै ।
तौ राजेसर खरतरगछ राजै ।।३।।

नमो गुरु देव नमो गुरु देव ।
साचै दिल सुद्ध करो नित सेव ।।
जपो जय माल जपो जय माल ।
मोटी घर बांधै मंगल माल ।।६६।।
धरो गुरु ध्यांन धरो गुरु ध्यांन ।
कीरत्ती वाधै कोड कल्यांण ।।
नमो नर नार नमो नर नार ।
जप्यां गुरु होवै जै जैकार ।।६७।।

॥ कलश ॥

जपंता जं जैकार, सदा आंणंद सवाई ।
प्रणमंता बहु प्रेम, वधै आंणंद वधाई ॥
जपंता मन शुध जाय, पाप संताप पुलायैं ।
सुगुरु तणैं सुपसाय, थिरा संमदा सुख थायैं ॥
र.का. संवत अढार वांणुं वरस, मुंबई विंदर शुध मनैं ।
कुशलेस सुगुरु कीरत घणी, **अमरसिंधुरगणि** इम भणैं ॥६८॥

॥ इति श्री ॥

x x x

1492/11492 प्रतिमा हुण्डो-स्तवन

प्रारम्भ ॥ दे० ॥ श्री श्रुतदेवी तणैं सुपसायैं प्रणमुं सदगुरु पाया ।
श्री सिद्धान्त तणैं अनुसारैं सीख कहुं सुखदाया रे ।
कुमत्यौ कां प्रतमा उथापो ॥१॥
मुग्ध लोक नै भंभैयाडो पोंड भरो छो पापैं रे ॥कु०॥२॥
श्री सिद्धांत पद अक्षर अक्षर प्रतिमा नो अधिकारो ।
तुम्हे जिन प्रतिमा केम उवेरबो जास्यो नरग मझारो रे ॥कु०॥३॥
द्रव्य पूजा ना फल श्रावक सुं कह्या अछै जिन मोटो ।
पूर्वे आचार्यें प्रतिमा मांनी तो थांहरो मत खोटो रे ॥कु० ॥४॥

अन्त आदि कुमारैं संयम भव भट प्रतिमा दरसण पूजी ।
भरतबाहु गणधर इण परि बोलें कठिन करम स्युं भुंज्यारे ॥कु०॥३३॥
सुकृत नी ए सुकृत कमाइ थे तो न करी काइ ।
थें जिन प्रतिमा निंद्या करतां मति बुधि सहू गमादूरी ॥कु० ॥३४॥
र.का. संवत सतरैं सैं चोवीसैं सावण शुदि छठि दिवसै ।
श्री जिन प्रतिमांनो दरसण करतां तौ कमल कमल तनु बिकसै रे॥कु०॥३५॥
साह बधो नै जाति पीपाडो नगर सोजित नो वासी ।
तवन कहीयो सदगुरु नैं बयणे थे छोडो कुमतिनी पासी रे ॥कु०॥३६॥

ए अधिकार मै उछौ अधिकउ वचन आयो कोइ मीठो।
तेह तणो मोहि मिछामिदुकडं मुझ नै श्री जिन तुठो रे ।।कु०।।३७।।

पुष्पिका इति प्रतिमा हुंडी

x x x

1493/7298 प्रमोद-पच्चीसो

प्रारम्भ **अथ प्रमोद पचीसी** लिख्यते ।

उंकार उचार करूं पहिलै सुखकार सुधारसु दानर कुं ।
करतार केऊ अवतार भए अब तौ हरीयै अघ से अरि कुं ।।
जो मन मेरै मैं सांच है तो गृह्न बांहि लियौ अपने घर कुं ।
सुंदर वीज सुमंत्र समेत प्रणाम करूं परमेसर कुं ।।१।।
पति मुख च्यार पंच मुख पूता षट् मुख न्याती खुलणा है ।
नई नई मुख मुख तै कीरत वेदां ज्युं विसतरणा है ।।
सुंदर पार न पायो तिण ही गुण रतनागर धरणा है ।
दीजै उगत जुगत दासनि कुं हुवैं सुरसति सु प्रसन्ना है ।।२।।

अन्त गछ खरतर गुरु सलामत सांतीदास सुधरणा है ।
पूरी करी **प्रमौद पचीसी** कवि सुंदर सुभ चरणा है ।।
पढै गुणै सौ आणंद पावै वसु कीरत विसतरणा है ।
सांई नांम समरलै सुंदर प्राणी आखर इक दिन चलणा है ।।२७।।

पुष्पिका इति श्री **प्रमोद पचीसी** संपूर्णम्

x x x

1496/11608 फलवर्द्धी-पार्श्वनाथ-छंद

प्रारम्भ ।।र्द०।। श्रीपार्श्वनाथाय नमः

।। काव्य ।।

वंदे पासि जिणंद चंद तिलयो तिलोयना हो वरो ।
देवाधिराय नरिंद वंदीय पयो दुरं करो दुब्भरो ।।

विख्यातो मह आससेण तनयो वामा सुतं विम्मलं ।
माता श्री पद्मावती मम सदा कुर्वंतु नो मंगलं ।।१।।

।। गाहा ।।

नव मंगल नव रयणी, नव दल कमल विकासीया नयणी ।
गिरू पति हंसा गामणी, वंदे सरसति शशि वयणी ।।२।।

अन्त
नव मंगल रूप अनूप विराजति भाजति भावट्टि निग्रहणं ।
विविधा विधि रिद्धि विविध महा सिद्धि दायक विग्रह विग्रहणं ।।
गलितुं गदुरं विषमंग उपस्स्तत दुस्समणं भय गंजयणं ।
जयति जय पारसनाथ जयो फलवर्धि अधपत्ति जइति जिणं ।।२०।।
जय विजय संपद सानिध कारक दुःख निवारक पास जिनं ।
परमाणंद आणंद प्रेम [प्रफुलित नेत्र विकस्यति प्रति ममं ।।
निकलंक निरंजण नाथ नमो नम हूं सरणौं तुझ निृभयं ।
जयति जय पारसनाथ जयो फलवर्धि अवपत्ति जइति जिणं ।।२१।।

।। कलस ।।

निृभैनाथ अनाथ नाथ श्री नाथ नमो नम ।
जग विख्यात अख्यात नाथ जग नाथ जयो मम ।।
अघ करण अस्त सुरु तरु समस्त किंनर आराधक ।
त्रि-जगति नाथ श्री पार्श्वनाथा सु प्रसन्न मन साधक ।।
जय जयति सत्ति विजयति दीयति सुगति सद्गति दीप्रति ।
कवि कान्ह स्वेतांबर कहिति कृत श्री फलवधि अधिपहि सत्ति ।।२२।।

पुष्पिका
इति श्री पार्श्व भावड गच्छे कवि कान्ह स्वेतांबर कृत श्री पार्श्वनाथ छंद संपूर्ण मिदं । संवत् १८१२ रा वर्षे मार्गशीर्ष वदि १३ सोमवासरे । पं० रूपचन्द्रेण लेखि स्व-पठनाय । श्री रस्तु ।।

x x x

1538/9202 रामसिंघजी रो गीत [पहला]

प्रारम्भ
।।दं०।। ढाल काली कलांयण उमटी हो रसीया, एहनी देशी:—

सरसत सांमण वीनवुं हे सहीयां ।
बुध आयो मुझ सार मोरी सहीयां ।।

गच्छपति वांदो हे आचारज वांदो भाव सुं हो लाल ।
गुंण गावुं गच्छपति तणा हो सहीयां ।
मन धर नेह अपार मोरी सहीयां ॥१॥
गच्छपति वांदो हे आचारज वांदो भाव सुं हो लाल [टेर]
धन जैतसीजी तात छै हो सहीयां ।
लाछलदे कुख अवतार मोरी सहीयां ॥
गछपति नांदो हे आचारज वांदो भाव सुं हो लाल ।
सुगरु वांणी श्रवणे सुंणी हो सहीयां ।
जांण्यो संसार असार मोरी सहीयां ॥२॥ गच्छपति० ॥

अन्त

बेकर जोडी वीनवुं हो सहीयां ।
एह अरज अवधारो मोरी सहीयां ॥गच्छपति०॥
मैहर करी मुझ उपरै हो सहीयां ।
दरसण द्यो सुखकार मोरी सहीयां ॥११॥गच्छपति०॥

र०का०

संवत सतरै असीयै हो सहीयां ।
विक्रमपुर सुख दाय मोरी सहीयां ॥गच्छपति०॥
पुज रामसिंघजी प्रसाद थी हो सहीयां ।
मुनि कुसलै गुण गाय मोरी सहीयां ॥गच्छपति०॥

इति आचारज गीत

x x x

'प' चिह्नित ग्रंथो (गुटकों में) की संलग्नता में उपलब्ध लधु कृतियां

[परिशिष्ट—२]

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
		1300/11578		
१	जिन चैत्य वन्दन एवं विधि		रा,	१
२	द्वितीया तिथि-स्तुति	लब्धिविजय	,,	१
३	,, -स्तवन	यशोविजय वाचक	,,	१–२
४	चैत्यवन्दन		सं.	२
५	पंचमी तिथि-स्तुति		सं.	२
६	,, -स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२–३
७	चैत्यवन्दन		रा.	३
८	अष्टमी तिथि-स्तुति		रा.	३
९	सिद्धचक्र-स्तवन	जिनपद्मसूरि	,,	३
१०	अष्टमी तिथि-स्तवन	कान्तिविजय	,,	४–५
		1334/7960		
१	निरंजन-पद	नवल	हि.	१
२	,, ,,		,,	१
३	पार्श्वनाथ-पद		,,	१
४	जिन-पद		सं.	१
५	महावीर-पद		हि.	१
६	जिन-पद		,,	१
७	निरंजन-पद		,,	१–२
८	,, ,,		,,	२
९	सुविधिनाथ-पद	रूपचन्द	,,	२
१०	निरंजन-पद		,,	२
११	आदिनाथ-पद		,,	२
१२	जिन-पद		रा.	२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१३	निरंजन-पद		हि.	२–३
१४	शीतलनाथ-पद		,,	३
१५-१८	निरंजन-पद		,,	३
१९	आदिनाथ-पद		,,	३
२०	निरंजन-पद		,,	३
२१-२६	निरंजन-पद		,,	३–४
२७	कृष्ण-पद	जोरावर	ब्र.	४
२८	,, ,,		,,	४

1342/7120(3)

१	शत्रुंजय मंडण आदिनाथ-स्तुति	नन्दसूरि	रा	३७
२	आदिनाथ-स्तुति		सं.	३७
३	पर्युषण-स्तुति	जिनलाभसूरि	रा.	३७–३८
४	नवपद ,,	,,	,,	३८
५	पार्श्वनाथ ,,		सं.	३८
६	,, ,,	जिनलाभ सूरि	रा.	३९
७	नेमिनाथ ,,	,,	रा.	३९
८	महावीर ,,		,,	३९
९	सीमन्धर ,,		प्रा.	३९–४०
१०	पंचमी ,,		रा.	४०
११	अष्टमी ,,	जिनसुखसूरि	रा.	४०
१२	एकादशी ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४०–४१
१३	शीतलनाथ ,,	जिनलाभसूरि	रा.	४१
१४	चतुर्दशी ,,	जिनकुशलसूरि	सं.	४१
१५	वीर ,,		सं.	४२
१६	अष्टापद-चैत्यवन्दन		प्रा.	४२
१७	स्तंभन पार्श्वनाथ-चैत्यवन्दन		सं.	४२
१८	सीमन्धर ,,	क्षमाकल्याण	रा.	४२
१९	सिद्धाचल ,,		प्रा.	४२
२०	पार्श्वनाथ ,,		प्रा.	४२
२१	पंचपरमेष्ठि-स्तुति		सं.	२२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२२	पंचतीर्थ-चैत्यवन्दन	क्षमाकल्याण	रा.	४२–४३
२३	नवपद ,,		प्रा.	४३
२४	ज्ञान पूजा-गाथा		प्रा.	४३
२५	देव दर्शन-स्तुतयः		सं.	४४

1343/7123

१	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि (र. सं. १=१७)	रा.	१–३
२	महावीर-स्तवन	भुवनकीर्त्ति	,,	३
३	शान्तिनाथ ,,	समयसुन्दर	,,	३
६	चौबीस सती-गीत	हर्षकुशल	,,	१२–१३
७	जिनकुशलसूरि-गीत (मालपुरा)	जिनरंगसूरि	,,	१३
८	लौद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	राजसागर वाचक (१७५८)	,,	१५–१६
९	हड़कीया कुत्ता की औषध		,,	१६
१०	तीर्थमाला	समयसुन्दर	,,	१७–१९
११	पंचमी तप-स्तवन बृहत्	,,	,,	१९–२४
१२	गौतमस्वामी-अष्टक	,,	,,	२४–२५
१३	चैत्यवन्दनविधिसूत्र		प्रा.	२६–३२
१४	नाकोडा-पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	३३–३४
१५	शंखेश्वर ,, ,,	सुमति	रा.	३५
१६	,, ,, ,,		रा.	३६
१७	चिंतामणि ,, ,,	समयसुन्दर	रा.	३७–३८
१८	जिनकुशलसूरि-गीत	,,	,,	३८
१९	नवकार ,,	पद्मराज	,,	३८–४०
२०	जिनकुशलसूरि ,,	महिमराज	,,	४१
२१	शान्तिनाथ-स्तवन	सुमतिरंग	,,	४२
२२	जिनकुशलसूरि-गीत	कनककीर्ति	,,	४३
२३	,, -छन्द	साधुकीर्ति	,,	४३–४७
२४	शान्तिनाथ-स्तवन	कुशलकर्ण शिष्य विजयसिंह	,,	४७–४८
२५	शालिभद्र-सज्झाय	समयसुन्दर	,,	४८–४९
२६	चौबीस तीर्थंकर-स्तवन	जयनिधान वाचक	,,	४९–५०

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२७	जेसलमेर-तीर्थ-स्तवन	महिमसमुद्र शिष्य जिनचन्द्रसूरी (१७१२)	,,	५१–५२

1344/7124

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	सीमन्धर-स्तवन	भक्तिलाभ	रा.	४था (अपूर्ण)
२	पंचमीतप ,, (वृहत्)	समयसुन्दर	,,	४–७
३	,, ,, (लघु)	,,	,,	७
४	गोडीपार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	,,	८
५	मौन एकादशी ,,	समयसुन्दर	,,	८–९
६	गौडी-पार्श्वनाथ ,,	जिनभक्तिसूरि	,,	१०
७	महावीर ,,	समयसुन्दर	,,	१०–१२
८	राणकपुर ,,	,,	,,	१३
९	नवकार ,,	पद्मराज	,,	१३–१४
१०	जिनप्रतिमा ,,	जिनचन्द्रसूरि	,,	१४–१५
११	पार्श्वनाथ ,,	मुनि वसता	,,	१५–१६
१२	शत्रुंजय ,,	जिनभक्तिसूरि	,,	१६–१७
१३	गोडी-पार्श्वनाथ ,,	मुनि वसता	,,	१७–१८
१४	शत्रुंजय ,,	जिनहर्षसूरि	रा.	१८–१९
१५	,, ,,	राजसमुद्र	,,	१९–२०
१६	तीर्थमाला ,,	समयसुन्दर	,,	२०–२१
१७	सिद्धाचल ,,	जिनचन्द्रसूरि	,,	२१–२२
१८	,, ,,	जिनहर्षसूरि	,,	२२–२३
१९	गौडी-पार्श्वनाथ ,,	समयरंग	,,	२३–२६
२०	मुनिमालिका ,,	चारित्रसिंह	,,	२६–३१
२१	सीमन्धर ,,	जिनहर्ष	,,	३१–३२
२२	,, ,,	,,	,,	३२
२३	त्रेसठशलाका पुरुष	मुनि वस्ता	,,	३२–३४
२४	चिन्तामणि पार्श्वनाथ ,,	जिनलाभसूरि	,,	३४–३५
२५	जिनकुशलसूरि-गीत		,,	३६
२६	,, ,,	राज	,,	३६
२७	,, ,,	राजरतन	,,	३६–३७

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२८	जिनकुशलसूरि-गीत	राजरतन	रा.	३७
२९	,, ,,	,,	,,	३७–३८
३०	,, ,,	जिनरंगसूरि	,,	३८
३१	,, ,,	राजसिंह	,,	३८
३२	,, ,,	राज	,,	३८–३९
३३	,, ,,	राज	,,	३९–४०
३४	,, ,,	जिनभक्तिसूरि	,,	४०
३५	,, ,,	जिनरंगसूरि	,,	४०–४१
३६	,, ,,	कनककीर्ति	,,	४१
३७	,, ,,	राज	,,	४१
३८	,, ,,	पुण्यनिधान	,,	४१

1345/7126

१	परनारी-सज्झाय		रा.	६ठा (अपूर्ण)
२	शिक्षा-पद	नवल	हि.	६
३	सोलह सुपनां री सज्झाय		रा.	७–८
४	गुणमाला		हि.	८ (अपूर्ण)
५	सीमन्धर-स्तवन	अगरचन्द	रा.	९ (अपूर्ण)
६	नवकार-पद	मनरूप	रा.	९–१०
७	मगसी पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनमहेन्द्रसूरि	रा.	१०
८	सिद्धाचल ,,	रूपचंद	,,	१०
९	महावीर ,,	जिनपद्मसूरि (१९०९)	,,	१०–११
१०	आदिनाथ-पद		रा.	११
११	शिक्षा ,,	जगराम	हि.	११
१२	जिनकुशलसूरि-गीत	राज	रा.	११
१३	सुविधि नाथ-पद	समयसुन्दर	रा.	११
१४	अध्यात्म ,,	आनन्दघन	,,	११
१५	महावीर ,,	जिनचन्द्रसूरि	,,	११–१२
१६	शिक्षा-पद	सकलसिंघ	,,	१२
१७	महावीर ,,	नंदलाल	,,	१२
१८	शिक्षा ,,	राज	,,	१२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१९	आदिनाथ-पद		रा.	१२
२०	शिक्षा ,,	रूपचंद	,,	१२
२१	पार्श्वनाथ ,,	कनककीर्त्ति	,,	१२–१३
२२	धर्ममहिमा ,,	नवल	हि.	१३
२३	काया-सज्झाय	जैनविजय	रा.	१३
२४	महावीर-स्तवन	जसविजय	,,	१३–१४
२५	भरत चक्रवर्ती-सज्झाय	कनककीर्ति	,,	१४
२६	प्रभु-पूजन-दोहे		,,	१४
२७	नेमि राजुल होरी-पद		,,	१४
२८	जिन पद होरी	जिनलाभसूरि	,,	१४–१५
२९	,, ,, ,,	आनन्दघन	,,	१५
३०	नेमिनाथ होरी-पद	क्षमाकल्याण	,,	१५
३१	समकित-सज्झाय	रूपचंद	,,	१५–१६
३२	नेमिनाथ-पद	चंद	,,	१६
३३	महावीर-पद		,,	१६
३४	जिन ,,	राज	,,	१६–१७
३५	आदिनाथ	ज्ञानसार	,,	१७
३६	जिनकुशलसूरि-गीत	पद्मसूरि	,,	१७
३७	,, ,,	,,	,,	१७–१८
३८	शिक्षा-पद	भूधर	,,	१८
३९	पार्श्वनाथ पद	मोहनविजय	,,	१८
४०	शिक्षा ,,	आनन्दघन	,,	१८
४१	मल्लिनाथ-पद	रूपचंद	हि.	१८–१९
४२	पार्श्वनाथ ,,	,,	,,	१९
४३	चेतन ,,	,,	,,	१९
४४	आत्मशिक्षा ,,	,,	,,	१९
४५	जिन ,,	,,	,,	१९–२०
४६	आत्मशिक्षा ,,	,,	,,	२०
*४७	पार्श्वनाथ-स्तवन	विजयधरणेन्द्रसूरि	रा.	२०–२१

*जोधपुर नागोरी दरवाजे के बाहर मुकनचन्द निर्मापित पार्श्वनाथ मन्दिर की प्रतिष्ठा वि. सं. १९१७ फागुण वदि ५ को हुई।

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
४८	सीमन्धर-स्तवन	जिनेन्द्रसागर शिष्य जसवंतसागर	रा.	२१
४९	पार्श्वनाथ ,,	चारित्रमुनि	,,	२१
५०	विजयदेवेन्द्रसूरि-गुरुगीत	दौलतविजय	,,	२२
५१	गजसुकुमाल-सज्झाय		,,	२२
५२	पार्श्वनाथ-स्तवन	कवि गिरधर (सं. १८२८ कृष्णदुर्ग)	,,	२३
५३	नेमिनाथ ,,	चैनविजय	,,	२४
५४	जिनकुशलसूरि-गीत (वीकानेर)		,,	२४
५५	विरह-पद	सूरदास	हि.	२४
५६	कृष्ण-लावणी	घासी	,,	२४–२५
५७	महावीर-स्तवन	उदय(१७८९जंबूसर(खंभायत)	रा.	२६
५८	विरह-पद	चंद्रसखी ? मीरां	,,	२६
५९	कृष्ण ,,	,, ? मीरां	,,	२६
६०	,, ,,	कृष्णदास	हि.	२६
६१	शिव-पद	सूरदास	व्रज	२६
६२	दूहा		रा.	२६
६३	पद-(भैरवी)	रसराज	,,	२६
६४	कृष्ण-पद	मीरां	,,	२७
६५	,, ,,	,,	,,	२७
६६	मांगी-तुंगी तीर्थ-स्तवन		हि.	२७
६७	नाकोडा पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२८
६८	वृहत्शान्ति-स्तोत्र		सं.	२९–३२
६९	जिन-पद	कवि रोड	हि.	३२
७०	आत्महित-लावणी	जिनदास	हि	३२–३३
७१	गौडी-पार्श्वनाथ-पद	उदय (सं. १८५२)	रा.	३३
७२	आदिनाथ ,,	केसरविमल	,,	३३
७३	आत्मशिक्षा-पद	चिदानन्द	रा.	३४
७४	,, ,,		,,	३४
७५	धर्मनाथ ,,		,,	३४(अपूर्ण)
७६	आत्मशिक्षा ,,	देव	हि.	३५
७७	छन्द वीरभद्र रो	वीरभद्र	,,	३६
७८	देशांतरी छन्द पार्श्वनाथजी रो		,,	३६–३७(अपूर्ण)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
			(पृ. ३८ से ४० खाली हैं)	
७९	नेमिनाथ-पद	आनन्दरंग	रा.	४१
८०	पार्श्वनाथ ,,	सामल	,,	४१
८१	गहूंली	दीपविजय	,,	४१–४२
८२	जम्बू स्वामी-सज्झाय		,,	४२
८३	जिन-स्तवन	कूनालाल	,,	४२
८४	नेमिनाथ-पद		,,	४२–४३
८५	पद	गोरखनाथ	,,	४३
८६	उपदेश-कवित्त ४	धर्मसी	,,	४३
८७	आत्मशिक्षा-पद	ज्ञानविमलसूरि	,,	४४
८८	पार्श्वनाथ-पद		,,	४४
८९	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि (१८१९)	,,	४४
९०	जिन-लावणी	जिनदास	हि.	४५
९१	कमलावती-सज्झाय		रा.	४५-४६
९२	आत्मशिक्षा-लावणी	जिनदास	हि.	४८
९३	राधाकृष्ण-पद होरी		रा.	५२
९४	नेमिनाथ-बारह मासो	कवियण	,,	५३–५५
९५	सात वार री सज्झाय	धरमदास	,,	५५
९६	पर नारी-सज्झाय	उदयरतन	,,	५५–५६
९७	जिन-पद	रामचन्द	,,	५७
९८	शिक्षा-पद	जिनरंगसूरि	,,	५७
९९	,, ,,	भादू	,,	५७
१००	जिन-पद		हि.	५७
१०१	आत्मशिक्षा-पद	साउसेन	रा.	५८
१०२	,, ,,	आनन्दघन	,,	५८
१०३	,, ,,	,,	,,	५८
१०४	नेमिनाथ ,,	आनन्दरंग	,,	५८
१०५	,, ,,	,,	,,	५८
१०६	शिक्षा ,,	हरखचंद	,,	५८
१०७	श्याम ,,	तखतराज	,,	५९
१०८	महावीर-स्तवन	सिद्धसूरि	,,	५९
१०९	सुमतिनाथ-पद	हरखचन्द	,,	५९
११०	पार्श्वनाथ-पद-होरी	ऋषभसागर	,,	५९

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१११	नेमिनाथ-पद		रा.	५९
११२	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	हरीदास	,,	५९–६०
११३	शिक्षा-पद	आणंदराम	,,	६०
११४	,, ,,	रूपचंद	हि.	६०
११५	जिन ,,	भूधर	,,	६०
११६	आदिनाथ ,,	कर्मसिंह	रा.	६०
११७	नेमिनाथ ,,	हरखचंद	,,	६०
११८	जिन ,,	कुशलराय	,,	६०
११९	होरी ,,		,,	६०(अपूर्ण)
१२०	आदिनाथ-स्तवन	मूलचन्द	,,	६१
१२१	अन्तरीक पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि (१८५५)	,,	६१
१२२	पार्श्वनाथ-पद	हरखचंद	,,	५८एवं६२
१२३	पर्युषण ,,	श्रीपूज्य विद्यासागर	,,	६२
१२४	जिन ,,	लालचन्द	,,	६२
१२५	नेमिनाथ ,,	हरखचन्द	,,	६२
१२६	,, ,,	धर्मपाल	,,	६२–६३
१२७	,, ,,		हि.	६३
१२८	पार्श्वनाथ ,,	क्षमाकल्याण	रा.	६३
१२९	भैंरुजी रो छंद	कवि मांन	,,	६४
१३०	चामुंडा-गीत	आसा सेवक	,,	६४–६५
१३१	,, ,,		,,	६५
१३२	जिनकुशलसूरि-लावणी	जयचंद शिष्य (१८६८ विजयचंद पाली)	,,	६५
१३३	पार्श्वनाथ-आरती	अगरचन्द	,,	६५–६६
१३४	सुविधिनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	६६
१३५	शिक्षा-पद		,,	६६
१३६	शत्रुंजयगिरि-पद	लाभसागर	रा.	६६
१३७	,, ,,	धरम	,,	६६
१३८	पद	सूरदास	व्रज	६६–६७
१३९	,,	,,	,,	६७
१४०	,,	,,	,,	६७
१४१	निद्रा प्रमाद परिहार गीत		रा.	६७(अपूर्ण)
१४२	पार्श्वनाथ-पद	सेवक	,,	६८

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१४३	नेमिनाथ-पद		रा.	६८
१४४	ऋषभदेव ,,	रूपचंद	हि.	६८
१४५	पार्श्वनाथ ,,		रा.	६८(अपूर्ण)
१४६	आदिनाथ ,,	सुन्दरदास	,,	६९
१४७	इश्क की लावणी	चमना माली (मारोठ)	हि.	७०और७१B
१४८	शिक्षा-पद		,,	७०B
१४९	,, ,,	कबीरदास	,,	७१A
१५०	,, ,,	,,	,,	७१A

1446/7130

१	सतरह भेदी पूजा	साधुकीर्त्ति	रा.	१४वां(अपूर्ण)
२	वीर-स्तवन	समयसुन्दर	,,	१४-१६
३	ऋषभदेव ,,	आनन्दघन	,,	१६-१७
४	चिन्तामणी पार्श्वनाथ-स्तवन	कनकमूर्ति	,,	१७-१८
५	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि (१७२२)	,,	१८-१९
६	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	धर्ममन्दिर शिष्य दयाकुशल सं १७३०, शाह बच्छराज के साथ यात्रा	रा.	१९
७	शत्रुञ्जय-स्तवन	नयनविमल	,,	१९-२०
८	जेसलमेर शान्तिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	,,	२०-२१
९	जेसलमेर पार्श्वनाथ ,,	कनकमूर्ति (१७६२)	,,	२१-२२
१०	लौद्रवा पार्श्वनाथ ,,	हर्षनिधान (१७४४)	,,	२२-२३
११	चन्द्रप्रभ-स्तवन	जयत	,,	२३
१२	जिन-गीत	मोहनविजय	,,	२३
१३	शिक्षा-पद	राजाराम	हि.	२३-२४
१४	शत्रुञ्जय-रास	समयसुन्दर	रा.	२४-३४
१५	शिक्षा-पद	भूधर	हि.	३४-३५
१६	महावीर हालरियो-स्तवन	दीपविजय	रा.	३६-३८
१७	जिनकुशलसूरि-गीत	सत्यरत्न	,,	३८-३९
१८	,, ,,	क्षमारत्न	,,	३९-४०
१९	जिन-पद होरी	क्षमाकल्याण	,,	४०-४१
२०	नेमिनाथ-पद होरी	,,	,,	४१

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२१	नेमिनाथ-पद-होरी		रा.	४१
२२	,, ,, ,,		,,	४१–४२
२३	पार्श्वनाथ ,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	,,	४२
२४	नेमिनाथ ,, ,,	सेवक	,,	४२
२५	धर्मनाथ ,, ,,	क्षमाकल्याण	,,	४२–४३
२६	जिन ,, ,,		,,	४३
२७	नेमिनाथ ,,	चंद	,,	४३
२८	जिन ,,	हंस	,,	४३–४४
२९	आदिनाथ ,,	आनन्दघन	,,	४४
३०	जिन-पद-होरी		,,	४४
३१	पार्श्वनाथ ,,	सुगुण	,,	४५
३२	नेमिनाथ ,,		,,	४५
३३	,, ,,	रूपचन्द	हि.	४५
३४	जिन-पद	माणक	रा.	४६
३५	नेमिनाथ-पद	जिनदास	हि.	४६
३६	आदिनाथ ,,	गुणविलास	रा.	४६-४७
३७	,, ,,	सेवक	,,	४७
३८	पार्श्वनाथ-पद-होरी	जिनचन्द्रसूरि	,	४७
३९	मगसी पार्श्वनाथ-लावणी	जिनदास	हि.	४८
४०	नेमिनाथ-पद	दौलत	,,	४८-४९
४१	,, ,,	जिनदास	,	४९
४२	शिक्षा ,,	आणंदराम	,,	४९
४३	अध्यात्म ,,	आनन्दघन	रा.	४९–५०
४४	जिन ,,		हि.	५०
४५	महावीर ,,		रा.	५१
४६	ऋषभदेव-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	,,	५२–५३
४७	फलौधी पार्श्वनाथ-पद	उत्तम	,,	५३
४८	सुमतिनाथ-पद	माणक मुनि ख.ग. (१९०० जीर्णोद्धार)	,,	५४–५५ चिपके हुए
४९	आदिनाथ ,,	जिनमहेन्द्रसूरि	,,	५४–५५
५०	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	शिवचन्द्र	,,	५६
५१	गौडी पार्श्वनाथ-पद	जिनभक्तिसूरि	,,	५६-५७
५२	पार्श्वनाथ-पद		,,	५७

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
५३	पार्श्वनाथ-पद	जिनलाभसूरि (१८७७)	रा.	५७-५८
५४	,, ,,	चन्द्रसूरि	रा.	५८
५५	,, ,,	जयतसी शिष्य पुण्यकलश	रा.	५९
५६	धुलेवा ऋषभदेव-पद	जिनमहेन्द्रसूरि (१८९६)	रा.	५९-६०
५७	आदिनाथ-पद	,,	रा.	६०
५८	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	,, (१८९५)	रा.	६०-६१
५९	नवपद	कीर्तिसागर	रा.	६१-६२
६०	धुलेवा ऋषभदेव-पद	जिनमहेन्द्रसूरि	रा.	६२
६१	सिद्धाचल ,,	क्षमारत्न (१८८३)	रा.	६२-६३
६२	महावीर ,,	जिनमहेन्द्रसूरि (१९०३ भोपाल)	रा.	६३
६३	जीरावला पार्श्वनाथ-पद	सुखलाभ शिष्य विनयविमल	रा.	६३
६४	शान्तिनाथ ,,	,,	रा.	६४
६५	नाथद्वारा चन्द्रप्रभ ,,	,, (१९१३)	रा.	६४
६६	नेमिनाथ ,,		रा.	६४
६७	केसरियानाथ ,,	रामचन्द्र	रा.	६४-६५
६८	सांवलिया पार्श्वनाथ ,,	सत्यविनय	रा.	६५
६९	,, ,, ,,	हरखचन्द ? (चन्दकुसल)	रा.	६५
७०	पार्श्वनाथ ,,	क्षमाकल्याण	रा.	६६
७१	बीकानेर चौसटा ,,	कीर्तिसागर	रा.	६६
७२	चेतन ,,		हि.	६६
७३	ऋषभदेव ,,	कीर्तिसागर	रा.	६७
७४	धुलेवा ऋषभदेव ,,	सुखलाभ शिष्य विनयविमल शिष्य वाचक मानहंस (१९१४)	रा.	६७-६८
७५	अध्यात्म-पद	चिदानन्द	रा.	६८
७६	सम्मेत शिखर-पद	कीर्तिसागर	रा.	६८
७७	जिन-पद	आनन्दघन	रा.	६९
७८	ऋषभदेव-पद	कीर्तिसागर	रा.	६९
७९	जिन-पद	,,	रा.	६९
८०	चिन्तामणि-पद	जिनहर्षसूरि	रा.	६९-७०
८१	ऋषभदेव-पद	लालचन्द	रा.	७०
८२	जेसलमेर चिन्तामणि पार्श्वनाथ पद	जिनमहेन्द्रसूरि	रा.	७०

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
८३	सहसफणा पार्श्वनाथ-पद	कीर्तिसागर	रा.	७०

1347/7210

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	रा.	६–८
२	नमि-राजर्षि-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	८–६
३	जम्बू स्वामी-सज्झाय	हर्षकुशल	रा.	९
४	स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ	रा.	९–१२
५	गजसुकुमाल-सज्झाय	भावसागर	रा.	१२–१३
६	ढंढण ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	१३–१४
७	धन्ना ऋषि-सज्झाय	विद्याकीर्ति	रा.	१४
८	नवकार-स्तवन	गुणसागरसूरि	रा.	१४–१५
९	समकित वैराग्य-सज्झाय	लाल	रा.	१५
१०	दस श्रावक-सज्झाय	श्रीसार	रा.	१६
११	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	१६–१७
१२	वैराग्य-सज्झाय		रा.	१७ (अपूर्ण)
				१८–२० पत्र अप्राप्त
१३	पद्मावती-आराधना	समयसुन्दर	रा.	२१–२२
१४	महावीर पारणक-स्तवन	मुनिमाल	रा.	२२–२४
१५	चैत्री पूर्णिमा-स्तवन	जिनहर्ष शिष्य खन्तिहर्ष	रा.	२४–२६
१६	गौतम-रास	विनयप्रभ	रा.	२६–२७(अपूर्ण)

1348/7214

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	मृगापुत्र-सज्झाय	मुनिखेम शिष्य खेतसी नागौरी गच्छी	रा.	१–२
२	पार्श्वनाथ-पद	भूधर	हि.	२
३	पार्श्वनाथ-पद		रा.	२
४	सिद्धाचल-पद	क्षमारत्न	रा.	२
५	सिद्धाचल-पद	नयविमल	रा.	२–३
६	सिद्धाचल-पद	जिनचन्द्र सूरि	रा.	३
७	सुपार्श्वनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	३–४
८	सुमतिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	४
९	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१०	शान्तिनाथ-पद		हि.	४
११	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	४–५
१२	नेमिनाथ-पद		हि.	५
१३	जिन-पद	देवचन्द्र	हि.	५
१४	गवडीपुर पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि (१८३५)	रा.	५
१५	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि (१८३७)	रा.	६
१६	महावीर-पद	जिनलाभसूरि	रा.	६
१७	पार्श्वनाथ-पद	अनोप	रा.	६–७
१८	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	६–७
१९	पार्श्वनाथ-पद	रूपचन्द	रा.	७
२०	महावीर-पद	ज्ञानविमल	रा.	७–८
२१	सिद्धाचल-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	८
२२	गौडी पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि (१८३९)	रा.	८
२३	महोवा पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि (१८३४)	रा.	९
२४	चिन्तामणि-पद	,, (जेसलमेर)	रा.	९
२५	वैराग्य-पद		हि.	९
२६	जिनप्रतिमा-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	९–१०
२७	जिनाज्ञा-स्तवन		रा.	१०
२८	सिद्धाचल-पद	पद्मविजय	रा.	११
२९	वैराग्य-पद		रा.	११
३०	भक्ति-पद	मीरां	रा.	११
३१	धन्ना ऋषि-सज्झाय	विद्याकीर्त्ति	रा.	११–१२
३२	वधावो		रा.	१२
३३	विहरमान-पद	ऋषिजयमल (१८२४ मेडता)	रा.	१२–१३
३४	तप-महिमा-पद	ऋषि आसकरण (जोधपुर)	रा.	१३
३५	जिन-पद		हि.	१३
३६	विहरमान-पद	बसंत (१८२० जयपुर)	हि.	१४
३७	सीमन्धर-पद	जसरूप	रा.	१४
३८	युगमन्धर-पद	भूधर	हि.	१४
३९	राजुल-सज्झाय		रा.	१४–१५
४०	वैराग्य-पद		हि.	१५
४१	विजय सेठ विजया-सेठानी-सज्झाय	रूपचन्द	रा.	१५
४२	सनत्कुमार-सज्झाय	कुशल	रा.	१५–१६

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
४३	वैराग्य-पद	देव	हि.	१६
४४	सीता-सज्झाय		र.	१६ (अपूर्ण)

1349/7236

१	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन (अजमेर)	सुखलाल शिष्य विनयचन्द (विनयविमल खरतरच्छी) (१९१२)	रा.	१
२	मगसी पार्श्वनाथ-स्तवन ,,	,, (र. सं. १९१२)	रा.	१–२
३	शान्तिनाथ-स्तवन (पाली)	,, (र. सं. १९१५)	रा.	२
४	,, ,,	,, (र. सं. १९१५)	रा.	२
५	पार्श्वनाथ-स्तवन (पालनपुर)	,, (र. सं. १९१५)	रा.	२–३
६	पंचासरा पार्श्वनाथ-स्तवन (पाटन)	,, (र. सं. १९१५)	रा.	३
७	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	,, (र. सं. १९१५)	रा.	३–४
८	नेमिनाथ-स्तवन (गिरनार)	,, (र. सं. १९१५)	रा.	४–५
९	सिद्धाचल-स्तवन	,, (र. सं. १९१६)	रा.	५–७
१०	नवपद-स्तवन	,, (र. सं. १९१६)	रा.	७
११	जिन-चैत्य-स्तवन (अहमदाबाद)	,, (र. सं. १९१६)	रा.	७

स्तवन सं. ३ से ११ में श्रीजिनमहेन्द्रसूरि, श्रीजिनमुक्तिसूरी की अध्यक्षता में लश्कर निवासी विरधीचन्द हजारीमल नाहटा ने तीर्थ यात्रा संघ निकाला था–उसका वर्णन भी है।

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक

1350/7250

१	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	१
२	शिक्षा-पद	,,	हि.	१
३	जिन-पद	,,	हि.	१
४	,,	,,	हि.	१
५	,,	,,	हि.	१
६	सुविधिनाथ-पद		हि.	१
७	मल्लिनाथ-पद	,,	हि.	१–२
८	जिन-पद	,,	हि.	२
९	,, ,,	,,	हि.	२
१०	,, ,,	,,	हि.	२
११	चेतन-पद	,,	हि.	२
१२	जिन-पद	,,	हि.	२
१३	नेमिनाथ-पद	,,	हि.	२–३
१४	,, ,,	,,	हि.	३
१५	फलोदी आदिनाथ-पद	रूप कवि	हि.	३
१६	शीतलनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	३
१७	शिक्षा-पद	वखत	हि.	३
१८	पद	कबीर	हि.	३
१९	,,	,,	हि.	३–४
२०	,,	,,	हि.	४
२१	,,	,,	हि.	४
२२	,,	,,	हि.	४
२३	,,	,,	हि.	४
२४	,,	,,	हि.	४
२५	,,		हि.	४(अपूर्ण)

1351/7272

१.	जिनदत्तसूरि-स्तवन	लाभोदय शिष्य भुवनकीर्ति	रा.	१
२.	,,	राजहर्ष	रा.	१

क्रमांक कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३. जिनकुशलसूरि-स्तवन	राजसागर	रा.	१–२
४. ,, ,,	जिनरंगसूरि	रा.	२
५. ,, ,, (अमरसर)	गुणविनय	रा.	२
६. ,, ,,	जिनरंगसूरि	रा.	२-३ (अपूर्ण) (४था पत्र अप्राप्त)
७. गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनराजसूरि	रा.	५
८. चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन		रा.	५ (अपूर्ण) (६ठा पत्र अप्राप्त)
९. पार्श्वनाथ-स्तवन	वसता	रा.	७
१०. ,, ,,	जैतसी शिष्य पुण्यकलश	रा.	७

1352/7392

१ चैत्री पूनम री स्तुति	जिनलाभसूरि	रा.	१
२ शीतलनाथ–स्तुति	,,	रा.	१
३ दीपावली–स्तुति	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१
४ चौबीस जिन देहमान-स्तवन	रंगविनय	रा.	१
५ चौबीस जिन आयु प्रमाण-स्तवन	रंगविनय	रा.	१–२
६ प्रभाती-स्तवन	केसरीचन्द	रा.	२
७ ,, ,,	,,	रा.	२
८ पार्श्वनाथ-स्तवन	मतिविशाल	रा.	२
९ सोलह-स्वप्न	जिनदास	रा.	२–३
१० शाश्वत प्रतिमा-वर्णन		रा.	३
११ काल-विचार		रा.	३
१२ गोरखनाथ जी री संध्या		हि.	३
१३ दोहे ५		रा.	३

1353/7401

१ जिन पद-लावणी	जिनदास	हि.	१
२ ,, ,,		हि.	१

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३	पद	जिनदास	हि.	१
४	जिन-पद	,,	हि.	१
५	धन्ना ऋषि-सज्झाय		रा.	२
६	उपदेश-पद	तिलोकचन्द	रा.	३
७	,, ,,	,, (र. सं. १६३७)	रा.	३
८	,, ,,	,,	रा.	३
९	,, ,,		रा.	३
१०	,, ,,	,, (र. सं. १६३७)	रा.	३–४
११	उपदेश-लावणी	,, ऋषि	रा.	४

1354/7415

१	पंचमी तप-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१ (अपूर्ण)
२	,, ,, ,, (लघु)	,,	रा.	१–२
३	जिन प्रतिमा-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभ	रा.	२–३
४	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	३
५	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	३–४
६	मौन एकादशी-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	४–५
७	महावीर-स्तवन	,,	रा.	५–६
८	सीमंधर-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	७
९	सिद्धाचल–स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	७–८
१०	गौतमरास	विनयप्रभ	रा.	९–१० (अपूर्ण)
११	दादाजी रो छंद	साधुकीर्ति	रा.	११

1355/7420

१	शान्तिनाथ-स्तवन	गुणसागर	रा.	८वां (अपूर्ण)
२	नेमि-राजुल-लावणी	धरमचन्द	हि.	९
३	,, ,, ,,	रत्नचन्द मुनि शिष्य गुमानचन्द	रा.	९–१०
४	सवैया–७	मांण, अजमल आदि	रा.	११–१२
५	वर्षा–दोहे		रा.	१२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक

1356/7488

१	सम्मेत शिखर-पद	कीर्त्तिसागर	रा.	१
२	लौद्रवा पार्श्वनाथ-पद	,,	रा.	१
३	जिन-पद	सेवक	हि.	२
४	धुलेवा ऋषभदेव–पद	रूपचन्द	रा.	२
५	पार्श्वनाथ-पद	वृद्धिकुशल	रा.	२
६	जिन-पद		रा.	२
७	आदिनाथ-पद	रत्नसुन्दर पाठक (१८६२)	रा.	२–३
८	सम्मेत शिखर-पद	नवलदास	हि,	३
९	जिन-पद	रामचन्द	रा.	३
१०	मल्लिनाथ–पद	रूपचन्द	हि.	४
११	सम्मेतशिखर ,,	खुशालचन्द	रा.	४
१२	धर्मनाथ असवारी-पद (कलकता)	सागरमल (१९०८) जिनमहेन्द्रसूरि राज्ये	रा.	५
१३	फलौधी पार्श्वनाथ-स्तवन		रा.	६
१४	शान्तिनाथ-पद	आनन्दघन	रा.	३
१५	नवपद-पद	जिन सौभाग्यसूरि	रा.	७
१६	जिन-पद	जैनदास	हि.	७
१७	नवपद-पद	जिनदास	हि.	७
१८	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	७–८
१९	महावीरजी रो हालरो	अमीविजय	रा.	८–९
२०	नेमिनाथ-लावणी	लवलीनराम	हि.	१०–११
२१	भैरवाष्टक	अचलदास सेवग (जालोर निवासी) इस अष्टक के अनुसार भैरव गुनि मयाचन्द के सहायक थे।	रा.	११
२२	केसरियानाथ-पद		रा.	११–१२
२३	उपदेश-पद		रा.	१२
२४	जिनवाणी-पद	जिनदास	हि.	१३
२५	हरिजस	बोफालाल सेवग (सोजत नि.)	रा.	१४
२६	आदिनाथ होरी-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१५
२७	सम्मेतशिखर-पद (होरी)	[illegible]	रा.	१५

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२८	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	उदयरत्न	रा.	१६
२९	सम्मेतशिखर ,, ,,	,,	रा.	१६
३०	,, ,, ,,	क्षमाकल्याण	रा.	१६–१७
३१	जिन ,, ,,	,,	रा.	१७
३२	नेमिनाथ ,, ,,	चंद	रा.	१७
३३	धर्मनाथ ,, ,,	क्षमाकल्याण	रा.	१७–१८
३४	जिन ,, ,,	आनंदघन	रा.	१८
३५	पार्श्वनाथ ,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१८
३६	,, ,, ,,	,,	रा.	१८–१९
३७	,, ,, ,,	उदयरत्न	रा.	१९
३८	नेमिनाथ ,, ,,	ज्ञानविमल	रा.	१९–२०
३९	जिन ,, ,,	क्षमाकल्याण	रा.	२०
४०	,, ,, ,,	,,	रा.	२०
४१	नेमिनाथ ,, ,,	क्षमाकल्याण	रा.	२१–२२
४२	आदिनाथ ,,	आनन्दखांन	रा.	२२
४३	नेमिनाथ ,,	सेवक	रा.	२२
४४	,, ,, ,,	,,	रा.	२२–२३
४५	पार्श्वनाथ ,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	२३
४६	नेमिनाथ ,, ,,	जिनहर्ष	रा.	२४
४७	जिन ,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	२४–२५
४८	नेमिनाथ ,, ,,	सेवक	रा.	२५
४९	नेमिनाथ-पद (होरी)	चतुरकुशल	रा.	२५–२६
५०	शान्तिनाथ ,, ,,		रा.	२६
५१	जिन ,, ,,	भांनचन्द	रा.	२६–२७
५२	महावीर ,, ,,	कुमारपाल	रा.	२७–२८
५३	अभिनन्दन ,, ,,		रा.	२८
५४	पार्श्वनाथ ,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	२८
५५	नेमिनाथ ,, ,,		रा.	२८–२९
५६	,, ,, ,,	रूप	रा.	२९
५७	गौडी पार्श्वनाथ-पद	पीतांबर पुत्र बोफालाल सेवग	रा.	३०
५८	पार्श्वनाथ ,,	खुशालचन्द	रा.	३०
५९	सिद्धाचल-स्तवन (होरी)	मयाचन्द	रा.	३१–३२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
६०	सीमन्धर-स्तवन	पदमविजय	रा.	३२–३३
६१	,, ,,	जिनहर्ष	रा.	३३
६२	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	मयाचन्द	रा.	३४
६३	सांचोर महावीर-स्तवन	,,	रा.	३४
६४	धर्म-पद	समयसुन्दर	रा.	३४–३५
६५	पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	३५
६६	सुविधिनाथ-पद	रूपचन्द	रा.	३५ (अपूर्ण)
६७	जिन-पद	आनन्दघन	रा.	३६ (अपूर्ण)
६८	,, ,,	कुशलराय	रा.	३६
६९	महावीर ,,		रा.	३६
७०	दस भव पार्श्वनाथ-स्तवन	कवियण	रा.	३७ (अपूर्ण)
७१	सद्गुरु-वीनती	हीरा	रा.	३८ (अपूर्ण)

1357/7589

१	जिन-वीनती	भूधरदास	हि.	१
२	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	१–२
३	क्रोध मान माया लोभ वीनती		हि.	२
४	अनाथी-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	२–३
५	गजसुकुमाल-सज्झाय	रतन	रा.	३
६	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्दसूरि (१७२२)	रा.	४
७	शास्त्र महिमा-गीत		हि.	४ (अपूर्ण)

1358/7712

१	आदिनाथ-स्तवन	जसराज	रा.	१
२	आत्मबोध-पद	कबीर	रा.	१
३	भवानी चामुण्डा रो पद	उदय	रा.	१
४	आदिनाथ-पद	सुभाचंद	रा.	१
५	महावीर ,,	भुवनकीर्ति	रा.	१
६	आत्मबोध ,,	जिनराजसूरि	रा.	१
७	सुभाषित-पद्य		सं. रा.	२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
८	सवैये-१०		ब्र. रा.	३
९	सुभाषित-दोहे		रा. ब्र.	४
१०	जिनलाभसूरि-स्तुति दोहे		रा.	४
११	सुभाषित दोहा सवैया आदि		रा. ब्र.	४-५

1359/7714

१	शीतलनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	५ वां
२	सीमन्धर-स्तवन	भक्तिलाभ	रा.	५-६
३	अजित शान्ति-स्तवन	मेरुनन्दन	रा.	६-७
४	छिन्नुं जिनवार-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिन-रत्नसूरि	रा.	७-८
५	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	रा.	७-१०
६	पंचमी तप-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१४ वां (अपूर्ण)
७	शत्रुंजय आदिनाथ-स्तवन	रत्नचन्द्रसूरि	रा.	१४-१५
८	पार्श्वनाथ-स्तवन (जैसलमेर)	महिमामेरु शिष्य सुखनिधान	रा.	१६
९	राजीमती-नेमिनाथ सोहलो		रा.	१६
१०	सिद्धाचल आदिनाथ-स्तवन	राजसमुद्र	रा.	१६-१७
११	पार्श्वनाथ-स्तवन	चन्न (लालचंद) शिष्य		
१२	दश श्रावक-सज्झाय	शान्तिहर्ष (१७३२)	रा.	१७
			रा.	१७(अपूर्ण)

1360/7785

१	आदिनाथ-स्तवन		रा.	१
२	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	मोहनविजय	रा.	१
३	फलवर्धि पार्श्वनाथ-लावणी	चन्द्रभांण (१८५२)	रा.	१
४	पार्श्वनाथ-लावणी	अमृतउदय	रा.	१-२
५	महावीर-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा.	२
६	सम्मेत-शिखर-होरी-पद	क्षमाकल्याण	रा.	२
७	महावीर-निर्वाण-स्तवन	देवचन्द्र	रा.	२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
८	सिद्धाचल-तीर्थ-यात्रा-स्तवन	जिनहर्षसूरि (गिडीया सिंघवी राजाराम और लूणिया तिलोकचन्द के संघ के साथ)	रा.	३
९	पार्श्वनाथ-स्तवन	सदानंद पाठक	रा.	३
१०	सिद्धाचल-तीर्थ-यात्रा-स्तवन	क्षमाकल्याण (१८६६) (गिडीया सिंघवी राजाराम और लूणिया तिलोक चन्द के संघ के साथ)	रा.	४–४
११	विमलगिरि-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	४
१२	पद	ज्ञानसार	रा.	४

1361/7811

२	पार्श्वनाथ-पद	आनन्दघन	रा.	२१ वां
३	चौबीस जिन-पद	भावहर्ष	रा.	२१
४	सोलह सती-स्तवन		रा.	२१–२२
५	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	२२
६	शान्तिनाथ-वीनती	गुणसागरसूरि	रा.	२२–२४
७	श्रावक री करणी	जिनहर्ष	रा.	२४–२६ (२५वां अप्राप्त)
८	चौबीस तीर्थंकर-स्तवन	जयसागरोपाध्याय (१४८७)	रा.	२६–२८
९	सवा सौ सीख	धर्मवर्धन	रा.	२८–३१
१०	गौतमस्वामी-रास	विनयप्रभोपाध्याय	रा.	३१–३६ (अपूर्ण) (३६–५१ अप्राप्त)

1362/8137

२	जिन-पद	केशरीचंद	रा.	१४
३	"		रा.	१४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
४	स्तंभन-पार्श्वनाथ-चोसालो		रा.	१५–१६
५	पंचतीर्थी-स्तवन	लावण्यसमय	रा.	१६–१७
६	शंखेश्वर-पार्श्वनाथ-पद	धीर (धीरविजय)	रा.	१८
७	पार्श्वनाथ-पद	चंद	रा.	१८
८	आदिनाथ ,,		रा.	१८
९	,, ,,	आनन्दवर्धन	रा.	१९
१०	शान्तिनाथ ,,	समयसुन्दर	रा.	१६
११	जिनवन्दन-फल-स्तवन	कीर्तिविमल शिष्य विमलकीर्ति	रा.	१६–२०
१२	बीसी के ७ स्तवन	जिनराजसूरि	रा.	२१–२४
१३	अष्टापद-स्तवन	श्रीज्ञान	रा.	२४–२५
१४	नेमिनाथ-पद	जिनहर्ष	रा.	२५
१५	वैराग्य-बावनी	लालचन्द शिष्य हीरानन्द शिष्य जिनसिंहसूरि (र. सं. १६६५)	रा.	३४–३५
१६	चौरासी आशातना-स्तवन	धर्मसी	रा.	३४–३६
१७	पार्श्वनाथ घग्घर निंसाणी	जिनहर्ष	रा.	३७–४२
१८	शान्तिनाथ-स्तवन	गुणसूरि	रा.	४२–४५
१६	अन्तरीक-पार्श्वनाथ-स्तवन	विनयराज शिष्य ललितकीर्ति (१७३८)	रा.	४५–४८
२०	उपदेश-पद	केशरीचन्द	रा.	४८–४९
२१	कुशलगुरु-पद		रा.	४६
२२	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	४६
२३	धर्मनाथ-पद	गुणविलास	रा.	५०
२४	पार्श्वनाथ-पद		रा.	५०
२५	जिन-पद		रा.	५०
२६	,, ,,	रूपचन्द	हि.	५१
२७	,, ,,	बनारसी	हि.	५१
२८	मल्लिनाथ ,,	रूपचन्द	हि.	५१
२९	जिन ,,		हि.	५१–५२
३०	महावीर ,,	न्यायसागर	रा.	५२
३१	पार्श्वनाथ	समयसुन्दर	रा.	५२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३२	आदिनाथ-पद	जिनहर्षसूरि	रा.	५२–५३
३३	जिन ,,	देवचन्द्र	रा.	५३
३४	नेमिनाथ ,,	अमरदास	रा.	५३–५४
३५	सम्मेनशिखर ,,	क्षमाकल्याण (१८४३)	रा.	५४–५५
३६	पार्श्वनाथ ,,	मुनि वसता	रा.	५५
३७	चौवीस जिन एवं ५ बोल-स्तवन	जयसागर शिष्य जिनचन्द्रसूरि (१६६२)	रा.	५६–५८
३८	नवकार-छन्द	कुशललाभ	रा.	६१

1363/8140

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
४	नवपद–पद	लालचन्द	रा.	४४–४५
५	,, ,,	कीर्तिसागर	रा.	४५
६	नेमिनाथ ,,	जिनहर्षसूरि	रा.	४५
७	जिन ,,		रा.	४५–४६
८	जिन–पद	रामदास	रा.	४६
९	,, ,,	भूधर	हि.	४६
१०	नेमिनाथ-पद	कीर्तिसागर	रा.	४६–४७
११	पार्श्वनाथ ,,	क्षमाकल्याण	रा.	४७–४८
१२	,, ,,	कीर्तिसागर	रा.	४८
१३	महावीर ,,	चन्द्रकीर्ति	रा.	४८–४९
१४	जिन ,,	आनन्दघन	रा.	४९
१५	आदिनाथ ,,	ज्ञानसार	रा.	४९
१६	जिन ,,	भूधर	हि.	४९–५०
१७	जिन-पद	खुसाल	रा.	५०
१८	सुमतिनाथ–पद	हरखचन्द	रा.	५०
१९	पार्श्वनाथ ,,	रूपचन्द	हि.	५०–५१
२०	जिन ,,	नवल	हि.	५१
२१	,, ,,	रूपचन्द	हि.	५१–५२
२२	पार्श्वनाथ ,,	लालचन्द	रा.	५२
२३	आदिनाथ ,,		रा.	५२–५३
२४	,, ,,	कीर्तिसागर	रा.	५३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता		भाषा	पत्रांक
२५	उपदेश-पद			रा.	५३
२६	जिन ,,	कीर्तिसागर		रा.	५३
२७	,, ,,	राजसींह		रा.	५४
२८	,, ,,	शिवाराम		रा.	५४
२९	सम्मेतशिखर-पद			रा.	५४
३०	अन्तरीक पार्श्वनाथ-पद		(१९२३)	रा.	५५
३१	जिन-पद	केसरीचन्द		रा.	५५
३२	जिन-पद (होरी)			रा.	५६
३३	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनचन्द्रसूरि		रा.	५६-५७
३४	धुलेवा आदिनाथ-पद			रा.	५८
३५	फलौदी गौडी पार्श्वनाथ-पद	जयसार		रा.	५८-५६
३६	जिन-पद	केसरीचन्द		रा.	५९
३७	उपदेश-पद	गुणविलास		रा.	५६-६०
३८	केशरिया आदिनाथ-पद	रामचन्द्र		रा.	६०
३९	तीर्थ-पद			रा.	६१-६३ (अपूर्ण)
४०	कुशलसूरि-पद	जिनपद्मसूरि शिष्य जिनचन्द्र सूरि		रा.	६३-६४
४१	जिन-पद			रा.	६५-६६
४२	पार्श्वनाथ-पद	जिनमुक्तिसूरि		रा.	६६
४३	केशरिया आदिनाथ-पद	वर्धनमुनि		रा.	६७
४४	जिन-पद	वर्धनमुनि		रा.	६८
४५	,, ,,	वर्धनमुनि		रा.	६८-६९
४६	उपदेश-पद	जिनराजसूरि		रा.	६९
४७	नेमिनाथ ,,	धरमचन्द्र		रा.	७०-७१
४८	,, ,,	खुशालचन्द		रा.	७१-७२

1364/8142

१३	कल्याणमन्दिर-भाषा	बनारसीदास	हि.	१६०-१६४
१४	नवकार-स्तवन	पद्मराजगणि	रा.	१६४-१६५

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१५	नवकार-स्तवन	जिनगुणप्रभसूरि	रा.	१६५-१६६
१६	जिन ,,		रा.	१६६-१६८
१७	महावीर ,,	समयसुन्दर	रा.	१६८-१७०
१८	आदिनाथ ,, (शत्रुंजयमंडन)	जिनसुखसूरि	रा.	१७०-१७१
१९	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	कनकमूर्ति	रा.	१७२-१७३
२०	,, ,, ,,	धर्ममन्दिर शिष्य दयाकुशल	रा.	१७३
२१	जेसलमेर अष्टापद-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१७४
२२	जिन-पद	मोहनविजय	रा.	१७४-१७५
२३	शत्रुंजय-स्तवन	नयविमल	रा.	१७५
२४	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१७५-१७६
२५	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	,, (१७२२)	रा.	२७६
२६	जेसलमेर पार्श्वनाथ-स्तवन	कनकमूर्ति शिष्य विजयमूर्ति (१७६६)	रा.	१७७-१७८
२७	लौद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	हर्षनिधान (१७४४)	रा.	१७८
२८	ढ़ंढण ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	१७८-१७९
२९	अनाथी मुनि-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	१७९-१८०
३०	अरणिक मुनि-सज्झाय	,,	रा.	१८०-१८१
३१	चेलणा-सज्झाय	,,	रा.	१८१ (अपूर्ण)

1365/8143

१	गौतम स्वामी-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२-३
२	अतीत अनागत वर्तमान चौबीसी, बीस विहरमान नाम-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनरत्नसूरि	रा.	३-८
३	इलापुत्र-सज्झाय	लब्धिविजय	रा.	९-१०
४	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१०-१३
५	जिन प्रतिमा-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१३-१५
६	पार्श्वनाथ बारह मासो	जिनहर्ष	रा.	१५-१८
७	पार्श्वनाथ घग्घर निसांणी	जिनहर्ष	रा.	१९-२५
८	ऋषि-बत्तीसी	जिनहर्ष	रा.	२५-३०
९	तीर्थावली	समयसुन्दर	रा.	३०-३१
१०	राणकपुर-स्तवन	समयसुन्दर (१६७६)	रा.	३१-३३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
११	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन		रा.	३३ (अपूर्ण)
१२	घण्टाकर्ण-मन्त्र		सं.	३६

1366/8145

२	वरकाणा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	रा.	३३–३४
३	आदिनाथ-स्तवन	आनन्दवर्धन	रा.	३४
४	पार्श्वनाथ ,,	उदयरतन	रा.	३४–३५
५	,, ,,	जैतसी शिष्य पुण्यकलश	रा.	३५
६	सिद्धाचल आदिनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि (१७७१)	रा.	३६–३७
७	पंचमीतप वृहत् ,,	समयसुन्दर	रा.	३७–३६
८	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	३९–४१
९	मौन एकादशी-स्तवन	समयसुन्दर (१६८१ जेसलमेर)	रा.	४१–४२
१०	शत्रुञ्जय-स्तवन	नयविमल	रा.	४२
११	पार्श्वनाथ ,,	खुस्यालराम	रा.	४२
१२	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	धीरविजय	रा.	४२
१३	शान्तिनाथ ,,	समयसुन्दर	रा.	४३
१४	अन्तरीक पार्श्वनाथ ,,	आनन्द	रा.	४३
१५	सम्मेतशिखर ,,	जिनचन्द्रसूरि (१८४६) अजीमगंज बोथरा साह हरजीमल भोजराज के संघ के साथ।	रा.	४३–४४
१६	शान्तिनाथ-स्तवन (भुजनगर)	जिनलाभसूरि	रा.	४४–४५
१७	चौवीस जिन-स्तवन		रा.	४५
१८	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४५–४६
१९	पार्श्वनाथ ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४६
२०	गौडी पार्श्वनाथ ,,	भुवनकीर्ति	रा.	४६–४७
२१	पार्श्वनाथ ,,	हरखचन्द	रा.	४७
२२	शंखेश्वर पार्श्वनाथ ,,	धीरविजय	रा.	४७
२३	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन (वाणी ब्रह्मा)	प्रीतिविमल	रा.	४८–५२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२४	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	५२-३३
२५	सीमन्धर ,,	श्रीदेव मुनि	रा.	५३-५४
२६	शत्रुंजय-स्तवन	जयसोम	रा.	५४-५५
२७	अप्रमत्ता ऋषि-सज्झाय	लक्ष्मीरत्न	रा.	५५-५६
२८	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशलभक्ति	रा.	५६
३०	पुण्य-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	५८
३१	धना ऋषि-सज्झाय		रा.	५८-५९
३२-३८	ऋषभ-अजित-संभव-अभिनंदन, पद्मप्रभ-चन्द्रप्रभ-विमलनाथ-स्तवनादि	जिनराजसूरि	रा.	६०-६३
३९	सिद्धाचल वृहत्-स्तवन (चौढालियो)	हितधीर	रा.	६३-६७
४०	अष्टापद-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	६७
४१	आदिनाथ-अजितनाथ-स्तुति		रा.	६७
४२	सुविधिनाथ-पद	रूपचंद	हि.	६८
४३	,, ,,	रूपचंद	हि.	६८
४४	पार्श्वनाथ ,,	धर्मसी	रा.	६८
४५	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	६८-६९
४६	पार्श्वनाथ-पद	धर्मसी	रा.	६९
४७	राणकपुर आदिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	७०
४८	उपदेश-पद		रा.	७०
४९	शान्तिनाथ-स्तवन	भावसागर	रा.	७१-७२
५०	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	७२
५१	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	धीरविजय	रा.	७२-७३
५२	नवपद-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा.	७३-७४
५३	जिन शासन वधाई-गीत	नन्दसागर	रा.	७४
५४	दादा जिनदत्तसूरि-गीत	भुवनकीर्ति	रा.	७५
५५	दादा जिनकुशलसूरि-गीत	समयसुन्दर	रा.	७५-७६
५६	,, ,, ,,	कनककीर्ति	रा.	७६
५७	,, ,, ,,	साधुकीर्ति	रा.	७६-७७
५८	चौबीस जिन-पद		रा.	७७

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
५९	अक्षर-बत्तीसी		रा.	७८–७९ (अपूर्ण ८०वां पत्र अप्राप्त)
६०	धन्ना-सज्झाय	श्रीदेव (पालनपुर)	रा.	८१–८२
६१	अरणिक मुनि-सज्झाय	लब्धिविजय	रा.	८२
६२	शील-महिमा-दूहा		रा.	८२
६३	नवकार-महिमा-श्लोक		सं.	८२

1367/8146

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	सीमन्धर-स्तवन	भक्तिलाभ	रा.	२–५ (अपूर्ण)
२	मुनिमालिका		रा.	५–१३
३	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	१३–१५
४	सवा सौ सीख	धर्मसी	रा.	१५–२१
५	गौतमरास	विनयपद्म	रा.	२१–३२
६	विहरमान जिन-स्तवन	धर्मसी	रा.	३२–३९
७	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	मुनि वस्ता	रा.	४०–४१
८	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा.	४१–४२
९	आबू तीर्थ ,,	रूपचन्द (राम विजय) (१८२१)	रा.	४२–४६
१०	लौद्रवपुर पार्श्वनाथ-स्तवन	रंग विनय शिष्य (उदयसौभाग्य)	रा.	४७–४८
११	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिन सुखसूरि	रा.	४८–४९
१२	,, ,,	जिन हर्ष	रा.	४९–५०
१३	चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-स्तवन	मुनि वस्ता	रा.	५०–५२
१४	पुण्य-छत्तीसी	समयसुन्दर	रा.	५२–५९
१५	शिवधर्म-पद	नामदेव	रा.	५९–६०
१६	सिद्धाचल-स्तवन	नयनविमल	रा.	६०–६१
१७	जेसलमेर-अष्टापद शान्तिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	६२–६३
१८	महावीर-पद	नयनविमल	रा.	६३–६४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१९	पनरह तिथि-सज्झाय	गंगदास शिष्य आचार्य जसवंत	रा.	६४–६६

1368/8147

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	पंचमीतप वृहत्-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	४ (अपूर्ण)
२	मौनएकादशी ,,	समयसुन्दर	रा.	५
३	अजितशान्ति ,,	मेरुनन्दन	रा.	५, ६, ८ (अपूर्ण; ७ वां पत्र अप्राप्त)
४	तीर्थमाला	समयसुन्दर	रा.	८–९
५	गौतम स्वामी-स्तवन	लावण्यसमय	रा.	९–१०
६	नाकोडा-पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१० (११ वां पत्र अप्राप्त)
७	महापुरुष-गीत	वणारसी (बनारसी)	हि.	१२ (अपूर्ण)
८	जिनकुशलसूरि-स्तवन	साधुकीर्ति	रा.	१२–१३
९	नेमिनाथ-गीत	जिनराजसूरि	रा.	१३–१४
१२	फलवर्धि पार्श्वनाथ-स्तवन	लक्ष्मीसमुन्द्र	रा.	२४
१३	पार्श्वनाथ देसंतरी-छन्द	लक्ष्मीवल्लभ	रा.	२५-२९
१४	पार्श्वनाथ घग्घर-निसांणी	जिनहर्ष	रा.	२९–३३
१५	अजितनाथ-स्तवन	जिनराजसूरि	रा.	३३
१६	आदिनाथ ,,	जिनराजसूरी	रा.	३३
१७	चौबीस दंडक ,,	धर्मसुन्दरगणि	रा.	३३–३५
१८	पार्श्वनाथ ,,	धर्मसी	रा.	३५–३६
१९	आरती	सदानन्द शिष्य भक्तिविनय	रा.	३६–३७
२०	महावीर-आरती	सुरेन्द्रकीर्ति	रा.	३७
२१	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	३७–३९
२४	जिनभक्तिसूरि-भास	रूपचन्द	रा.	४०
२५	शीतलनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	४०–४२
२६	पार्श्वनाथ ,,	जिनहर्ष शिष्य श्रीसोम	रा.	४२–४३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२७	प्रत्यक्ष वीर भैरव-छन्द	नारायण	रा.	४३–४६
२८	हीयाली	देपाल कवि	रा.	४६
२९	मेघकुमार-सज्झाय	श्रीदेव मुनि	रा.	४६–४७
३०	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	गंगाराम (धर्मसी के प्रसाद से (१७९०)	रा.	४७–४८
३१	,, ,,	मुनि वस्ता	रा.	४८–४९
३२	गौरा भैरव-छन्द		रा.	४९–५०
३३	नेमिनाथ-स्तवन	रंगहर्ष	रा.	५०
३४	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	भुवनकीर्ति	रा.	५०–५२
३५	नेमिनाथ-स्तवन	रंगहर्ष (१८१२)	रा.	५२
३६	शान्तिनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	५३
३७	ऋषभदेव ,,	साधुकीर्त्ति	रा.	५३
३८	गौतमरास	विनयप्रभोपाध्याय	रा.	५४–६१
३९	राचा-बत्तीसी	राचा कवि	रा.	६२–६४
४०	सीता सती-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	६५
४१	वैराग्य-सज्झाय	धर्मसी	रा.	६५–६६
४२	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	सुन्दरदास	रा.	६७
४३	पार्श्वनाथ-स्तवन	पद्मतिलक	रा.	६७
४४	नेमिनाथ-स्तवन	अमरसी उपाध्याय	रा.	६८
४५	अष्टापद-स्तवन	जसवंतसागर	रा.	७०
४६	सिद्धाचल आदिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	७१–७२ (अपूर्ण)
४७	हनुमन्मन्त्र		रा.	७२
४८	सामान्य ज्योतिष		रा.	७३
५०	वाजिद रा सवैया	वाजिद	रा.	८१–८२
५१	छन्द-गण के अर्थ		सं. रा.	८३–८५
५२	राम-कैवट-पद	माधोदास	रा.	८६
५३	कृष्ण-पद	नन्ददास	व्र.	८७
५४	कृष्ण पद		व्र.	८७ (अपूर्ण)
५५	कृष्ण-पद सार्थ (चार)	सूरदास	व्र.	८८–९२ (जीर्ण)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक

1369/8148

२	आत्म-सज्झाय	पं. रूपचन्द	रा.	३७
३	जिनप्रतिमा-स्तवन		रा.	३७–३८ (अपूर्ण)
४	आदिनाथ-पद	ज्ञानसार	रा.	३८–३९
५	आदिनाथ-पद	जिनहर्षसूरि	रा.	३९–४०
६	आदिनाथ-पद (होरी)	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४०
७	जिन-पद (होरी)	जिनरत्नसूरि	रा.	४०–४१
८	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनभक्तिसूरि	रा.	४१
९	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४१–४२
१०	नेमिनाथ-पद (होरी)	जिनभक्तिसूरि	रा.	४२–४३
११	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४३–४४
१२	महावीर-पद (होरी)	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४४
१३	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनलाभसूरि	रा.	४४–४५
१४	जिन-पद (होरी)	जिनलाभसूरि	रा.	४५–४६
१५	जिन-पद (होरी)	क्षमाकल्याण	रा.	४६
१६	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४६–४७
१७	जिन-पद (खेडा)	उदयरत्न	रा.	४७–४८
१८	आदिनाथ-पद	ऋषभदास	रा.	४८–४९
१९	केसरिया आदिनाथ-पद		रा.	४९–५०
२०	नेमिनाथ-पद	रूपचंद	रा.	५०–५१
२१	पार्श्वनाथ-पद	श्रीधर	रा.	५१
२२	सुविधिनाथ-पद	जगन्नाथ	रा.	५२
२३	आदिनाथ-पद		रा.	५२–५३
२४	नेमिनाथ-पद		रा.	५३
२५	जिन-पद		हि.	५३–५४
२६	चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-पद	कुशलहर्ष	रा.	५४
२७	पार्श्वनाथ-पद	नेमि शिष्य दान (विजय)	रा.	५४–५५
२८	गौडी पार्श्वनाथ-पद	जगन्नाथ	रा.	५५–५७
२९	पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५७–५८
३०	पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५८–५९

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३१	अन्तरीक पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५९-६१
३२	जिन-पद (होरी)	जिनलाभसूरि	रा.	६१-६२
३३	वासुपूज्य-पद (होरी)		रा.	६२
३४	धर्मनाथ-पद होरी	क्षमाकल्याण	रा.	७३
३५	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	शिवचन्द्र	रा.	६३-६४
३६	विमलाचल आदिनाथ-पद (होरी)	शिवचन्द्र	रा.	६५-६६
३७	नेमिनाथ-पद (होरी)	ज्ञानविमल	रा.	६६-६७
३८	नेमिनाथ-पद (होरी)	हरखचंद	रा.	६७
३९	संभव-पद (होरी)	सुगुण	रा.	६७-६८
४०	नेमिनाथ-पद (होरी)		रा.	६८-६९
४१	चन्द्रप्रभ-पद (होरी)	सुगुण	रा.	६९-७०
४२	नेमिनाथ-पद (होरी)	ऋद्धिहर्ष	रा.	७०-७१
४३	नेमिनाथ-पद (होरी)		रा.	७१
४४	नेमिनाथ-पद (होरी)	क्षमाकल्याण	रा.	७१-७२
४५	मगसी पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनहर्षसूरि	रा.	७२-७३
४७	नव-पद-स्तवन	जिनहर्षसूरि	रा.	१०२-१०३
४८	उपदेश-पद	यादुराय	हि.	१०३-१०४
४९	जिन-पद	क्षमासागर	रा.	१०४-१०५
५०	नेमिनाथ-पद	हरखचंद	रा.	१०५-१०६
५१	महावीर-पद	हरखचंद	रा.	१०६
५२	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	कनकमूर्ति	रा.	१०६-१०८
५३	सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभसूरि	रा.	१०८-१०९
५४	जिन-पद		रा.	१०९
५५	चन्द्रप्रभ-पद		रा.	१०९
५६	जिन-पद	रूपचंद	हि.	१०९-११०
५७	जिन-पद	जिनलाभसूरि	हि	११०
५८	पार्श्वनाथ-पद	चंद	रा.	११०
५९	जिन-पद	रामदास	रा.	१११
६०	चन्द्रप्रभ-पद	जैत	रा.	१११
६१	पावापुरी महावीर-पद	सुगुण	रा.	१११-११२
६२	सुमतिनाथ-पद	आनन्द	रा.	११२-११३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
६३	जिन-पद	भूधर	हि.	११३
६४	आदिनाथ-पद	ज्ञानसार	रा.	११३–११४
६५	आदिनाथ-पद	गुणविलास	रा.	११४
६६	मल्लिनाथ-पद	रूपचंद	हि.	११४–११५
६७	जिन-पद	रूपचंद	हि.	११५
६८	वासुपूज्य-पद	रूपचंद	हि.	११५–११६
६९	जिन-पद	रूपचंद	हि.	११६
७०	उपदेश-पद	बनारसीदास	हि.	११६–११७
७१	उपदेश-पद	नवल	हि.	११७
७२	पार्श्वनाथ-पद	लालचन्द	रा.	११७–११८
७३	सम्मेतशिखर-पद	हरखचन्द	रा.	११९
७४	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद (होरी)	जिनलाभसूरि	रा.	११९
७५	नेमिनाथ-पद		रा.	११९
७६	महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	११९
७७	जिनकुशलसूरि-पद	जिनराजसूरि	रा.	१२०
७८	जिनकुशलसूरि-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१२०
७९	यु. जिनचन्द्रसूरि-अष्टक	समयसुन्दर	रा.	१२०–१२१ (अपूर्ण)

1370/8149

१	गौडी-पार्श्वनाथ-पद	ज्ञानविमल	रा.	१
२	लौद्रवा पार्श्वनाथ-पद	जिनराजसूरि	रा.	३–४
३	दश ब्रह्मचर्य समाधि-गीत		रा.	५–७
४	उपदेश-पद	ज्ञानसार	रा.	८
५	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	९–१०
६	जिन-पद	रंगमनिलाल	हि.	१०
७	पार्श्वनाथ-पद	लालचंद	रा.	११–१२
८	पार्श्वनाथ-पद	जिनलाभसूरि	रा.	१२–१३
९	सम्मेतशिखर-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१३–१५
१०	नेमिनाथ-पद	कृष्ण	रा.	१५–१६

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
११	जिन-पद	गंगाराम	रा.	१६–१७
१२	नेमिनाथ-पद	नेमदास	रा.	१७–१८
१३	नाडोल आदिनाथ-स्तवन	वल्लभ	रा.	१९–२२
१४	पार्श्वनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	२२–२३
१५	नेमिनाथ-पद		रा.	२३–२४
१६	सुमतिनाथ-पद	आनन्दरूप	रा.	२४–२५
१७	नेमिनाथ-पद	रूप (आनन्दरूप)	रा.	२५–२६
१८	नेमिनाथ-पद	आनन्द (आनन्दरूप)	रा.	२६–२७
१९	नेमिनाथ-पद	जिनदास	हि.	२७
२०	नेमिनाथ-पद	जिनदास	हि.	२७–२८
२१	शत्रुञ्जय-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	रा.	२८–३१
२२	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	कनकमूर्ति	रा.	३१–३२
२३	पार्श्वनाथ-पद	अनुपमचंद शिष्य जिनलाभसूरि	रा.	३३–३७ (पृष्ठांक ३४-३५ भूल से लिखने रह गये हैं)
२४	सात व्यसन-सज्झाय	धर्मसी	रा.	३७–४०
२५	धन्नामुनि-सज्झाय	विद्याकीर्ति	रा.	४१–४३
२६	नवपद-स्तवन		रा.	४३–४४
२७	आरती		रा.	४४–४५
२८	बम्बई चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनमहेन्द्रसूरि (१८९३)	रा.	४७–४९
२९	जिन-पद	देवचन्द्र	रा.	४९–५०
३०	जिनकुशलसूरि-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा.	५१–५४
३१	पार्श्वनाथ-स्तवन	धर्मसी	रा.	५५-५६
३२	प्रास्ताविक-सवैया	लाल	हि.	५८–५९
३३	नेमिनाथ-पद	जैराम	रा.	५९–६०
३४	औपदेशिक-दोहे–४		रा.	६०
३५	उपदेश-पद (होरी)	भूधर	हि.	६१–७२
३६	औपदेशिक दोहे-४, सवैया १		हि.	६२–६४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३७	नवकार-स्तवन	जिनगुणप्रभसूरि	रा.	६५–६८
३८	श्रावक री करणी		रा.	६८–७३ (अपूर्ण)

इस गुटके में पत्रांक के स्थान पर पृष्ठांक दिये हुये हैं।

1371/8150

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२	पार्श्वनाथ-पद	भया	रा.	८
३	चन्द्रप्रभ-पद	जैत	रा.	१०
४	जिनदर्शन-स्तुतिपद्याः		सं.	१०–११
५	सुमतिनाथ-पद	रूपचन्द	रा.	१२
६	जिन-पद		हि.	१२ (अपूर्ण)
७	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१३ (अपूर्ण)
८	आदिनाथ-पद	रत्नसुन्दर पाठक शिष्य जिनहर्षसूरि (१८३६)	रा.	१४
९	पार्श्वनाथ-पद		रा.	१५
१०	सम्मेतशिखर-पद		रा.	१५–१६
११	उपदेश-पद (होरी)	आनन्दघन	रा.	१६
१२	जिन-पद	क्षमाकल्याण	रा.	१६
१३	सम्मेतशिखर-पद	खुशालचंद	रा.	१६–१७
१४	पावापुरी महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१७
१५	नेमिनाथ-पद	चंद	रा.	१७
१६	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	रतनसागर	रा.	१७-१८
१७	आदिनाथ-पद	करमसी	रा.	१८
१८	पार्श्वनाथ-पद		रा.	१८
१९	महावीर-स्तवन	रूपचंद	हि.	१८–१९
२०	अष्टमी-स्तुति		रा.	२०
२१	सीमन्धर-स्तवन	कांन	रा.	२१
२२	बाहुबली-सज्झाय	विमलकीर्ति	रा.	२१–२२
२३	जिनकुशलसूरि-गीत		रा.	२३ (अपूर्ण)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२४	जिनकुशलसूरि-गीत	जिनचन्द्रसूरि	रा.	२३–२४
२५	दादा गुरु-गीत (सूरत)	जिनलाभसूरि	रा.	२५
२६	जिनकुशलसूरि-गीत	कविराज	रा.	२५–२६
२७	जिनकुशलसूरि-गीत	जिनभक्तिसूरि (१७८१ गडालै)	रा.	२६–२७
२८	जिनकुशलसूरि-गीत	,,	रा.	२७–२८
२९	जिनकुशलसूरि-गीत	समयसुन्दर	रा.	२८
३१	ढंढण ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	३०–३१
३२	गुरु-स्तुति		रा.	३२

1372/8151

९	महावीर पारणक-स्तवन	मुनिमाल	रा.	१७३–१७९
१०	सीमन्धर-स्तवन	भक्तिलाभ	रा.	१७९–१८५
११	ज्ञानपंचमी वृहत्-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१८५–१९१
१२	ज्ञानपंचमी लघु-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	१९१–१९२
१४	गोंडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१९८–२००
१५	गोडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	समयरंग शिष्य गुणशेखर	रा.	२००–२०६
१६	मौनैकादशी-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२०६–२०८
१७	पुंडरीक गिरिमंडन आदिनाथ-स्तवन	साधुकीर्त्ति	रा.	२०८–२१३
१८	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२१३–२१८
१९	शत्रुंजय-स्तवन	राजसमुद्र	रा.	२१८–२२१
२०	दश पच्चक्खाण-स्तवन		रा.	२२२–२२९
२१	उपधान-तप-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२२९–२३५
२२	अट्ठावीसलब्धि-स्तवन	धर्मवर्धन	रा.	२३५–२४१
२३	चौदह-गुणस्थानक-स्तवन	,,	रा.	२४२–२५२
२४	अढाई द्वीप विचार-स्तवन	,,	रा.	२५२–२६२
२५	चौरासी आशातना-स्तवन	,,	रा.	२६२–२६७
२६	शत्रुंजय-स्तवन	,,	रा.	२६७–२६९
२७	चउवीसटा-स्तवन	,,	रा.	२६९–२७१
२८	अजितशान्ति-स्तवन	मेरुनन्दन	रा.	२७१–२७९
२९	क्षमा-छत्तीसी	समयसुन्दर	रा.	२७९–२८७

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३०	श्रावक री करणी	जिनहर्ष	रा.	२८८-२९३
३१	शत्रुंजय आदिनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२९३-३००
३२	कृष्ण-शुक्लपक्ष-चौपाई	हर्षकीर्त्तिसूरि	रा.	३००-३०७
३३	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन (वाणी-ब्रह्मा)	प्रीतिविमल	रा.	३०७-३१९
३४	दश श्रावक-स्तवन	श्रीसार	रा.	३२०-३२३
३५	समवसरण-स्तवन	धर्मवर्धन	रा.	३२३-३३०
३६	जिन-प्रतिमा हुंडी-स्तवन (रास)	जिनहर्ष (१७२५)	रा.	३३१-३४८
३७	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	भुवनकीर्ति	रा.	३४८-३५०
३८	सहसफणा-स्तवन	जिनलाभसूरि (१८२७)	रा.	३५०-३५२
३९	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	३५२-३५४
४०	,, ,,	,,	रा.	३५४-३५५
४१	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	रा.	३५५-३५७
४२	स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तबन	क्षमाकल्याण	रा.	३५७-३५८
४३	पार्श्वनाथ-स्तवन	अनूपचन्द	रा.	३५८-३६०
४४	अन्तरीक पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि (१८५५)	रा.	३६०-३६२
४५	जिन-प्रतिमा-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभ	रा.	३६२-३६५
४६	पार्श्वनाथ-स्तवन	,, ,,	रा.	३६५-३६७
४७	,, ,,	,,	रा.	३६७-३६८
४८	ऋषभदेव-स्तवन	लालचन्द (१८३९)	रा.	३६८-३७१
४९	शान्तिनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा	३७१-३७३
५०	महावीर-स्तवन	,,	रा.	३७३-३७४
५१	विमलगिरि-स्तवन	पद्मविजय	,,	३७४-३७५
५२	लौद्रवा पार्श्वनाथ-पद		,,	३७५-३७६
५३	पार्श्वनाथ-स्तवन	अनुपमचंद शिष्य जिनलाभसूरि	,,	३७६-३७८
५४	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	३७८-३७९
५५	जिन-प्रतिमा-स्तवन	समयसुंदर	रा.	३७९-३८१
५६	सिद्धाचल तीर्थ ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	३८१-३८३
५७	सम्मेतशिखर तीर्थ-स्तवन	,, (१८४६)	रा.	३८३-३८६
५८	सिद्धाचल तीर्थ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभ	रा.	३८६-३८९
५९	सीमन्धर-स्तवन	,,	रा.	३८९-३९३
६०	पार्श्वनाथ-स्तवन	,, (१८३९)	रा.	३९३-३९५

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
६१	लौद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि (१८३७)	रा.	३९५–३९७
६२	,, ,, ,,	,, (१८४१)	रा.	३९७–३९९
६३	आदिनाथ-पद	आनन्दघन	रा.	३९९–४००
६४	महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	४००–४०१
६५	पावापुरी महावीर-पद	,,	रा.	४०१–४०२
६६	शंखेश्वर–पार्श्वनाथ-स्तवन	उदयरत्न	रा.	४०२–४०४
६९	राणकपुर-स्तवन	समयसुंदर	रा.	४९१–४९३
७०	जिनआज्ञा-सज्झाय	क्षमाकल्याण	,,	४९३–४९५
७१	अन्तरीक पार्श्वनाथ-स्तवन	हीररंग (रंगहीर) (१८५५)	,,	४९५–४९८
७२	जिन-पद	नवल	हि.	४९८–४९९
७३	सुविधिनाथ-पद	रूपचन्द	हिं.	४९९–५००
७४	पार्श्वनाथ-पद (मगसी)		,,	५००–५०१
७५	,, ,,		,,	५०१
७६	आदिनाथ-पद	नवल	हि.	५०१–५०२
७७	आदिनाथ-पद		हि.	५०२–५०३
७८	सिद्धाचल-आदिनाथ-स्तवन	क्षमाकल्याण	रा.	५०३–५०५
७९	पार्श्वनाथ-पद	भाग्योदय	रा.	५०५–५०६
८०	सुविधिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	५०६–५०७
८१	आदिनाथ-पद	देवचन्द	रा.	५०७–५०८
८२	नेमिनाथ-पद	भांणचन्द	रा.	५०८
८३	जिन-पद	आणंदराम	रा.	५०८–५०९
८४	जिन-पद	आनन्दघन	रा.	५०९–५१०
८५	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	५०१–५११
८६	जिन-पद	क्षमाकल्याण	रा.	५११–५१२
८७	जिन-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५१२–५१४
८८	जिन-पद	राजाराम	हिं.	५१४–५१५
८९	जिन-पद	मोहनविजय	रा.	५१५
९०	पावापुरी महावीर-पद	क्षमाकल्याण (१८४७)	रा.	५१६–५१७
९१	आदिनाथ-स्तवन	क्षमाकल्याण (१८५४)	रा.	५१७–५२०
९२	महेवा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि (१८३४)	रा.	५२०–५२१
९३	सिद्धचल आदिनाथ-स्तवन	उदयरत्न	रा.	५२१–५२३
९४	पंचतीर्थी चैत्यवन्दन	क्षमाकल्याण	रा.	५२३–५२७

(क्रमांक ९५ से १०४ तक की कृतियों के पत्र खण्डित हैं)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
९५	सिद्धाचल-स्तुति	क्षमाकल्याण	रा.	५२७–५२८
९६	आदिनाथ-चैत्यवन्दन	,,	रा.	५२८–५२९
९७	सीमन्धर-चैत्यवन्दन	,,	रा.	५२९
९८	सम्मेतशिखर-चैत्यवन्दन	,,	रा.	५२९–५३०
९९	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद	भावरत्न	रा.	५३०–५३१
१००	जिन-पद		रा.	५३१
१०१	फलवर्द्धि पार्श्वनाथ-पद		रा.	५३१–५३२
१०२	महावीर-निर्वाण-स्तवन	देवचन्द्र	रा.	५३३–५३४
१०३	जिन-पद	जयराम	रा.	५३५–५३६
१०४	जिन-पद	क्षमाकल्याण	रा.	५३६–५३७
१०५	जिन-पद	,,	रा.	५३७–५३८
१०६	नेमिनाथ-स्तवन	हरखचन्द	रा.	५३८–५४०
१०७	सिद्धाचल-स्तवन	ज्ञानविमलसूरि	रा.	५४०–५४२
१०८	पार्श्वनाथ-पद	सुगुण	रा.	५४२–५४३
१०९	पार्श्वनाथ-पद	चन्द	रा.	५४३
११०	जिन-पद	आनंदघन	रा.	५४३–५४४
१११	जिन-पद	,,	रा.	५४४
११२	जिन-पद	चिदानन्द	रा.	५४४–५४५
११३	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-पद	हीर	,,	५४५
११४	गौडी-पार्श्वनाथ-पद	सदारंग	रा.	५४६
११५	आदिनाथ-पद	आनन्दवर्धन	रा.	५४६–५४७
११६	चन्द्रप्रभ-पद		रा.	५४७
११७	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद		रा.	५४८
११८	चन्द्रप्रभ-पद	जैत	रा.	५४८–५४९
११९	महावीर-पद	नन्दसागर	रा.	५४९–५५०
१२०	नेमिनाथ-पद	अमर	रा.	५५०–५५१
१२१	अन्तरीक पार्श्वनाथ-पद	आनन्द	रा.	५५१
१२२	अभिनन्दन-पद		रा.	५५१–५५२
१२३	जिन-पद		रा.	५५२–५५३
१२४	जिन-पद	जिनहर्ष	रा.	५५३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१२५	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	धर्ममन्दिर शिष्य दयाकुशल (१७२३)	रा.	५५४–५५५
१२६	सिद्धाचल-स्तवन	नयनविमल	रा.	५५६–५५७
१२७	अष्टापद-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	५५७–५५८
१२८	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	५५८–५६०
१२९	महावीर-पद	जिनलाभसूरि	रा.	५६०–५६१
१३०	आदिनाथ-स्तवन	देवचन्द्र	रा.	५६१–५६२
१३१	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	कनकमूर्ति	रा.	५६२–५६४
१३२	सम्मेतशिखर-स्तवन	क्षमाकल्याण	रा.	५६४–५६६
१३३	महावीर-पद	भुवनकीर्ति	रा.	५६६
१३४	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा.	५६७–५६८
१३५	सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५६९–५७०
१३६	तीर्थावली-स्तवन	अमृतधर्म	रा.	५७०–५७२
१३९	जिनकुशलसूरि-गीत	लालचन्द	रा.	६३४
१४०	,, ,,	गूजर	रा.	६३४–६३५
१४१	,, ,, (नाल)	जिनभक्तिसूरि	रा.	६३५–६३७
१४२	,, ,,	जिनरंगसूरि	रा.	६३७–६३८
१४३	,, ,, (अमरसर)	गुणविनय	रा.	६३८–६३९
१४४	,, ,,	राज	रा.	६३९
१४५	,, ,,	कनककीर्ति	रा.	६३९–६४०
१४६	,, ,,	जिनराजसूरि	रा.	६४०–३४१
१४७	,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	३४१
१४८	,, ,,	समयसुन्दर	रा.	६४१–६४२
१४९	,, ,,		रा.	६४२ (अपूर्ण)

1373/8155

१	चौबीसी	जिनराजसूरि	रा.	१२–१४ (अपूर्ण; पत्र १-११ अप्राप्त)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२	अजितशान्ति-स्तवन	मेरुनन्दन	रा.	१४–१५ (अप्राप्त पत्र १६–२०; अपूर्ण)
३-५	अजित-संभव-अभिनन्दन-स्तवन	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	रा.	२१–२२ (अपूर्ण; पत्र २३ से ३२ अप्राप्त)
६	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि (१७२२)	रा.	३३(अपूर्ण)
७	मौनैकादशी-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	३३–३४
८	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	३४–३५
९	सिद्धाचल-स्तवन	राजसमुद्र	रा.	३६
१०	सिद्धाचल-स्तवन	जिनहर्षसूरि	रा.	३६–३७
११	आदिनाथ-स्तवन	धर्मसी	रा.	३७–३९
१२	आदिनाथ-स्तवन	लालचन्द	रा.	३९–४०
१३	सीमन्धर-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभ	रा.	४०–४१
१४	अट्ठावीसलब्धि-स्तवन	धर्मवर्धन	रा.	४२–४४
१५	बीस स्थानक-स्तवन	मुनि केसरीचन्द (१८९८)	रा.	४४–४६
१६	तिरेसठ शलाका पुरुष-स्तवन	मुनि वस्ता	रा.	४६(अपूर्ण; पत्र ४७-७२ अप्राप्त)
१७	कांनड कठिआरा री चौपई	मानसागर	रा.	७३–७४ (अपूर्ण)
१८	स्तंभन पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ	रा.	७४–७९
१९	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन (वाणी ब्रह्मा)	प्रीतिविमल	रा.	७९(अपूर्ण; पत्र ८०-८६ अप्राप्त)
२०	पुण्य-छत्तीसी	समयसुन्दर	रा.	८७–८८ (अपूर्ण)
२१	कर्म-छत्तीसी	,,	रा.	८९–९१
२२	कर्म-सज्झाय	ऋद्धिहर्ष	रा.	९१–९३
२३	उपदेश-सज्झाय	पद्मरंग	रा.	९३–९४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२४	बाहुवली-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	९४-९५
२५	वैराग्य-सज्झाय	राजसमुद्र	रा.	९५
२६	ढंढण ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	९५-९६
२७	निंदा-परिहार-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	९६-९७
२८	मेतार्य मुनि-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	९७
२९	सीता सती-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	९८
३०	चेलणा सती-सज्झाय	समयसुंदर	रा.	९८-९९
३१	उपदेश-सज्झाय	,,	रा.	९९
३२	धन्ना ऋषि-सज्झाय		रा.	९९-१००
३३	सात व्यसन-परिहार-सज्झाय	जयरंग शिष्य पुण्यकलश	रा.	१००-१०१
३४	क्षमाधिकार-सज्झाय	लावण्यसमय	,,	१०२-१०३
३५	आत्मप्रबोध-सज्झाय	पद्मतिलक	रा.	१०३
३६	नवकार-सज्झाय		रा.	१०३ (अपूर्ण; पत्र १०४ से १०७ तथा १०९-११० अप्राप्त; १०८वां पत्र प्राप्त है; कृति अपूर्ण है)
३७	आत्म-सज्झाय	पद्मविजय	रा.	१११ (अपूर्ण)
३८	पंचेन्द्रिय-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	१११-११२
३९	दीपावली-सज्झाय		रा.	११२-११४
४०	साधुगुणवर्णन-सज्झाय	विजयदेवसूरि	,,	११४-११५
४१	श्रावक गुण वर्णन-सज्झाय		रा.	११५-११७
४२	आत्म-प्रबोध-सज्झाय	आसो	रा.	११७-११८
४३	कृष्णपक्ष-शुक्लपक्ष-सज्झाय	हर्षकीर्त्तिसूरि	रा.	११८-१२१
४४	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	१२१-१२२
४५	प्रभाती-स्तवन	समयसुंदर	रा.	१२२
४६	आलोयणा-छत्तीसी	,,	रा.	१२३-१२५
४७	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१२५-१२६

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
४८	पार्श्वनाथ-स्तवन	जैतसी शिष्य पुण्यकलश	रा.	१२६
४९	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	,,	१२६-१२७
५०	गौडी पार्श्वनाथ-स्तवन	वसता मुनि	,,	१२७-१२८
५१	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	,,	१२८
५२	पार्श्वनाथ-स्तवन	धर्मसी	रा.	१२८-१२९
५३	पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	रा.पंजाबी	१२९
५४	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनभक्तिसूरि	रा.	१२९-१३०
५५	स्तंभन पार्श्वनाथ- ,,	जिनहर्षसूरि शिष्य जिनचंद्रसूरि (१८५६)	,,	१३०-१३१
५६	कापरडा-स्तवन	,, (१८५८)	रा.	१३१
५७	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	१३१-१३२
५८	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा.	१३२-१३३
५९	सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभ	रा.	१३३-१३४
६०	पार्श्वनाथ-स्तवन	सदानन्द वाचक	रा.	१३४
६१	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि (१८३५)	रा.	१३४-१३५
६२	सम्मेतशिखर-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१३५
६३	पार्श्वनाथ-स्तवन	वसता मुनि	रा.	१३६
६४	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि (१८०७)	रा.	१३६-१३७
६५	लोद्रवा पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभसूरि	रा.	१३७-१३८
६६	चौदह गुणस्थान-स्तवन	धर्मसी	रा.	१३८-१४२
६८	संवर-सज्झाय	.	रा.	१६३-१६४
६९	सीमन्धर-स्तवन	अगरचन्द (१८२१)	रा.	१६५-१६६
७०	जिन-प्रतिमा-स्तवन		रा.	१६६ (अपूर्ण)
७१	जिन-पद		रा.	१६७ (अपूर्ण)
७२	पार्श्वनाथ-पद	क्षमाकल्याण	रा.	१६७
७३	ऋषभ-जिन-स्तवन	जसविजय	रा.	१६७
७४	सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१६८
७५	महावीर-स्तवन		रा.	१६८-१६९ (अपूर्ण)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक

1374/8157

१	जिनदत्तसूरि-गीत	जिनहर्षसूरि	रा.	१
२	जिनकुशलसूरि-गीत	राज	रा.	१
३	जिनकुशलसूरि-गीत	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१–२
४	जिनदत्तसूरि-गीत	सुगुण	रा.	२–३
५	जिनकुशलसूरि-गीत	सत्यरत्न	रा.	३–४
६	,, ,,	जिन····	रा.	४–५
७	,, ,,	समय सुन्दर	रा.	५
८	,, ,,	जिनराजसूरि	रा.	५–६
९	,, ,,	राज	रा.	६
१०	,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	६–८
११	,, ,,	जिनरंगसूरि	रा.	८
१२	जिन-पद (होरी)	क्षमाकल्याण	रा.	८
१३	नेमिनाथ-पद (होरी)	चंद	रा.	८
१४	जिन-पद	नवल	हि.	९–१०
१५	नेमिनाथ-पद (होरी)		हि.	१०–११
१६	जिन-पद (होरी)	चंद	रा.	११
१७	जिन-पद	खुशालराय	रा.	११
२१	करकण्डू-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	४९–५१
२२	द्विमुख-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	५१–५२
२३	नमिराजर्षि-सज्झाय	समयसुन्दर	रा.	५२–५६
२४	चौवीस तीर्थंकर, सोलह सती नाम		रा.	५६–५८
२५	नाकोड़ा-पार्श्वनाथ-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	५९–६०
२६	जिन-धर्म-पद		रा.	६० (अपूर्ण)
२७	गौतम स्वामी-गीत	समयसुन्दर	रा.	६१–६२
२८	नवकार-गीत	जिनगुणसूरि	रा.	६३–६४
२९	चिन्तामणिपार्श्वनाथ-गीत	समयसुन्दर	रा.	६५–६६
३०	शान्तिनाथ-स्तवन		रा.	६७–६९
३१	ऋषभदेव-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	७०–७१

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
		1375/8158		
१	पार्श्वनाथ-पद	मोहनविजय शिष्य रूपविजय	रा.	१–२
२	नेमिनाथ-पद		रा.	२
३	जिन-पद	भूधर	हि.	३ (अपूर्ण)
४	आदिनाथ-पद		रा.	३ (अपूर्ण)
५	सिद्धाचल-स्तवन	उदयरत्न	रा.	४
६	,, ,,	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५–६
७	,, ,,	वीरविजय	रा.	६–७
८	,, ,,		रा.	७
९	जिन-पद	शिवचंद	रा.	८
१०	आदिनाथ-पद	राजसिंह	रा.	८
११	महावीर-पद	जन सेवक	रा.	८
१२	नेमिनाथ-गीत		रा.	९
१३	जिनकुशलसूरि-गीत	जिनपद्मसूरि शिष्य जिनचन्द्र	रा.	९–१०
१४	गौडी-पार्श्वनाथ-पद	दलीचंद	रा.	१०
१५	जिन-पद	देवीचन्द	रा.	१०–११
१६	ऋषभदेव-पद (धुलेवा)		रा.	११
१७	शत्रुञ्जय-स्तवन	नयनविमल	रा.	११
१८	नेमिनाथ-पद		रा.	१२
१९	केशरियाजी-पद		रा.	१२
२०	जिन-पद	आनन्दघन	रा.	१२
२१	सुमतिनाथ-पद	आनन्दरूप	रा.	१३
२२	जिन-पद	भूपविजय	रा.	१३
२३	सहसफणा-पार्श्वनाथ-पद	कीर्तिसागर	रा.	१३–१४
२४	सुमतिनाथ-पद	कनककीर्ति	रा.	१४
२५	जिन-पद	भूधर	हि.	१४
२६	जिन-पद		रा.	१४ (अपूर्ण)
२७	सिद्धाचल-स्तवन	क्षमारत्न	रा.	१५
२८	जिन-स्तवन (बालोतरा)	वसतीराम	रा.	१६ (अपूर्ण)
२९	खेतल वीर-स्तवन	लीलो भोजक	रा.	१६–१७
३०	नेमिनाथ-स्तवन	रूपचंद	रा.	१७–१८
३१	उपदेश-पद		रा.	१८ (अपूर्ण)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३२	जीव-परक लावणी		हि.	१९–२० (अपूर्ण)
३३	नेमिनाथ-लावणी	जिनदास	हि.	२०–२१
३४	केसरियानाथ-लावणी	मूलचंद शिष्य भयाराम	हि.	२१

1376/8161

१	धन्ना ऋषि-सज्झाय	श्रीदेव	रा.	१–२
२	महावीर तपस्या-स्तवन		रा.	२–३
३	जम्बू स्वामी-सज्झाय		रा.	३–४
४	प्रतिक्रमण-सूत्र		प्रा.	५-६ (अपूर्ण)
५	जिनकुशलसूरि-छंद	साधुकीर्ति	रा.	७
६	स्तंमन पार्श्वनाथ-स्तवन	कुशललाभ	रा.	८-९ (अपूर्ण)
९	गौतम स्वामी-स्तवन	लावण्यसमय	रा.	१६
१०	गौतमरास	विनयप्रभ	रा.	१७–२२
११	गौतम स्वामी-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२२
१२	अजितशान्ति-स्तवन	मेरुनन्दन	रा.	२२–२५
१३	अजितनाथ-स्तवन	जिनराजसूरि	रा.	२५
१४	संभवनाथ ,,	,,	रा	२५–२६
१५	पद्मप्रभ ,,	,,	रा.	२६
१६	सुपार्श्वनाथ ,,	,,	रा.	२६
१७	विमलनाथ ,,	,,	रा.	२७
१८	मुनि सुव्रत ,,	,,	रा.	२७
१९	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन (वाणीब्रह्मा)	प्रीतिविमल	रा.	२७–३१
२०	राचा-बत्तीसी	राचा कवि	रा.	३२–३३
२१	पद्मावती-आलोयणा		रा.	३३–३५
२२	प्रत्याख्यान-सूत्र		प्रा.	३६–३७
२३	स्तंभन-पार्श्वनाथ-स्तवन		रा.	३७ (अपूर्ण)
२४	वरकाणा-पार्श्वनाथ-स्तवन	मीतुविसाल	रा.	३८
२५	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	३८–३९
२६	बंभणवाड-महावीर-स्तवन	कमलकलशसूरि शिष्य	रा.	३९–४२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक

1377/8162

२	गुरु-महिमा-पद	क्षमाकल्याण	रा.	३०
३	जिन-पद	भूधर	हि.	३०–३१
४	आदिनाथ-पद	ज्ञानसार	रा.	३१–३३
५	जिनहर्षसूरि-गीत	सत्यरत्न	रा.	३३–३४
६	सम्मेतशिखर-पद		रा.	३४
७	पार्श्वनाथ-पद	क्षमाकल्याण	रा.	३५
८	चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-पद	जिनहर्षसूरि	रा.	३५–३७
९	पार्श्वनाथ-पद		रा.	३७(अपूर्ण)

1378/8166

१	नेमिनाथ-पद	सेवक	रा.	१–२(अपूर्ण)
२	आदिनाथ-पद	जिनदास	हि.	२–३
३	पार्श्वनाथ-पद	भूधर	रा.	४ (अपूर्ण)
४	,,		रा.	४ (अपूर्ण) (पत्र ५–६ नहीं)
५	केशरियानाथ-पद	लक्ष्मीविजय	रा.	७
६	नेमिनाथ-पद	केसरीचन्द	रा.	८–९
७	जिन-पद	,,	रा.	९–१०
८	,,	रूपचन्द	रा.	१०–११
९	,,	केसरीचन्द	रा.	११–१२
१०	,,	पद्मविजय	रा.	१२–१३
११	पार्श्वनाथ-पद		रा.	१३–१४
१२	जिन-पद		रा.	१४–१५
१३	आदिनाथ-पद	ज्ञानसार	रा.	१५–१७
१४	शत्रुंजय-पद	नयनविमल	रा.	१७–१८
१५	सम्मेतशिखर-पद		रा.	१८–१९
१६	पावापुरी-पद	नवल	रा.	१९–२१

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१७	जिन-पद	....चन्द	रा.	२१–२२
१८	"	राजसिंह	रा.	२२–२३
१९	नेमिनाथ-लावणी	जिनदास	हि.	२३–२६
२०	" "	"	हि.	२६–२८
२१	उपदेश-लावणी	"	हि.	२९–३२
२२	रथनेमि "	(१८९६)	हि.	३२–३८
२३	जिन-पद	कुशलराय	रा.	३९
२४	"	रूपचन्द	हि.	३९–४०
२५	"	"	हि.	४०–४२
२६	"	"	हि.	४२–४३
२७	पार्श्वनाथ-पद	बनारसी	हि.	४३–४४
२८	जिन-पद	आनन्दघन	रा.	४४–४५
२९	"	रूपचन्द	हि.	४५–४६
३०	आदिनाथ-पद		रा.	४६–४७
३१	गौडी-पार्श्वनाथ-पद		रा.	४८–४९
३२	नेमिनाथ-पद		रा.	४९–५०
३३	जिन-पद	राजसिंह	रा.	५०–५२
३४	नेमिनाथ-पद	चन्दविजय	रा.	५२–५३
३५	जिन-पद	दीनबगस	हि.	५३–५५
६६	"	जिनेन्द्रसूरि	रा.	५५–५६
३७	महावीर-पद	चन्द्रकीर्ति	रा.	५७–५८
३८	जिन-पद	भावसागर	रा.	५८–६०
३९	उपदेश-पद		हि.	६०–६१
४०	नेमिनाथ-पद		रा.	६१–६३
४१	जिन-पद	जिनदास	हि.	६३–६४
४२	उपदेश-पद	रूपचन्द	हि.	६४–६५
४३	नेमिनाथ-पद	"	हि.	६५–६६
४४	गौडी-पार्श्वनाथ-पद	मोहनविजय	रा.	६६–६७
४५	जिन-पद		हि.	६७–६८
४६	पार्श्वनाथ-पद	वृद्धिकुशल	रा.	६८–६९
४७	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन		रा.	६९–७०
४८	जिन-पद		रा.	७०–७१

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
४९	सुविधिनाथ-पद	समयसुन्दर	रा.	७१–७२
५०	आदिनाथ-पद	मेघसुन्दर	रा.	७२–७३
५१	नेमिनाथ-पद	केसरीचन्द	रा.	७४–७५
५२	नेमिनाथ-पद	,,	रा.	७५–७६
५३	आदिनाथ-दद	रूपचन्द	हि.	७६–७७
५४	पार्श्वनाथ-पद		रा.	७७–७८
५५	उपदेश-पद		रा.	७८–७९
५६	चंपापुरी वासुपूज्य-पद	नवल	हि.	७८–८०
५७	जिन-पद		रा.	८०–८१ (अपूर्ण; ८१-८२ वां पत्र अप्राप्त)
५८	जिन-पद		रा.	८३–८४ (अपूर्ण; पत्र ८४ से ८६ अप्राप्त हैं)
५९	पार्श्वनाथ-पद	हिन्दूमल	रा.	८७ (अपूर्ण)
६०	जिन-पद		रा.	८७–८९
६१	जिन-पद	रामचन्द्र	रा.	७९–९०

1379/8167

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	आदिनाथ-पद	खूबचन्द	रा.	१
२	भरत-चक्री-पद	,,	रा.	१–२
३	सीमन्धर-स्तवन	लालचन्दगणि	रा.	१–३
४	आदिनाथ-स्तवन	जिनराजसूरि	रा.	३–४
५	पार्श्वनाथ-स्तवन (जेसलमेर)	जिनचन्द्रसूरि शिष्य जिनलाभ (१८४१)	रा.	५ (अपूर्ण; पत्र ६ ठा नहीं है)
६	जिन-पद	जिनदास	हि.	६–७ (अपूर्ण)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
७	नेमिनाथ-लावणी	जिनदास	हि.	७–८
८	नेमिनाथ-लावणी		हि.	८–१०
९	शान्तिनाथ-स्तवन	गुणसागर शिष्य पद्मसूरि	रा.	११–१५
१०	सोलह सती-पद	उदयरत्न	रा.	१५–१७
११	संभवनाथ-पद	भीमराज (१९३५)	रा.	१८
१२	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन (वीठोडा)	भीमराज (१९३९)	रा.	१८–२०
१३	रुक्मिणी-सज्झाय	राजविजय	रा.	२०–२२
१४	पार्श्वनाथ-स्तवन	सदानन्द	रा.	२२
१५	भरतचक्री रिद्धिवर्णन-सज्झाय	पूज्य आसकरण (१८३५ तिमरी)	रा.	२३–२९
१६	पार्श्वनाथ-पद	कनककीर्ति	रा.	२९–३०
१७	नेमिनाथ-स्तवन	भीमराज (१९३९)	रा.	३०–३२
१८	नेमिनाथ-स्तवन	जुगराज घाटोलीवाला	रा.	३२–३३
१९	आदिनाथ-पद (केसरियाजी)	भीमराज (१९५२)	रा.	३३–३४
२०	जिन-पद	कीरतभांण	हि.	३४
२१	सम्मेतशिखर-पद	प्रेमरुचि	रा.	३५
२२	उपदेश-पद		हि.	३५
२३	सम्मेतशिखर-पद	भीमराज (१९५२)	रा.	३५–३६
२४	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-पद (जेसलमेर)	जिनचन्द्रसूरि	रा.	३७
२५	आदिनाथ-पद	मोहनविजय	रा.	३८–३९
२६	पार्श्वनाथ-पद	बालचन्द	रा.	४०
२७	जिनकुशलसूरि-गीत	कविराज	रा.	४१–४२
२८	आदिनाथ-स्तवन (बीकानेर)	लालचन्द (१८३९ बीकानेर)	रा.	४२–४५
२९	शान्तिनाथ-पद	हीरधर्म	रा.	४५–४६
३०	डोकरी री बात		रा.	४७–४९ (अपूर्ण)

1380/816

१	जिन-पद	रत्नसुन्दर पाठक	रा.	११ (अपूर्ण)
२	जिन-पद		रा.	११ (अपूर्ण; १-१० तथा १२-१५ पत्र अप्राप्त)

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३	शत्रुंजय-आदिनाथ-स्तवन	विनयचन्द्र	रा.	१६–१९ (अपूर्ण)
४	जिन-पद	प्रेम	रा.	१९–२१
५	पार्श्वनाथ-पद		रा.	२१–२२
६	गौडी-पार्श्वनाथ-स्ववन	जिनभक्तिसूरि	रा.	२३–२५
७	चतुर्दशविद्या-श्लोक		सं.	२५
८	जिनकुशलसूरि-गीत	रत्नसुन्दर पाठक	रा.	२६–२७
९	,, ,,	कविराज	रा.	२७–२८
१०	महावीर-पद	(१८३९)	रा.	२८–२९
११	जिन-पद		रा.	२९ (अपूर्ण)
१२	जिन-पद	खुस्यालचन्द	रा.	३० (अपूर्ण)
१३	शत्रुंजय आदिनाथ-पद	रतनसुन्दर पाठक (१८६६)	रा.	३०–३२
१४	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनलाभसूरि	रा.	३२–३४
१५	जिन-पद		हि.	३४–३५
१६	अष्टापद तीर्थ-स्तवन	जिनसमुन्द्रसूरि शिष्य जिनचन्द्रसूरि	रा.	३५–३६
१७	नेमिनाथ-पद	चन्द्रविजय	रा.	३६
१८	चौवीस जिनादि-पद	अमृतधर्म	रा.	३७–३९
१९	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	३९–४०
२०	सम्मेतशिखर-पार्श्वनाथ-पद	खुस्यालचन्द	रा.	४०–४१
२१	गौडी-पार्श्वनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	४१–४२
२२	जिन-पद	सेवाराम	रा.	४२
२३	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	बनारसीदास	हि.	४३
२४	आदिनाथ-पद	राजविजय शिष्य श्रीविजय	रा.	४३–४५
२५	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन	समयरंग शिष्य गुणशेखर	रा.	४५–५१
२६	मंडोवर-पार्श्वनाथ-स्तवन	क्षमाकल्याण (१८६७ मंडोर राजाराम गिडिया द्वारा स्थापित)	रा.	५१–५३
२७	दादागुरु-गीत	जिनहर्षसूरि	रा.	५३
२८	महावीर-पद	जिनलाभसूरि	रा.	५३–५४
२९	उपदेश-पद		रा.	५४–५५
३०	गौडी-पार्श्वनाथ-स्तवन		रा.	५५

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३१	आदिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	५५-५६
३२	जिन-पद	खुश्यालराय	रा.	५६-५८
३३	उपदेश-पद		रा.	५७
३४	जिन-पद	राजसिंह	रा.	५७-५८
३५	आदिनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	५८-५९
३६	आदिनाथ-पद	जिनहर्षसूरि	रा.	५९-६०
३७	उपदेश-पद		हि.	६०-६१
३८	यु. जिनचन्द्रसूरि-गीत	रत्ननिधान	रा.	६१-६२
३९	कुंथुनाथ-स्तवन	आनन्दघन	रा.	६२-६५
४०	श्रेयांसनाथ-स्तवन	,,	रा.	६५-६७
४१	अजितनाथ-स्तवन	,,	रा.	६७-६९ (अपूर्ण)

1381/8169

१	जिन-पद	जिनहर्ष	रा.	९ वां (अपूर्ण)
२	जिन-पद	देवचन्द्र	रा.	९
३	पार्श्वनाथ-पद	हर्षचन्द्र	रा.	१०
४	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	१०-११
५	पार्श्वनाथ-पद	लालचन्द	रा.	११-१२
६	शान्तिनाथ-पद	समयसुन्दर	रा.	१२-१३
७	महावीर-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१३
८	उपदेश-पद	ज्ञानसार	रा.	१४-१५
९	नवपद-पद	लालचन्द	रा,	१५
१०	चन्द्रप्रभ-पद	जैत	रा.	१६
११	शत्रुंजय-आदिनाथ-पद	नयनविमल	रा.	१७-१८
१२	आदिनाथ-पद		रा.	१८
१३	दादागुरु-गीत	जिनमहेन्द्रसूरि	रा.	१८-१९
१४	गौडी-पार्श्वनाथ-पद	क्षमाकल्याण	रा.	२०-२१
१५	पार्श्वनाथ-पद	अनुपमचन्द शिष्य जिनलाभ	रा.	२१-२४

1382/8193

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	पार्श्वनाथ-पद (होरी)	क्षमाकल्याण	रा.	१(अपूर्ण)
२	नेमिनाथ-पद		रा.	१
३	नेमिनाथ-पद	चन्द	रा.	१–२
४	जिन-पद	चतुरकुशल	रा.	२
५	जिन-पद (होरी)	जिनलाभसूरि	रा.	२–३
६	मगसी-पार्श्वनाथ-पद	लालचन्द	रा.	३
७	नेमिनाथ-पद	रतन	रा.	३–४
८	अंतरीक-पार्श्वनाथ-पद	आनन्द	रा.	४
९	आदिनाथ-पद		रा.	४–५
१०	पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५–६
११	जिन-पद	जिनहर्ष	रा.	६–७
१२	विमलगिरि-पद	जिनराजसूरि	रा.	७
१३	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन	भावरत्न	रा.	८
१४	चोबीस जिन-पद	अमृतधर्म	रा.	८–१०
१५	जिन-पद	रूपचन्द	रा.	१०–११
१६	आदिनाथ-पद	साधुकीर्ति	रा.	११
१७	उपदेश-पद	समयसुन्दर	रा.	११–१२
१८	उपदेश-पद	,,	रा.	१२–१३
१९	सुविधिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	१३–१४
२०	पार्श्वनाथ-पद	चन्द	रा.	१४
२१	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	१४–१६
२२	नवकार-स्तवन	जिनगुणप्रभसूरि	रा.	१६–१८
२३	गौतम स्वामी-स्तवन	लावण्यसमय	रा.	१८–२०
२४	जिनकुशलसूरि-गीत	राज	रा.	२०
२५	जिनकुशलसूरि-गीत	गूंजर	रा.	२०–२१
२६	अजितनाथ-पद		रा.	२१
२७	संभवनाथ-पद	कनककीर्ति	रा.	२२
२८	चन्द्रप्रभ-पद		रा.	२२–२३
२९	अष्टापद-तीर्थ-पद	समयसुन्दर	रा.	२३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३०	जिन-पद		रा.	२४(अपूर्ण)
३२	सीमन्धर-पद		रा.	२४(अपूर्ण)

1383/8195

१	शत्रुंजय-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	५वां (अपूर्ण; पत्र ६-७-८ अप्राप्त)
२	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	६ (अपूर्ण)
३	पार्श्वनाथ-पद	कनककीर्ति	रा.	९
४	शान्तिनाथ-पद	रंगविजय (जिनरंगसूरि)	रा.	९–१०
५	अष्टापद-पद	समयसुन्दर	रा.	१०(अपूर्ण; पत्र ११–१५ अप्राप्त)
६	आदिनाथ-पद	वाचक यशोविजय	रा.	१६(अपूर्ण)
७	अजितनाथ-पद	,, ,,	रा.	१६–१७
८	जिन-पद	चुन्नी	रा.	१७–१८
९	चिन्तामणि-पार्श्वनाथ-पद	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१८–१९
१०	अनन्तनाथ-पद	हीरधर्म	रा.	१९–२०
११	नेमिनाथ-पद		रा.	२०
१२	नेमिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	२०–२१
१३	जिन-पद	चुन्नी	रा.	२१–२२
१४	सम्मेतशिखर-पद	हीर शिष्य जिनचन्द्रसूरि	रा.	२२–२३
१५	पार्श्वनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	२३–२४
१६	धुलेवा ऋषभदेव-पद	मोहनमुनि	रा.	२४–२५
१७	जिन-पद		रा.	२५
१८	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	२५
१९	सुमतिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	२५–२६
२०	नेमिनाथ-पद		रा.	२६–२७
२१	नेमिनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	२७
२२	नवपद-पद		रा.	२७–२८
२३	पार्श्वनाथ-पद	क्षमाकल्याण	रा.	२८

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२४	नेमिनाथ-पद	लालचन्द	रा.	२८–२६
२५	सम्मेतशिखर-पार्श्वनाथ-पद	अबीरचन्द	रा.	२९–३०
२६	महावीर-पद		रा.	३०
२७	शान्तिनाथ-पद	चुन्नी	रा.	३०–३१
२८	सुपार्श्वनाथ-पद	चन्द	रा.	३१
२९	जिन-पद	बालचन्द	रा.	३१–३२
३०	सिद्धाचल-पद	क्षमाकल्याण	रा.	३२–३३
३१	जिन-पद		रा.	३३–३४
३२	नेमिनाथ-पद		रा.	३४
३३	जिन-पद	चुन्नी	रा.	३४–३५
३४	आदिनाथ-पद	ज्ञानसार	रा.	३५–३६
३५	उपदेश-पद	आनन्दघन	रा.	३६
३६	जिन-पद		हि.	३६–३७
३७	महावीर-पद	चुन्नी	रा.	३७–३८
३८	महावीर-पद	न्यायसार	रा.	३८
३९	पार्श्वनाथ-पद	हीरधर्म	रा.	३८–३९
४०	चन्द्रप्रभ-पद	ऋद्धिशेखर (१९०८)	रा.	३९–४०
४१	अभिनन्दन-पद	जिनराजसूरि	रा.	४०–४१
४२	संभवनाथ-पद	,,	रा.	४१–४२
४३	आदिनाथ-पद	,,	रा.	४२
४४	चन्द्रप्रभ-पद	,,	रा.	४३

1384/8236

१	उपदेश-पद	चन्द	हि.	१
२	जिन-पद	,,	हि.	१–२
३	उपदेश-पद	,,	हि.	३–४
४	जिन-पद		हि.	४
५	नेमिनाथ-पद		हि.	४–५
६	महावीर-लावणी	चन्द	हि.	५
७	जिन-पद	,,	हि.	५–६

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
८	जिन-पद	,,	हि.	६–७
९	उपदेश-पद	बुध	हि.	७–८
१०	जिन-पद	,,	हि.	८
११	पंचपरमेष्ठि-पद	चन्द	हि.	८–९
१२	नेमिनाथ-पद	बखतराम	हि.	९–१०

1385/10191

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	जिन-पद	जिनहर्षसूरि	रा.	१
२	,,	जगतराम	हि.	१–२
३	,,		रा.	२
४	,,		हि.	२–३
५	चैत्यवन्दन-विधि		रा.	३–५
६	भवानी-स्तोत्र		रा.	५–६
७	साधुगुण-सज्झाय	चन्द्रभाण कवि (फतहपुर)	रा.	६–८
८	नेमिनाथ-पद		रा.	८
९	शान्तिनाथ-पद	लब्धिचन्द्रसूरि शिष्य लक्ष्मी-चन्द्रसूरि (१९५२)	रा.	८–९
१०	आदिनाथ-स्तुति	,,	रा.	९–१०
११	सिद्धाचल-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	१०–११
१२	ऋषभ-पद	साधुकीर्त्ति	रा.	११
१३	सिद्धाचल-स्तवन	क्षमारत्न (१८८३)	रा.	११–१२
१४	आदिनाथ-पद	ज्ञानसार	रा.	१२
१५	उपदेश-पद	आनन्दघन	रा.	१२–१३
१६	नवग्रह-स्तोत्र	भद्रबाहु	रा.	१३–१४
१७	नेमिनाथ-पद		रा.	१४

1386/10207

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	नवपद-स्तवन	लच्छ	हि.	१
२	सुमतिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	१–२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३	ऋषभजिन-पद	हरखचन्द	रा.	२
४	जिन-पद	जगतराम	हि.	२–३
५	शान्तिनाथ-पद	समयसुन्दर	रा.	३
६	आदिनाथ-पद	साधुकीर्त्ति	रा.	३
७	महावीर-पद	हरखचन्द	रा.	३–४
८	अंतरीक पार्श्वनाथ-पद	आनन्द	रा.	४
९	पार्श्वनाथ-पद	गुणविसाल	,,	४
१०	सिद्धाचल-पद	बालचन्द	,,	४–५
११	शान्तिनाथ-पद	रतनचन्द	रा.	५
१२	सुविधिनाथ-पद	,,	रा.	५–६
१३	नेमिनाथ-पद	,,	रा.	६–७
१४	जिन-पद	,,	रा.	७
१५	चन्द्रप्रभ-पद	जैत	रा.	७
१६	जिन-पद		रा.	८
१७	जिन-पद	दयादास	रा.	८
१८	शत्रुंजय-पद	नयनविमल	रा.	८–९
१९	जिन-पद	शिवचन्द	रा.	९
२०	महावीर-पद	लालचन्द	रा.	९
२१	पार्श्वनाथ-पद	चन्द	रा.	९–१०
२२	जिन-पद	जिनहर्षसूरि	रा.	१०
२३	जिन-पद	भाग्यउदय	रा.	१०
२४	धर्म-पद	रतनचन्द	रा.	१०
२५	जिन-पद (रेखता)	राजाराम	हि.	११
२६	जिन-पद ,,	नवल	हि.	११
२७	जिन-पद	सेवाराम	हि.	११
२८	चन्द्रप्रभ-पद	सत्यरत्न	रा.	१२
२९	नेमिनाथ-पद		रा.	१२
३०	ऋषभजिन-पद	आनन्दघन	रा.	१२–१३
३१	महावीर-पद	हरखचन्द	रा.	१३
३२	नेमिनाथ-पद	ज्ञानमन्दिर	रा.	१३–१४
३३	नेमिनाथ-पद	रूपचंद	हि.	१४
३४	नेमिनाथ-पद	चैनविजय	रा.	१४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३५	पार्श्वनाथ-पद		रा.	१४
३६	भरत-स्वाध्याय	कमलकीर्त्ति	रा.	१४–१५
३७	भरत-पद	द्यानत	हि.	१५
३८	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	१५
३९	उपदेश-पद	जिनदत्त	हि.	१५–१६
४०	,,	रतनचन्द	रा.	१६
४१	,,	,,	रा.	१६–१७
४२	,,	,,	रा.	१७
४३	नेमिनाथ-पद	चन्दविजय	रा.	१७
४४	उपदेश-पद	धर्मपाल	हि.	१७
४५	नेमिनाथ-पद	गजनन्द	हि.	१७–१८
४६	नेमिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	१८
४७	उपदेश-पद	रतननिधान	रा.	१८–१९
४८	जिन-पद	भूधर	हि.	१९
४९	जिन-पद	नवल	हि.	१६
५०	उपदेश-पद	द्यानत	हि.	१९–२०
५१	पार्श्वनाथ-पद		हि.पंजा०	२०
५२	वघरामंडन चौवीस जिन-पद	सुविधिसागर	रा.	२०
५३	उपदेश-पद	विश्वभूषण	हि.	२०
५४	उपदेश-पद	भूधर	हि.	२०
५५	पार्श्वनाथ-पद		हि.	२०–२१
५६	उपदेश-पद	भूधर	हि.	२१
५७	पार्श्वनाथ-पद		रा. पं०	२२
५८	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	२२
५९	जिन-पद	रंगविजय	रा.	२२
६०	सम्मेतशिखर-पद	वृंदावन साह	हि.	२२
६१	जिन-पद	जगराम	हि.	२२–२३
६२	जिन-पद		हि.	२३
६३	जिन-पद	गुण	रा.	२३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
		1387/10247		
२	सरस्वती-स्तुति		रा.	१–३(अपूर्ण; तीसरा पत्र अप्राप्त)
३	गणेश-स्तुति		रा.	३–४(अपूर्ण)
४	मणिभद्र-स्तुति	शिवकीर्त्ति मुनि शिष्य लक्ष्मीकीर्त्ति	रा.	४–५
५	दोहे		रा.	६–७(पत्र ८ से ९ अप्राप्त)
६	पंचतीर्थी जिन-स्तवन	लावण्यसमय	रा.	१०(अपूर्ण)
६	अम्बा माता रो गरबो		रा.	१०–१२
८	फूल अंगोछो		रा.	१२–१४
९	डाबी रो गीत	राजेन्द्रविजय	रा.	१४–१६
११	भवानी-छन्द		रा.	१८–२०
१२	सरस्वती-छन्द	पंचोली पंडित	रा.	२०–२१
१३	अम्बाजी रो गरवो		रा.	२२–२३
१४	मणिभद्र-छन्द	शिवकीर्त्ति मुनि	रा.	२४–२५
१५	गणेशजी री आरती		रा.	२५–२६
१६	गणेश-स्तुति		सं.	२६
१७	धवलधिंग-पार्श्वनाथ-स्तवन	प्रधानसागर	रा.	२७–२८
१८	मनमोहन-पार्श्वनाथ-स्तवन	,,	रा.	२८–३०
१९	माताजी रो छन्द	सारंग	रा.	३०–३४
२०	हराहुल रा दूहा (हरिसिंह व आल्हणसी-संवाद)		रा.	३५–३८ (ऐतिहासिक)
२१	दूहा		रा.	३९ (४० वां पत्र अप्राप्त)
२२	अयमत्ता री सज्झाय	लक्ष्मीकीर्त्ति	रा.	४१–४२ (अपूर्ण)
२३	जिन चैत्यवंदन		रा.	४२–४३ (अपूर्ण)
२४	सिखामण		रा.	४३–४४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२५	सुभाषित, मन्त्र-यन्त्र		रा.	४४–४५
२६	अम्बाजी री आरती		रा.	४६–४७
२७	पार्श्वनाथ-स्तवन	उदयरत्न	रा.	४७–४८
२८	गुरु-चेला संवाद रा दूहा		रा.	४८–५०
२९	आदिनाथ-स्तवन		रा.	५०–५१
३०	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	५१
३१	जिन-पद	रूपचन्द	हि.	५१
३२	शान्तिनाथ-पद	रूपचन्द	हि.	५१–५२
३३	पार्श्वनाथ-पद	राज	रा.	५२
३४	महावीर-पद		रा.	५३
३५	महावीर-स्तवन	ऋषभ	रा.	५४–५५
३६	सुभाषित कवित्तादि		हि.	५७–५८
३७	भवानी रो छन्द	पीथल मुनि	रा.	५९–६०
३८	अम्बिका-स्तोत्र		रा.	६१–६३
३९	अम्बाजी री आरती		रा.	६३–६४

1388/11326

१	श्रावक-इक्कीसी	रतनचन्द (अजमेर)	रा.	१
२	जिन-स्तवन	,,	रा.	१–२(३रा पत्र अप्राप्त)
३	जिन-स्तवन	,, (बडलू)	रा.	२–३
४	उपदेश-पद	,,	रा.	३
५	उपदेश-पद	,,	रा.	३
६	नेमिनाथ-स्तवन	,,	रा.	३
७	नेमिनाथ-स्तवन	,,	रा.	३
८	नेमिनाथ-स्तवन	,,	रा.	३–४
९	शान्तिनाथ-स्तवन	,,	रा.	४
१०	शान्तिनाथ-स्तवन	,,	रा.	४
११	पार्श्वनाथ-स्तवन	,, (१८७४ पाली)	रा.	४
१२	नेमिनाथ-स्ततन	,,	रा.	४–५
१३	सीमन्धर-स्तवन	,,	रा.	५

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१४	जिनवाणी-गीत	रतनचन्द	रा.	५
१५	वन्नाऋषि-सज्झाय	,,	रा.	५

1389/11399

१	राणकपुर-स्तवन	(१७१५)	रा.	१
२	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनहर्ष	रा.	१
३	मनमोहन पार्श्वनाथ-स्तवन	विमल वाचक	रा.	१
४	सिद्धचक्र-स्तुति	विनीतसागर (१७८८ बीकानेर)	रा.	१
५	पार्श्वनाथ-स्तवन	जिनराम	रा.	१
६	अरनाथ-स्तवन		रा.	१
७	पार्श्वनाथ-स्तवन	मेघ	रा.	२
८	सुविधिनाथ-स्तवन	यशविजय	रा.	२
९	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-स्तवन	उदय	रा.	२
१०	वीर-स्तवन	समयसुन्दर	रा.	२

1390/11510

१	भुद्रारासो		रा.	८–९ (अपूर्ण)
२	श्रावक के बारह व्रत		रा.	६–१४ (अपूर्ण १०–१२ पत्र अप्राप्त)
३	ऋषभदेव पारणक-स्तवन	साधुकीर्त्ति	रा.	१३
४	जिन-पद		रा.	१४
५	,, ,,		रा.	१४–१५
६	होरी-पद		रा.	१५
७	जिन-पद		रा.	१५
८	शंखेश्वर पार्श्वनाथ-पद	ज्ञानसार	रा.	१५–१६

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
९	नेमिनाथ-पद	जेचंद	रा.	१६
१०	पार्श्वनाथ-पद		रा.	१६
११	कृष्ण-पद	नन्दराम (१९४६)	रा.	१७
१२	लावणी		रा.	१७–१८ (अपूर्ण)
१३	मन भमरा-सज्झाय	महमूद	हि.	१९–२०
१४	धुलेवा-स्तवन	मूलचंद	रा.	२०–२१
१५	सोलह सती सज्झाय	उदयरत्न	रा.	२१–२२
१६	आदिनाथ-स्तवन		रा.	२३–२४
१७	क्रोध-सज्झाय	उदयरत्न	रा.	२४
१८	स्थूलिभद्र बारह मासा		रा.	२५–२६
१९	उपदेश-ढाल	जैतसी	रा.	२६–२७
२०	उपदेश-पद		रा.	२८–२९
२१	छिनाल कवित्त		रा.	२९
२२	दोहे		रा.	३०
२३	महावीर-पद	यशोविजय	रा.	३०
२४	शान्तिनाथ-स्तवन	गुणसागर	रा.	३१–३२
२५	शत्रुंजय-स्तवन	ज्ञानविमल	रा.	३२ (३३वां पत्र नहीं)
२६	चौवीस-जिन माता पिता नामादि-स्तवन	कमलविजय	रा.	३४–३६
२७	दशवैकालिक प्रथम अध्याय एवं मंगल पाठ		रा.	३७
२८	शीतलनाथ-लावणी		हि.	३७–३८
२९	नेमि-राजुल-लावणी		हि.	३८
३०	नेमिनाथ-बारह मासा		रा.	३९–४०
३१	ईसर-गोर की लावणी		हि.	४०–४१

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
३२	चौसठ माला की लावणी		हि.	४१–४२
३३	कलियुग की लावणी		हि.	४२(अपूर्ण)

1391/11573

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	सम्मेतशिखर तीर्थ-स्तवन	मोहनरुचि	रा.	१
२	चिन्तामणि पार्श्वनाथ-स्तवन		रा.	१
३	नेमिनाथ-स्तवन	हरखचन्द	रा.	२
४	जिन-पद	जगतराम	हि.	२–३
५	जिन-पद	"	हि.	३
६	आदिनाथ-पद		रा.	३
७	संभवनाथ-पद	राज	हि.	३
८	शादिनाथ-पद	हरखचन्द	रा.	३
९	पार्श्वनाथ-पद	"	रा.	३–४
१०	पार्श्वनाथ-पद	"	रा.	४
११	पार्श्वनाथ-पद	"	रा.	४
१२	हुंडी कोठी का-पद	"	रा.	४
१३	गार्श्वनाथ-पद		हि.	४
१४	पार्श्वनाथ-पद		हि.	४
१५	सम्मेतशिखर-छंद	(१७२५)	रा.	४–५
१६	नवकार-स्तवन	जिनगुणप्रभसूरि	रा.	५
१७	ढंढण ऋषि-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	५
१८	नवकार-स्तवन	पद्मराज	रा.	५–६
१९	नेमि-राजुल-गीत	जैतसागर	रा.	६
२०	छन्नु जिन-स्तवन	जिनचन्द्रसूरि	रा.	६–७
२१	चौवीस जिन-स्तवन	विनोदीलाल	रा.	७
२२	महावीर-जन्ममंगल-गीत	हरखचंद	रा.	७–१०

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
२३	मोक्ष-मार्ग-पेढी	वनारसीदास	रा.	१०–१२
२४	नववाडी-सज्झाय	जिनहर्ष	रा.	१२–१६
२५	चौवीस जिन अंतरकाल		रा.	१६
२६	जिन-पद	मोहनरुचि	रा.	
२७	नेमिनाथ-होरी	,,	रा.	

1392/11623

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१	धर्मनाथ-स्तवन	आनन्दघन	रा.	१
२	महावीर-स्तवन	उदयविजय शिष्य विजयसिंहसूरि	रा.	१
३	सुविधिनाथ-स्तवन	कवियण	रा.	१
४	अभिनन्दन-स्तवन		रा.	१
५	नेमिनाथ-स्तवन	उत्तमसागर	रा.	१–२
६	पार्श्वनाथ-स्तवन	न्यायविजय	रा.	२
७	आदिनाथ-स्तवन	तत्त्वहंस (१७८३)	रा.	२
८	शंखेश्वर-पार्श्वनाथ-स्तवन	शान्तिविजय	रा.	२
९	आदिनाथ-स्तवन	मोहनविजय	रा.	२–३
१०	शत्रुंजयतीर्थ-स्तवन	ज्ञानविमल	रा.	३
११	मंडुआ महावीर-स्तवन	लब्धिरुचि (१७११)	रा.	३
१२	पार्श्वनाथ-स्तवन	मोहनविजय	रा.	३
१३	शिक्षा-गीत		रा.	४
१४	अध्यात्म-गीत	यशोविजय	रा.	४
१५	आदिनाथ-स्तवन	,,	रा.	४
१६	अजितनाथ-स्तवन	,,	रा.	४
१७	पार्श्वनाथ-स्तवन	हरचंद	रा.	४
१८	चन्द्रप्रभ-स्तवन	प्रीतिचन्द	रा.	४

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक

1393/11788

२	महावीर-स्तवन		रा.	२
४	सीमन्धर स्वामी-स्तवन	जेठो	रा.	६
५	ऋषभदेव-स्तवन	जगन्नाथ	रा.	६
६	नेमजी रो धमाल	मेघराज शिष्य जगजीवन	रा.	६–८
७	शीतलनाथ-स्तवन	विजयानन्द (आनन्दविजय)	रा.	७
१०	नवपद-स्तवन	महानन्द मुनि	रा.	१९
११	राजीमती-सज्झाय	हरख मुनि	रा.	१६–२०
१२	राजीमती-सज्झाय	मोहनविजय	रा.	२०
१३	कृष्ण-पद	ब्रह्मानन्द	रा.	२०
१४	कृष्ण-पद	,,	रा.	२०
१५	कृष्ण-पद	,,	रा.	२०–२१
१६	उपदेश-पद	रूपचन्द	हि.	२१
१७	महावीर-स्तवन	समयसुन्दर	हि.	२१

1398/11556

१	प्रतिपदा-तिथि-स्तुति कुन्थुजिन	नयविमल	रा.	१
२	द्वितीया-तिथि-स्तुति पंचजिन	,,	रा.	१
३	तृतीया-तिथि-स्तुति	,,	रा.	१
४	चतुर्थी-तिथि-स्तुति	,,	रा.	१
५	पंचमी-तिथि-स्तुति	,,	रा.	१
६	षष्ठी-तिथि-स्तुति	,,	रा.	२
७	सप्तमी-तिथि-स्तुति	,,	रा.	२
८	अष्टमी-तिथि-स्तुति	,,	रा.	२
९	नवमी-तिथि-स्तुति	,,	रा.	२
१०	दशमी-तिथि-स्तुति	,,	रा.	२–३

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
११	एकादशी-तिथि-स्तुति	नयविमल	रा.	३
१२	द्वादशी ,, ,,	,,	रा.	३
१३	त्रयोदशी ,, ,,	,,	रा.	३
१४	चतुर्दशी ,, ,,	,,	रा.	३–४
१५	पूर्णिमा ,, ,,	,,	रा.	४
१६	अमावस्या ,, ,,	,,	रा.	४
१७	नेमिनाथ-स्तुति	ऋषभदास	रा.	४
१८	आदिनाथ-स्तुति	तत्वहंस	रा.	४–५
१९	दूज तिथि-स्तुति	लब्धिविजय	रा.	५
२०	पंचमी तिथि-स्तुति		सं.	५
२१	एकादशी तिथि-स्तुति	शिष्य गुणहर्ष	रा.	५
२२	स्नातस्या-स्तुति	बालचन्द्र	सं.	५
२३	सिद्धचक्र-स्तुति		रा.	५ (अपूर्ण)

1621/7678

१	चित्रसम्भूति-स्वाध्याय	राजहर्ष	रा.	३ (अपूर्ण)
२	बलदेव-स्वाध्याय	कवियण	रा.	३–४
३	शालिभद्र-स्वाध्याय		रा.	४
४	आत्मशिक्षा-स्वाध्याय	मुनिलावण्य	रा.	४
५	आत्मशिक्षा-स्वाध्याय	धरमसी	रा.	४–५
६	मृगापुत्र-स्वाध्याय	सेवक	रा.	५
७	शील-जखडी		रा.	५–६
८	आत्मप्रतिबोध-स्वाध्याय	लावण्यकीर्त्ति	रा.	६
९	जीवोपरि भमरा गीत	मुनिमाल	रा.	६–७
१०	आत्म सम्बोधन-गीत	पदमकुमार	रा.	७
११	मोह निवारण-स्वाध्याय	जिनराजसूरि	रा.	७
१२	"पारकी होड" स्वाध्याय	समयसुन्दर	रा.	७

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
१३	कायोपरि वैराग्य-गीत	रंगविजय (जिनरंगसूरि)	रा.	७–८ (प्रीतम तुझ मुझ ऊपरां गड–७)
१४	शील-जखडी		रा.	८
१५	शालिभद्र-स्वाध्याय	हर्षकुशलगणि	रा.	८
१६	सात-व्यसन-स्वाध्याय	क्षेमकुशल	रा.	८
१७	विजय सेठ-विजया सेठानी-स्वाध्याय	हर्षकीर्त्तिसूरि	रा.	८–९
१८	पंचेन्द्रिय-स्वाध्याय	गंगदास शिष्य लब्धि	रा.	९
१९	आत्म-प्रबोध-स्वाध्याय	कान्ह	रा.	९–१०
२०	राजुल-रथनेमि-स्वाध्याय	समयसुन्दर	रा.	१०
२१	अयमत्ता-स्वाध्याय	जिनहर्ष	रा.	१०
२२	आत्मशिक्षा-स्वाध्याय	चांपसी शिष्य जयरंग	रा.	१०–१०
२३	नेमि-राजीमति-स्वाध्याय	लाभहर्ष	रा	११
२४	इलातीपुत्र-स्वाध्याय	लब्धिविजय	रा.	११
२५	अरहन्नक ,,	समयसुन्दर	रा.	११
२६	आत्मशिक्षा-स्वाध्याय		रा.	११ (अपूर्ण)

1622/11529

१	जीव-काया-सज्झाय	सिद्धिविजय	रा.	१
२	औपदेशिक-सज्झाय	मेघविजय वाचक	रा.	१
३	औपदेशिक-सज्झाय	मेघविजय वाचक	रा.	१
४	पंचविषय-सज्झाय	लावण्यसमय	रा.	१
५	नेमि-राजुल-सज्झाय	जिनशान्तिसूरि	रा.	१
६	क्रोध-सज्झाय	भावसागर	रा.	२
७	मान-सज्झाय	,,	रा.	२
८	माया-सज्झाय	,,	रा.	२

क्रमांक	कृति-नाम	कर्त्ता	भाषा	पत्रांक
९	लोभ-सज्झाय	भावसागर	रा.	२
१०	हितोपदेश-सज्झाय	,,	रा.	२

1623/7505

१	नन्दिषेण-सज्झाय	मेरुविजय	रा.	१
२	धन्नामुनि-सज्झाय	श्रीदेव (आलणपुर)	रा.	१–२
३	मृगापुत्र-सज्झाय		रा.	२–३
४	मृगापुत्र-सज्झाय	सिंहविमल	रा.	३–५
५	स्थूलभद्र-सज्झाय	लक्ष्मीविजय शिष्य	रा.	५–६
६	सीतासती-सज्झाय	अमृतविजय	रा.	६ (अपूर्ण)

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, शाखा कार्यालय जयपुर, में संगृहीत पुरोहित हरिनारायणजी 'विद्याभूषण' के शोध-साहित्यिक पत्राचार सम्बन्धी फाइलों की सूची

[परिशिष्ट-३]

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक

विद्याभूषणजी को लिखे गये विभिन्न विद्वानों के पत्र—

१	श्री शुकदेवबिहारी मिश्र	लखनऊ	२	१४-११-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१९-१२-१९३६
	,,	,,	२	१५-५-१९१४
२	श्री पीताम्बरदास बर्थवाल	बनारस	६	२७-७-१९३४
	,,	,,	४	१८-१०-१९३४
	,,	,,	पोस्टकार्ड	४-६-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२६-५-१९३९
	,,	लखनऊ	१	२६-४-१९४०
	,,	,,	कविता-संग्रह,पृ. १	२-९-१९४०
३	श्रीरामदयाल नेवटिया	फतहपुर	३	१०-७-१९०२
	,,	,,	२	२०-७-१९०२
	,,	,,	३	—
	,,	,,	४	१२-८-१९०२
	,,	,,	२	२०-८-१९०२
	,,	,,	३	१४-१-१९०३
	,,	,,	३	१०-२-१९०३
	,,	,,	३	१५-३-१९०३
	,,	,,	३	२८-७-१९०४
	,,	,,	२	२१-४-१९०५
	,,	,,	३	१०-५-१९०५
	,,	,,	३	२-४-१९०७
	,,	,,	४	१०-१०-१९०७
	,,	,,	२	—
४	श्री रुद्रसिंह तोमर	रेवा	पोस्टकार्ड	१२-१-१९३०
	,,	,,	,,	१९-२-१९३१
	,,	दिल्ली	,,	१३-७-१९३२
	,,	,,	२	७-२-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	९-९-१९३७
५	श्री रघुवीरसिंह	सीतामऊ	४	१४-१-१९३७
	,,	,,	२	१७-१-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५	श्री रघुवीरसिंह	सीतामऊ	४	४-१०-१९३७
	,,	(पत्र की प्रतिलिपि)	४	—
	,,	सीतामऊ	२	१३-१०-१९३७
	,,	,,	४	२१-११-१९३७
	,,	,,	३	३१-१२-१९३७
	,,	,,	२	६-१-१९३८
	,,	,,	२	२९-१-१९३८
	,,	,,	१	७-२-१९३८
	,,	,,	४	१७-६-१९३८
	,,	,,	३	२५-६-१९३८
	,,	,,	२	१३-११-१९३८
	,,	,,	२	१९-११-१९३८
	,,	,,	२	२३-११-१९३८
	,,	,,	२	१८-६-१९४०
	,,	,,	३	१२-८-१९४०
	,,	,,	२	७-३-१९४४
	,,	,,	४	४-१०-१९३९
६	श्री रामजीवन नागर	बूंदी	पोस्टकार्ड	७-८-१९३१
	,,	,,	,,	२९-२-१९३२
	,,	,,	,,	४-३-१९३२
	,,	,,	कुल दस पृष्ठ	२३-३-१९३२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२५-४-१९३२
	,,	,,	,,	२४-४-१९३४
	,,	,,	,,	२६-७-१९३४
	,,	,,	१	३१-८-१९३५
	,,	,,	१	—
	,,	,,	पोस्टकार्ड	वि. सं. १९९१
	,,	,,	,,	१३-३-१९३५
	,,	,,	,,	३०-५-१९३५
	,,	,,	२	३०-६-१९३५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१४-७-१९३५
	,,	,,	,,	१६-८-१९३५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६	श्री रामजीवन नागर	बूंदी	पोस्टकार्ड	३-१०-१९३५
	,,	,,	,,	१४-२-१९३८
	,,	,,	,,	६-५-१९३६
	,,	,,	,,	२५-५-१९३६
	,,	,,	,,	२४-४-१९३६
	,,	,,	२	२६-९-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२३-६-१९३६
	,,	,,	,,	६-९-१९३७
	,,	,,	,,	१०-१२-१९३७
	,,	,,	,,	४-४-१९३८
	,,	,,	,,	१४-१२-१९३९
	,,	,,	२	१५-१-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१५-८-१९४०
	,,	,,	३	१२-९-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	४-१०-१९४१
	,,	,,	१	२८-१-१९४३
७	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	अधूरे पृष्ठ	११-१२-१९०१
	श्री कान्हलाल मुरारका	,,	१	१२-७-१९३४
	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	,,	१	१९-९-१९३४
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	२	२०-९-१९३४
	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	३	२२-९-१९३४
	पुरोहित हरिनारायण	जयपुर	२	७-१०-१९३४
	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	२	१५-१-१९३५
	,,	,,	३	७-३-१९३५
	,,	,,	१	१३-२-१९३५
	,,	,,	२	७-१२-१९३४
	,,	,,	३ (नकल)	२३-१२-१९३४
	,,	,,	२	२१-१२-१९३४
	,,	,,	२	१४-३-१९३५
	,,	,,	२	१३-३-१९३५
	,,	,,	२	२५-३-१९३५
	,,	,,	१	२७-३-१९३५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
७	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	१ जीर्ण	—
	श्री भगवतीप्रसाद	,,	१	—
	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	,,	२	१४-८-१९३६
	,,	,,	२	२६-९-१९३६
	,,	,,	१	२०-८-१९३६
	,,	,,	१	,,
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	४	२२-९-१९३६
	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	१	२२-९-१९३६
	,,	,,	२	३-५-१९३५
	,,	,,	२	२३-१०-१९३७
	,,	,,	२	३०-१०-१९३५
	,,	,,	१	२८-८-१९३५
	,,(पीछे पुरोहितजी का पत्र)	,,	१	६-६-१९३५
		,,	१	२२-६-१९३५
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	१	२१-११-१९३५
	,,	,,	३	१-११-१९३५
	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	२	१-७-१९३५
	,,	,,	१	८-७-१९३५
	,,	,,	१	९-७-१९३५
	,,	,,	१	१२-७-१९३५
	,,	,,	२	१५-७-१९३५
	,,	,,	२	२१-७-१९३५
	,,	,,	१	—
	,,	,,	१	३१-७-१९३५
	,,	,,	२	१६-८-१९३५
	,,	,,	१	२५-९-१९३५
	,,	,,	१	—
	,,	,,	२	१६-१०-१९३५
	,,	,,	२	१९-१-१९३७
	,,	,,	१	२७-३-१९३७
	,,	,,	२	५-६-१९३७
	,,	,,	६	१६-६-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
७	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	४	२५-६-१९३७
	,,	,,	६	२५-६-१९३७
	,,	,,	१	८-७-१९३७
	,,	,,	४	११-७-१९३७
	,,	,,	१	३०-७-१९३७
	,,	,,	४	२७-७-१९३७
	,,	,,	२	१४-८-१९३७
	,,	,,	१	२२-८-१९३७
	,,	,,	१	१-९-१९३७
	,,	,,	१	१३-९-१९३७
	,, (साथ में रसीद)	,,	३	१२-१-१९३८
	,,	,,	२	१०-२-१९३८
	,,	,,	२	१८-२-१९३८
	,, (साथ में पुस्तक सूची)	,,	२	२-३-१९३८
	,,	,,	२	३०-९-१९४९
	,,	पटियाला	पोस्टकार्ड	२७-१०-१९३८
	,,	कलकत्ता	३	३१-८-१९३६
	,,	,,	३	२७-८-१९३६
	,,	,,	१	२४-११-१९३५
	,,	,,	१	२८-११-१९३५
	,,	,,	२	१३-१२-१९३५
	,,	,,	१	१८-१-१९३६
	,,	,,	१	१८-१-१९३६
	,,	,,	२	२८-२-१९३६
	,,	,,	२	३०-५-१९३६
	,,	,,	२	९-६-१९३६
	,,	,,	२	२०-६-१९३६
	,,	,,	३	९-६-१९३६
	,,	,,	४	१७-६-१९३६
	,,	,,	६	४-७-१९३६
	,,	,,	१	७-९-१९३६
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	२	३-९-१९३६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का माम	स्थान	पृष्ट संख्यां	दिनांक
७	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	२	८-९-१९३६
	„ (पत्र की नकल)	„	पोस्टकार्ड	८-१०-१९३६
	„	„	पोस्टकार्ड	११-११-१९३६
	„	„	पोस्टकार्ड	१८-११-१९३६
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	२	२०-११-१९३६
	श्री रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	२	९-११-१९३७
	„	पटियाला	२	३-११-१९३७
	„ (पीछे पुरोहितजी का पत्र)	कलकत्ता	२	२२-११-१९३७
	„	कलकत्ता	२	६-१२-१९३७
	पुरोहित हरिनारायणजी की टिप्पणी	जयपुर	लिफाफा	२-६-१९३६
	„	जयपुर	लिफाफा	१३-६-१९३६
८	श्री परशुराम चतुर्वेदी	बलिया	४	२५-४-१९४०
	„	„	८	२-५-१९४०
	„	„	४	११-५-१९४०
	„	„	३	२८-६-१९४०
	„	„	४	१६-३-१९४२
	„	„	४	२६-३-१९४२
	„	„	पोस्टकार्ड	१३-४-१९४२
	„	„	६	१९-४-१९४२
१०	पण्डित रामकर्ण आसोपा	जोधपुर	पोस्टकार्ड	१५-२-१९२७
	„	„	„	२-२-१९३०
	„	„	„	४-५-१९३०
	„	„	„	२४-८-१९३०
	„	„	„	८-१-१९३४
	„	„	„	३-५-१९३४
	„	„	„	५-९-१९३५
	„	„	„	१८-१०-१९३९
	„	„	„	३०-२-१९४१
	„	„	„	२५-४-१९४२
	नागरी प्रचारिणी सभा	काशी	„	२-५ १९४२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
१०	पण्डित रामकर्ण आसोपा	जोधपुर	पोस्टकार्ड	६-७-१९४१
११	डा० भवानीशङ्कर याज्ञिक	नैनीताल	२	२६-६-१९४१
	,,	,,	२	९-७-१९४१
	,,	,,	४	१४-७-१९४१
	,,	,,	२	२२-७-१९४१
	,,	,,	२	३०-७-१९४१
	,,	,,	४	१०-८-१९४१
	,,	,,	२	२१-८-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२५-८-१९४१
	,,	,,	४	३-९-१९४१
	,,	,,	२	१०-१०-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१९-१०-१९४१
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	२	२२-१०-१९४१
	डा० भवानीशङ्कर याज्ञिक	नैनीताल	पोस्टकार्ड	८-११-१९४१
	,,	,,	,,	२८-१०-१९४१
	,,	,,	२	२४-११-१९४१
	,,	,,	२	२७-१-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-२-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२७-६-१९४२
	प. रामगोपाल शर्मा	जयपुर	२	२३-७-१९४२
	डा० भवानीशङ्कर याज्ञिक	नैनीताल	२	२९-४-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२७-६-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२४-९-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३-१०-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२७-१०-१९४२
१२	डा० मोतीलाल मेनारिया	उदयपुर	२	६-२-१९४१
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	१	२-४-१९३६
	डा० मोतीलाल मेनारिया	उदयपुर	२	१०-५-१९४०
	,,	,,	१	१३-३-१९३९
	,,	,,	१	२-६-१९३८
	,,	,,	४	१८-८-१९३८
	,,(पुरोहितजी की टिप्पणी पृष्ठ २)	,,	१	२९-८-१९३८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
१२	डा. मोतीलाल मेनारिया	उदयपुर	१	२३-६-१९३८
	,,	,,	१	१६-९-१९३८
	,,	,,	१	४-९-१९३८
	,,	,,	१	११-१०-१९३८
	,,	,,	१	२६-१०-१९३८
	,,	,,	१	१३-१०-१९३८
	,,	,,	१	६-१०-१९३८
	,,	,,	१	३०-११-१९३८
	,,	,,	१	२०-३-१९३९
	,,	,,	१	२५-४-१९३९
	,,	,,	१	११-४-१९३९
	,,	,,	१	१२-५-१९३९
	,,	,,	१	२०-११-१९४०
	,,	,,	१	४-११-१९४०
	,,	,,	२	१६-५-१९४०
	,,	,,	१	९-४-१९४०
	,,	,,	१	२३-३-१९४०
	,,	,,	२	१२-२-१९४०
	,,	,,	१	२९-१-१९४०
	,,	,,	१	१३-१२-१९४१
	,,	,,	२	१७-७-१९४१
	,,	,,	२	१५-४-१९४१
१३	श्री रामप्रताप पुरोहित व श्री प्रतापनारायण	जयपुर	२	२१-९-१९४८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१३-३-१९४८
	,,	,,	१	३-२-१९४८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२९-८-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	७-८-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२२-५-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२५-४-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२-१२-१९३७
	,,	,,	१	३०-८-१९२९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
१३	श्री रामप्रताप पुरोहित व श्री प्रतापनारायण	जयपुर	१	२-५-१९३२
	,,	,,	२	२१-१-१९०२
	,,	,,	१	१-४-१९०६
	,,	,,	२	९-६-१९०६
	,,	,,	३	१९-१-१९२५
	,,	,,	१	१६-६-१९२९
	,,	,,	१	१०-५-१९३०
	,,	,,	१	२२-६-१९३०
	,,	,,	१	—
	,,	,,	१	२७-७-१९३०
	,,	,,	२	१४-१०-१९३१
	,,	,,	१	६-११-१९३१
	,,	,,	१	२३-७-१९३१
	,,	,,	१	१६-१-१९३२
	,,	,,	२	—
१४	ठाकुर रामसिंह	बीकानेर	२	१७-६-१९३३
	,,	,,	१	१८-६-१९३३
	,,	,,	२	२७-८-१९३५
	,,	,,	२	१२-८-१९३७
	,,	,,	२	५-५-१९३५
	,,	,,	२	१४-१०-१९३३
	,,	,,	२	१६-११-१९३८
१५	श्री बालेश्वप्रसाद	इलाहाबाद	२	—
	,,	,,	२	२७-१०-१९१४
	,,	,,	४	४-१०-१९१४
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	४	—
	,,	,,	२	—
	श्री बालेश्वरप्रसाद	इलाहाबाद	१	—
१६	श्री रामनाथ ज्योतिषी	अयोध्या	२	१४-१-१९२५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	—
	,,	,,	१	३-१०-१९२६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
१६	श्री रामनाथ ज्योतिषी	अयोध्या	२	१३-१०-१९२६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१३-१२-१९२६
१८	श्री रामदेव चौखानी	अजमेर	२	६-१-१९३०
	श्री मंगलदास	जयपुर	१	आ.शु. १४,१९९२ वि.स.
	श्री रामदेव चौखानी	कलकत्ता	२	५-५-१९३५
	,,(साथ में पुरोहितजी का पत्र)	,,	२	८-१०-१९३५
	,,	मंडावा	पोस्टकार्ड	११-११-१९३५
	,,	,,	२	२१-११-१९३५
	,,	,,	२	२६-११-१९३५
	,,	,,	२	२७-११-१९३५
	,,	कलकत्ता	१	२८-११-१९३५
	,,	,,	२	२८-११-१९३५
	,,	,,	२	१७-१२-१९३५
	,,	,,	१	१८-१२-१९३५
	,,	माण्डावा	पोस्टकार्ड	३०-११-१९३५
	,,	कलकत्ता	१	७-१-१९३६
	,,	,,	२	२६-१-१९३६
	,,	पुष्करराज	१	—
	,,	कलकत्ता	३	१७-१-१९३६
	,,	,,	१	१८-१-१९३६
	,,	,,	३	२०-१-१९३६
	,,	,,	१	१०-२-१९३६
	,,	,,	२	१४-२-१९३६
	(एस. सिंह)	लखनऊ	१	१६-२-१९३६
	श्री रामदेव चौखानी	कलकत्ता	२	४-३-१९३६
	,,	,,	२	२०-३-१९३६
	,,	,,	७	२-४-१९३६
	,,	,,	४	११-४-१९३६
	,,	,,	२	१४-४-१९३६
	,,	दिल्ली	पोस्टकार्ड	५-५-१९३६
	,,	कलकत्ता	१	१२-५-१९३६
	,,	,,	१	३-६-१९३६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
१८	श्री रामदेव चौखानी	कलकत्ता	२	९-६-१९३६
	,,	,,	४	१२-६-१९३६
	,,	,,	२	६-८-१९३६
	,, (अखबार की कटिंग)	,,	४	१५-८-१९३६
	,,	,,	२	१३-१-१९३७
	,,	,,	२	१६-४-१९३७
	,,	मण्डावा	४	२२-४-१९३७
	,,	कलकत्ता	४	२४-४-१९३७
	,,	,,	१	१५-५-१९३७
	,,	,,	२	१९-६-१९३७
	,,	,,	२	२५-६-१९३७
	,,	,,	२	२३-६-१९३७
	,,	,,	२	१-७-१९३७
	,,	,,	२	२४.९-१९३७
	,,	,,	२	२५-११-१९३७
	,,	,,	२	२३-११-१९३८
	,,	,,	२	३१ १२-१९३९
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	२	८-८-१९३९
१८	श्री रामदेव चौखानी	कलकत्ता	१	३-८-१९३९
	,,	,,	१	६-९-१९३९
	,,	,,	१	२१-११-१९३९
	,,	कलकत्ता	३	२२-२-१९४०
	,,	,,	१	१-३-१९४०
	,,	,,	२	२७-४-१९४०
	,,	मण्डावा	पोस्टकार्ड	२८-३-१९४०
	,,	कलकत्ता	४	७-७-१९४१
	,,	,,	२	९-७-१९४१
	,,	,,	२	१५-७-१९४१
	,,	,,	२	२७-७-१९४१
	,,	,,	१	४-८-१९४१
	,,	,,	२	१५-१०-१९४१
	,,	,,	,,	१५-१०-१९४२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
१८	श्री रामदेव चौखानी	बनारस	१	२८-१-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-२-१९४२
	,,	,,	,,	४-४-१९४२
	,,	,,	२	१२-४-१९४२
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	४	२४-४-१९४२
	श्री रामदेव चौखानी	बनारस	१	१८-४-१९४२
	,,	दिल्ली	२	२५-१०-१९४२
	,,	बनारस	२	१७-९-१९४२
	,,	,,	२	२६-९-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	८-४-१९४३
	,,	,,	,,	८-५-१९४३
१९	श्री रविशङ्कर देराश्री	बनेड़ा	२	१८-१०-१९३९
	,,	,,	१	२४-११-१९३९
	,,	,,	२	७-४-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२५-८-१९४०
	,,	,,	,,	३०-१०-१९४४
२०	श्री पीताम्बरदास अर्जुन वारडे	पो. मीठी (सिन्ध)	४	१९-३-१९३९
	,, (भक्त मधाराम पर)	,,	८	—
	,,	,,	८	१३-९-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१३-१०-१९३९
	,,	,,	४	२४-१०-१९३९
	,,	,,	४	१८-३-१९४१
	,,	,,	४	२७-८-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३१-८-१९४१
२१	पं. झाबरमल शर्मा	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	१७-१०-१९२४
	,,	कलकत्ता	३	५-१२-१९२३
	,,(साथ में सूचीपत्र दो पृष्ठ)	आगरा	२	५-५-१९२५
	,,	कलकत्ता	२	१८-७-१९२५
	,,	दिल्ली	पोस्टकार्ड	१४-१०-१९२७
	,,	जसरापुर	,,	१५-४-१९३२
	,,	,,	२	२४-४-१९३२
	,,	,,	२	३०-४-१९३२
	,,	,,	१	२४-५-१९३२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२१	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	१०	—
	श्री विजयनारायण शर्मा	—	२	२-४-१९३२
	पं० झाबरमल शर्मा(साथ में अखबार का पृष्ठ)	जसरापुर	२	२०-१-१९३२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२१-१-१९३३
	,,	,,	,,	२८-३-१९३३
	,,	,,	,,	२०-४-१९३३
	,,	,,	,,	२६-५-१९३३
	,,	,,	२	२७-८-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२५-१-१९३५
	,,	,,	२	१०-९-१९३५
	,,	,,	२	१४-१०-१९३५
	,,	,,	१	३१-१२-१९३५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२-६-१९३२
	,,	,,	,,	१६-६-१९३६
	,,	,,	२	८-२-१९३६
	,,	,,	२	१५-४-१९३६
	ठा. किशोरसिंहजी	पटियाला	२	१-५-१९३६
	पं० झाबरमल शर्मा का (ठा० किशोरसिंह को पत्र)	जसरापुर	३	१०-५-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२२-६-१९३६
	,,	,,	२	४-७-१९३६
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	३	३-८-१९३६
	पं० झाबरमल शर्मा	जसरापुर	पोस्टकार्ड	१३-९-१९३६
	,,	,,	३	१८-४-१९३७
	,,		पोस्टकार्ड	१८-११-१९३९
	,,	,,	,,	४-३-१९४०
	,,	,,	,,	१९-३-१९४१
	,,	,,	२	८-६-१९४१
	,,	,,	२	२०-७-१९४१
	,,	,,	१	२२-११-१९४१
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	२	३०-११-१९४१
	पं० झाबरमल शर्मा	जसरापुर	पोस्टकार्ड	७-३-१९४३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२१	पं० झाबरमल शर्मा	जसरापुर	२	७-३-१९३७
	,,	,,	२	१४-३-१९३७
	,,(फरमान उर्दू एवं हिन्दी)	,,	२	—
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३०-१०-१९३२
	,,	,,	,,	३०-५-१९४४
	,,	,,	,,	३१-१०-१९४३
	,,	,,	२	१७-११-१९४५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१९-११-१९४५
	,,	,,	,,	२५-११-१९४५
	,,	,,	,,	दीपावली १९४४
	,,	,,	१	२४-११-१९३४
	,,	,,	२	२४-४-१९३७
	श्री अग्निप्रसाद पौद्दार	कानपुर	२	९-६-१९४४
२२	श्री जगन्नाथदास रत्नाकर	बनारस	२	५-८-१९३७
	,,	,,	२	८-८-१९३७
२४	श्री प्रद्युम्नसिंह (पृष्ठ एक जवाबी)	खैरागढ	३	१९-८-१९३२
	,,	,,	४	२८-८-१९३२
	,, (लालचन्द्रादित्य-जन्मकुण्डली)	,,	२	—
	,, (माधवचन्द्र पुरोहित)	,,	१	२०-१०-१९३२
	,, (लालचन्द्रादित्य-जन्मकुण्डली)	,,	२	—
	,,	,,	पोस्टकार्ड	४-१०-१९३२
	,,	,,	४	३-१०-१९३२
	,,	,,	४	२५-११-१९३२
	,,	,,	४	१२-१-१९३३
	,,	,,	४	११-२-१९३३
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	६	५-३-१९३३
	श्री प्रद्युम्नसिंह	खैरागढ	४	५-३-१९३३
२५	श्री रामनरेश त्रिपाठी	प्रयाग	३	१०-११-१९२३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१७-४-१९२४
	,,	,,	,,	१२-८-१९२४
	,,	,,	,,	१९-९-१९२४
	,,	,,	४	१०-२-१९२७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२५	श्री रामनरेश त्रिपाठी	प्रयाग	२	११-१०-१९४७
	,,	बम्बई	२	१२-११-१९२७
	,,	प्रयाग	२	२८-१-१९२७
	,,	अजमेर	पोस्टकार्ड	२८-११-१९२७
	,,	प्रयाग	२	२४-१२-१९२७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	७-३-१९२८
	,,	,,	,,	१६-३-१९२८
	,,	,,	,,	१६-४-१९२८
	,,	,,	,,	२७-४-१९२८
	,,	,,	२	२१-५-१९३७
	,,	,,	२	२७-८-१९४०
	,,	बनारस	१	३-९-१९४०
	,,	,,	२	१५-९-१९४०
	,,	प्रयाग	२	२६-९-१९४०
	,,	बम्बई	पोस्टकार्ड	२०-१०-१९४५
२६	श्री पी. के. गोडे	पूना	पोस्टकार्ड	२७-१०-१९३२
	,, (साथ में रसीद कं०)	,,	२	३-९-१९३८
	,,	,,	२	३१-१२-१९३९
	,,	,,	२	२९-५-१९४१
	,,	,,	४	१३-१०-१९४१
	,,	,,	१	२-१२-१९४१
	,,	,,	२	७-१२-१९४१
	,,	,,	१	२३-१-१९४२
	,,	,,	१	२२-४-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३०-१०-१९४२
	,,	,,	२	३-५-१९४३
	,,	,,	२	१९-५-१९४३
	,,	,,	१	१०-६-१९४३
	,,	,,	१	२२-६-१९४३
	,,	,,	३	२९-६-१९४३
	,,	,,	२	११-९-१९४४
	,,	,,		१८-९-१९४४
	,, (रसीद)	,,	१	

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठं संख्या	दिनांक
२६	श्री पी. के. गोडे	पूना	२	१९-९-१९४४
	,,	,,	१	१४=१०-१९४४
	,, (रसीद पत्र)	,,	३	२५-१०-१९४४
	,,	,,	३	२६-१०-१९४४
	,, (Bombay Journal)	,,	५	६-८-१९४१
२७	श्री पूषाराम जोशी	वडाषली	पोस्टकार्ड	१९-७-१९४४
	,,	सोजत	,,	१-१२-१९२९
	,,	वडाषली	,,	१६-४-१९२९
	,,	,,	,,	२९-४-१९२९
	,,	,,	,,	२७-३-१९२९
	,,	,,	,,	१४-५-१९२९
	,,	,,	,,	६-९-१९३९
	,,	,,	,,	१३-१२-१९२८
	,,	,,	,,	२-८-१९२८
	,,	जंगीपुर	पोस्टकार्ड	२९-१२-१९२८
	,,	,,	,,	१०-१२-१९२७
	,,	,,	,,	६-२-१९२७
	,,	,,	,,	२७-९-१९४६
	,,	किशनगढ़	,,	९-५-१९४५
	,,	वडाषली	,,	२६-१०-१९४१
	,,	जयपुर	,,	२०.९-१९४६
	,,	,,	,,	६-११-१९४४
	,,	पिलानी	,,	९-५-१९३९
	,,	गोरखपुर	,,	२४-८-१९३७
	,,	जयपुर	,,	३०-१०-१९४६
	,,	लाखेरी	,,	५-४-१९४८
	,,	,,	,,	२९-४-१९४८
	,,	दिल्ली	,,	१८-४-१९३९
	,,	,,	,,	२-९-१९३९
	,,	वड़ाषली	२	१५-८-१९४४
	,, मीरां का भजन, मीरां के मंदिर के सम्बन्ध में)	,,	६	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२७	श्री पूषाराम जोशी (पद्य में)	वडाषली	४	—
	,, (साथ में रसीद)	,,	पोस्टकार्ड	१८-१२-१९४५
	,,	,,	२	—
	,,	मेड़ता	४	१०-१-१९३३
	,,	वडाषली	१	चैत्र ११, १९९३ वि.सं.
	,,	जंगीपुर	२	१९-१-१९३०
	,,	,,	२	५-२-१९३०
	,,	,,	२	१०-३-१९२२
	,,	वडाषली	२	१०-१०-१९२७
	,,	जंगीपुर	२	१४-१-१९३०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२७-१०-१९३०
	,,	,,	४	१-९-१९३०
	,,	वडाषली	पोस्टकार्ड	१६-११-१९३०
	,,	,,	,,	२४-११-१९३१
	,,	,,	,,	२-११-१९३२
	,, (साथ में पु.ह ना.का पत्र)	,,	,,	९-४-१९३२
	,,	,,	२	१-१२-१९३२
	,,	जंगीपुर	पोस्टकार्ड	१७-२-१९३४
	,,	,,	,,	२६-८-१९३३
	,,	मुर्शिदावाद	,,	१३-२-१९३३
	,,	वंडाषली	,,	२७-७-१९३३
	,,	,,	,,	१६-४-१९३३
	,,	,,	,,	१६-५-१९३५
	,,	,,	,,	१७-७-१९३५
	,,	,,	,,	२-४-१९३५
	,,	,,	,,	२४-१०-१९३५
	,,	,,	,,	१-१०-१९३५
	,,	,,	,,	२१-४-१९३६
	,,	,,	,,	१९-१-१९३६
	,,	,,	,,	६-३-१९३६
	,,	,,	,,	२७-४-१९३६
	,,	,,	२	१६-७-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२७	श्री पूषाराम जोशी	वडापली	पोस्टकार्ड	३०-१०-१९३५
	,,	,,	,,	२७-१०-१९३५
	,,	,,	१	११-८-१९३७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	६-८-१९३७
	,,	,,	२	३-५-१९३८
	,,	,,	२	—
	,,	,,	पोस्टकार्ड	७-६-१९३८
	,,	,,	,,	१४-३-१९३९
	,,	,,	१	१२-८-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२७-१०-१९३९
	,,	,,	,,	१८-११-१९३९
	,,	,,	,,	१६-७-१९४१
	,,	,,	,,	४-११-१९४०
	,,	,,	,,	१३-११-१९४२
	,,	,,	,,	१६-९-१९४२
	,,	,,	,,	२५-९-१९४२
	,,	मेड़ता सिटी	१	३-८-१९४१
	,,	अन्धेरी	२	३१-८-१९४४
	,,	वडापली	पोस्टकार्ड	२८-१२-१९४३
	,,	,,	,,	२८-५-१९४४
	,,	,,	,,	२०-६-१९४४
	,,	,,	,,	८-६-१९४४
	,,	,,	,,	१६-९-१९४४
	,,	,,	,,	२९-४-१९४५
	,, (साथ में प्रिंटेड पत्र)	,,	,,	९-११-१९४५
२९	श्री जगदीशसिंह गहलोत	जोधपुर	४	५-११-१९३०
	,,	,,	५	१२-१२-१९३०
	,,	,,	३	—
	,,	,,	२	२८-७-१९३१
	,,	,,	६	२६-१-१९३१
	,, (साथ में प्रिंटेड २ पत्र)	,,	२	२६-५-१९३१
	,,	,,	३	२८-६-१९३१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२९	श्री जगदीशसिंह गहलोत	जोधपुर	६	१८-७-१९३१
	”	”	२	२०-११-१९३१
	”	”	१५	२२-११-१९३१
	”	”	५	६-११-१९३१
	”	”	पोस्टकार्ड	२४-१२-१९३०
	”	”	१०	११-२-१९३२
	”	”	११	२५-३-१९३२
	”	”	१	६-५-१९३२
	”	”	२	१६-५-१९३२
	”	”	१०	१५-५-१९३२
	”	”	४	९-७-१९३२
	”	”	२	२०-७-१९३२
	”	”	३	—
	”(साथ में चार पृष्ठ प्रिंटेड)	”	१	—
	”	”	३	८-२-१९३२
	”	”	१४	३-११-१९३२
	”	”	३	३०-५-१९३२
	”	”	पोस्टकार्ड	२५-१-१९३३
	”	”	८	९-२-१९३३
	”	”	१	१४-३-१९३३
	”	”	७	१०-५-१९३३
	”	”	१	१०-५-१९३३
	”	”	८	२६-३-१९३३
	”	”	४	२९-४-१९३३
	”	”	५	४-५-१९३३
	”	”	१२	४-५-१९३३
	”	”	३	९-८-१९३३
	”	”	१२	१७-१०-१९३३
	”	”	१४	—
	कविया श्री मुरारीदान	जयपुर	१	२१-२-१९३४
	श्री जगदीशसिंह गहलोत	जोधपुर	२	२०-२-१९३४
	”	”	५	१४-२-१९३४

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२९	श्री जगदीशसिंह गहलोत	जोधपुर	६	—
	,,	,,	४	२६-२-१९३४
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-४-१९३४
	,,	,,	९	२०-५-१९३४
	,,	,,	२	१६-४-१९३५
	,,	,,	९	४-६-१९३५
	,,	,,	२	१५-११-१९३५
	,,	,,	३	२७-११-१९३५
	,,	,,	४	२४-९-१९३५
	,,	,,	२	१४-२-१९३५
	,,	,,	४	८-३-१९३५
	,,	,,	५	१४-३-१९३५
	,,	,,	२	१९-९-१९३५
	,,	दिल्ली	पोस्टकार्ड	३-२-१९३६
	,,	जोधपुर	२	१७-२-१९३८
	,,	,,	१	८-९-१९३८
	,,	,,	१	—
	,,	,,	६	१६-१२-१९३८
	,,	,,	१५	२०-५-१९३९
	,,	,,	४	१२-७-१९३९
	,,	,,	३	२३-७-१९३९
	,,	जयपुर स्टेशन	२	२१-७-१९३०
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर सिटी	२	१५-७-१९३९
	श्री जगदीशसिंह गहलोत (प्रिंटेड पत्र)	—	३	—
	,,	जोधपुर	३	३०-८-१९३९
	,,	,,	४	२९-९-१९४०
	,,	,,	२	२८-६-१९४१
३०	श्री जे. एन. फरक्यूहर	दिल्ली	१	२५-१२-१९१७
	,,	उदयपुर	४	३-१-१९१८
	,,	,,	१	५-१-१९१८
	,,	कलकत्ता	२	१-२-१९३५
	,,	आक्सफोर्ड	४	२१-११-१९१८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३०	श्री जे. एन. फरक्यूहर	न्यूयार्क	२	१४-३-१६१९
३१	श्री जवाहरलाल जैन	नवलगढ़	१	२८-७-१६३७
	,,	,,	२	१२-८-१९३७
	,,	,,	२	१७-८-१९३७
	,,	,,	२	२७-८-१९३७
	,,	,,	३	७-११-१९३७
	,,	,,	२	३-२-१९३८
	,,	,,	२	३-५-१९३९
३२	श्री चिरंजीलाल असवाल	देओबन्द	पोस्टकार्ड	२७-११-१६४०
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	१	२७-११-१६४०
	श्री चिरंजीलाल असवाल	देओबन्द	१	२-१२-१६४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	११-१२-१९४०
	,,	,,	,,	२४-२-१९४१
	,,	,,	,,	२८-२-१९४१
३४	श्री चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	अजमेर	,,	३०-७-१९२०
	,,	,,	,,	७ १-१९२१
	,,	,,	,,	१७-२-१९२०
	,,	,,	१	२७-७-१६२०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	५-९-१६२०
	,,	,,	,,	१-३-१६२१
	,,	,,	,,	३-१२-१९२०
	,,	,,	,,	८-१-१९१९
	,,	,,	१	२-३-१९१९
	,,	,,	२	२४-११-१९२०
	,,	,,	१	—
	,,	आबू	२	१९-६-१९०६
	,, (दो पृष्ठ प्रिंटेड)	अजमेर	१	२४-१-१९२०
३५	श्री गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	,,	पोस्टकार्ड	१२-१-१९१९
	,,	,,	,,	१८-१-१९१९
	,,	,,	२	१७-४-१६२०
	,,	,,	२	१७-१-१६२१
	,,	अलवर	२	१६-१-१६१८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२५	श्री गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	अजमेर	२	२१-१-१९२१
	"	"	४	१०-९-१९२५
	"	"	१	२२-१२-१९२६
	"	"	३	२९-१-१९२७
	"	"	१	२५-३-१९२७
	"	"	२	२५-९-१९२७
	"	भरतपुर	पोस्टकार्ड	३१-३-१९२७
	"	अजमेर	"	२-४-१९२७
	"	"	"	१६-१०-१९२७
	"	"	"	२७-१०-१९२७
	"	"	१	२-१०-१९२७
	"	"	१	२३-११-१९२७
	"	"	पोस्टकार्ड	३-६-१९२८
	"	"	"	१४-७-१९२९
	"	"	२	२४-३-१९३६
	"	"	४	३०-३-१९३६
	"	"	१	२७-७-१९३६
	"	"	१	१०-४-१९३६
	"	"	२	२-११-१९३६
	"	"	२	६-११-१९३६
	" (साथ में एक अन्य पृष्ठ)	"	१	२१-२-१९३७
	" (एक पृष्ट दिल्ली के सम्बन्ध में)	"	२	२३-२-१९३७
	"	"	३	५-२-१९३७
	"	"	५	२६-२-१९३७
	"	"	पोस्टकार्ड	७-४-१९३७
	"	"	४	२३-१-१९३७
	"	"	३	१९-७-१९३७
	"	"	२	२८-७-१९३७
	"	"	२	२४-१०-१९३७
	"	"	४	९-१-१९३८
	"	"	पोस्टकार्ड	२१-३-१९३८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३५	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	२	२४-३-१९३८
	श्री गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	अजमेर	पोस्टकार्ड	२९-८-१९३८
	,,	,,	२	४-१०-१९३७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२९-१०-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१४-१०-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२१-१०-१९३९
	,, (साथ में एक सूची)	,,	पोस्टकार्ड	२९-११-१९३९
	,,	,,	५	२८-५-१९३९
	,,	,,	२	३०-७-१९३९
	,,	,,	३	२६-८-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२०-११-११४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१२-१२-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३०-१-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	६-२-१९४१
	,,	,,	३	१८-२-१९४१
	,,	अजमेर	पोस्टकार्ड	२६-३-१९२९
	,,	फीरोजपुर	पोस्टकार्ड	१८-४-१९२९
	,,	अजमेर	पोस्टकार्ड	२१-१२-१९३०
	,,	,,	२	६-१-१९२९
	,,	,,	१	९-१०-१९२९
	,,	,,	४	२८-२-१९३३
	,,	,,	१	२७-११-१९२७
	,,	,,	४	२०-११-१९३०
	,,	,,	२	३१-१-१९३१
	,,	,,	२	३१-१-१९३१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१६-९-१९३१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	९-३-१९२९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२४-८-१९३०
	,,	,,	२	९-४-१९३२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३-१०-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	८-५-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१-२-१९३३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३५	श्री गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	अजमेर	पोस्टकार्ड	११-१२-१९३
	,,	,,	,,	१२-११-१९३३
	,,	,,	,,	१४-१०-१९३३
	,,	,,	,,	१०-३-१९३३
	,,	,,	,,	२९-११-१९३३
	,,	,,	,,	२-७-१९३२
	,,	,,	,,	२४-७-१९३२
	,,	,,	,,	३-१-१९३४
	,,	,,	,,	१९-१-१९३४
	,,	,,	,,	२०-२-१९३४
	,,	,,	२	६-१-१९३४
	,,	,,	१	२६-५-१९३४
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	२	११-१-१९३५
	श्री गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	अजमेर	१	१३-१-१९३५
	,,	,,	२	३०-९-१९३५
	,,	,,	,,	१६-१०-१९३५
	,,	,,	,,	११-९-१९४१
	,,	,,	,,	१०-३-१९४१
	,,	,,	,,	११-३-१९४१
	,,	,,	४	३१-३-१९४१
	,,	रोहेड़ा	६	१५-३-१९४१
	,,	अजमेर	४	२१-८-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२७-१-१९४२
	,,	,,	,,	९-२-१९४२
	,,	रोहेड़ा	२	१-९-१९४३
	,,	अजमेर	पोस्टकार्ड	२-११-१९४२
	,,	,,	,,	२०-१२-१९४२
	,,	,,	,,	७-१-१९४३
	,,	,,	,,	२२-१-१९४४
	,,	,,	२	५-३-१९४४
	,,	रोहेड़ा	पोस्टकार्ड	२६-७-१९४४
	,,	,,	,,	२-९-१९४५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३६	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	२	१५-११-१९४४
	श्री गोपालसिंहजी रामसिंहजी	गनौद (काठियावाड़)	३	२०-११-१९३४
	,,	,,	३	१५-१०-१९३४
	,,	,,	६	—
	,,	,,	५	२९-८-१९३४
	,,	,,	५	३०-१०-१९३४
	,,	,,	७	२-९-१९३४
	,,	,,	६	२३-१-१९३५
	,,	,,	८	१०-१-१९३५
	,, (साथ में नूतन-संवत्सर)	,,	२	कार्तिक शुक्ल १ सवत् १९९२
	,,	,,	२	४-११-१९३६
	,,	,,	२	१०-४-१९३८
	,,	,,	२	१८-४-१९३८
	,,	,,	३	१-३-१९३८
	,,	,,	५	२-५-१९३९
	,,	,,	३	६-४-१९४१
	,,	,,	१०	९-४-१९४१
	,,	,,	२	२६-६-१९३५
	,,	,,	४	१२-४-१९३५
	,,	,,	२	२५-५-१९४१
	,,	,,	९	६-७-१९३७
	,,	,,	६	१६-५-१९३८
	,,	,,	६	१-६-१९३८
	,,	,,	७	१४-६-१९३७
	,,	,,	२	१-७-१९३८
	,,	,,	८	२-१-१९३८
	,,	,,	२	२६-७-१९४०
	,,	,,	४	२०-३-१९४१
	,,	,,	२	२-४-१९३९
	,,	,,	३	२०-९-१९३६
	,,	,,	२	१५-१०-१९३६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३६	गोपालसिंहजी रार्मसिंहजी (दो पत्र)	गनौद	९	१६-१०-१९३५
	,,	,,	७	७-१०-१९३६
	,,	,,	४	२४-१२-१९३७
	,,	,,	३	२७-९-१९३७
	,,	,,	३	१४-१२-१९३७
	,,	,,	३	५-१२-१९३७
	,,	,,	३	११-१-१९३७
	,,	,,	३	२१-१-१९३७
	,,	,,	३	२८-३-१९३७
	,,	,,	२	१९-४-१९३७
	,,	,,	७	२५-६-१९३७
	,,	,,	५	२८-६-१९३७
	,,	,,	३	२०-७-१९३७
	,,	,,	५	२४-७-१९३७
	,,	,,	७	२२-८-१९३७
	,,	,,	३	१९-८-१९३७
	,,	,,	३	१०-९-१९३७
	,,	,,	३	१७-९-१९३७
	,,	,,	५	२६-१०-१९३७
	,,	,,	३	७-१०-१९३७
	,,	,,	४	४-१०-१९३७
	,,	,,	३	२-१०-१९३७
	,,	,,	२	२५-११-१९३७
	,,	,,	२	२४-११-१९३७
	,,	,,	२	१४-११-१९३७
	,,	,,	३	१२-१०-१९३७
	,,	,,	३	२०-११-१९३७
	,,	,,	४	६-११-१९३७
	,,	,,	५	५-११-१९३७
	,,	,,	४	१-११-१९३७
	,,	,,	४	१-१२-१९३७
	,,	,,	२	२०-१२-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३६	श्री गोपालसिंहजी रामसिंहजी	गनौद	३	२५-१२-१९३८
	,,	,,	२	७-११-१९३८
	,,	,,	३	३०-८-१९३८
	,,	,,	२	९-७-१९३८
	,,	,,	२	२८-७-१९३८
	,,	,,	२	११-५-१९३८
	,,	,,	३	५-३-१९३८
	,,	,,	२	२५-४-१९३८
	,,	,,	२	२९-३-१९३८
	,,	,,	१	महाशिवरात्रि वि. सं. १९९५
	,,	,,	४	१०-२-१९३८
	,,	,,	२	९-२-१९३९
	,,	,,	१	२४-१-१९३८
	,,	,,	२	२-१-१९३८
	,,	,,	३	१७-१-१९३८
	,,	,,	९	९-८-१९३९
	,,	,,	६	२५-८-१९३९
	,,	,,	३	२६-७-१९३९
	,,	,,	४	२८-८-१९३९
	,,	,,	३	१८-५-१९३९
	,,	,,	२	२६-४-१९३८
	,,	,,	१	२-४-१९३९
	,,	,,	४	३०-३-१९३९
	,,	,,	३	३०-१-१९३९
	,,	,,	५	२६-५-१९३९
	,,	,,	४	१४-१-१९३९
	,,	,,	३	३-१०-१९३९
	,,	,,	१	२०-९-१९३९
	,,	,,	३	१०-९-१९३९
	,,	,,	३	२०-३-१९४०
	,,	,,	२	१-३-१९४०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३६	श्री गोपालसिंहजी रामसिंहजी	गनौद	२	१३-४-१९४१
	,,	,,	२	४-५-१९४१
	,,	,,	१	२७-७-१९४१
	,,	,,	२	२७-६-१९४१
	,,	,,	२	१५-६-१९४१
	,,	,,	२	१२-५-१९४१
	,, (अन्य पत्रों के साथ)	,,	१७	—
३७	श्री कन्हैयालाल पोद्दार	मथुरा	४	आ. १३,१९९४
	,,	,,	२	—
	,,	,,	२	८-९-१९३७
	,,	,,	२	४-१२-१९३७
	,,	,,	३	२३-२-१९३३
	श्री रामनिवास पोद्दार	,,	१	—
	श्री कन्हैयालाल पोद्दार	,,	पोस्टकार्ड	१-५-१९३४
	,,	,,	२	२७-१०-१९३४
	,,	,,	१	मा.शु. १२,१९३४
	,,	,,	२	वै.कृ. ६,१९९८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	ज्ये.शु. १,२०००
	,,	,,	२	चै.शु. ९,१९९१
	,,	,,	३	२-४-१९३४
	,,	,,	२	९-११-१९३४
	,,	,,	१	१-१२-१९३४
	,,	,,	२	११-१२-१९३४
	,,	,,	२	२६-२-१९३५
	,,	,,	२	५-१०-१९३५
	,,	,,	२	११-११-१९३७
	,,	,,	१	२-२-१९३८
	,,	,,	२	११-३-१९३८
	,,	,,	१	८-१०-१९३८
	,,	,,	२	७-११-१९३८
	,,	,,	२	२४-११-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	चै.शु. ११,१९९७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३७	कन्हैयालाल पोद्दार	मथुरा	पोस्टकार्ड	चै.कृ. १०,१९९६
	,,	,,	२	३-४-१९४०
	,,	,,	२	चै.शु. १३,१९९७
	,,	,,	२	१७-४-१९४०
	,,	,,	२	२७-१-१९४१
	,,	,,	२	२७-१-१९४१
	,,	,,	२	११-४-१९४०
	,,	,,	२	१४-४-१९४४
३८	श्री जैतसिंह (खेतसिंह)	कलोल	४	७-११-१९३९
	,,	मुढेरा	२२	२३-३-१९४०
	,,	,,	४	२२-५-१९४०
	,,	वड़स्मा	४	२५-७-१९४०
	,,	मुढेरा	पोस्टकार्ड	२-७-१९४०
	,,	,,	१८	२५-८-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३-११-१९४०
	,, (एक पृष्ठ सूची)	,,	८	२६-११-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१७-११-१९४०
	,,	,,	,,	११-२-१९४१
	,,	,,	,,	१३-१२-१९४१
	,,	,,	,,	१-१०-१९४०
	श्री खेतसिंह नारायणजी मिश्र	,,	,,	३-२-१९४२
	,,	,,	२	१५-९-१९४४
	,,	,,	२	१२-८-१९४४
	,,	,,	२	२५-८-१९४४
	श्री मंजुलाल मजमूदार	बड़ौदा	२	२२-८-१९४४
	श्री खेतसिंह नारायणजी मिश्र	मुढेरा	४	१-१-१९४४
	,,	,,	६	१२-८-१९४४
	,,	,,	४	३०-३-१९४४
	,,	,,	४	२४-११-१९४२
	,,	,,	४	७-४-१९४३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१४-११-१९४३
	,,	,,	१	१४-३-१९४३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३८	श्री खेतसिंह नारायणजी मिश्र	मुढेरा	४	२-११-१९४३
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	२	१२-६-१९४३
३६	श्री अम्बिकाप्रसाद गुप्त	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	१६-२-१९१५
	,,	,,	,,	११-३-१९१५
	,,	,,	,,	१३-१०-१९१५
	,,	,,	१	२७-११-१९१५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१२-१२-१९१५
	,,	,,	,,	१५-१-१९१६
४०	श्री अनन्तनाथ वसु	शान्तिनिकेतन	पोस्टकार्ड	२०-७-१९२७
	,,	,,	,,	२१-१-१९२८
	,,	,,	,,	१७-११-१९२८
	,,	,,	१	२७-६-१२९८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१५-८-१९२८
	,,	,,	,,	२७-९-१९२८
	,,	,,	,,	१९-१२-१९२८
	,,	,,	१	१७-९-१९२९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३१-७-१९२९
	,,	,,	,,	४-१०-१९२९
	,,	,,	,,	७-११-१९२९
	,,	,,	,,	१८-१२-१९२९
४१(अ)	श्री सीताराम लालस	जोधपुर	२	२४-११-१९३१
	,,	,,	२	१७-१२-१९३१
	,,	,,	२	२८-११-१९३१
	,,	,,	५	६-१२-१९४४
	,, (माघजी के दोहे)	,,	२	—
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	४	९-१२-१९३१
	श्री सीताराम लालस	जोधपुर	पोस्टकार्ड	२०-१२-१९३१
	,,	,,	६	१६-१२-१९३१
	,,	,,	४	२६-१२-१९३१
	,,	,,	४	३१-१२-१९३१
	,,	,,	२	४-३-१९३२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	९-१-१९३२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४१(अ)	श्री सीताराम लालस (साथ में नकल किशोरसिंह के पत्र की)	जोधपुर	५	८-१-१९३२
	,,	,,	७	१८-१-१९३२
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	६	२३-१-१९३२
	श्री सीताराम लालस	जोधपुर	पोस्टकार्ड	२३-१-१९३२
	,,	,,	१२	२४-१-१९३२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१४-३-१९३२
	,,	,,	८	१९-२-१९३२
	,,	,,	३	२-३-१९३५
	,,	,,	४	३-८-१९३२
	,,	,,	४	१०-३-१९३४
	,,	,,	२	११-१२-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१२-१०-१९३४
	,,	,,	,,	९-२-१९३४
	,,	,,	२	४-४-१९३२
	,,	,,	४	३०-६-१९३७
	,,	सरवड़ी	पोस्टकार्ड	२५-२-१९३२
	,,	जोधपुर	,,	६-९-१९३७
	,,	,,	२	१३-४-१९४१
	,,	नावा	३	१५-३-१९४१
	,,	,,	२	१५-१-१९४१
	,,	,,	३	२४-१-१९४१
	,,	,,	२	२१-२-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	७-२-१९४१
	,,	बिलाड़ा	४	८-१०-१९३२
	,,	जोधपुर	७	८-२-१९३२
	,, (बांकीदास के गीत से)	,,	४	—
	,,	बिलाड़ा	२	४-५-१९३८
	,,	,,	४	—
	,,	,,	४	२३-११-१९३९
	,,	,,	२	२५-४-१९३९
	,,	जोधपुर	२	३-४-१९३५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४१(अ)	श्री सीताराम लालस	जोधपुर	२	१८-४-१९३४
	,, (वीरमायण)	,,	९	—
४१(ब)	श्री सुन्दरराय शर्मा	जयपुर	पोस्टकार्ड	फा.शु. १०,१९९४
	श्री सत्यनारायण	मेड़ता	,,	३०-४-१९४२
	श्री सीताराम लालस	जोधपुर	,,	११-१२-१९३१
	,,	,,	,,	२०-४-१९३२
	,,	,,	,,	१-४-१९३५
	,,	,,	,,	५-१-१९३५
	,,	,,	,,	१७-१२-१९३४
	,,	,,	,,	२२-११-१९३४
	,,	,,	,,	१४-११-१९३७
	,,	,,	,,	२२-१२-१९३७
	,,	,,	,,	२७-१२-१९३७
	,,	,,	,,	९-१-१९३८
	,,	,,	,,	४-१-१९४२
	,, (निमन्त्रण-पत्र)	चन्दौसी	,,	४-३-१९४४
	,,	जोधपुर	,,	२९-३-१९३२
	,,	,,	,,	२१-३-१९३२
	,,	नावा	,,	३-१२-१९४०
	,,	,,	,,	२६-११-१९४०
	,,	बिलाड़ा	,,	१९-१०-१९३४
	,,	,,	,,	१६-२-१९३९
	,,	,,	,,	१२-१२-१९३८
	,,	,,	,,	३१-१-१९३९
	,,	मथानिया	,,	२३-२-१९४२
	,,	नावा	,,	२९-१२-१९४०
	,,	जोधपुर	८	८-४-१९३२
	,,	,,	८	२३ फा. १९८८
	,,	सरवड़ी	३	२६-५-१९३२
	,,	जोधपुर	८	१४-११-१९३२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२५-२-१९३३
	,,	,,	,,	८-३-१९३३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४१(ब)	श्री सीताराम लालस	जोधपुर	३	२-५-१९३३
	,,	,,	२	८-५-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-३-१९३३
	,,	,,	२	९-७-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	८-८-१९३३
	,,	,,	,,	२३-७-१९३६
	,,	,,	,,	१५-९-१९३३
	,,	,,	३	६-१०-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२४-१०-१९३३
	,,	,,	२	२८-४-१९३४
	,,	,,	४	१-७-१९३४
	,,	,,	२	२७-१०-१९३४
	,,	,,	४	५-२-१९३७
	,,	,,	१	१५-२-१९३७
	,,	,,	४	१७-८-१९३७
	,,	,,	४	२२-८-१९३७
	,,	,,	६	७-१२-१९३७
	,,	,,	४	४-४-१९३८
	,,	बिलाड़ा	२	१८-८-१९३८
	,,	,,	५	३०-१०-१९३८
	,,	,,	२	१५-११-१९३९
	,,	गारासणी	१	२२-५-१९३९
	,,	जोधपुर	२	१७-८-१९३९
	,,	,,	३	१३-८-१९३६
	,,	बिलाड़ा	३	२-९-१९३९
	,,	,,	२	१९-९-१९३९
	,,	,,	१	२३-३-१९४०
	श्री धनसिंह लालस	जोधपुर	२	६-५-१९४०
	श्री सीताराम लालस	,,	४	१८-५-१९४०
	,,	नावा	२	५-१-१९४१
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	१	२८-३-१९४१
	श्री सीताराम लालस	नावा	४	२६-३-१९४१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४१(ब)	श्री सीताराम लालस	नावा	६	४-५-१९४१
	,,	जोधपुर	२	३०-५-१९४१
	,,	,,	४	२६-६-१९४१
	,,	मथाणिया	३	१०-८-१९४१
	,,	,,	६	२८-१२-१९४१
	,,	,,	४	१-२-१९४२
	,,	,,	२	२७-८-१९४३
	,,	जोधपुर	३	२९-१०-१९४३
	,,	मथाणिया	पोस्टकार्ड	२-११-१९४३
	,,	,,	१	१८-२-१९४३
	,,	जोधपुर	१	३-५-१९४६
	,,	,,	१	७-४-१९४८
	,,	,,	२	—
४२	श्री लज्जाराम	बम्बई	पोस्टकार्ड	४-७-१९०१
	,,	,,	,,	१६-८-१९०१
	,,	,,	२	१९-८-१९०१
	,,	,,	३	२७-९-१९०१
	,,	,,	२	६-१-१९०२
	,,	,,	२	१४-११-१९०२
	,,	,,	२	१६-११-१९०२
	,,	,,	३	१९-११-१९०३
	,,	,,	३	४-२-१९०३
	,,	,,	२	२१-२-१९०३
	,,	बम्बई	२	१-३-१९०३
	,,	बूँदी	पोस्टकार्ड	२५-३-१९०५
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	३	२७-११-१९१३
	श्री लज्जाराम	बूँदी	पोस्टकार्ड	२२-७-१९१५
	,,	,,	,,	२२-१०-१९१५
	,,	,,	,,	२५-१-१९१५
	,,	,,	१	२९-१-१९१५
	,,	,,	४	फा.शु. ९, १९७१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१९-११-१९१५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४२	श्री लज्जाराम	बूँदी	पोस्टकार्ड	१२-८-१९१५
	,,	,,	,,	१२-४-१९१५
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	२	३०-९-१९१६
	श्री लज्जाराम	बूँदी	पोस्टकार्ड	२८-३-१९१७
	,,	देवली	,,	३-१२-१९१८
	,,	,,	४	२३-११-१९१८
	,,	बूँदी	पोस्टकार्ड	२६-१२-१९१७
	,,	,,	,,	२६-१-१९१७
	,,	,,	२	३०-९-१९१५
	,,	देवली	पोस्टकार्ड	६-१-१९२५
	,,	,,	,,	५-५-१९२५
	,,	,,	,,	२८-६-१९२४
	,,	बूँदी	,,	२१-६-१९२९
	,,	,,	,,	२-७-१९२९
	,,	,,	,,	१७-७-१९२९
	,,	,,	,,	२७-७-१९२९
	,,	देवली	,,	१४-८-१९२४
	,,	बूँदी	,,	२-१०-१९२९
	,,	,,	,,	१२-६-१९२९
	,,	देवली	४	१०-६-१९२४
	,,	बूँदी	३	१५-९-१९२४
	,,	,,	४	२७-५-१९२९
	,,	,,	४	४-६-१९२९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२०-२-१९३०
	,,	,,	,,	२७-२-१९३०
	,,	,,	,,	६-३-१९३०
	,,	,,	२	१६-७-१९२५
	,,	,,	३	१३-५-१९२४
	,,	,,	४	श्रा.कृ. ८,१९७२
	,,	बम्बई	१	—
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	१	—
	श्री लज्जाराम (पीछें पु.ह.ना. का पत्र)	बम्बई	२	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४२	श्री लज्जाराम	बूँदी	२	—
	,,	,,	१	—
	,,	,,	२	१९०७
	,,	बम्बई	२	२२-७-१९०७
	,,(पु.हृ.ना. का साथ में नोट)	,,	पोस्टकार्ड	२९-१-१९३२
	श्री हरिसिंह राय)	जोधपुर	,,	१४-२-१९३२
	श्री लज्जाराम	बम्बई	२	२३-१२-१९०१
	,,	,,	२	१२-१२-१९०१
	,,	,,	२	११-६-१९०२
	,,	,,	२	२३-१-१९०२
४३	पं० हनुमान शर्मा	—	पोस्टकार्ड	११-२-१९३०
	,,	पुलगाँव	२	५-६-१९२९
	,,	जयपुर	२	मा.शु. १४, सं.१९६२
	,,	,,	२	श्रा.शु. १५, सं.१९६४
	,,	चौमूं	१	का.शु. ५, सं.१९८८
	,,	मुबारकमहल	२	२७-२-१९३१
	,,	चौमूं	पोस्टकार्ड	१४-३-१९३६
	,,	,,	१	चै.कृ.३,सं.१९९२
	,,	,,	१	१०-३-१९३५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	चै.शु.५,सं.१९९१
	,,	,,	१	१२-११-१९३४
	,,	,,	१	—
	,,	,,	१	मा.कृ.२,१९९३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	मा.कृ.१३,१९९३
	,,	,,	१	१-७-१९३६
	,,	,,	१	२६-७-१९३६
	,,	,,	१	३१-७-१९३६
	,,	,,	१	—
	,,	,,	१	—
	,,	,,	२	२५-८-१९३६
	,,	,,	२	८-८-१९३६
	,,	,,	१	आ.शु.६, १९९३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४३	पं० हनुमान शर्मा	चौमूं	२	भा.शु. ३,१९९३
	,,	,,	१	मा.शु. ५,१९९३
	,,	,,	१	८-८-१९३५
	,,	,,	१	१७-८-१९३६
	,,	,,	१	२-९-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२२-८-१९३६
	,,	,,	२	२६-६-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२५-८-१९३६
	,,	,,	१	१४-१०-१९३६
	,,	,,	१	श्रा.शु. ७ सं. १९९३
	,,	,,	१	—
	,,	,,	२	२३-८-१९३७
	,,	,,	१	३०-१०-१९३७
	,,	,,	१	२८-८-१९३९
	,,	,,	१	२३-३-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-११-१९३८
	,,	,,	२	३०-१०-१९३८
	,,	,,	१	मा.कृ. ५, सं.१९९५
	,,	,,	१	१२-७-१९३८
	,,	,,	२	श्रा. ११, सं. १९९८
	,,	,,	२	३-१२-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३-८-१९४२
	,,	,,	१	२२-८-१९४२
	,,	,,	२	ज्ये.कृ. ७, सं. २००२
	,, (तीन पत्र)	,,	३	विना दिनांक के
४४	श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार	रतनगढ	२	का.शु. १५, सं.१९८८
	,, (एक प्रिंटेड पत्र)	गोरखपुर	१	श्रा.कृ. १०, सं.१९९९
	,,	,,	२	२७-११-१९३४
	,,	,,	१	१७-१२-१९३४
	,,	,,	पोस्टकार्ड	११-४-१९३५
	,,	,,	,,	४-१-१९३५
	,,	,,	,,	२-६-१९३५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२४	श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार	गोरखपुर	१	२३-११-१९३५
	,,	,,	२	२८-११-१९३५
	,,	,,	१	२७-१-१९३५
	,,	,,	१	१-४-१९३६
	,,	,,	२	१३-३-१९३७
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	२	९-३-१९३७
	श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार	गोरखपुर	२	३-५-१९३७
	,,	,,	३	२३-४-१९३७
	,,	,,	१	२५-१२-१९३७
	,,	,,	१	९-४-१९३७
	,,	रतनगढ	१	११-१-१९३८
	,,	गोरखपुर	१	११-८-१९३८
	,, (प्रिंटेड)	,,	५	५-३-१९३६
	,,	,,	१	२५-८-१९३९
	,,	,,	२	२६-५-१९३९
	,, (प्रिंटेड)	,,	१	६-३-१९३७
	,,	रतनगढ	२	१८-५-१९४०
	,,	,,	१	२९-६-१९४०
	,,	,,	२	२-६-१९४०
	,,	,,	१	१९-४-१९४०
	,, (दो पृष्ठ साथ में प्रिंटेड)	दिल्ली	१	९-९-१९४२
	,, (प्रिंटेड)	गोरखपुर	६	७-२-१९४०
	,,	रतनगढ	१	५-८-१९४१
	,,	गोरखपुर	२	१९-४-१९३७
	,,	,,	१	२२-९-१९४६
२८	नागरी प्रचारिणी सभा के छपे हुए पत्र (श्री शिवप्रसाद मंत्री)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	१५-८-१९०५
	,, (श्री श्यामसुन्दर)	,,	१	५-१२-१९३१
	,, (श्री ब्रजरत्नदास)	,,	२	२४-५-१९२५
	,, (श्री लल्लीप्रसाद पांडेय)	,,	१	२-६-१९४१
	,,	,,	२	१-७-१९४१
	,,	,,	१	३-८-१९४१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२८	नागरी प्रचा. सभा के छपे हुए पत्र			
	,, (श्री लल्लीप्रसाद पांडेय)	बनारस सिटी	१	२५-१०-१९४१
	,,	,,	१	२५-११-१९४१
	,,	,,	१	१०-३-१९४२
	,, (श्री रामचन्द्र वर्मा)	,,	१	११ कार्तिक, १९९९
	,,	,,	२	११ चैत्र, २०००
	,,	,,	१	१८ फाल्गुण, २०००
	,,	,,	१	२७ माघ, २०००
	,,	,,	१	२० पौष, २०००
	,,	,,	१	१८ आश्विन, २०००
	,,	,,	१	१४ भाद्र, २०००
	,,	,,	१	१७ श्रावण, २०००
	,,	,,	१	१२ आषाढ २०००
	,,	,,	१	७ वैशाख, २००१
	,,	,,	१	१९ वैशाख, २००१
	,,	,,	२	२१ पौष, २०००
	,,	,,	१	३० कार्तिक, २०००
	,,	,,	१	६ माघ, १९९१
	,,	,,	३	१-४-१९३४
	,,	,,	१	८-७-१९४२
	,,	,,	१	८-८-१९४२
	,,	,,	१	६-६-१९४२
	,,	,,	१	१२-२-१९४३
	,,	,,	१	५-१-१९४४
	,,	,,	२	२५-१-१९४४
	,,	,,	१	६-४-१९४४
	,,	,,	१	१९-११-१९३८
	,, (श्री रामबिहारी शुक्ल)	,,	३	११-११-१९४०
	,,	,,	१	२०-७-१९४०
	,,	,,	१	१९-१०-१९४०
	,,	,,	१	१८-१-१९४१
	,,	,,	१	३१-३-१९४१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२८	नागरी प्रचा. सभा के छपे हुए पत्र			
	,, (श्री रामबिहारी शुक्ल)	बनारससिटी	१	२२-२-१९४१
	,, (श्री रामनारायण मिश्र)	,,	१	२३-२-१९३९
	,,	,,	१	२१-११-१९३९
	,, (अंग्रेजी में)	,,	२	२८-५-१९४०
	,,	,,	१	२९-५-१९४०
	,, (अंग्रेजी में)	,,	१	२०-७-१९४०
	,, (गुलेरीजी के ग्रंथ के सम्बन्ध में)	,,	५	—
	,, (अंग्रेजी में)	,,	१	२४-७-१९३५
	,, (अंग्रेजी में)	,,	१	२५-७-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१६-३-१९४५
	,,	,,	,,	६-८-१९४५
	,,	,,	१	१६ फाल्गुन, २००१
	,,	,,	२	१ भाद्र, २००१
	,,	,,	१	५ ज्येष्ठ, २००१
	,,	,,	१	१९ भाद्र, २००२
	,,	,,	१	१७ आश्विन, २००२
	,,	,,	१	२७-१०-१९४४
	,,	,,	१	२-१२-१९४४
	,,	,,	१	७-२-१९४५
	,, (श्री बाबूराम सक्सेना)	,,	१०	—
	,, (श्री पुरुषोत्तमलाल-श्रीवास्तव)	,,	१	१७-११-१९३८
	,,	,,	१	२६-२-१९३५
	,,	,,	१	२३-९-१९३९
	,,	,,	१	१६-५-१९४१
	,, (प्रकाशन योजना)	,,	४	—
	,, (साथ में रसीद)	,,	१	२-१-१९४१
	,, (श्री पुरुषोत्तमलाल-श्रीवास्तव)	,,	२	६-७-१९४०
	,, (श्री जीवनदास)	,,	१	६-६-१९४५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३८	नागरी प्रचा. सभा के छपे हुए पत्र			
	,, (कृष्णप्रसाद गौड़)	बनारस सिटी	१	२० ज्येष्ठ, १९९३
	,,	,,	१	२१-११-१९४०
	,,(गणेशनारायण सोमाणी)	,,	१	—
	,, (कृष्णनारायण)	,,	१	६-३-१९४२
	,, (वार्षिक निर्वाचन)	,,	२	संवत् १९८२
९	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (राजकिशोर मिश्र)	,,	पोस्टकार्ड	५-५-१९३६
	,, (ना. मा. स्त्रे)	,,	,,	३-५-१९३४
	,,	,,	,,	१६-६-१९३४
	,,	,,	,,	८-३-१९३४
	,,	,,	,,	१-१-१९३५
	,,	,,	,,	२६-११-१९३५
	,,	,,	,,	२१-११-१९३५
	,,	,,	,,	२०-१-१९३६
	,,	,,	,,	२५-१-१९३६
	,, (लल्लूलाल पांडेय)	,,	,,	६-४-१९४२
	,,	,,	,,	१५-५-१९४२
	,,	,,	२	२७-१२-१९४१
	,,	,,	२	२०-१-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	५-५-१९४२
	,,	,,	,,	२-२-१९४२
	,, (रासबिहारी शुक्ल)	,,	,,	१४-१२-१९४०
	,,	,,	३	२०-१२-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२-४-१९४१
	,, (रामचन्द्र वर्मा)	,,	१	२९-८-१९३८
	,,	,,	१	२६-६-१९४२
	,,	,,	२	८-८-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	९-१२-१९२८
	,,	,,	,,	२४-८-१९४२
	,, (रामनारायण मिश्र)	,,	१	११-११-१९३८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
९	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (रामनारायण मिश्र)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	२३-५-१९३९
	,,	,,	,,	—
	,,	,,	२	२१-५-१९३९
	,,	,,	२	१३-२-१९३९
	,,	,,	१	२६-१-१९४०
	,,	,,	१	२१-८-१९४०
	,,	,,	२	२७-१२-१९३५
	,,	,,	२	१६-१२-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१६-१-१९४०
	,,	,,	,,	११-१०-१९४०
	,,	,,	,,	६-१२-१९४१
	,, (प्रिंटेड)	,,	,,	१९-४-१९४५
	,,	,,	,,	८-११-१९४४
	,,	,,	,,	१०-१०-१९४४
	,, (माधवप्रसाद)	,,	,,	३०-१०-१९३०
	,,	,,	,,	१९-१०-१९३०
	,,	,,	,,	१६-१२-१९३०
	,,	,,	,,	२४-११-१९२९
	,,	,,	,,	९-९-१९३०
	,,	,,	,,	९-९-१९२९
	,,	,,	,,	९-९-१९२९
	,,	,,	,,	१७-९-१२२९
	,,	,,	,,	७-१२-१९२८
	,,	,,	,,	१३-११-१९३१
	,,	,,	,,	११-११-१९३०
	,,	,,	,,	९-८-१९३०
	,,	,,	,,	५-१-१९३०
	,,	,,	२	१५-१०-१९२९
	,,	,,	२	१७-१२-१९३९
	,,	,,	२	५ माघ, १९२८
	,, (बालमुकुन्द वर्मा)	,,	पोस्टकार्ड	१४-१-१९२१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
९	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (नाथूराम)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	३१-३-१९२६
	,, (बालमुकुन्द वर्मा)	,,	,,	१७-७-१९२४
	,,	,,	,,	२९-७-१९२४
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	,,	,,	४-१-१९३९
	,,	,,	,,	२-९-१९४०
	,,	,,	,,	२०-१-१९४२
	,,	,,	,,	७-२-१९४२
	,,	,,	,,	२९-२-१९४२
	,, (साथ में रसीद)	,,	१	१४-११-१९४१
	,, ,,	,,	२	१४-११-१९४१
	,,	,,	१	१४-११-१९४१
	,,	,,	१	२४-१-१९४२
	,,	,,	१	२२-१-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	८ भाद्र, १९९४
	,, (साथ में रसीद)	,,	१	२६-९-१९३६
	,,	,,	१	१८-१-१९३६
	,, (प्रिंटेड)	,,	१	२१-१२-१९३६
	,, (नरेनदास)	आगरा	पोस्टकार्ड	२४-७-१९३१
	,,	,,	,,	१६-११-१९३१
	,,	,,	,,	२४-१-१९३१
	,, (जगन्नाथप्रसाद)	बनारस सिटी	,,	११-६-१९३९
	,,	,,	,,	४-७-१९३९
	,,	,,	,,	३-७-१९४५
	,,	,,	२	२४-६-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-११-१९३८
	,,	,,	,,	१२-६-१९४०
	,, (साथ में रसीद)	,,	१	२२-४-१९४०
	,, (गोपालदास) (प्रिंटेड)	,,	पोस्टकार्ड	३-१०-१९०७
	,,	,,	,,	२२-१०-१९०४
	,,	,,	,,	१२-८-१९०४
	,,	,,	,,	६-६-१९०४

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
९	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (गोपालदास) (प्रिंटेड)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	२-१-१९१५
	,, फटा हुआ पत्र	,,	,,	१२-१-१९१६
	,,	,,	,,	७-१२-१९१४
	,,	,,	,,	४-११-१९३०
	,,	,,	,,	५-११-१९३३
	,,	,,	२	२१-११-१९३१
	,,	,,	,,	२६-८-१९३१
	,,	,,	,,	२८-४-१९३३
	,,	,,	,,	१३-३-१९३३
	,,	,,	,,	१८-२-१९३३
	,,	,,	,,	१३-३-१९३३
	,,	,,	,,	३०-३-१९३३
	,,	,,	,,	१८-१-१९२९
	,,	,,	,,	२९-३-१९२९
	,,	,,	,,	१८-८-१९२९
	,,	,,	,,	१६-११-१९३९
	,, (प्रिंटेड)	,,	,,	२४-६-१९३०
	,,	,,	,,	१४-१०-१९३०
	,,	,,	,,	४-१०-१९२६
	,,	,,	,,	१४-११-१९२९
	,,	,,	,,	३०-५-१९२८
	,,	,,	,,	२६-४-१९२४
	,,	,,	,,	२१-१०-१९२८
	,,	,,	,,	७-३-१९२५
	,,	,,	,,	२२-५-१९२५
	,,	,,	,,	१२-५-१९२५
	,,	,,	,,	४-११-१९१५
	,,	,,	,,	५-८-१९१५
	,,	,,	,,	३०-१-१९३०
	,,	,,	२	१० वैशाख, १९८४
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३१-३-१९३२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (गोपालदास)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	४-५-१९३३
	,, (साथ में आईदान का पत्र)	,,	३	३ ज्येष्ठ, १९३८
	,,	,,	४	२५-५-१९३०
	,,	,,	२	६-३-१९०३
	,, (प्रिंटेड)	,,	पोस्टकार्ड	२२-३-१९०६
	,, ,,	,,	,,	२३-१-१९०७
	,, (कृ. रा. दास)	,,	,,	१६-६-१९३२
	,,	,,	,,	२४-३-१९३२
	,,	,,	,,	६-२-१९३२
	,,	,,	,,	२४-१-१९३२
	,,	,,	,,	८-७-१९३२
	,,	,,	,,	३१ ज्येष्ठ, १९८८
३३	,, (गौरीशंकर ओझा)	,,	१	४-४-१९०९
	,, (गोपाल)	इलाहाबाद	२	२४-४-१९४८
	,, (श. बाजपेयी)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	९-६-१९४४
	,, (हरिप्रसाद पालोधी) (प्रिंटेड)	,,	,,	१९-९-१९१५
	,, (पुरुषोत्तमलाल) (साथ में रसीद)	,,	,,	२७-११-१९३९
	,,	,,	,,	८-१०-१९३६
	,,	,,	,,	१४-९-१९३६
	,, (पु० हरिनारायणजी)	जयपुर	१	८-१०-१९३६
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	२१-११-१९३६
	,,	,,	,,	२१-१०-१९३६
	,,	,,	,,	१९-२-१९३७
	,,	,,	,,	५-३-१९३७
	,,	,,	,,	२६-२-१९३७
	,,	,,	,,	६-२-१९३७
	,,	,,	,,	३१-१२-१९३७
	,,	,,	,,	१६-७-१९३८
	,,	,,	२	१२-३-१९३८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३३	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	बनारस सिटी	२	७-१-१९३८
	,,	,,	२	१९-११-१९३७
	,,	,,	२	१८-६-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	११-१०-१९३८
	,,	,,	,,	१८-१-१९३८
	,,	,,	,,	१-१०-१९३८
	,,	,,	,,	१४-११-१९३८
	,,	,,	,,	२०-७-१९३८
	,,	,,	,,	२४-३-१९३८
	,,	,,	,,	२७-९-१९३८
	,,	,,	,,	१०-६-१९३८
	,,	,,	१	२८-११-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-१-१९३९
	,, (प्रिंटेड)	,,	,,	२३-९-१९४२
	,,	,,	,,	१८-१२-१९४२
	,,	,,	,,	२८-९-१९३९
	,,	,,	२	१७-११-१९३९
	,,	,,	२	२६-८-१९३९
	,,			
	,,	,,	१	१०-१-१९३९
	,,	,,	२	९-८-१९३९
	,,	,,	१	१०-१-१९३९
	,,	,,	१	२१-१०-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१९-११-१९४०
	,, पु० हरिनारायणजी)	जयपुर	१	५-१२-१९४०
	(पुस्तकों की सूची)	बनारस सिटी	१	५-२-१९४०
	,,	,,	२	९-९-१९४०
	,,	,,	२	१९-४-१९४०
	,,	,,	१	१७-८-१९४०
	,,	,,	२	१६-११-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१५-८-१९४०.

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३३	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	१५-११-१९४०
	,,	,,	,,	८-११-१९४०
	,,	,,	,,	५-१०-१९४०
	,,	,,	,,	२५-७-१९४१
	,,	,,	,,	२१-८-१९४१
	,,	,,	,,	४-३-१९४१
	,,	,,	,,	८-३-१९४१
	,,	,,	,,	१-३-१९४१
	,,	,,	,,	३-९-१९४१
	,,	,,	,,	२-८-१९४१
	,,	,,	१	५-२-१९४१
	,, (साथ में रसीद)	,,	१	१०-११-१९४१
	,,	,,	१	१८-१२-१९४१
	,,	,,	२	६-८-१९४१
	,,	,,	१	२७-१२-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२१-२-१९४१
	,, (जुगुलकिशोर)	,,	,,	२०-३-१९०८
	,,	,,	,,	१३-९-१९०९
	,, (स्प्रे. ना. मा.)	,,	,,	५-३-१९३४
	,,	,,	,,	२९-११-१९३३
	,,	,,	,,	१५-४-१९३४
	,,	,,	,,	२७-१०-१९३३
	,,	,,	,,	५-११-१९३३
	,,	,,	,,	९-११-१९३१
	,,	,,	,,	७-८-१९३५
	,,	,,	,,	११-३-१९३५
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	६	२९-९-१९४३
	,, (स्प्रे. ना. मा.)	बनारस सिटी	१	२९-११-१९३०
	,,	,,	१	१०-१०-१९३०
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	४	१०-१०-१९३३
	,, (शिवकुमारसिंह)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	११-९-१९३३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३३	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (शिवकुमारसिंह)	बनारस सिटी	२	१०-८-१९३३
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	२	१०-९-१९३३
	,, (शिवकुमारसिंह)	बनारस सिटी	२	२९-८-१९३३
	,, (सुरेन्द्रनारायण शर्मा)	,,	पोस्टकार्ड	२६-८-१९७७
	,,	,,	,,	१-१०-१९०९
	,, शंभुनाथ वाजपेयी	,,	२	२३-१२-१९४२
	,,	,,	२	२२-१०-१९४२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२-१०-१९४२
	,,	,,	,,	७-३-१९४२
	,,	,,	,,	१४-११-१९४२
	,,	,,	,,	१६-४-१९४१
	,,	,,	,,	१५-४-१९४३
	,,	,,	,,	२३-११-१९४५
	,,	,,	,,	१-३-१९४३
	,,	,,	,,	२९-३-१९४३
	,,	,,	,,	७-९-१९४२
	,,	,,	,,	७-६-१९४४
	,,	,,	,,	२५-५-१९४४
	,, (साथ में पु.ह.ना.का पत्र)	,,	,,	७-८-१९३६
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	,,	१	८-६-१९३७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	४-५-१९३७
	,,	,,	,,	३०-३-१९३७
	,,	,,	,,	७-७-१९३७
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	१	२९-७-१९३७
	,,	,,	२	६-१२-१९३६
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	१४-९-१९३७
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	३	२०-११-१९३७
	,, (सप्रे.ना. मा)	बनारस सिटी	१	२९-११-१९३३
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	,,	१	१४-३-१९४५
	,, (शम्भुनाथ वाजपेयी)	,,	२	२३-९-१९४३
	,, (पुरुषोत्तमलाल)	,,	१	२९-३-१९४०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२३	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (सप्रे. ना. मा.) (साथ में रसीद)	बनारस सिटी	२	२८-१२-१९३३
	,,(लाड़ली नारायणगोयल) (साथ में रसीद)	जयपुर	२	२०-१२-१९३३
	,, (सप्रे. ना. मा.)	बनारस सिटी	१	२९-११-१९३३
	,, (गौरीशंकर हीराचन्द ओझा)	अजमेर	२	३०-१०-१९२४
	,, (प्रिंटेड)	,,	३	—
	,, (श्यामसुन्दरदास)	बनारस सिटी	४	१४-९-१९२४
	,,	,,	२	१२-१२-१९२४
	,,	,,	१	२४-१-१९२५
	,,	,,	२	९-२-१९२५
	,,	,,	२	२२-१०-१९२५
	,,	,,	१	९-६-१९०१
	,,	,,	३	१६-१२-१९२५
	,,	,,	२	२१-२-१९२५
	,,	,,	४	१६-१-१९२६
	,,	,,	१	१५-१०-१९२५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१७-१२-१९२६
	,, (आईदान आसिया)	बड़ी सादड़ी	२	३-६-१९२६
	,, (श्यामसुन्दरदास)	बनारस सिटी	२	८-९-१९२८
	,,	,,	२	१६-६-१९२८
	,,	,,	२	२-१-१९२८
	,,	,,	२	२१-३-१९२६
	,,	,,	४	२-३-१९२६
	,,(साथ में मुरारीदान का पत्र)	,,	२	१२फा.स,१९८३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२१-५-१९२८
	,,	,,	,,	२८-९-१९२८
	,,	,,	२	२३-२-१९०३
	,,	,,	१	३-१२-१९३१
	,,	,,	१	२६-१२-१९३१
	,,	,,	२	९-६-१९३३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३३	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (श्यामसुन्दरदास)	वनारस सिटी	२	२३-८-१९३३
	,,	,,	१	३-५-१९३०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१६-६-१९२८
	,,	,,	,,	१६-४-१९२३
	,,	,,	२	२९-५-१९२३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१८-८-१९२६
	,,	,,	,,	२८-४-१९२३
	,,	,,	,,	५-११-१९२३
	,,	,,	,,	१६-१०-१९२५
	,,	,,	२	९पौष,१९८४
	,,	,,	२	१-८-१९२९
	,,	,,	२	१८श्रावण,१९८४
	,,	,,	२	१६-७-१९२८
	,,	,,	२	५श्रावण;१९८५
	,,	,,	३	३०श्रावण,१९८५
	,,	,,	२	१५-१२-१९२७
	,,	,,	३	२६-३-१९०३
	,,	,,	१	२५-४-१९०१
	,,	,,	३	१२-११-१९२३
	,,	,,	२	१०-११-१९२२
	,,	,,	२	२३-११-१९२३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	७-३-१९२४
	,,	,,	,,	९-४-१९२४
	,,	,,	,,	३-५-१९२४
	,,	,,	२	९-२-१९२४
	,,	,,	२	१६-२-१९२४
	,,	,,	२	१-७-१९२४
	,,	,,	१	१९-१-१९०५
	,,	,,	२	४-७-१९१४
	,,	लखनऊ	१	८-२-१९१६
	,,	,,	२	२५-२-१९१६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३३	नागरी प्रचारिणी सभा के पत्र			
	,, (श्यामसुन्दरदास)	लखनऊ	१	२९-७-१९१८
	,,	,,	२	१३-३-१९१९
	,,	,,	३	९-११-१९१८
	,,	काशी	१	१-६-१९१९
	,,	लखनऊ	२	१५-३-१९१७
	,,	,,	३	२६-३-१९१७
	,,	,,	४	२-१२-१९२०
	,,	,,	१	२६-११-१९२०
	,,	,,	६	१३-११-१९२०
	,, (बारहठ बालाचरण)	हूणोतिया	१	१-१२-१९२२
	,, (श्यामसुन्दरदास)	बनारस सिटी	२	५-१२-१९२२
	,, पु० हरिनारायणजी (साथ में एक पत्र)	जयपुर	३	—
	,, (मंत्री ना. प्र. सभा)	बनारस सिटी	२	२३ मा.शी. १९७९
	,, (श्यामसुन्दरदास)	,,	३	२२-११-१९२२
	,, (पु० हरिनारायणजी)	—	लिफाफा	२८-११-१९२२
	,, (श्यामसुन्दरदास)	बनारस सिटी	१	२८-८-१९२३
	,,	,,	१	७-६-१९२८
	,,	,,	१	१६-१२-१९२८
	,,	,,	२	१६-९-१९२८
	,,	,,	२	१६-३-१९२९
	,,	,,	१	३-४-१९३३
	,,	,,	२	१९-८-१९३३
	,,	,,	१	१२-१२-१९३१
	,,	,,	२	७-११-१९०४
	,,	,,	२	६-१-१९२१
	,,	,,	३	११-३-१९१५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	५-१०-१९२५

फाइल सं०	व्यक्ति का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
	श्री पुरोहित हरिनारायणजी के पत्र विभिन्न व्यक्तियों के नाम—			
४६	बी.आर. चौ.	जयपुर	२	२७-४-१९२३
	राजाजी साहिब (शुकबिहारी मिश्र, लखनऊ)	,,	३	२४-५-१९२५
	पं० रामकर्ण	,,	२	२२-३-१९२९
	—	,,	२	३-१-१९२८
	—	,,	३	२-१०-१९२६
	—	सवाई रामगढ	१	११-४-१९०६
	कृष्ण कन्हैयालाल शर्मा	जयपुर	२	८-९-१९२७
	पं० राजाजी साहिब (शुक विहारी मिश्र लखनऊ)	,,	२	२७-१-१९२६
	—	,,	२	१३-६-१९४५
	सेठ साहिब	,,	३	६-४-१९३३
	कन्हैयालाल	,,	२	२६-७-१९२७
	पारीक कार्यालय	मेड़ता	७	२८-१२-१९२७
	गौरीशंकर ओझा	जयपुर	३	१-११-१९३०
	—	,,	६	२२-१-१९३१
	—	,,	२	२५-११-१९३१
	— C/o ना, प्र. सभा	,,	२	९-९-१९३३
	— C/o ना. प्र. सभा	,,	२३	२-८-१९३४
	,,	,,	१६	६-८-१९३४
	—	,,	१	१८-२-१९३४
	पंडित जी	,,	१	७-९-१९३४
	,,	,,	२	३-१-१९३५
	राजाजी साहिब (शुकबिहारी मिश्र, लखनऊ)	,,	६	२७-११-१९३६
	सं. मंत्री ना.प्र. सभा	,,	२	२६-५-१९३८
	पंडित जी	,,	२	२३-८-१९३४
	बा. रघुनाथप्रसाद (कलकत्ता)	,,	४	१७-७-१९३५
	सं. मंत्री ना. प्र. सभा	,,	१	२७-१२-१९३५
	वा. रघुनाथप्रसाद सिंघानिया (कलकत्ता)	,,	३	—

फाइल सं०	व्यक्ति का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
	अनाम	जयपुर	२	—
	—	”	२	१६-१०-१९३६
	राजाजी साहिब (शुकविहार मिश्र)	”	२	२५-३-१९३१
	रघुनाथप्रसाद सिंघानिया, कलकत्ता	”	४	७-३-१९३७
	चि० कृष्णाकुमारी	”	२	१३-८-१९३८
	”	”	४	३-१२-१९४१
	अनाम (मुकद्दमे सम्बन्धी)	”	४	१८-१०-१९३८
	”	”	४	१९-१०-१९३८
	”	”	४	२९-१०-१९३८
	”	”	४	३-११-१९३८
	”	”	२	४-११-१९३८
	”	”	८	६-११-१९३८
	”	”	१	१०-११-१९३८
	”	”	३	१२-११-१९३८
	”	”	१०	१५-११-१९३८
	”	”	४	१७-११-१९३८
	”	”	१	१०-११-१९३८
	”	”	८	२०-११-१९३८
	मार्त्तण्डजी	”	१	३०-१०-१९३८
	फूलनारायण का पत्र	”	४	२१-११-१९३८
	अनाम	”	१	२१-११-१९३८
	”	”	४	३-१२-१९३८
	”	”	२	११-१-१९३९
	”	”	४	१-१-१९३९
	मंत्री, सब कमेटी पारीक पंचायत सभा	”	२	३-१-१९४२
	चि. रामगोपाल को	”	२	११-११-२९४५
	”	”	२	२१-११-१९४५
	”	”	१	२३-९-१९४५
	फूलनारायण का पत्र	”	२	२४-११-१९४५
	अनाम	”	२	१५-११-१९३९
	बारहठ बालाबक्ष	”	२	आसोज १०,१९७९

फाइल सं०	व्यक्ति का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
	दीनानाथ शर्मा का पत्र	जयपुर	१	२४-२-१९४१
	जयचन्द	बनारस	१	२३-३-१९४२

विभिन्न व्यक्तियों के पत्र

४७	कर्नल जे. ए. (उर्दू में)	सितारा	९	—
	एस सिंह	अमृतसर	पोस्टकार्ड	१३-३-१९३७
	गिरिधर शर्मा	जयपुर	१	२८-२-१९२८
	,,	,,	१	२४-२-१९२८
	गोविन्द राव तैलङ्ग	—	१	१५-३-१९२५
	पु. हरिनारायणजी का पत्र	जयपुर	३	३-१२-१९३७
	,,	,,	२	१-१-१९३८
	लक्ष्मीधर वाजपेयी	प्रयाग	१	३-९-१९३५
	,, (प्रिंटेड)	,,	४	—
	लाडली नारायण	जयपुर	१	१८-८-१९३८
	लक्ष्मीधर वाजपेयी	प्रयाग	पोस्टकार्ड	१९-८-१९३५
	,,	,,	३	२२-४-१९३७
	पु० हरिनारायणजी	जयपुर	२	१३-२-१९३७
	लक्ष्मीधर वाजपेयी	प्रयाग	पोस्टकार्ड	१०-२-१९३७
	,,	,,	,,	१८-२-११३७
	,,	,,	,,	१४-५-१९३७
	पु० हरिनारायणजी का उत्तर	जयपुर	१	१९-५-१९३७
	लक्ष्मीधर वाजपेयी	प्रयाग	पोस्टकार्ड	२७-५-१९३७
	ना. प्र. सभा	बनारस सिटी	,,	२६-११-१९४१
	लक्ष्मीधर वाजपेयी	प्रयाग	४	३-९-१९३७
	लाडली नारायण गोयल	जयपुर	१	१४-५-१९४२
	,,	,,	४	—
	लक्ष्मीलाल जोशी	उदयपुर	पोस्टकार्ड	१४-११-१९३१
	,,	,,	,,	२५-१-१९३२
	लहरी गौड	—	२	२०-२-१९२८
	एच. चतरसिंह	जयपुर	२	३०-१०-१९३३
	लहरी	—	४	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४७	एस. जे. सिंह	लखनऊ	२	१२-७-१९३९
	रामनारायण मिश्र	जयपुर	२	१८-६-१९४०
	पं. रामकर्ण	जोधपुर	पोस्टकार्ड	३१-७-१९३६
	,,	,,	,,	१२-९-१९३६
	रामगुलाम	—	२	६-११-१९३६
	रामदयाल	सीकर	२	—
	रामानन्द साधु	कड़होली (रोहतक)	१	१७-५-१९४१
	रामप्रसाद 'नायक'	इलाहाबाद	४	१२-५-१९४२
	राजकुमार रणञ्जयसिंह (पु. ह. ना. का पत्र पीछे)	अमेठी (अवध)	२	१६-१२-१९४१
	मं. पं. रामजी व्यास	काशी	पोस्टकार्ड	२८-५-१९४१
	,,	,,	,,	२४-६-१९४१
	रामनरेश त्रिपाठी	इलाहाबाद	२	१०-१२-१९३०
	चिरंजीलाल व्यास	अजमेर	पोस्टकार्ड	५-७-१९३९
	,,	मथुरा	,,	५-६-१९३९
	छज्जूलाल	लखनऊ	,,	२-११-१९२६
	श्यामसुन्दरदास	,,	१	१९-९-१९१८
	शुभकरण कविराज	काशी	४	२५-११-१९३४
	गोपालदास (ना. प्र. सभा)	,,	पोस्टकार्ड	२१-८-१९१५
	—	बनारस सिटी	,,	१-११-१९३२
	श्यामसुन्दरदास	लखनऊ	१	३०-१०-१९१४
	जगन्नाथ वशिष्ठ	अलवर	२	—
	रामगोपाल	काशी	६	—
	रामनाथ रत्नू	ईडर	२	१०-१२-१९०२
	रामजीवन	रणथम्भोर	२	१०-३-१९३६
	ए. के. गौड़े	पुणे	२	१८-१०-१९४१
	श्यामसुन्दरदास	लखनऊ	२	२३-८-१९१८
	बालसेवक	इलाहाबाद	१	२१-४-१९१५
	विश्वेश्वरनाथ रेउ	जोधपुर	पोस्टकार्ड	११-४-१९४१
	पु. ह. ना. का पत्र ठाकुर सा. को	जयपुर	२	२१-२-१९३२
	ठा. चतुरसिंह	रूपाहेली	पोस्टकार्ड	२४-११-१९२८
	जानकीनाथसिंह	प्रयाग	२	२०-११-१०४०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४७	बा. शुभकरण	मेड़तारोड़	पोस्टकार्ड	१९-११-१९३२
	—	बनारस सिटी	,,	२४-३-१९२४
	जयचन्द्र विद्यालंकार (प्रिंटेड)	प्रयाग	४	का. पू. १९९०
	,, (पीछे पु. ह.ना.का पत्र)	नई दिल्ली	२	१७-१-१९२९
	पूषाराम जोशी	वडापली	पोस्टकार्ड	१६-३-१९२९
	ग्रार. जी. ग्रोझा	ग्रजमेर	४	२४-२-१९३३
	जवाहरलाल चतुर्वेदी	मथुरा	पोस्टकार्ड	३-२-१९४१
	—	काशी	,,	६-२-१९३६
	व्रजरत्नदास	बनारस सिटी	१	२-१-१९३८
	,,	,,	१	२६-८-१९३७
	कु. बलदेवदान	ग्रलवर सिटी	२	२४-१०-१९३८
	,,	इलाहाबाद	२	४-६-१९१८
	घनश्यामदास बिड़ला (पीछे पु. ह.ना. का पत्र)	गोरखपुर	२	भा. शु. ५, स. १९८८
	पुरोहित हरिनारायणजी	जयपुर	३	१३-९-१९३१
	राजूलाल	राजनान्द गांव	३	का. शु. १४, स २००१
	रामगोपाल मोहता	बीकानेर	२	१०-२-१९३९
	रणछोड़लाल सराफ	वृन्दावन(दमोह)	पोस्टकार्ड	१५-११-१९३६
	रामचन्द सराफ	,,	३	२४-१०-१९२६
	रामजीवन त्रिपाठी	फतेहगढ (सीकर)	५	१३-६-१९३६
	नात्थूराम प्रेमी	चिरगांव (बम्बई)	२	२१-३-१९३८
	नरोत्तमदास स्वामी	बीकानेर	२	१४-८-१९३९
	नात्थूराम	बम्बई	२	१२-३-१९१५
	नन्दकिशोर शर्मा	जयपुर	२	२३-१२-१९३७
	नरोत्तमदास स्वामी	बीकानेर	३	३-६-१९३८
	,,	,,	२	३१-५-१९३८
	मोहनलाल	जयपुर	२	१०-११-१९३८
	,,	,,	२	१-११-१९३८
	,,	,,	१	२९-१०-१९३८
	दयाराम साहनी (प्रिंटेड)	,,	१	८-८-१९३८
	,, (सात्र पत्र)	,,	२	६-८-१९३८
	,,	,,	१	२०-३-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४७	पं. मोहन शर्मा	इटारसी	२	३-१-१९३८
	पं. द्वारकानाथ	कांकरोली	१	२२-२-१९३९
	डी. बी. तारापोरवाला (साथ में ४ पृष्ठ प्रिंटेड)	बम्बई	१	१८-३-१९३१
	ठक्कर एण्ड कम्पनी (प्रिंटेड)	,,	पोस्टकार्ड	२०-३-१९३१
	मुकुन्ददास गुप्ता एण्ड कम्पनी (प्रिंटेड)	बनारस	,,	२४-६-१९३३
	अगरचन्द नाहटा	बीकानेर	,,	१-२-१९४३
	,,	,,	,,	२०-११-१९४१
	ना. प्र. सभा(साथ में पु.ह.ना का पत्र एक पृष्ठ)	काशी	,,	१०-६-१९३१
४३	मधुसूदन (साथ लिफाफे पर लिखा)	—	१	२३-८-१९१७
	,,	—	१	—
	मुरारीदान	जयपुर	१	११, स १९८९
	—	—	१	२२-८-१९१७
	मन्नंदनन्द	—	२	का. शु. १, १९७६
	मनोहरलाल	,,	२	२३-९-१९४१
	जोगीदान (पृथ्वीराज रासो, पद्मावती विवाह कथा)	,,	२	१५-४-१९४०
	,, (बीसलदेव रासो, चतुर्थ खण्ड)	,,	२	,,
	मोहनलाल	,,	२	३१-१-१९३६
	,,	,,	४	२६-८-१९३९
	श्यामसुन्दरदास	बनारस	१	१६-१-१९४१
	पीताम्बरदास बर्थवाल	लखनऊ	२	२-६-१९४१
	पु. हरिनारायणजी (टिप्पणी)	जयपुर	४	३१-५-१९३६
	बा. मुरारीदान	,,	लिफाफा	१५-११-१९४०
	मंगलदास स्वामी(साथ में एक पृष्ठ)	,,	१	१३-११-१९४१
	मोहनलाल	,,	पोस्टकार्ड	१३-१-१९४१
	हरनाथसिंह	डूंढलोक	२	१३-३-१९२८
	,,	,,	२	५-२-१९२८
	हमीरदान कवि	रतलाम	३	२८-९-१९४२
	हरिहरप्रसाद भरतिया (प्रिंटेड)	बम्बई	१	१९-४-१९४०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक

विभिन्न व्यक्तियों के पत्र पुरोहित हरिनारायणजी के नाम—

४८	ब्रजमोहन शर्मा	लखनऊ	पोस्टकार्ड	२८-३-१९३०
	,,	जयपुर	१	६-४-१९३०
	,,	,,	१	२२-७-१९३०
	,,	,,	१	२८-२-१९३०
	,,	,,	१	२६-४-१९३१
	,,	,,	१	२६-५-१९३१
	,,	झुंझुनू	पोस्टकार्ड	२-११-१९३४
	,,	,,	,,	१३-११-१९३४
	,,	लखनऊ	,,	३०-६-१९३६
	बद्रीनारायण शास्त्री	,,	१	३-९-१९०८
	बारहठ मुरारीदान के सम्बन्ध में	,,	२	—
	पुरोहित ब्रजवल्लभ को पत्र	जयपुर	पोस्टकार्ड	२८-१-१९२१
	,, (पु. हरिनारायणजी)	,,	,,	९-४-१९२६
	,, (राजदेवी)	,,	,,	२०-७-१९२५
	,, (पु. हरिनारायणजी)	,,	,,	१६-९-१९२६
	,,	,,	,,	७-४-१९२६
	,, (गोवर्धनलाल)	इन्दौर	,,	१७-१०-१९२८
	पुरोहित ब्रजवल्लभ के पत्र	खण्डवा	४	२०-११-१९२७
	,,	अजमेर	३	४-७-१९२८
	,, (को पु. ह. ना का पत्र)	जयपुर	पोस्टकार्ड	५-४-१९२८
	,,	खण्डवा	४	१९-५-१९२९
	,, (को पु.ह.ना. का पत्र)	जयपुर	पोस्टकार्ड	२३-६-१९२९
	,,	खण्डवा	,,	७-८-१९२९
	,,	,,	,,	१५-९-१९२९
	,, (पु. ह. ना. का पत्र)	जयपुर	,,	१२-१०-१९३८
	,, (,,)	,,	,,	२६-११-१९२९
	,,	खण्डवा	३	१३-५-१९३०
	,, (,,)	जयपुर	पोस्टकार्ड	१३-५-१९३०
	,,	औरंगाबाद	२	२६-७-१९३०
	,,	खण्डवा	१	२०-४-१९३१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४८	पुरोहित ब्रजवल्लभ के पत्र	खण्डवा	पोस्टकार्ड	१२-९-१९३१
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	,,	२७-६-१९३१
	,, (राम)	,,	,,	६-९-१९३१
	ब्रजवल्लभ पुरोहित	खण्डवा	१	२९-४-१९३२
	,,	,,	पोस्टकार्ड	६-९-१९३२
	,,	,,	३	—
	,,	,,	२	१८-८-१९३४
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	पोस्टकार्ड	१६-५-१९३५
	,, (,,)	,,	,,	२७-५-१९३५
	,,	खण्डवा	,,	२७-४-१९३६
	,,	,,	,,	६-७-१९३६
	,,	,,	४	—
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२१-३-१९३८
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	,,	१०-१०-१९३८
	,,	खण्डवा	,,	१५-१२-१९३८
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	,,	१-६-१९४१
	,, (पारीक दर्शन)	खण्डवा	४	—
	,,	,,	पोस्टकार्ड	४-३-१९४१
	,,	,,	४	२०-५-१९४१
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	पोस्टकार्ड	२०-५-१९४१
	,,	खण्डवा	३	—
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३-६-१९४१
	,,	,,	,,	२२-६-१९४१
	,,	,,	,,	३-७-१९४१
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	,,	७-७-१९४१
	,,	खण्डवा	,,	२१-२-१९४६
	,,	,,	२	—
	पुरोहित रामप्रताप	जयपुर	३	२९-६-१९२८
	,,	,,	२	—
	,,	,,	१	१५-७-१९३१
	पुरोहित प्रतापनारायण	,,	२	२७-८-१९२९
	,,	,,	१	४-१-१९३१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४८	पुरोहित प्रतापनारायण	जयपुर	१	२७-४-१९३२
	,,	नार्थ वेस्वले, इंग्लैंड	४	१९-५-१९३७
	,,	,,	४	५-६-१९३७
	,,	जयपुर	३	१२-८-१९३७
	,,	,,	२	९-६-१९३१
	,,	,,	२	१४-१०-१९३८
	,,	,,	२	१९-११-१९४०
	,,	,,	१	८-२-१९४०
	,,	,,	१	३-७-१९४०
	,,	,,	१	२५-१०-१९४१
	श्रीपतिप्रसाद शास्त्री	मेड़ता सिटी	पोस्टकार्ड	२३-१-१९२४
	,,	शारदा भवन	३	—
	,,	मेड़ता सिटी	पोस्टकार्ड	२०-७-१९२४
	,,	,,	२	९-७-१९२४
	,,	,,	३	—
	,,	,,	२	७-५-१९२५
	,,	,,	१	—
	,,	,,	२	—
	,,	,,	३	—
	,,	,,	२	२१-७-१९२४
	,,	,,	६	२-४-१९२५
	,,	,,	२	५-४-१९२५
	,,	,,	२	१५-४-१९२५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२१-४-१९२५
	,,	,,	१	१७-७-१९२५
	,,	काशी	३	८-९-१९२५
	,,	मेड़ता सिटी	पोस्टकार्ड	७-४-१९२६
	,,	,,	२	२७-४-१९२६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	५-११-१९२६
	,,	,,	,,	१-१-१९-२७
	,,	,,	२	८-३-१९२७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२०-३-१९२७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४८	श्रीपतिप्रसाद शास्त्री	मेड़ता सिटी	पोस्टकार्ड	२-५-१९२६
	,,	,,	,,	१२-५-१९२७
	,,	,,	२	३-७-१९२७
	,,	,,	२	११-८-१९२७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२८-७-१९२७
	,,	,,	२	२८-८-२७
	,,	,,	३	१४-१०-१९२७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	५-११-१९२७
	,,	,,	,,	११-११-१९२७
	,,	,,	४	१७-१२-१९२७
	,,	,,	१	१९-२-१९२८
	,,	,,	२	६-७-१९२८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२३-३-१९२८
	,,	,,	२	२०-७-१९२८
	,,	,,	१	१८-११-१९२८
	,,	,,	१	१-१०-१९२८
	,,	,,	२	१५-१-१९२८
	,,	,,	२	१७-११-१९२८
	,,	,,	१	२५-१२-१९२८
	,,	,,	२	२६-२-१९२९
	,,	,,	२	२३-९-१९२९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१७-९-१९२९
	,,	,,	२	२५-३-१९३०
	,,	,,	३	१९-४-१९३०
	,,	,,	१	१८-७-१९३२
	,,	,,	१	१९-७-१९३३
	,,	,,	१	४-१२-१९३३
	,,	,,	२	१२-३-१९३४
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१९-३-१९३४
	,,	,,	१	१५-३-१९३५
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२४-३-१९३६
	,,	,,	२	१९-१०-१९३५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४८	श्रीपतिप्रसाद शास्त्री	मेड़ता सिटी	१	१६-८-१९३७
	श्री दिग्विजयनाथ	गोरखपुर	२	१२-१२-१९३४
	श्री जवाहरलाल चतुर्वेदी	कलकत्ता	२	३-७-१९४३
	,,	कांकरोली (मेवाड़)	पोस्टकार्ड	७-३-१९४४
	,,	,,	,,	१८-३-१९४४
	,,	,,	,,	३०-९-१९४५
	,,	मथुरा	,,	२३-१-१९४६
	श्री जनार्दनराय नागर	उदयपुर (मेवाड़)	१	१९-५-१९४२
	,,	,,	२	६-६-१९४२
	,,	,,	१	८-८-१९४२
	,,	,,	२	२८-६-१९४३
	,,	,,	२	२७-४-१९४५
	,, ,,	,,	२	—
	,, (हिन्दी विद्यापीठ ने पाँच वर्षों में क्या किया)	,,	७	—
	श्री जगदीशसिंह गहलोत	जोधपुर	पोस्टकार्ड	२३-६-१९३३
	,,	,,	,,	१-७-१९३३
	,,	,,	,,	१९-८-१९३३
	,,	,,	१	१७-१-१९३४
	,,	,,	२	२७-६-१९३४
	,,	,,	६	२२-७-१९३४
	,,	,,	२	२६-७-१९३४
	श्री गोविन्द	,,	पोस्टकार्ड	११-११-१९३८
	,,	,,	,,	२७-१-१९३९
	,,	,,	,,	२०-४-१९४४
	,,	,,	,,	४-४-१९४५
	स्वामी गणपत्यानन्द वैद्य	फतेहपुर	२	२२-१२-१९३७
	,,	,,	२	११-७-१९३७
	,,	,,	२	१८-७-१९३७
	,,	,,	३	२५-१०-१९३७
	,,	,,	२	१०-६-१९३९
	,,	,,	१	२-९-१९३९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४८	स्वामी गणपत्यानन्द वैद्य	फतहपुर	२	५-११-१९३९
	गोपाललालजी पुरोहित	जयपुर	१	१६-१२-१९२८
	,,	,,	१	२१-९-१९३९
	,,	,,	१	२-१-१९४२
	तिवाड़ी गोविन्दनारायण	,,	१	१३-९-१९३४
	,,	,,	१	२०-९-१९३९
	,,	,,	१	१३-९-१९३५
	,,	,,	१	३१-५-१९४२
	पं. गणपतिराज 'सज्जन'	अजमेर	२	३०-४-१९३९
	श्री गोपाल गोशाला	झुंझनू	२	३१-१०-१९४३
	श्री गिरधारीलाल	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	३१-११-१९२७
	,,	,,	,,	४-१२-१९२७
	,,	,,	,,	२३-१२-१९२७
	,,	,,	,,	१४-१२-१९२७
	रामनारायण वंकटलाल	,,	१	८-१-१९२८
	वंकटलालजोशी	,,	३	६-७-१९२८
	,,	,,	१	५-९-१९२९
	श्री गिरधारीलाल	,,	१	१९-११-१९२९
	,,	,,	३	८-१०-१९३०
	रामनारायण (प्रिंटेड)	,,	पोस्टकार्ड	२४-१०-१९३०
	वंकटराम जोशी	,,	,,	१८-१-१९३१
	,,	,,	१	२१-९-१९३१
	बनवारी	,,	पोस्टकार्ड	३-१-१९३६
	श्री गिरधारीलाल	,,	१	२६-३-१९३८
	,,	,,	१	१-४-१९३८
	,,	,,	१	१२-५-१९३७
	वंकटलाल	,,	३	७-६-१९३६
	गिरधारीलाल	,,	१	७-४-१९३८
	बनवारीलाल	,,	पोस्टकार्ड	५-८-१९३८
	गिरधारीलाल	,,	१	२३-१०-१९३८
	,,	,,	१	२-११-१९३८
	,,	,,	१	८-२-१९३९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४८	गिरधारीलाल	बनारस सिटी	२	३-१०-१९४०
	बंकटलाल	,,	२	—
	गिरधारीलाल	,,	पोस्टकार्ड	३-११-१९३९
	,,	,,	१	—
	गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी	जयपुर	१	३-७-१९२९
	,,	,,	१	२३-८-१९२९
	,,	,,	१	७-११-१९३१
	,,	,,	१	२८-३-१९३१
	,,	,,	१	७-५-१९३४
	,,	,,	१	११-११-१९४२
	गोपालदत्त शास्त्री	बीकानेर	१	२८-११-१९३१
	,,	,,	१	५-१२-१९३१
	,,	,,	१	२७-१२-१९३१
	,,	,,	२	. १२-६-१९३२
	,,	,,	१	१४-८-१९३२
	,,	कलकत्ता	१	३-१०-१९३४
	,,	—	१	२-११-१९४१
	,,	गोंडल	१	१३-४-१९४१
	,,	पूना	१	२२-१२-१९४२
	,,	,,	१	२४-१२-१९४२
	खेमराज दूगड़ (साथ में रसीद)	जोधपुर	३	१४-८-१९३२
	,,	,,	२	२१-८-१९३२
	खेमराज श्रीकृष्णदास	बम्बई	२	५-१२-१९०२
	नन्दलाल शर्मा	ग्वालियर	१	२०-२-१९००
	खेमराज श्रीकृष्णदास	बम्बई	२	१७-८-१९०२
	कश्चिच्छास्त्री	—	१	—
	कस्यचिच्छास्त्रिणः	—	१	—
	कृपापाल	जयपुर	१	२८-८-१९४५
	अमरनारायण माथुर	,,	१	१८-८-१९४८
	सीताराम लालस	जोधपुर	४	२८-१०-१९३७
	,, (पु. ह. ना का पत्र)	जयपुर	२	१९-११-१९३७
	,,(साथ में दो पृष्ठ सूची पत्र)	जोधपुर	२	७-१०-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४८	सीताराम लालस (साथ में एक पृष्ठ प्रिंटेड)	जोधपुर	२	—
	गोविन्द	बरेली	२	१७-४-१६३४
	हरिसिंह	जयपुर	२	२३-२-१९०३
	हेमन्तकुमार शर्मा (साथ में शिव संकीर्तन, प्रिंटेड)	झुंझुनू	१	५-५-१९४१
	रामसिंह	जयपुर	२	१७-९-१९३३
	शिवकिशोर तिवाड़ी	लक्ष्मण झूला	२	३०-११-१९३७
४९	महन्त ज्ञानदास	कनखल (सहारनपुर)	२	२२-९-१९३७
	पु. स्वरूपनारायण	जयपुर	१	२५-१२-१९४३
	सत्यनारायण मिश्र	मेड़ता सिटी	१	१७-५-१९४१
	,,	मेड़ता सिटी	पोस्टकार्ड	२-३-१९४४
	,,	,,	,,	६-३-१९४४
	,,	,,	,,	१३-४-१९४४
	,,	,,	,,	२२-८-१९४४
	,,	,,	,,	१७-११-१९४४
	,,	,,	२	१७-८-१९४५
	सूरजबक्श छीपा	जयपुर	१	१२-१-१९२१
	,, (साथ में एक प्रिंटेड पत्र)	,,	१	१७-१०-१९३५
	सूर्यनारायण चतुर्वेदी	,,	१	४-१०-१९२८
	,,	,,	१	—
	,,	,,	१	१७-३-१९३३
	,,	,,	१	२९-१०-१९३३
	,,	,,	२	१२-११-१९३४
	,,	,,	१	१६-७-१९३५
	,,	,,	१	२२-२-१६३८
	,,	आगरा	२	२२-११-१९३८
	,,	जयपुर	१	१८-१-१६३९
	,,	,,	१	३-५-१९४१
	सीताराम	इलाहाबाद	१	२२-२-१९३०
	शिवजीराम	जोधपुर	१	२६-१०-१९३३

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४६	श्यामसुन्दरदास	काशी	पोस्टकार्ड	२७-९-१९३३
	शिवदत्त शर्मा	कलकत्ता	२	सं. १९९२
	शिवनाथसिंह	मलसीसर	२	९-१-१९४४
	शिवकिशोर तिवाड़ी	जयपुर	१	४-११-१९३१
	,,	नीम का थाना	२	५-२-१९३८
	,,	,,	२	२१-२-१९३८
	,,	जयपुर	१	२६-१२-१९३९
	,,	,,	१	२-२-१९४४
	शिवकुमार केडिया (साथ में पाँच पृष्ठ कवित्त)	रतननगर	३	१६-३-१९३४
	वृद्धिशंकर शर्मा	उदयपुर	१	१४-२-१९४५
	,,	,,	१	१५-२-१९४५
	,,	,,	१	२८-२-१९४५
	,,	,,	२	१०-४-१९४५
	,, (पु० हरिनारायणजी)	जयपुर	५	२-१०-१९३५
	आर. एल. साह	जोशीमठ (यू.पी.)	१	२१-९-१९३५
	अक्षय	अलवर	पोस्टकार्ड	१८-२-१९४६
	रघुराज	वनस्थली	,,	७-३-१९४२
	रामनिवास जोशी	मंडवा	२	पौष ४, सं. १९७२
	वासुदेवशरण	लखनऊ	पोस्टकार्ड	५-३-१९४४
	,,	,,	,,	५-५-१९४४
	लाडलीनारायण गोयल	जयपुर	१	४-९-१९३२
	,,	,,	१	१२-१०-१९३२
	,,	,,	१	२८-८-१९३३
	पं. रामकरण	जोधपुर	२	२०-२-१९२५
	रामप्रसाद	रावलपिंडी	पोस्टकार्ड	५-८-१९०९
	,,	मेरठ	२	३-८-१९१६
	,,	,,	६	१८-८-१९१६
	,, (साथ में एक फटा पत्र)	,,	२	१६-८-१९१६
	,, (फटा हुआ)	,,	पोस्टकार्ड	२९-६-१९१६
	लक्ष्मीमोहन प्रसाद	,,	,,	२७-३-१९३२
	रामदेव चौखानी	कलकत्ता	१	३०-७-१९३५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४९	रामदेव चौखानी	कलकत्ता	३	१-२-१९३८
	,,	,,	४	२८-६-१९३८
	,,	,,	२	१८-३-१९४३
	,,	,,	१	३-२-१९४४
	,, (ना. प्र. सभा)	काशी	पोस्टकार्ड	१६-२-१९४३
	,,	कलकत्ता	२	१६-११-१९४४
	डा. रामजीवन त्रिपाठी	फतेहपुर(सीकर)	२	२५-१०-१९३४
	,,	,,	३	९-७-१९३५
	,,	,,	६	१६-११-१९३५
	,,	,,	२	२२-१-१९३६
	,,	,,	१	१५-१२-१९३९
	,,	,,	२	१२-८-१९३५
	,,	,,	२	३१-८-१९३९
	,,	,,	२	१०-६-१९३६
	,,	,,	१	२०-६-
	कविराज सुखदान (साथ में पत्र (पु- हरिनारायणजी का)	बीकानेर	२	६-९-१९२६
	भाईलाल	धागध्रासूल	१	—
	पं. रामकुमार शर्मा जोशी	नागपुर	१	१७-३-१९४२
	,,	,,	१	२०-४-१९२९
	,,	,,	१	७-१-१९३१
	महताबचन्द्र	जयपुर	१	२०-१-१९३७
	मोतीलाल	—	२	६-३-१९४६
	रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	४	२-५-१९३७
	,,	,,	१	१४-२-१९३८
	,,	,,	१	१६-२-१९३८
	,,	,,	१	८-१-१९३६
	,,	,,	१	५-५-१९३५
	,,	,,	२	२१-७-१९३६
	,,	,,	१	१८-८-१९३७
	,,	,,	१	७-८-१९३६
	,,	,,	१	१४-१-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४९	रघुनाथप्रसाद सिंहानियां	कलकत्ता	१	२४-७-१९३८
	,,	,,	१	३०-८-१९३७
	,,	,,	१	१५-१२-१९३७
	,,	,,	१	१४-१-१९३८
	,,	,,	२	३-३-१९३८
	,,	,,	२	१४-४-१९३५
	,,	,,	२	२६-१-१९३६
	,,	,,	१	४-३-१९३८
	,,	,,	२	११-११-१९३५
	,,	,,	६	२०-३-१९३८
	,,	,,	२	२८-११-१९३६
	,, (पु.ह.ना.का पत्र,साथमें रसीद)	जयपुर	१	२५-११-१९३६
	,,	कलकत्ता	१	२०-१०-१९३४
	,,	,,	३	४-१-१९३७
	,,	,,	१	१५-२-१९३६
	,,	,,	२	२८-११-१९३४
	,,	,,	१	९-२-१९३५
	हनुमान शर्मा	पुलगांव (सी. पी.)	१	१२-६-१९२९
	रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	१	२-३-१९३७
	,,	,,	२	२८-५-१९३७
	,, (पु० हरिनारायणजी)	जयपुर	२	१७-१२-१९३६
	,,	कलकत्ता	२	१५-१२-१९३६
	,,	,,	२	२२-१२-१९३६
	,,	,,	२	३-१२-१९३६
	,,	,,	१	१२-४-१९३७
	,,	,,	२	—
	,,	,,	१	२८-२-१९३८
	,,	,,	१	८-१-१९३७
	वैजनाथ महोदय	अजमेर	पोस्टकार्ड	२४-१२-१९२८
	,,	,,	२	१४-१२-१९२८
	,,	,,	४	८-८-१९२७
	,,	,,	१	८-११-१९२७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४९	वैजनाथ महोदय	अजमेर	३	२४-८-१९२७
	यशोदानन्द	बम्बई	पोस्टकार्ड	३०-१२-१९३७
	,,	,,	,,	१७-१-१९२८
	,,	वृन्दावन	,,	१८-१२-१९२८
	,,	मालपुरा	,,	२०-११-१९२८
	,,	वृन्दावन	१	२५-१-१९२९
	,,	बम्बई	३	२५-८-१९२७
	,,	वृन्दावन	१	१७-१-१९२९
	,,	बम्बई	२	१०-२-१९२९
	,,	वृन्दावन	१	२-३-१९२९
	,,	,,	२	४-५-१९२९
	,,	,,	२	१०-५-१९२६
	,,	कोटा	पोस्टकार्ड	३-६-१९२९
	,,	वृन्दावन	१	१८-७-१९२९
	कृष्ण कन्हैया	,,	२	९-७-१९२९
	यशोदानन्द	,,	पोस्टकार्ड	२१-८-१९२९
	,,	,,	२	२७-८-१९२६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३०-९-१९२९
	,,	,,	४	२६-१०-१९२९
	,,	,,	२	३१-१०-१९२९
	,,	,,	२	२-१-१९३०
	,,	,,	३	११-१-१९३०
	,,	,,	२	१७-१-१९३०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२४-१-१९३०
	,,	,,	२	२९-१-१९३०
	,,	,,	२	३१-१-१९३०
	,, (साथ में एक पृष्ठ प्रिंटेड)	,,	१	१-२-१९३०
	,, (साथ में तीन पृष्ठ अन्य नोटिस के)	,,	१	५-२-१९३०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-२-१९३०
	,,	,,	१	११-३-१९३०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१४-३-१९३०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४९	यशोदानन्द	वृन्दावन	पोस्टकार्ड	२८-४-१९३०
	,,	,,	,,	१५-५-१९३०
	,,	,,	,,	१०-८-१९३०
	,,	,,	१	२७-८-१९३०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२०-३-१९३१
	,,	,,	१	१४-३-१९३१
	,,(साथ में ३ पृष्ठ और कवित्त)	,,	३	२९-३-१९३१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१६-४-१९३१
	,,	,,	,,	१९-५-१९३१
	,,	,,	१	५-६-१९३१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३०-७-१९३२
	,,	,,	,,	१३-२-१९३४
	,,	,,	१	२९-११-१९४३
	,,	,,	३	१३-१०-१९४०
	मथुरानाथ शास्त्री	जयपुर	१	३-५-१९३८
	,,	,,	१	४-५-१९३८
	,,	,,	१	९-१०-१९४०
	,,	,,	१	१०-११-१९४१
	मुकुन्ददास	मेड़ता सिटी	२	२०-४-१९४४
	,,	,,	२	१३-४-१९४४
	,,	,,	पोस्टकार्ड	२४-५-१९४५
	मथुरानाथ	जयपुर	१	१-३-१९४२
	,,	,,	१	२-१-१९४१
	,,	,,	१	—
	मोतीलाल मास्टर	,,	१	—
	महतावचन्द्र खारेड (पु.हरिनारायण का पत्र)	जयपुर	२	९-६-१९३९
	,, (साथ में रसीद)	,,	२	७-११-१९४३
	,,	,,	१	२२-२-१९४४
	,,	,,	१	३०-१-१९३७
	कविराज महरदान	जोधपुर	४	९-३-१९२५
	,,	,,	१	१३-९-१९२६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४९	कविराज महरदान	जोधपुर	३	१४-१२-१९२४
	,,	,,	४	८-५-१९२६
	पं. मार्त्तण्ड उपाध्याय को पु.हरि नारायण का पत्र	जयपुर	२	३-४-१९३९
	भोमसिंह (साथ में चित्र भक्त मगाराम प्रेमजी का)	आसोप (मारवाड़)	२	९-१०-१९४१
	कविया बारहठ मुरारीदान को पु० हरिनारायण का पत्र	जयपुर	२	२३-२-१९३३
	,, वंशावली	—	२	—
	मथुराप्रसाद	जयपुर	पोस्टकार्ड	१३-१२-१९०९
	,,	—	१	६-६-१९३०
	महंत मनीराम वैद्य	कलानौर(रोहतक)	३	३०-१२-१९२९
	संघी मोतीलाल मास्टर	जयपुर	पोस्टकार्ड	२८-१०-१९४३
	मार्त्तण्ड उपाध्याय	दिल्ली	१	१-४-१९३९
	,,	,,	१	५-१०-१९३९
	,,	,,	१	१६-१०-१९४०
	,,	,,	२	६-४-१९४०
	,,	,,	१	१०-४-१९४०
	,,	,,	१	२६-४-१९४०
	,,	,,	१	२०-५-१९४०
	,,	,,	२	१०-८-१९४०
	भीमसिंह	गारासणी	२	२५-१२-१९३९
	रामस्वरूप मिश्र	अजमेर	२	१४-९-१९२६
	बलदेवप्रसाद	वृन्दावन	पोस्टकार्ड	८-५-१९२९
	,,	,,	२	२९-५-१९२९
	,,	,,	१	५-६-१९२९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१०-६-१९२९
	,, (साथ में एक नक्शा मीरां बाई के घर का)	,,	२	९-७-१९२९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	४-९-१९२९
	,,	,,	१	५-१०-१९२९
	,, (साथ में चार पृष्ठ सूत्री पत्र)	,,	१	७-१०-१९२९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४९	ब्रलदेवप्रसाद	वृन्दावन	पोस्टकार्ड	१४-१०-१९२९
	,,	,,	,,	१६-१०-१९२९
	,,	,,	,,	२२-१०-१९२६
	,,	अज़मेर	१	३-७-१९३४
	,,	,,	२	८-९-१९३४
	,,	,,	१	२८-९-१९३४
	,,	,,	२	१०-११-१९३४
	,,	माधवनगर(उज्जैन)	२	११-६-१९४१
	,,	,,	२	२५-१०-१९४१
५०	महाराजा रघुवीरसिंह (साथ में दो पृष्ठ अन्य अनाम)	सितामऊ	२	२३-२-१९३४
	अनाम	बरेली	८	३-३-१९३७
	अनाम	—	१	—
	अनाम	—	१	—
	लक्ष्मीनारायण डांगी (कवित्त लावारासा)	—	१	१८-११-१९३०
	पं. हीरालाल शास्त्री	जयपुर	२	१७-१२-१९२७
	,, (को गोपालनारायण का पत्र)	,,	३	१७-१२-१९२७
	,, (पु. हरिनारायणजी)	,,	३	२३-१२-१९२७
	,,	निवाई	पोस्टकार्ड	१९-१-१९३१
	,,(जीवन कुटीर वनस्थली कार्य विवरण)	,,	४	३१-५-१९३१
	,,	,,	१	१-६-१९३१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१२-६-१९३१
	,,	,,	,,	३-७-१९३१
	,,	,,	१	२१-९-१९३१
	,,	,,	१	२४-११-१९३३
	,,	,,	२	२४-११-१९३३
	,,	,,	पोस्टकार्ड	६-१२-१९३३
	पुरोहित गोपालनारायण	नीम का थाणा	३	१३-३-१९२९
	,,	,,	२	१-५-१९२९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१-५-१९२९
	,,	गंगापुर	२	६-२-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५०	पुरोहित गोपालनारायण	गंगापुर	१०	२-२-१९३८
	”	”	४	६-२-१९३९
	”	”	पोस्टकार्ड	११-२-१९३८
	”	”	३	१४-२-१९३८
	”	”	२	७-७-१९३८
	”	”	१	१२-७-१९३८
	”	”	पोस्टकार्ड	४-४-१९३९
	”	”	३	४-६-१९३९
	”	”	२	—
	”	”	३	२७-७-१९४०
	”	झूंझणू	२	१०-११-१९४५
	”	”	२	६-४-१९४६
	डा. हजारीप्रसाद द्विवेदी	शान्तिनिकेतन	३	३१-३-१९५०
	सूर्यकरण पारीक	पिलानी	२	१४-४-१९३०
	”	”	१	२६-७-१९३०
	” (साथ में एक पृष्ठ का पत्र पु. हरिनारायणजी)	”	४	१३-११-१९३०
	”	”	६	१२-३-१९३१
	”	”	२	८-९-१९३१
	”	”	२	२१-३-१९३२
	”	”	२	१२-४-१९३२
	” (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	३	९-४-१९३२
	”	पिलानी	२	१८-१-१९३४
	”	बीकानेर	२	७-६-१९३४
	”	पिलानी	२	१२-७-१९३४
	”	”	२	२८-१-१९३५
	”	”	२	६-९-१९३७
	”	”	२	२६-१२-१९३७
	”	”	२	२४-१२-१९९७
	”	”	२	१३-३-१९३८
	”	”	२	११-६-१९३८
	”	”	२	१४-६-१९३८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५०	सूर्यकरण पारीक	पिलानी	२	४-७-१९३८
	,,	,,	४	१-८-१९३८
	,,	,,	२	९-९-१९३८
	,,	,,	२	१०-१०-१९३८
	,,	,,	२	१९-१०-१९३८
	,,	,,	२	१६-१०-१९३८
	,,	,,	२	७-११-१९३८
	,,	,,	२	२-२-१९३९
	रामगोपाल शर्मा काशीवाले	बनारस सिटी	२	२५-९-१९२६
	,,	,,	१	२७-१२-१९२६
	,,	,,	२	२९-१०-१९२८
	पण्डित रामकरण	जोधपुर	३	२१-१-१९२९
	भूरसिंह शेखावत	जयपुर	२	१६-७-१९१५
	,,	,,	४	२५-११-१९१८
	,,	,,	२	—
	,,	,,	२	चैत्र १५, सं. १९६२
	,,	,,	३	आ. ११, सं. १९७२
	,, (फटा हुआ पत्र)	,,	३	—
	,,	,,	२	आ. ४, सं. १९८५
	बाघसिंह शेखावत (कवित्त)	नवलगढ	४	३-३-१९१५
	बालाप्रसाद	डूंगरपुर	४	१५-९-१९१५
	,,	,,	४	१५-५-१९१६
	बाघसिंह शेखावत	नवलगढ	३	८-९-१९१७
	,,	जयपुर	१	९-९-१९३२
	,,	मुकुन्दगढ	१	१६-५-१९३७
	,,	गिरडाणा	१	१०-९-१९३३
	पीताम्बरदास बर्थवाल	काशी	१	२०-२-१९३८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१४-१-१९३४
	,,	,,	२	२३-११-१९३४
	,,	,,	२	२०-१२-१९३४
	,,	,,	१	—
	,,	,,	२	२१-१-१९३५
	,,	,,		

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५०	पीताम्बरदास वर्थवाल	काशी	पोस्टकार्ड	१८-४-१९२५
	,,	,,	,,	३०-७-१९३५
	,,	,,	,,	१५-९-१९३५
	,,	,,	२	४-३-१९३६
	,,	,,	पोस्टकार्ड	९-११-१९३६
	,,	,,	२	३०-८-१९३७
	,,	लखनऊ	४	११-६-१९३७
	,,	बनारस	२	१५-९-१९३७
	,,	,,	२	२६-१०-१९३७
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१९-१-१९३८
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	३	२८-१०-१९३८
	,,	,,	४	२-१२-१९३८
	पीताम्बरदास वर्थवाल	लखनऊ	पोस्टकार्ड	४-१२-१९३८
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	४	१६-१-१९३९
	,,	,,	पोस्टकार्ड	३०-१-१९३९
	पीताम्बरदास वडथ्वाल	लखनऊ	,,	६-२-१९३९
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	२	१९-२-१९३९
	,,	,,	१	जनवरी १९३९
	पीताम्बरदास वडथ्वाल	लखनऊ	पोस्टकार्ड	१८-३-१९३९
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	,,	२१-४-१९३९
	,,	,,	,,	६-५-१९३९
	पीताम्बरदास वडथ्वाल	लखनऊ	,,	१६-५-१९३९
	,,	,,	,,	२८-८-१९३९
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे (साथ में सूची पत्र)	मीठी (सिन्ध)	६	१-९-१९३९
	पीताम्बरदास वडथ्वाल	लखनऊ	२	२५-९-१९३९
	,,	,,	१	३-६-१९३९
	,,	,,	१	२४-१०-१९३९
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	पोस्टकार्ड	२५-२-१९४१
	,,	,,	,,	२०-५-१९४१
	,,	,,	२	२०-७-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	११-७-१९४१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
३०	पीताम्बरदास बडथ्वाल	लखनऊ	१	८-९-१९४१
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	४	६-९-१९४१
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१६-८-१९४१
	,,	,,	१	२७-६-१९४१
	पीताम्बरदास बडथ्वाल	लखनऊ	३	१५-१०-१९३७
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	पोस्टकार्ड	५-१०-१९४१
	,,	,,	२	१२-३-१९४०
	पीताम्बरदास बडथ्वाल (साथ में सूची)	लखनऊ	३	७-४-१९४०
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	पोस्टकार्ड	१-६-१९४०
	पीताम्बरदास बडथ्वाल	लखनऊ	१	८-६-१९४०
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	पोस्टकार्ड	४-८-१९४०
	,,	,,	,,	५-१०-१९४०
	,,	,,	,,	६-१०-१९४०
	,,	,,	१	२६-१०-१९४०
	,,	,,	पोस्टकार्ड	६-१२-१९४०
	पीताम्बरदास बडथ्वाल	लखनऊ	,,	२२-१०-१९३८
	,,	,,	१	७-४-१९४०
	,,	,,	१	२-६-१९४१
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे	मीठी (सिन्ध)	पोस्टकार्ड	२१-१२-१९४१
	,,	,,	,,	२०-४-१९४२
	,,	,,	,,	२६-७-१९४२
	,,	,,	६	१०-४-१९४४
	नारायणदास बाजोरिया	कलकत्ता	२	१३-३-१९४०
	,,	राँची	२	३-४-१९४०
	,,	कलकत्ता	१	४-४-१९४०
	,,	,,	२	२६-१२-१९४०
	,,	,,	४	२-१-१९४१
	,,	कनखल	१	१५-४-१९४१
	,,	,,	१	२७-४-१९४१
	नरेन्द्रसिंह खँगारोत	जयपुर	२	४-५-१९२५
	,,	,,	२	२४-५-१९२५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५०	नरेन्द्रसिंह खँगारोत	जयपुर	२	३१-३-१९३०
	,,	,,	४	२-६-१९३०
	,,	,,	२	२३-११-१९३३
	,,	,,	२	२२-१-१९४२
	,,	,,	१	२०-६-१९४५
	नवनिधि कुमारी	भाटखेड़ी	२	१३-१०-१९३३
	,,	,,	४	७-२-१९३६
	,,	,,	२	७-८-१९३६
	,,	,,	२	१३-१०-१९३६
	,,	,,	४	१२-११-१९३६
	,,	,,	४	२-२-१९३७
	,,	,,	८	२०-२-१९३७
	,,	जयपुर	२	४-७-१९३१
	,,	भाटखेड़ी	४	१७-७-१९३७
	,,	,,	२	९-११-१९३८
	,,	,,	२	२४-८-१९४२
	,, (निमन्त्रण पत्र)	,,	१	—
	,,	,,	२	२०-८-१९४५
	,,	,,	८	—
	,,	,,	२	—
	,,	,,	२	—
	,,	,,	२	—
	,,	,,	१	१९-१२-१९३९
	,,	,,	१	—
	,,	,,	६	२७-१२-१९३७
	नन्दकिशोर पारीक	जयपुर	१	८-३-१९४६
	नरोत्तमदास स्वामी	पिलाणी	१	१३-२-१९३५
	,,	बीकानेर	१	२९-४-१९३९
	,,	,,	१	१६-४-१९४०
	नन्दकुमार साहित्याचार्य	जयपुर	१	१५-८-१९३१
	,,	,,	१	३१-८-१९३२
	नन्दकिशोर शर्मा	,,	१	३-११-१९३९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५०	नन्दकिशोर शर्मा	जयपुर	१	२८-४-१९३३
	,,	,,	२	७-९-१९३७
	,,	,,	१	२९-७-१९३८
	,,	,,	२	१९-३-१९४०
	,,	,,	१	२२-७-१९४०
	,,	,,	१	—
	देशराज	अबोहर (पंजाब)	२	३०-९-१९३८
	,,	कठवारी (आगरा)	२	२८-८-१९३८
	तुलसीराम शर्मा	कैरू (हिसार)	१	२६-९-१९४१
	कुंवर देवीसिंह (साथ में एक पृष्ठ (पु. हरिनारायणजी का)	जयपुर	२	२-३-१९३१
	पिलासी	गुगुरू	१	सन् १९०८
	गणेशानन्द गीतार्थी	अजमेर	२	२२-१२-१९३१
	,,(साथ में एक प्रिंटेड पत्र)	,,	२	२८-१२-१९३१
	,,	इन्दौर	१	१३-२-१९३२
	,,	,,	२	२२-२-१९३२
	,,	इलाहाबाद	१	२-११-१९३७
	बारहठ किशोरसिंह	पटियाला	१	२९-५-१९३३
	,, (पु. ह. ना. का पत्र)	जयपुर	२	१२-८-१९३३
	,,	पटियाला	४	३१-८-१९३३
	,,	,,	२	७-९-१९३३
	,,	,,	२	२१-१२-१९३३
	,,	,,	१	१५-१-१९२५
	,, (जनार्दन नागर का पत्र)	—	१	—
	,,	पटियाला	४	१८-१-१९३४
	,,	,,	२	२०-२-१९३४
	,,	,,	२	२७-४-१९३४
	अलीखाँ	किशनगढ	पोस्टकार्ड	३०-१०-१९४४
	विद्याकुमारी शर्मा का व्यक्तिगत पत्र मुरारीलाल शर्मा को	करौली	,,	२७-९-१९६०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक

श्री पुरोहित हरिनारायणजी विद्याभूषण द्वारा लिखे गये पत्र विभिन्न व्यक्तियों के नाम–

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५१	कदम्ब भ्रमवृत और अयनचलन (लेख)	—	३	—
	अभिनन्दन पत्र	—	१	—
	रुद्रसिंह तोमर को (दो प्रिंटेड पत्र)	जयपुर	१२	५-२-१९६३
	ऋ. कु. रामस्वरूपशर्मा द्वारा भूमिका (प्रिंटेड)	—	८	—
	सुन्दरदास के विषय में (प्रिंटेड)	—	४	—
	जयश्रीकृष्ण को	जयपुर	२	७-८-१९३५
	दरबार सचित्र साप्ताहिक अजमेर (ढोला मारू पर लेख)	अजमेर	८	३०-१२-१९३५
	नथमल का पत्र (गोमाता के सम्बन्ध में)	खण्डेला	२	वि. सं. १९८३
	,,	,,	१	,,
	,,	,,	२	,,
	,,	,,	२	,,
	,, (लेख)	,,	४	,,
	कुमार कौशलेन्द्र प्रतापसाहि (प्रिंटेड)	सुलतानपुरा	२	४-६-१९३६
	अमृतलाल माथुर ,,	जोधपुर	२	१९-२-१९३८
	शोकपत्र	—	१	२९-७-१९३८
	पी. वी. काने का पत्र (साथ में दो प्रिंटेड पत्र)	बम्बई	३	१-५-१९५३
	पं. चनराय का पत्र (,,)	जयपुर	१	३०-८-१९४१
	बाबा खेतासिंह को (साथ में एक छोटी पर्ची)	,,	२	१३-११-१९४३
	,, (साथ में दो पृष्ठ)	,,	२	३१-१-१९४४
	— सूची पत्र दो पृष्ठ	,,	२	—
	पुरोहित रामप्रताप को	,,	२	२५-१०-१९२९
	बारहठजी को	,,	१	२९-८-१९४२
	रघुनाथप्रसादजी को	,,	२	१३-५-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५१	रघुनाथ प्रसादजी को	जयपुर	१	१६-१-१९३६
	— साथ अन्य पत्र	झुंझुणू	१	६-१२-१९३८
	कंवर साहब कृष्णकुमार को	हिण्डौन	१	२५-९-१९४४
	—	जयपुर	२	१०-१-१९४१
	पीताम्बरदास अर्जुन वारडे का पत्र	मीठी	२	१६-११-१९३८
	पारीक पाठशाला को	जयपुर	३	९-७-१९२५
	श्री वदरीश ज्यतिमठ जोशीमठ (सूची पत्र तीन पृष्ठ)	,,	२	.२२-३-१९३४
	वैजनाथ का पत्र	अजमेर	१	११-१०-१९२८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	१७-१०-१९२८
	,,	,,	,,	२१-९-१९२८
	वैजनाथ महोदय को पत्र	जयपुर	२	९-१२-१९२८
	रामचन्द्र शर्मा का पत्र	,,	१	—
	कन्हैयालाल पोद्दार का पत्र	मथुरा	२	२४-८-१९३७
	हनुमानप्रसाद पोद्दार का पत्र	गोरखपुर	१	२३-८-१९३७
	चंद्रिकाप्रसाद त्रिपाठी का पत्र	अजमेर	१	२२-११-१९३७
	नरोत्तमदास स्वामी का पत्र	बीकानेर	२	२७-११-१९३७
	,, को पत्र पु.ह.ना.	जयपुर	२	१-१२-१९३७
	पं. गोविन्दप्रसाद कौशिक का पत्र	ब्यावर	४	१४-१२-१९३७
	जयदेवसिंह वर्मा का पत्र	—	१	११-१-१९३६
	दुर्गासहाय शर्मा का पत्र	जयपुर	५	१८-३-१९३८
	शुकदेवबिहारी मिश्र का पत्र	लखनऊ	२	२९-४-१९३८
	बृजमोहन शर्मा का पत्र	,,	२	१९-४-१९३८
	बिश्वेश्वरनाथ रेउ का पत्र	जोधपुर	१	१३-४-१९३८
	व्रजरत्नदास बी.ए.एल.बी का पत्र	बनारस सिटी	१	५-९-१९३७
	सूर्यकरण पारीक का पत्र	पिलानी	२	९-१-१९३७
	हनुमानशर्मा का पत्र (सुन्दर ग्रन्थावली के सम्बन्ध में)	चौमूँ	२	वि. सं. १९२४
	शंकरदान जेठीभाई देथा का पत्र	लींबड़ी	२	३१-१-१९४१
	,,	,,	२	२८-२-१९४१
	श्यामसुन्दरदास का पत्र	बनारस सिटी	१	२९-८-१९३७
	,,	आगरा	२	२७-७-१९३७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५१	शंकरसिंह जेठीभाई देथा (कवित्त)	—	१	—
	सीहाप्रसाद बाजपेई का पत्र	महवा मंजिल	२	१-३-१९२७
	,,	,,	२	२-३-१९२७
	शंकर पुरुषोत्तम जोशी का पत्र	बांदीकुई	पोस्टकार्ड	१९-३-१९४२
	,,	,,	,,	२१-७-१९४२
	,,	,,	,,	१-९-१९४२
	,,	उदयपुर	,,	१२-१०-१९४२
	,,	भीलवाड़ा	,,	११-१-१९४३

विभिन्न व्यक्तियों के साधारण पत्र पुरोहित हरिनारायणजी के नाम—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५२	शिवनारायण शर्मा के प्रिंटेड दो पत्र (प्रताप जयन्ति)	उदयपुर	५	२२-५-१९५०
	प्रहलाद	वनस्थली	१	१७-१०-१९४८
	प्रभुनारायण शर्मा	जयपुर	१	१८-८-१९३७
	,,	अजमेर	२	२४-६-१९२९
	फूलनारायण शर्मा	जयपुर	पोस्टकार्ड	६-१-१९३९
	,,	,,	२	१०-११-१९३९
	विजयनारायण टेमाणी	,,	२	५-१०-१९२७
	,,	,,	१	१५-४-१९२८
	भगतराम जालान	फतेहपुर	२	९-२-१९३८
	वेरमीशंकर	कलकत्ता	२	३०-५-१९३६
	मांगेलाल शर्मा	झुंझनू	१	—
	वेरमीशंकर	कलकत्ता	१	१६-११-१९३६
	मनोरमादेवी	झुंझनू	२	१६-१-१९४१
	,,	,,	२	२५-१२-१९४१
	,,	,,	२	२-४-१९४१
	,,	,,	२	२५-११-१९३८
	,,	,,	१	१८-१२-१९३९
	,,	,,	१	३१-५-१९४०
	,,	,,	१	४-१२-१९३९
	,,	,,	२	१३-५-१९४१
	,,	,,	१	२८-१२-१९३९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५२	मनोरमादेवी	झुंझुनू	१	४-७-१९३९
	,,	,,	१	३-४-१९३९
	,,	,,	१	१३-२-१९३९
	,, (साथ में पर्ची)	,,	२	१६-५-१९३४
	पु. मदनकुमार	जयपुर	२	११-३-१९३५
	प्रभुलाल व्यास	,,	२	२६-६-१९३३
	प्राणराम (साथ में पर्ची)	,,	२	२८-२-१९४८
	माधोदास	,,	१	२५-६-१९३६
	वेरमीशंकर	कलकत्ता	२	१५-६-१९३६
	मंगलदास स्वामी	जयपुर	१	फा. कृ. ३, १९९२
	—	मेड़ता	२	२८-४-१९१७
	— (उर्दू में)	लाहोर	१	२१-१०-१९३९
	मंगलदास स्वामी	जयपुर	१	चै. कृ. १२, १९९५
	,,	,,	२	चै. कृ. ९, १९९५
	,,	,,	१	आश्विन कृ. ७, १९९८
	,,	,,	१	मि. १५, १९९८
	प्रेमप्रदास	इलाहाबाद	पोस्टकार्ड	२९-१०-१९४१
	भवानीशंकर (साथ में रसीद)	जयपुर	२	२२-११-१९४०
	,, (साथ में चार रसीदें)	,,	२	११-२-१९४१
	मंगलदास स्वामी	,,	१	आ. १३, १९९८
	रामदयाल दिलसुखराय (साथ में रसीद)	,,	१	मार्गशीर्ष, ५, १९९९
	मैनेजर (द खडगा विलास प्रेस)	बांकीपुर	१	३-८-१९३९
	मोहनलाल (प्रिंटेड)	जयपुर	२	३०-११-१९४८
	—	कानपुर	१	९-८-१९३०
	एस. पी. माथुर (प्रिंटेड)	जयपुर	२	१७-३-१९४८
	शिवशंकर पाठक	,,	१	३०-८-१९३२
	बदरीनारायण (साथ में पर्ची)	मु. मालपुरा	४	२९-४-१९०८
	मांगीलाल शर्मा (फठा हुआ पत्र)	राजलदेसर	२	१६-५-१९३८
	,,	,,	२	१०-४-१९३८
	,,	,,	१	२३-५-१९३८
	मंगलसिंह	जयपुर	२	५-११-१९३६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५२	मांगीलाल	खानपुर	२	१५-१-१९४६
	माखनलाल सहल (साथ में दो रसीद)	जयपुर	२	७-५-१९४६
	पं. मुक्तिनारायण शुक्ल	,,	२	१३-७-१९२७
	निमन्त्रण पत्र (पांच रसीदें)	—	२	फा. ३, १९९६
	बदरीनारायण (साथ में रसीद)	मालपुरा	१	—
	बलवन्तराम	माछरोली	२	—
	ओंकारनाथ जमुनाप्रसाद (पर्ची)	आगरा	२	—
	कवित्त (साथ में पर्ची)	—	३	वि. १९०६
	नन्दकिशोर शर्मा (प्रिंटेड, साथ में रसीद)	जयपुर	२	१६-६-१९३६
	भूरमलराम (साथ में गीत)	—	२	१९-७-१९४७
	अनाम पत्र (एक प्रिंटेड पत्र)	टाकर	२	—
	नन्दकिशोर शर्मा	जयपुर	१	२९-१२-१९३३
	बदरीश ज्योतषी (साथ में रसीद)	जोशीमठ	पोस्टकार्ड	१९-१२-१९३३
	,,	,,	,,	२३-११-१९३३
	पु. हरिनारायण का पत्र जशीमठ	जयपुर	२	१२-१२-१९३३
	अनाम पत्र	—	४	—
	पु. मिश्रीलाल व्यास	जयपुर	२	१३-१२-१९३६
	,,	,,	४	२०-७-१९४८
	,,	,,	२	२८-२-१९४८
	,,	,,	२	१-३-१९४८
	,,	,,	२	३०-५-१९४८
	,,	सवाई मधोपुर	२	३-११-१९४८
	,,	,,	३	२१-९-१९४८
	,,	जयपुर	३	२१-५-१९४८
	,,	,,	१	१६-५-१९४८
	,,	,,	२	३-४-१९४८
	,,	,,	२	१२-१-१९४८
	,,	माऊण्ट आबू	२	२५-४-१९३८
	,, (साथ में पृष्ठ फटे हुए, नकल)	बूँदी	२	१४-९-१९४७
	मनालाल गौरीशंकर(साथ रसीद)	झुंझनू	१	१३-२-१९४८
	गोपीनाथ (साथ में रसीद)	जयपुर	पोस्टकार्ड	१२-१०-१९४८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५२	तोताराम नोटियाल (साथ में रसीद, गढवाल की प्रति)	जोशीमठ	३	२३-३-१९३४
	वेणीशंकर को	जयपुर	२	२०-११-१९३६
	हनुमानप्रसाद जोशी	पुलगांव	१	१२-६-१९२९
	अनाम	झुंझनू	२	११-७-१९३८
	,, (साथ में प्रिंटेड सनातन धर्म मण्डल)	जयपुर	१	वै.कृ. ९, २००५
	बालचन्द व गोवर्धनलाल	वृन्दावन	१	म. ३, सं. १९५८
	मदनलाल नन्दकिशोर बोहरा (निमन्त्रण पत्र)	खंडेला	१	५-२-१९३७
५३	मिश्रीलाल व्यास (साथ में एक (निमन्त्रण पत्र)	बूंदी	३	१-१०-१९४३
	रामदास गौड़ (साथ का पत्र)	प्रयाग	२	८-२-१९१५
	पु.हरिनारायणजी का बी.आर. को	जयपुर	३	१५-२-१९३७
	रघुनाथ	कलवन्ती	पोस्टकार्ड	१२-२-१९३७
	राधाकृष्ण वैश्य	नई दिल्ली	१	१५-१२-१९३७
	नन्दराम व्यास	बम्बई	१	१५-१०-१९३७
	श्रीरामदेव फार्मेसी के दो प्रिंटेड पत्र	अजमेर	३	—
	राधेश्याम शर्मा (प्रिंटेड)	जयपुर	१	भा. शु. ३, १९८५
	चुनीराय (कार्यक्रम विवरण)	जोधपुर	२	—
	प्रतावकंवर (साथ में दो पृष्ठ अनाम)	—	१	—
	विजयसिंह	जोधपुर	२	१०-१२-१९२४
	पं. रामदेव शर्मा वैद्यशास्त्री	अजमेर	२	११-७-१९२८
	,, (साथ में पर्ची)	,,	१	२३-२-१९३१
	,,	,,	२	४-५-१९३३
	,,	,,	१	१-९-१९३२
	,,	,,	१	६-५-१९३३
	,,	,,	१	७-१२-१९३३
	फूलनारायण	जयपुर	४	२१-८-१९४८
	रघुराजसिंह	वनस्थली	२	१७-७-१९४०
	,,	,,	२	७-११-१९४१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५३	रघुनाथ	कलकत्ता	१	२३-६-१६३६
	रामदयाल मास्टर	कूण्डेरानगर	१	२५-१०-१९४६
	रामगोपाल शर्मा	बनारस सिटी	४	२५-६-१६३१
	सुखदेवप्रसाद	,,	२	११-१-१९२८
	रामनाथ	रंगमहल (दिल्ली)	३	१२-२-१९२४
	रतनशास्त्री (प्रिंटेड)	वनस्थली	१	२२-६-१९४६
	रामेश्वर खूंटेश	—	१	९-४-१९४८
	राजबहादुर माथुर	—	१	२२-१२-१९४०
	ऋ. कु. रामचन्द्र शर्मा	मुरादाबाद	१	२८-७-१९३६
	रामचन्द	गंगापुर	१	१-१-१९४१
	चिरंजीलाल अनराज	बम्बई	१	२९-११-१९४१
	रामचन्द	गंगापुर	१	२६-१२-१९४१
	रामगोपाल (साथ में एक पृष्ठ)	काशी	१	९-४-१९३१
	रामसिंह	बीकानेर	६	७-४-१९२८
	रामकिशन शुक्ल	जयपुर	१	१८-१-१९३४
	रामचन्द (साथ में रसीद)	सवाई माधोपुर	१	११-५-१९३९
	राधाकृष्ण रस्तोगी	—	१	—
	हनुमानसहाय	जयपुर	४	२७-६-१९३३
	राधाकिशन	मुरादाबाद	१	४-५-१९३८
	रामनाथ (साथ में एक पत्र)	रंगमहल (दिल्ली)	४	२०-११-१९२३
	रामकृपाल	जयपुर	३	११-७-१९२७
	धन्नासिंह	नई दिल्ली	१	२२-१०-१९३९
	ककार	जयपुर	१	२४-११-१९२७
	अनाम	फतेहपुर	२	१६-१२-१९३४
	रामप्रसाद (साथ में एक रसीद)	—	२	५-६-१९१०
	पं. रामनारायण	जयपुर	२	३०-१०-१९१५
	रामनारायण गिरधारीलाल (साथ में रसीद)	हरपालपुर (झांसी)	२	२४-७-१९३७
	रामबिहारी शुक्ल (ना. प्र. सभा; प्रिंटेड)	बनारस	७	४-५-१९४१
५४	गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी (प्रिंटेड)	जयपुर	६	१६-२-१९३४
	म. ख्यालीराम	दादूद्वारा	१	१८-२-१९३६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५४	जमुनादास पोद्दार (प्रिंटेड)	देहली	१	१४-१-१९२४
	काका कालेलकर	वर्धा	२	२१-११-१९३९
	जमुनादास पोद्दार (प्रिंटेड)	देहली	१	१३-१-१९२४
	सोमदेव शर्मा गुलेरी	,,	१	—
	जुगलकिशोर	पिलानी	२	फा.कृ.३, सं. १९७६
	प्रबन्धकारिणी समिति, वैश्व-वाचनालय	जयपुर	१	६-४-१९४०
	पं. हनुमानप्रसाद जोशी (साथ में ५ पृष्ठ अनाम)	पुलगाँव	१	—
	नानकदेव सत्संग सभा (प्रिंटेड)	जयपुर	२	१९-१-१९३९
	त्र्यंबकराम (साथ में जन्म-कुण्डली)	,,	२	वै.शु.७, सं. १९८२
	अमृतधारा	लाहौर	२	—
	खाजूलाल	जयपुर	१	२-३-१९३९
	कमलाकुमारी	झुंझुनू	१	८-१२-१९३९
	गोपालसिंह	—	१	१८-१-१९२७
	अनाम	वृन्दावन	२	४-४-१९३०
	जवाहिरलाल जैन	नवलगढ़	२	२६-९-१९३७
	जीवनलाल (निमन्त्रण पत्र)	—	१	मा.कृ.११, १९९५
	चिरंजीलाल मिश्र (प्रिंटेड)	जयपुर	१	—
	चन्द्रधरशर्मा गुलेरी	अजमेर	१	१५-११-१९२०
	मथुरेशदास गोपाल	—	२	१६-५-१९३८
	वंशीधर (प्रिंटेड)	जयपुर	२	३०-५-१९४०
५५	ख्यालीराम स्वामी	फतेपुर	५	२४-९-१९३४
	,,	,,	१	१३-९-१९३४
	रामचन्द्र शर्मा	दौसा	५	२९-११-१९३४
	मंत्री मारवाड़ी शिष्ट मण्डल (प्रिंटेड)	वर्धा	२	७-४-१९१६
	कल्याणसिंह	जयपुर	१	२-१२-१९३१
	कर्णसिंह वर्मा	कोटड़ा	३	९-४-१९०५
	सेठ केशवदेव	हरिद्वार	१	१४-७-१९३७
	नरेन्द्रसिंह वर्मा	जोबनेर	२	५-४-१९४६

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५५	जवाहरसिंह जैन	—	१	७-४-१९४०
	नरोत्तमदास स्वामी	बीकानेर	२	८-६-१९३८
	दशरथप्रसाद	गंगोतरी	१	१-९-१६३५
	नवलकिशोर शर्मा	जयपुर	१	६-१-१९३४
	दुर्गादत्त	गंगापुर सिटी	१	७-३-१९४५
	दशरथप्रसाद	गंगोतरी	१	१०-९-१९३७
	वद्रीनारायण	—	२	५-१०-१९१८
	रामेश्वर गौरीशंकर ओझा	इन्दौर सिटी	४	२-७-१९३२
	सूर्यकरण	बीकानेर	२	२५-३-१९३८
	त्रिभुवन मुहू	पिलानी	१	२१-५-१९३५
	,,	,,	१	२९-५-१९३५
	पं. मोहन शर्मा	जयपुर	२	१०-१०-९९३२
	रामेश्वप्रसाद भार्गव	,,	२	९-९-१९४८
	म. रामेश्वर	,,	१	१३-४-१९२६
	सेठ रामचन्द पालीवाल	गंगापुर सिटी	२	१२-३-१९४१
	ब्रजवल्लभ पुरोहित	खंडवा	४	२५-४-१९४५
	सेठ राधाकिशन जयकिशन	हरदा	२	७-१२-१५२८
	ब्रजवल्लभ	खण्डवा	२	११-८-१९३५
	'श्री वेङ्कटेश्वर' प्रेस (प्रिंटेड)	बम्बई	१	२९-१२-१९१४
	,, (,,)	,,	१	१२-११-१६०९
	वंशीधर	सरवाड़	१	२६-१-१९२८
	वियोगीहरि (साथ में एक अन्य पत्र)	दिल्ली	२	३०-४-१९४०
	पं. विश्वम्भरदत्त शास्त्री	,,	१	१४-२-१९३९
	तिवाड़ी घनश्यामदास	मथुरा	२	८-३-१९१०
	विट्ठल महादेव कोल्हटकर	पुणे	२	२२-६-१९४०
	विट्ठलदास मोदी	इलाहाबाद	२	५-१-१९४०
	वैंकटलाल	हरपालपुर	१	१६-७-१९३७
	ब्रजवल्लभ	खंडवा	२	१-७-१९३७
	रामनाथ	—	२	—
	वैंकटलाल	—	१	१२-१-१९२८
	हरिशंकर	उदयपुर	१	२८-३-१९४५
	,,	,,	२	१६-४-१९४५

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५५	वेरमीशंकर	कलकत्ता	२	७-७-१९३६
	वीरसिंह	अलवर	१	९-२-१९३३
	विद्याधर शर्मा	बीकानेर	२	२६-६-१९३८
	,,	,,	१	१०-२-१९३९
	,,(साथ में एक अनाम पत्र)	,,	१	१६-५-१९३८
	आई. एन. शर्मा	—	१	१-७-१९३७
	विद्याधर शर्मा	बीकानेर	२	३०-६-१९३८
	,,	,,	१	१३-७-१९३८
	,,	,,	२	२७-१०-१९४१
	,,	,,	१	१-२-१९३८
	,,	,,	३	२४-४-१९३६
	यशोदानन्दन	बम्बई	३	२४-७-१९२७
	,,	वृन्दावन	१	१४-१-१९३१
	,, (साथ में रसीद)	,,	१	७-३-१९२१
	योगेन्द्र शर्मा	फतेहपुरी	३	४-१-१९३५
	ना. प्र. सभा (प्रिंटेड)	काशी	१	५-१-१९४२
	,, (,,)	,,	२	१९-११-१९४६
	झाबरमल्ल शर्मा	जसरासर	२	११-९-१९३५
	गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	अजमेर	२	१३-९-१९०८
	झाबरमल्ल शर्मा	जसरासर	२	१८-७-१९३७
	,,	,,	१	२६-१२-१९३९
	दीनसुखराय नेवटिया	फतेहपुर	१	८-१०-१९१८
	प्रेमलता	—	१	—
	,,	गोरिया	अन्तर्देशीय	—
	,,	वनस्थली	पोस्टकार्ड	११-४-१९५९
	,,	जयपुर	,,	७-११-१९४५
	केदारनाथ	,,	३	—
	,,	,,	२	—
	,,	,,	१	—
	,,	,,	४	—
	,,	,,	२	९-१०-१९२७
	,,	,,	१	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५५	केदारनाथ	जयपुर	१	—
	,, (साथ में लिफाफा)	,,	१	—
	,, (पीछे रामगोपाल का पत्र)	,,	२	१-३-१९३३
	,, ,,	,,	२	२५-३-१९३३
	,, ,,	,,	२	१८-३-१९३३
	,, ,,	,,	२	२८-३-१९३३
	,, ,,	,,	२	—
	,, ,,	,,	२	२-५-१९३३
	,, —	,,	१	१८-५-१९३३
	,, ,,	,,	२	२०-४-१९३३
	,, —	,,	२	—
	,, —	,,	२	—
	,,	,,	२	२६-९-१९४१
	यशोदानन्दन	वृन्दावन	२	३०-६-१९३१
	अनाम	—	५	१७-४-१९२६
	,, (पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	३	६-९-१९३५
	,, ,,	,,	३	१०-३-१९२६
	,, ,,	,,	४	१२-१२-१९३३
	,, ,,	,,	७	२८-१०-१९३३
	पुरोहित ब्रजवल्लभ ,,	,,	२	६-३-१९४१
	—	मथाणिया	२	१०-१०-१९४३
	हरनामसिंह	नई दिल्ली	२	७-२-१९३९
	अनाम	जयपुर	१	चैत्र २, वि. सं. २००२
	सोमनाथ के सम्बन्ध में	—	८	—
	—	—	१	१७-३-१९३६
	कवि शम्भुरामजी	—	१	६-१२-१९२६
	नकल	—	२	—
	विविध— (नाम पुस्तकों के, लेखकों के, नकलें, अखबार, विज्ञप्ति, पट्टे आदि)	—	४६	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक

विभिन्न व्यक्तियों के साधारण पोस्टकार्ड पुरोहित हरिनारायणजी के नाम—

५६	पं. सावलराम व्यास	कलकत्ता	पोस्टकार्ड	७-३-१९१६
	—	,,	,,	३०-८-१९१५
	पं. सुन्दरराय शर्मा	जयपुर	,,	२-७-१९२८
	,,	,,	,,	२१-७-१९२८
	सुन्दररामलाल गुप्त	इलाहाबाद	,,	२-१०-१९४१
	शिवनन्द ज्योतिषी	जयपुर	,,	२८-९-१९०३
	सुन्दरराय शर्मा	,,	,,	६-११-१९२९
	गीताप्रेस	गोरखपुर	,,	३-३-१९३६
	सत्यनारायण	जोधपुर	,,	१८-९-१९४४
	सम्पादक-सनातन धर्म पताका	मुरादावाद	,,	२२-११-१९०१
	सुन्दरराय शर्मा	जयपुर	,,	१-१२-१९२८
	,,	,,	,,	२६-९-१९२७
	,,	,,	,,	११-७-१९२७
	एस. पी. जोशी	भीलवाड़ा	,,	१३-८-१९४३
	मैनेजर, खण्डेलवाल हितैषी	आगरा	,,	२६-१-१९२१
	सत्यनारायण	जोधपुर	,,	२३-४-१९४५
	श्यामसुन्दर शर्मा	जयपुर	,,	२०-९-१९४८
	शुभकरण	जोधपुर	,,	२०-१०-१९३६
	शंकरदान देथा	लींबड़ी	,,	२१-२-१९४१
	शम्भुसिंह शेखावत	नावा	,,	२-५-१९४१
	कु. सरदारमल थानवी	जोधपुर	,,	१५-१०-१९३२
	शेषमणि त्रिपाठी	बनारस सिटी	,,	२-९-१९२९
	मैनेजर, सत्येन्द्र	लश्कर (ग्वालियर)	,,	१०-२-१९३९
	श्यामसुन्दर शर्मा	जयपुर	,,	१०-४-१९२८
	मैनेजर, साहित्यभूषण कार्यालय	बनारस सिटी	,,	१६-८-१९३६
	शान्तिप्रिय	बड़ौदा	,,	१६-१-१९२५
	शिवनाथसिंह	झुंझुणू	,,	१३-३-१९३७
	श्यामकुमार शर्मा	बनारस सिटी	,,	६-९-१९४६
	सीताराम लालस	जोधपुर	,,	२३-१०-१९३३
	सुखदयाल	कोटपूतली	,,	४-७-१९४७

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५६	स्वामी सुरजनदास	पिलानी	पोस्टकार्ड	२५-२-१९४६
	श्यामसुन्दर	वनारस सिटी	,,	२६-८-१९२८
	सीताराम शर्मा	कासली (सीकर)	,,	मा.शु. ८, २००२
	मैनेजर 'गंगा'	भागलपुर	,,	५-१०-१९३२
	स्वरूपनारायण	मुरादाबाद	,,	२१-१०-१९०२
	सूरजनारायण शर्मा	जयपुर	,,	१५-४-१९४८
	मैनेजर 'साहित्य भवन लि०'	इलाहाबाद	,,	४-१२-१९३९
	दुर्लभलाल	लखनऊ	,,	२१-८-१९४१
	सप्रे 'सहायक मंत्री'	जयपुर	,,	७-१२-१९३३
	सुखदेव	,,	,,	२५-४-१९४८
	—	,,	,,	१५-७-१९२६
	श्यामसुन्दरलाल	लखनऊ	,,	३-२-१९२१
	सुखदेवसिंह(मन्त्री) फटा हुआ पत्र	,,	,,	६-१२-१९१४
	व्यवस्थापक 'शिशु'	प्रयाग	,,	६-५-१९३६
	व्रजलाल	काशी	,,	११-८-१९४७
	दीप्ति भारती	नई दिल्ली	,,	२२-१२-१९३६
	मैनेजर 'साहित्य सन्देश'	आगरा	,,	९-८-१९३८
	मैनेजर 'साहित्य भवन लि.'	इलाहाबाद	,,	२७-११-१९३७
	सीताराम गटाणी	सांभर	,,	वि. २००२
	श्यामसुन्दर शर्मा	लखनऊ	,,	३-५-१९२३
	श्योबकस	—	,,	फा. ११, १९९९
	शिवजीराम	जोधपुर	,,	४-११-१९३३
	पी. एन. शर्मा	जयपुर	,,	११-८-१९४८
	,,	,,	,,	६-९-१९४८
	,,	,,	,,	१९-८-१९४८
	,,	,,	,,	१-२-१९४८
	हनुमानप्रसाद पौद्दार	गोरखपुर	,,	७-३-१९३४
	पं. हनुमानप्रसाद जोशी	पुलगांव	,,	२८-६-१९२८
	हनुमानप्रसाद पौद्दार	गोरखपुर	,,	३०-३-१९३४
	पं. हनुमानप्रसाद जोशी	पुलगाँव	,,	३-११-१९२९
	हजारीमल जोशी	नापासर	,,	२-११-१९३२
	,,	,,	,,	१७-७-१९३२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५६	ठा. हरनामसिंह चौहान	सोहागपुर	पोस्टकार्ड	१८-४-१९३८
	हरिशंकर शर्मा	मुरादाबाद	,,	२३-२-१९३४
	मनैजर 'सरस्वती प्रेस'	काशी	,,	४-१-१९३१
	एच. एम. तरंगी	ग्वालियर	,,	१७-६-१९४१
	हुकमीचन्द जी	रतलाम	,,	२-५-१९३४
	साधु ज्ञानदास	कनखल	,,	४-७-१९३७
	श्रीपतिप्रसाद	पाण्डेपुर विठौरा	,,	३१-५-१९२८
	श्रीनाथसिंह	प्रयाग	,,	१९-७-१९३५
	हीरालाल	वनस्थली	,,	१९-७-१९३१
	सहायक सम्पादक 'आज'	बनारस	,,	८-९-१९४०
	सुखदान (साथ में एक और पत्र)	बीकानेर	,,	४-१०-१९२५
	,,	,,	,,	२८-१०-१९३३
	,,	,,	,,	२-८-१९४५
	सहा.मंत्री 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन'	प्रयाग	,,	३-६-१९४४

विभिन्न व्यक्तियों के पत्र पुरोहित हरिनारायणजी के नाम—

५७	शिवकिशोर तिवाड़ी	जयपुर	१	६-१-१९४४
	पं. शिवकुमार शास्त्री	हिण्डौन	१	२२-१०-१९४०
	शिव	—	२	—
	भानुप्रतापसिंह	बनारस	२	९-९-१९४०
	श्यामलाल	हिण्डौन	१	४-६-१९४८
	,,	गंगापुर	३	११-६-१९४८
	शिवनाथसिंह	जयपुर	२	—
	,,	,,	१	६-२-१९३४
	,,	,,	२	२१-६-१९३५
	,,	,,	२	२५-१२-१९३७
	,, (दो पत्र)	,,	२	२६-१२-१९३७
	,,	,,	२	२९-९-१९४०
	,,	,,	१	२६-९-१९४१
	,,	,,	१	२७-९-१९४१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५७	शिवनाथसिंह	जयपुर	२	३१-१०-१९४१
	,,	,,	१	२५-११-१९४१
	,,	,,	२	२९-११-१९४१
	,, (अंग्रेजी में)	,,	१	—
	,,	,,	१	४-१-१९४३
	,,	,,	१	१९-३-१९४५
	शिवचन्द वैद्य	,,	पोस्टकार्ड	४-८-१९४८
	,,	,,	,,	१३-८-१९४८
	,,	,,	,,	१९-८-१९४८
	शीतलप्रसाद शर्मा	नई दिल्ली	,,	८-१०-१९३९
	,,	,,	१	१७-१०-१९३९
	,,	,,	१	—
	,,	जयपुर	२	२६-७-१९४२
	सुरेन्द्रसिंह राठौड़	,,	१	११-७-१९४५
	सत्यनारायण	गोरखपुर	पोस्टकार्ड	१०-१०-१९४४
	,,	जोधपुर	२	२१-२-१९४६
	सूरजलाल शर्मा	उदयपुर	२	९-७-१९४३
	सूरजनारायण दुसाध	—	१	१-१-१९३५
	सम्पतकुमार मिश्र	लक्ष्मणगढ़	२	१२-६-१९२५
	पुरोहित सूरजमल	औरंगाबाद	१	२४-३-१९३०
	सुखदेव	गोरखपुर	पोस्टकार्ड	१४-१०-१९४३
	सारदुलसिंह	जसाना (नोहर)	२	१५-११-१९१५
	दिलसुखराय नेवटिया	फतेहपुर	२	७-११-१९१८
	,,	,,	२	२५-१०-१९२८
	,,	,,	२	१४-६-१९३७
	,,	,,	२	१६-७-१९३७
	,,	,,	१	२६-११-१९३९
	,,	,,	१	३०-४-१९४०
	,,	,,	२	२४-१२-१९४४
	सीताराम	—	पोस्टकार्ड	२९-१०-१९३९
	,,	—	१	—
	ची. सरजीवनलाल खजांची	बुलन्दशहर	१	१८-३-१९४२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५७	दिलसुखराय	फतेहपुर	१	२९-१०-१९२३
	स्वामी सुरजनदास	पिलानी	२	३-१-१९४२
	सीताराम	बिलाड़ा	२	१३-१०-१९३८
	लाला सीताराम	इलाहाबाद	२	२१-११-१९३१
	सीताराम	नरैंना	२	—
	सवाईसिंह	जयपुर	४	१६-२-१९४८
	श्री सनातन धर्म मण्डल	,,	१	२७-८-१९३७
	पं. हरिहरनाथ सुखिया	—	पोस्टकार्ड	८-११-१९३९
	हरिनाथसिंह	नवलगढ	२	२५-९-१९२९
	हरिशंकर	मुरादाबाद	पोस्टकार्ड	२५-१-१९३४
	हरिश्चन्द्र	जयपुर	२	२८-३-१९२८
	हरिसिंह	,,	३	४-६-१९०१
	हरिचरण चोखानी	मण्डावा, जयपुर	१	—
	,,	,,	२	३०-११-१९४०
	,,	,,	१	१४-७-१९४१
	हनुमानप्रसाद	नवलगढ	२	आ.शु. ५ वि.सं,१९५८
	हिन्दी साहित्य परिषद्	जयपुर	१	१९-३-१९३८
	श्रीलाल जोशी	बीकानेर	१	२३-१-१९४६
	हरिराम वर्मा	सांभर	१	१५-११-१९३९
	हरिलाल	—	१	१६-७-१९३६
	हरिनारायण यादव	चौमू	१	२६-८-१९४८
	,,	,,	पोस्टकार्ड	७-९-१९४८
	ठाकुर हरनामसिंह चौहान	सोहागपुर	,,	१४-७-१९४१

विभिन्न व्यक्तियों के कवितात्मक पत्र पुरोहित हरिनारायणजी के नाम—

१७	रामजीवन त्रिपाठी			
	(साथ में साधु ख्यालीराम का पत्र)	फतेहपुर	१४	२१-८-१९३६
	गजानन	—	२	—
	रामेश्वरप्रसाद शुक्ल	जयपुर	१	३०-५-१९३६
	कवि कृष्ण के कवित्त	—	८	—
	मधुसूदन-ग्रन्थमाला	जयपुर	५	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
१७	भैषज्यरत्नावली (प्रिंटेड)	—	१६	—
	स्फुट नोट	—	७	
	कुरीति महिमा अष्टक	—	२	१५-१-१९२१
	स्फुट दोहे		२	१५-१०-१९३८
	सीताराम नखसिख (प्रेमसखीकृत)	—	२	६-८-१९२७
	डिंगलगीत (ला. लक्ष्मीनारायण जी से प्राप्त)	—	१३	१७-२-१९४०
	सतवंती आदि रचना	—	१४	—
	विविध-स्फुट नोट आदि	—	७०	—

पुरोहित हरिनारायणजी के संग्रह किये हुए 'सुन्दर-ग्रन्थावली' के विषय में पत्र एवं स्फुट नोट—

४५	रामनरेशजी को पुरोहितजी द्वारा लिखे गये पत्र की नकल	जयपुर	१२	२०-८-१९३३
	गंगाराम, ख्यालीराम, दयाल जी के पत्र	फतेपुर	५	—
	"	"	३	श्रा.१४ वि.सं. १९८०
	"	"	२	२१-८-१९२३
	— तार	"	३	१३-८-१९२३
	रामकृष्ण मिश्र	जयपुर	७	भा.शु, १३ वि.सं.१९८०
	रामजीवन त्रिपाठी	फतेहपुर	४	३१-१०-१९३४
	"	"	१	२२-११-१९३४
	"	"	६	६-११-१९३४
	म. ख्यालीरामजी	"	२	१२-११-१९३४
	सम्पतकुमार मिश्र	लक्ष्मणगढ	२	३-११-१९३४
	म. ख्यालीराम	फतेहपुर	१	९-११-१९३४
	हरिकृष्ण	कलकत्ता	१	११-११-१९३४
	सेठ कन्हैयालाल पोद्दार	मुत्तासा	२	१३-११-१९३४
	रघुनाथप्रसाद सिंहानिया	कलकत्ता	२	१७-११-१९३४
	जमुनादास पोद्दार (साथ में नकल)	देहली	२	श्रा.शु.८ वि.सं १९८०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४५	जमनादास पोद्दार (साथ में नकल)	देहली	२	२२-८-१९२३
	रामनरेश त्रिपाठी	प्रयाग	१२	२-१०-१९२३
	,,	,,	२	१३-८-१९२३
	,,	,,	४	१७-९-१९२३
	,,	जौनपुर	१६	३१-८-१९२३
	नौरंगराय खेतारण	कलकत्ता	४	२१-८-१९२३
	,, (अंग्रेजी)	,,	२	१६-८-१९२३
	,, ,,	,,	३	९-८-१९२३
	,, ,,	,,	३	२-८-१९२३
	,, (नकल)	,,	२	—
	,,	,,	२	२९-८-१९२३
	फतेहपुर से आई चिट्ठी की नकल	—	४	—
	नौरंगराय खेतारण	कलकत्ता	२	भा-१, वि.सं. १९८०
	,,	,,	३	—
	चैनसुखदास	जयपुर	२	—
	प्रभुराय नेवटिया	फतेहपुर	३	आ.शु.१४ वि.सं.१९८०
	देवीप्रसाद	जोधपुर	४	२-७-१९०४
	,, (चार पत्र इकट्ठे)	,,	१८	२५-५-१९०४
	त्रिलोकचन्द्र माथुर	फतेहपुर	पोस्टकार्ड	१५-८-१९२३
	,,	,,	,,	२५-८-१९२३
	अनाम (अंग्रेजी)	—	५	११-११-१९२५
	— (अंग्रेजी)	इलाहाबाद	३	९-३-१९१५
	'सुन्दरदास जी की साखी'	—	२१	—
	'राघवदास कृत भक्तमाल-स्फुट नोट आदि'	—	९पत्र	—
	'ग्रंथ मंहतलीला प्रदीपन'	—	२पत्र	—
	ठण्डीराम		१	चैत्र ७ वि.सं.१९७१
	'स्फुटनोट'	—	६पत्र	—
	'ज्ञानसमुद्र'	,,	११पत्र	—
	'नागपाशबंध' ,,	—	३पत्र	—
	विविधः—		९४पत्र	
	'सुन्दरदास जी के जीवन का सार'			

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
४५	'सुन्दर सार की भूमिका'			
	स्फुट नोट			
	कुछ उर्दू पत्र			
	हस्तलिखित ग्रंथों की सूची			
	अखबारों की कटिंग— सुन्दरदास जी के सम्बन्ध में लेख		७	

विभिन्न व्यक्तियों के साधारण पत्र पुरोहित हरिनारायणजी के नाम—

२३	स्वामी रामविलास वैद्य शास्त्री	रतलाम	२	२८-९-१९४२
	नाथूराम (साथ में दो पृष्ठ 'सन्त ग्रन्थ माला')	बम्बई	पोस्टकार्ड	८-५-१९३०
	शुभकर्ण	जोधपुर	२	१६-८-१९४०
	,,	,,	१	२६-७-१९४०
	भवानीशङ्कर याज्ञिक	नैनीताल	पोस्टकार्ड	६-३-१९४३
	पीताम्बरदास बर्थवाल	बनारस	,,	९-१०-१९३६
	नाथूराम	बम्बई	३	३०-३-१९३८
	शुभकरण सुराणा	सादुलपुर	पोस्टकार्ड	१६-३-१९४२
	पं. गोपीचन्द(पु. हरिनारायणजी)	जयपुर	१	२६-१२-१९३७
	शिवजीराम	जोधपुर	२	२७-१२-१९३७
	,, (साथ में पर्ची)	,,	पोस्टकार्ड	२२-१२-१९३७
	शम्भुसिंह शेखावत	नावा	,,	१२-८-१९४१
	श्री अप्पा शर्मा विद्यावाचस्पति	कोल्हापुरम	,,	२२-८-१९०४
	नरेन्द्रराय खेतान	कलकत्ता	३	२७-१०-१९२३
	गोपालदत्त शास्त्री	विसनगर	७	५-१०-१९३१
	अनाम (अंग्रेजी)	—	३	१०-९-१९२४
	,, ,,	सैसेक्स(इंगलैंड)	६	२१-१-१९१९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२३	देवकीनन्दन खेडवाल	फतेहपुर	३	१२-२-१९३९
	श्रवणदत्त शर्मा	—	१	—
	भगवतीप्रसादसिंह	—	पोस्टकार्ड	२२-१-१९३५
	सरयूप्रसाद	इन्दौर	१	१६-२-१९२८
	अनाम	—	२	२८-११-१९२०
	रामस्वरूप राजपुरोहित	जसरापुर	२	९-२-१९४२
	अनाम (अंग्रेजी)	सांभर	२	५-५-१९३८
	वकील ,,	गंढवाल	२	५-३-१९३८
	शुकदेवविहारी मिश्र	लखनऊ	पोस्टकार्ड	४-३-१९३८
	पु. हरिनारायणजी	जयपुर	२	२४-४-१९३९
	बाबा ठंडीराम	लालसोट	२	११-१-१९१५
	हस्तलिखित पुस्तक	—	२४	१५-६-१९३६
	म. ख्यालीराम (साथ में दो पृष्ठों का शिलालेख)	फतेहपुर	२	—
	,, (साथ में चार पृष्ठ)	,,	२	२८-८-१९३६
	कवित्त	—	४	—
	दादूजी के विषय में	—	२	—
	कविराज सुखदान (पु. ह. ना.)	जयपुर	३	३१-१२-१९३२
	,, (कवित्त)	,,	३	३१-१२-१९३३
	रामदेव चौखानी (अंग्रेजी)	कलकत्ता	२	१५-१२-१९४१
	अनाम ,,	इंग्लैंड	५	१४-४-१९१९
	,, ,,	गढवाल	४	२७-३-१९२५
	दयासिंह ,,	लखनऊ	१५	१५-९-१९३५
	वदरीनाथ दूबे	बनारस	पोस्टकार्ड	२०-९-१९४६
	विष्णुदत्त (अंग्रेजी)	बूँदी	४	२२-३-१९२६
	व्रजमोहन शर्मा (कवित्त)	—	३	६-३-१९३६
	रामदेव चौखानी	कलकत्ता	पोस्टकार्ड	२२-९-१९४१
	गोपालसिंह राष्ट्रकूट	खरवा	३	१४-३-१९३८
	देवकीनन्दन खण्डेलवाल	फतेहपुर	२	१८-१-१९३९
	गणेशचन्द्र	इलाहाबाद	२	१२-१०-१९२७
	हनुमान मिश्र	नवलगढ़	२	आ. ९. १९५८
	गोपालराम (साथ में ६ पृष्ठ)	जयपुर	२	११-१-१९४९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२३	कविराज सुखदान	बीकानेर	३	१८-१-१९३३
	सूर्यनारायण चतुर्वेदी	—	१	—
	सूर्यकरण पारीक	पिलानी	पोस्टकार्ड	१२-१-१९३४
	पुरोहित गोपीनाथ	जयपुर	६	१८-११-१९३३
	हरिरामदास विरक्त शास्त्री	चांदारूण	१४	२-५-१९३७
	,,	,,	९	२४-४-१९३७
	सूर्यकरण पारीक	पिलानी	२	२६-९-१९३६
	संस्था के लिए (अंग्रेजी)	शांतिनिकेतन	७	१७-१०-१९३६
	रविन्द्रनाथ टेगोर (सुन्दर ग्रंथावली के बारे में)	,,	१	२२-९-१९१७
	डब्लु. सी. ग्रोन ? ,,	मसूरी	५	२४-५-१९२४
	,, ,,	जोधपुर	३	२६-४-१९२४
	,, ,,	जयपुर	४	२१-११-१९२३
	,, ,,	जोधपुर	२	१८-९-१९२४
	,, ,,	,,	४	५-९-१९२४
	,, ,,	लखनऊ	३	१-२-१९२४
	,, ,,	जोधपुर	४	४-१०-१९२४
	गणेशानन्द गीतार्थी	प्रयाग	पोस्टकार्ड	२७-११-१९३४
	,,	,,	३	३०-११-१९३४
	,,	,,	२	१२-११-१९३४
	स्वा. गणपत्यानन्द	फतेहपुर	३	४-२-१९३९
	दुर्गाशङ्कर (अंग्रेजी)	मथुरा	४	६-१२-१९२०
	काका कालेलकर	डिब्रुगढ (आसाम)	४	१९-४-१९४६
	हनुमान शर्मा	चौमूं	१	१-९-१९३६
	पत्र की नकल पु. हरिनारायणजी	जयपुर	२	३०-१-१९३६
	,, ,,	,,	६	२३-११-१९३५
	नरोत्तम स्वामी	बीकानेर	पोस्टकार्ड	३०-९-१९४२
	धीरेन्द्र वर्मा	प्रयाग	,,	३१-१०-१९३९
	,,	,,	,,	२६-११-१९३९
	,,	लखनऊ	,,	१२-२-१९२४
	,,	प्रयाग	,,	२९-११-१९३९
	अनाम (साथ में एक पर्ची)	—	,,	८-८-१९३८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
२३	पु. हरिनारायणजी	जयपुर	२	२७-४-१९३३
	श्यामसुन्दरदास	काशी	४	६-३-१९०५
	बारहठ किशोरीसिंह के पत्र की नकल	जयपुर	१	१२-६-१९३४
	,, का पत्र	पटियाला	४	७-६-१९३४
	कविराज सुखदान	बीकानेर	पोस्टकार्ड	१५-७-१९३४
	अनाम (अंग्रेजी)	जयपुर	,,	८-३-१९०३
	हनुमानप्रसाद पौद्दार (उर्दू का पत्र साथ में)	गोरखपुर	,,	१-२-१९३७
	श्री उमेशचन्द्र विद्यारत्न (अंग्रेजी)	कलकत्ता	२	२४-३-१९१८
	,, ,,	,,	२	१८-११-१९१७
	अमृतलाल माथुर	कुचेरा	२	१२-८-१९३५
	अगरचन्द नाहटा	शिलहट	२	२०-९-१९४१
	उदयलाल गुप्ता (अंग्रेजी)	झुंझनू	४	२८-४-१९०१
	—	खेतड़ी	पोस्टकार्ड	२३-६-१९०५
	विद्याधर	बीकानेर	,,	१५-८-१९३७
	ओमदत्त शर्मा	फुलेरा	,,	२-३-१९३९
	इंडियन प्रेस मैनेजर	इलाहाबाद	,,	४-१२-१९२९
	थियोसोफिकल सोसायटी (इंडियन बुक शॉफ)	बनारस सिटी	पोस्टकार्ड	१७-१०-१९३५
	,, ,,	,,	,,	२८-५-१९३८
	,, ,,	,,	,,	२६-१०-१९३८
	गदाधरप्रसाद	,,	,,	२१-४-१९४२
	डारेक्टर ओरिऐण्टल इन्स्टीट्यूट	बड़ौदा	,,	३०-११-१९३४
	अनाम	काशी	,,	१-८-१९३७
	देवीप्रसाद	जलेसर टाऊन	,,	३-५-१९१६
	गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	रोहेरा	,,	३-६-१९४२
	इन्द्रलाल जैन	जयपुर	१	२-११-१९४२
	स्फुट नोट	—	८	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक

विभिन्न व्यक्तियों के पत्र पुरोहित हरिनारायणजी के नाम तथा भजन, कालीनाथन-लीला-चरणदास कृत एवं स्फुट नोट्स—

५८	डा. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल	बनारस	६	२०-८-१९३४
	(साथ कणोरी पाव)	—	५	—
	सीताराम लालस	जोधपुर	३	३-९-१९३३
	पं. त्रिवेणीश्याम शर्मा	दौसा	२	२८-४-१९३७
	क. व. श. दा.	जयपुर	१	१-१२-१९२६
	किङ्कर	हसनपुर	१२	१८-३-१९३४
	वृजनिधिसेवक (साथ दो पृष्ठ)	जयपुर	४	—
	हीरालालशास्त्री	वनस्थली	२	२५-५-१९३५
	विविध स्फुट नोट संग्रह	—	६०	—
	एक डायरी	—	—	—

विभिन्न व्यक्तियों द्वारा लिखे मीरां सम्बन्धी साहित्यिक पत्र पुरोहित हरिनारायणजी के नाम—

५९	हरिनारायणजी का पत्र	जयपुर	१	१८-११-१९४१
	,, श्री हरिशास्त्री को	,,	१	१३-११-१९४१
	फुटकर बातें (मिलान आदि)	—	१	३-१-१९४२
	,, ,,	—	१	—
	सत्यनारायणजी का पत्र	मेड़ता	१	४-१०-१९४१
	श्री विश्वेश्वरनाथ रेऊ का पत्र	जोधपुर	१	२-१०-१९४१
	श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार	रतनगढ	१	५-१०-१९४१
	,,	,,	१	१६-९-१९४१
	श्री जवाहरलाल जैन	नवलगढ	१	१३-९-१९४१
	अनाम	काशी	१	११-९-१९४१
	श्री नत्थूलाल शर्मा	इन्द्रगढ	३	१-९-१९४१
	श्री खेतसिंह मिश्रण	मांढेरा	१	२७-११-१९४१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
५२	श्री सत्यनारायण	जोधपुर	१	३०-३-१९४५
	श्री जगदीशप्रसाद का पत्र, उसका उत्तर पु.ह.ना. का लिखा	अजमेर	२	२९-११-१९४४
	श्री श्यामलाल पुरोहित	जोधपुर	१	१३-५-१९४४
	राव गोर्धनसिंह	अजमेर राजगढ	१	२२-९-१९४१
	,,	,,	१	६-९-१९४१
	,,	,,	१	२७-८-१९४१
	काका कालेलकर के नाम पत्र पु.ह.ना जी का	जयपुर	३	१९-७-१९४२
	,, का पत्र	वर्धा	१	२७-८-१९४०
	,, ,,	,,	२	१४-१०-१९४२
	,, के नाम पत्र	जयपुर	२	५-७-१९४२
	,, का पत्र	मालाड	१	२-७-१९४२
	,, के नाम पत्र	जयपुर	१	२६-६-१९४२
	,, का पत्र	वर्धा	१	२९-७-१९४०
	,, ,,	,,	१	१८-१२-१९४१
	जोशी पूपारामजी के पत्र (फुटकर नोट	—	१	—
	खेतसिंह मिश्रण	मोडेरा	१	१५-१-१९४२
	,,	,,	१९पृष्ठ	,,
	परिशिष्ट (अ)	—	१	—
	मीराँ पदावली प्राप्त होने की रसीद	वर्धा	१	२८-८-१९४०
	श्री चतुर्वेदी	जयपुर	१	१-७-१९४१
	श्री सूर्यनारायण चतुर्वेदी	,,	१	५-७-१९४१
	जवाहरलाल चतुर्वेदी	मथुरा	१	९-९-१९४१
	श्री सूर्यनारायण चतुर्वेदी	जयपुर	१	१४-७-१९४१

विभिन्न व्यक्तियों द्वारा 'मीराँ' सम्बन्धी लिखे साहित्यक पत्र पुरोहित हरिनारायणजी को (पूषाराम जोशी के पत्रों की फाइल)

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६०	पुरोहितजी के विचार पूषाराम जी के सम्बन्ध में	—	१	१९-४-१९४५
	मेड़ता निवासी पूषारामजी के पत्रों का सार	—	४	—
	पूषारामजी का पत्र	मेड़ता	१	१८-२-१९४४
	श्रीपतिप्रसाद शास्त्री का पत्र	,,	१	१-१-१९२८
	पूषारामजी को सात प्रश्न भेजे	—	१	१-५-१९३७
	पूषारामजी का पत्र	—	१	२१-६-१९३७
	,,	वडापली	१	—
	,,	,,	१	मार्गशीर्ष १६,सं.१९९४
	,,	,,	४	—
	अनाम पत्र	—	३	—
	श्री पूषारामजी का पत्र	—	३	वै.शु. ३, सं.१९८३
	,,	वडापली	१	२२-१-१९३८
	,,	,,	१	१७-२-१९३८
	भोपालदानजी का पत्र, साथ में उसका उत्तर	—	१	,,
	पूषारामजी का पत्र	वडापली	१	—
	लाधूरामजी का पत्र पूषारामजी को	जोधपुर	१	मा. कृ. १४, सं.१९९४
	पूषारामजी का पत्र	वडापली	१	९-२-१९३८
	मीराँबाई के जीवन चरित सम्बन्धी धोलोराव के	—	१	—
	भाट श्री भोपालदान का लिखा हुआ पत्र			
	श्री पूषारामजी का पत्र	—	१	२५-२-१९३८
	,,	वडापली	१	२९-३-१९२८
	,,	,,	१	२३-३-१९३८
	श्रीपतिप्रसाद का पत्र	मेड़ता सिटी	२	२६-३-१९३८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६०	श्री पूषाराम जी का पत्र	वडापली	१	१९-४-१९३८
	,,	,,	१	१७-१०-१९३८
	,,	,,	१	२६-१०-१९३८
	,,	,,	१	१-११-१९३८
	,, (साथ में पृथ्वीपुरा के मोतीसिंह का पत्र)	,,	४	१०-५-१९३९
	,,	,,	१	६-८-१९३९
	,,	,,	१	२४-८-१९३९
	,,	,,	१	२४-६-१९४१
	,,	,,	१	७-१०-१९४१
	,,	,,	२	२६-१२-१९४१
	,,के नाम भेजे पत्र की नकल पु. ह. ना.	जयपुर	३	२७-१२-१९४१
	,, का पत्र	वडापली	१	५-१-१९४२
	मीरां सम्बन्धी प्रश्नों के फुटकर उत्तर	,,	१	—

विभिन्न व्यक्तियों के 'मीरां' सम्बन्धी पुरोहित हरिनारायणजी को लिखे गये साहित्यिक पत्र

६१	पं. रामकर्णजी आसोपा	जोधपुर	२	२८-११-१९२७
	जगदीशसिंह गहलोत	—	१	१६-३-१९३७
	विश्वेश्वरनाथ रेऊ	जोधपुर	२	१४-४-१९३८
	गोविन्दजी	,,	१	२१-७-१९३८
	पं. रामकर्णजी	,,	१	२४-८-१९३८
	दारोगा लल्लीलालजी	,,	२	२८-७-१९३९
	स्वामी नरोत्तमदासजी	बीकानेर	१	३०-७-१९३९
	,, को पु. ह. ना. का पत्र	जयपुर	२	१०-८-१९३९
	विश्वेश्वरनाथ रेऊ	जोधपुर	१	१०-८-१९३९
	जगदीशसिंह गहलोत	,,	१	१-१२-१९३९

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६१	पुरुषोत्तमदास पुरोहित	सांभर	२	११-१२-१९३९
	,, को पु. ह. ना. का पत्र	जयपुर	१	१४-१२-१९३९
६२	ला. साहिब के नाम पत्र	—	१	२९-३-१९१४
	फुटकर पर्चा	,,	१	—
	ब्रजरत्नदास	बनारस सिटी	१	२९-११-१९३६
	,,	,,	१	४-१२-१९३७
	नागरी प्रचारिणी सभा का पत्र	,,	२	१४-१०-१९३८
	रामनरेश त्रिपाठी	हरगांव, सीतापुर	३	१४-१०-१९३८
	हरिचरण चोखानी (कवित्त)	जयपुर	१	२०-१०-१९४०
	पीताम्बरदास अर्जुनजी वारडे (साथ में रैदासजी का हाल)	मीठी (सिन्ध)	३	२-२-१९३४०
	डा. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा का पत्र	अजमेर	३	६-८-१९३८
	,,	,,	१	११-१०-१९३८
	,, को पत्र (नकल)	जयपुर	१	२८-७-१९३८
	हरविलास शारदा	अजमेर	१	१५-१-१९३९
	सूर्यनारायणजी एम. ए.	जयपुर	१	२३-७-१९३९
	वाणी मन्दिर (रसीद)	छपरा	१	२४-८-१९३८
	,, को पुरोहितजी का पत्र	जयपुर	१	१६-८-१९३८
	दीवान वंसधारीलाल	प्रयाग	१	१९-३-१९२८
	,, को पुरोहितजी का पत्र	जयपुर	२	९-४-१९२८
	पुस्तक भवन (बाबू मुकुन्ददासजी)	बनारस	१	४-११-१९२८
	,, को पु. ह. ना. का पत्र	जयपुर	२	७-११-१९२८
	हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय	बम्बई	१	६-४-१९३०
	,,	,,	१	१७-४-१९३०
	सेठ कन्हैयालाल पोद्दार मथुरा को पत्र (नकल)	जयपुर	१	१८-१२-१९३९
	,, का पत्र	मथुरा	१	२१-९-१९३९
	,, का पत्र	,,	१	२८-१२-१९३९
	राजस्थानी-साहित्य सम्मेलन	दिनाजपुर	२	३१-३-१९४४
	फुटकर पत्र-श्लोक, इतिहास आदि	—	५	—

फाइल सं०	विषय	पत्र संख्या

पुरोहित हरिनारायणजी का संग्रह 'श्री मीराँ बृहत्पदावली' श्री मीराँबाई के गुजराती में पद—

७९	अकारादिक्रम से सूची	२०
	पुस्तकों के नाम जिनमें पद है	४
	काका कालेलकरजी के संगृहीत मीराँबाई के पदों की अनुक्रमणिका (गुजराती भाषा के पद)	६
	काका कालेलकरजी के संगृहीत मीराँबाई के पदों की अनुक्रमणिका	२५
	'मीराँबाई' नामक नाटक की पद सूची	१
	फहरिस्त पद मीराँबाईजी-अनेक पुस्तकों से संकलित	७
	मीराँजी के पदों की पुस्तकों में संख्या	४
	मीरांबाई सम्बन्धी हस्तलिखित पुस्तकों की सूची	२
	मीराँबाई पर लिखित पुस्तकों की सूची	१
	मीराँबाई सम्बन्धी फारसी, उर्दू एवं अंग्रेजी ग्रन्थों की सूची	१
	मीराँ बृहत्पदावली की अकारादि क्रम-सूची	१०
	,,	१०
	काका कालेलकरजी के संगृहीत मीराँ बाई पदों की सूची	१६
	मीरांबाई के पदों की अनुक्रमणिकादि	१०
	,,	८

फाइल सं०	विषय	पत्र संख्या

पुरोहित हरिनारायणजी के संग्रह से 'मीरां बृहत्पपदावली' प्रेस कापी—

८०	**मीरांबाई के हिन्दी पद**	**पद संख्या**
	स्वर वर्ग	१-६६
	कवर्ग	७२-१४५
	चवर्ग	१४६-१९१/१
	टवर्ग	१९१/२-१९१/४
	तवर्ग	१९२-२७०
	पवर्ग	२७१-३५२
	'श्री चारभुजाजी मीरां गुण'	६ पत्र
	श्रीपतिप्रसादजी की पुस्तिका से	
	स्फुट पद	३
	मीरांबाई के पद गुजराती में	**पद संख्या**
	स्वर वर्ग	१-२०
	कवर्ग	२१-५४
	चवर्ग	५५-७५
	तवर्ग	७६-९९
	पवर्ग	१००-१४९
	यवर्ग आदि	१५०-२०९

पुरोहित हरिनारायणजी का संग्रह 'श्री ब्रजनिधि ग्रन्थावली'—

८१	**श्री ब्रजनिधि-ग्रन्थावली**	**पृष्ठ**
	(प्रिंटेड कॉपी)	३०४
	श्री ब्रजनिधि की भूमिका	३४
	श्री ब्रजनिधिजी के १० पद	८
	,, के फुटकर नोट्स	४
	श्री ब्रजनिधि-मुक्तावली भाग २ के पद-संग्रह की सूची	१८
	श्री ब्रजनिधि-ग्रन्थावली के पदों की अनुक्रमणिका	६

फाइल सं०	विषय	पृष्ठ संख्या
८१	श्रीव्रजनिधि-ग्रन्थावली के पदों एवं रेखताओं की सूची	७
	,, रचित विरहसलिला	२
	,, के फुटकर नोट्स	१५
	,, ग्रन्थावली के सम्बन्ध में ना.प्र. सभा काशी के तीन पत्र	६
	,, ग्रन्थावली के फुटकर नोट्स	११
	श्रीव्रजनिधि-पदावली, श्री व्रजनिधि-मुक्तावली से	२१
	श्रीव्रजनिधि-पदावली के सम्बन्ध में फुटकर नोट्स कुछ उर्दू भाषा में भी हैं	१७
	,, फुटकर	४

मीरां-वृहत्पदावली की भूमिका सम्बन्धी नोट्स

६८	'मीरां-वृहत्पदावली' भूमिका सम्बन्धी नोट्स (पुरोहितजी के)	१९
	विभिन्न पुस्तकों से एवं विभिन्न विद्वानों के विचार	
	श्रीमती मीरांजी सम्बन्धी मुख्यबातें	
		२
	स्फुट-नोट्स	१०
	,,	२
	मीरां के पदों की प्रकाशन-योजना (अंग्रेजी)	४
	मीरां पदावली की भूमिका सम्बन्धी नोट्स (नकल)	२१

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
	मीरा या मीरां नाम सम्बन्धी सामग्री—			
६९	श्री रामनारायणजी मिश्र के नाम पत्र (नकल)	जयपुर	१	१-६-१९४४
	चारु चमन पुस्तक से—	—	१	१५-४-१९४४
	मुकुन्ददास जी तापड़िया के नाम पत्र			
	श्री नरोत्तमदास स्वामी का मत		२	३०-७-१९३९
	मीराँ वा मीरा नाम पर लेख		३	
	'मीराबाई नाम' बड़थ्वाल जी का पत्र		३	२५-५-१९३९
	गहलोत जी को पत्र में प्रश्न भेजे—दादू पद-जिनमें मीराँ शब्द का प्रयोग हुआ		१	१-१२-१९३९
	मीराँबाई नाम-भूमिका		१	
	मीराँनाम सम्बन्धी-मीरां साहिब (वाकया राजपूताना, पृष्ठ ११८-८९ से)		१	
	'गुरु - शब्द - रत्नाकर' (पंजाबी महाकोष ४ जिल्द) मीरां शब्द की व्युत्पत्ति के विषय में		१	
	मीरांजी की जीवनी और उनके ४० पद्यों के आदि की प्रथम पंक्ति		१	
	मीरां जीवनी आदि की फुटकर नकल		१	
	शाहमीराँ बीजापुरी (हिन्दुस्तानी का उद्गम पृ. २)		१	
	वीर विनोद (जिल्द १) के पृष्ठ ३७१		१	

फाइल सं०	विषय	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६९	मथाणियां मारवाड़ स्कूल से 'रंग रे बादरियाह'	१	२४-१२-१९४१
	हंसनाद से 'मीरांबाई' पृष्ठ १९१ पर है	१	
	शाहमीरां इत्यादि	१	
	मीरांशाह-पृथ्वीराज चरित्र के पृष्ठ ६६-७६	१	
	,, रामनारायण दूगड़ कृत	१	
	हम्मीरनाम (मीरांजी सम्बन्धी) मदन कोष, पृ० १३०-१३१	१	
	हिन्दी का विकास— पं. रामचन्द्र शुक्ल १११	१	
	फुटकर	१	
	हिन्दुस्तान की पुराणी सभ्यता ५६९	१	
	मीरांबाई— श्री बाबू अनाथनाथ वसु लिखित से भूमिका	२	
	ना.प्र. पत्रिका के भाग १४, अंक एक के ११४	१	
	हिन्दी विश्वकोष जिल्द १७ के ६८४-६९०	१०	
	फुटकर पत्र जिनमें पुरोहितजी ने मीरां के जीवन के सम्बन्ध में लिखा है।	३	१०-४-१९४४

मीराँबाई की जीवनी सम्बन्धी सामग्री—

७०(१)	श्रीमहामहिमा श्रीमती भक्त-शिरोमणि मीराँबाईजी की बृहत् जीवनी	२६	

फाइल सं०	विषय		पृष्ठ संख्या	
७०(२)	मीराँ वा मीरा ले. पुरोहित हरिनारायण शर्मा		२६	
(३)	मीराँ वा मीरा (नकल) ले. पुरोहित हरिनारायण शर्मा		२१	

जगत्शिरोमणिजी, श्री ठाकुरजी—

७१	जगत्शिरोमणि मंदिर एवं अन्य मंदिरों के चित्र		१०	
	मीरांबाई-तसवीरमेड़ते के महलकी		४+१	
	ठाकुरजी श्रीजगत्शिरोमणिजी		११	
	रामानुजाचार्य का वृत्तान्त- भारतीय चरिताम्बुधि ग्रन्थ से पृ. ३९०–४०३		८	

नरसीजी का माहेरा-(मीरांबाई रचित) २ प्रतियां

७२(१)	नरसीजी रा माहेरा 'मीरांबाई रचित' (अपूर्ण) नरोत्तमदास स्वामी की प्रति से		२८ पुरोहित हरिनारायणजी जयपुर निवासी ने नकल की १८ मार्च १९३९ को।	
(२)	नरसीजी को माहेरो 'मीरां-बाई कृत' इन्द्रगढ की प्रति से	जयपुर	६२	८-१०-१९४२

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक

याज्ञिकजी के अधिक पदों की सूची—

७३	मीरांबाई रचित पदों की सूची भवानीशङ्कर याज्ञिक		१०	२२-७-१९४१
	मीरांबाई रचित पदों की सूची कृष्णानन्द व्यास देव कृत		२२	४-११-१९४१
	भवानीशङ्कर याज्ञिक मीरांबाई के पद-पु.हरिनारायणजी संग्रह से काका कालेलकरजी के संग्रह के पदों और		४	६-१०-१९४१
	याज्ञिकजी के संग्रह के पदों का मिलान			
	फुटनोट		४	
	चतुर्वेदी	जयपुर	१	६-११-१९४१
	चतुर्वेदी	,,	१	८-१२-१९४१

मीरांबाई सम्बन्धी सामग्री-सूची—

	विषय		पत्र	
७४	मीरांबाई की चौपाई- पं. श्रीपति प्रसाद की पुस्तिका से	जयपुर	२	वि.सं. १९८५
	प्राचीन राजस्थानी साहित्य-प्रिंटेड 'राजस्थानी'		४	
	गुजराती पद		४	
	,,		३	
	सूचीपत्र		१	४-११-१९४१
	बृहद् राग रत्नाकर से		१३	
	राजस्थानी मैंगजीन से पद	कलकत्ता	२	जनवरी, १९३९
	फुटकर		७	

फाइल सं०	विषय	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
७४	विभिन्न शिलालेखों के आलेख		६	

मीरांजी के रिजेक्ट पद—

७५	मीरांजी के पद-इन पदों को स्व० पुरोहितजी ने रिजेक्टेड लिखा है।		२९	

मीरां के पद—

७६	मीरां के पद—रामचरण जी आदि संतों के (नकल)		११	२४-९-१९२९
	,, भा. प्रो. कल्याण वक्सजी के गुटके से		१७	
	,, दीनानाथजी के मन्दिर से		१५	
	,, प्रह्लादजी भक्त से प्राप्त		२	
	मीरां वा मीरा पर लेख-ले. पु. श्री हरिनारायण		१७	२०-१-१९४९
	'हिन्दी विश्वकोष जिल्द १७ के पृष्ठ ६८४-६९० नकल			
	एक अन्य लेख मीरांबाई पर		२	
	नकल मीरांपद स्वरूपनारायणजी से प्राप्त		८	१६-१०-१९२८
	मीरां-नेमलबाई-उदयराज उज्ज्वल	सोजत सिटी	३	

फाइल सं०	विषय	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
७६	मीरां-बृहत् पदावली की भूमिका नोट		१	सन् १९३०
	राजकुमारी की कहानियों से		२	५-१०-१९३८
	संगीत शुदर्शन- पं.सुदर्शनाचार्य कृत –पृ. १२४।		१	
	पत्र की नकल		१	
	दो पत्र	जयपुर	३	१०-६-१९४७

मीरांबाई के पद स्वरूपनारायणजी आदि से प्राप्त—

फाइल सं०	विषय	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
७७	मीरां पद-दा.भा. स्वरूपनारायणजी		१४	१६-१०-१९२८
	,, (१) भा. कल्याणबक्षजी के गुटके १ से		५२	
	,,(२) मीरांलीला-सरस माधुरी-कृत			
	,, (३) मास्टर हरिनारायणजी की ह० लि० प्रति			
	,, (४) दीनानाथ के मन्दिर की (सफेद कागज की)			
	सूची पहली		१	
	मीरांपद-जमादार हजारियान-रामनाथजी से		८	२२-४-१९३७
	दूधू की मीरां लीला		३	मा.शी.शुक्ल१५, वि.सं.१९८६
	कुछ पदों की प्रथम पंक्तियां		१	१६-६-१९२७
	पद मीरांजी		१	१९-४-१९३७
	नकल फुटकर पद		१	,,
	कुछ पदों की प्रथम पंक्तियां		१	२२-४-१९३७
	मीरांपद पुजारी नाथूनारायणजी से		१	
	मीरां पद		१	२२-४-१९३७

फाइल सं०	विषय	पत्र संख्या	दिनांक
७७	मीरां पद श्री सूर्यनारायणजी से प्राप्त	५	३-८-१९२६
	मीरां के चार पदों की प्रथमपंक्तियां	१	
	मीरांपद चि. प्रभुनारायणजी के गुटके से	१	वि. सं. १९३४
	,, प्रभुलाल के गुटके से	१	६-७-१९३९
	फुटकर-पद	१	
	,,	१	
	,,	१	
	मीरां-पद	१	
	पुस्तकों की सूची	१	
	,,	१	
	मीरां पद	२	२४-३-१९३७
	फुटकर	१	२४-४-१९३८
	मीरां और चन्द्रसखी पद	३	
	पुस्तकों की सूची	१	२९-३-१९४०
	याज्ञिक जी के संग्रह के पदों से हरि-संग्रह का मिलान	१	९-९-१९४१
	श्री भवानीशङ्कर जी का पत्र	१	१०-९-१९४१
	फुटकर	१	
	पर्ची	१	३१-८-१९४१
	फुटकर नोट	१	२३-११-१९४१
	फुटकर	१	
	सूची आदि	१	
	मीरां बृहत्पदावली-भूमिका में नोट	१	
	मीरां लीला (पुस्तक)	१२	
	मीरां पद-काव्य दोहन (गुजराती) से उद्धृत	४	१९-४-१९३७
	पदों से		
	मीरां पद (अप्रकाशित)	७	
	मीरांपद-हस्तलिखित-श्रीरघुनाथ	५	

फाइल सं०	विषय	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
७८	हस्तलिखित (नरसीजी की हुंडी बारामासा एवं मीरां पद संग्रह)		५९	
	ठाकुरजी श्री १०९ श्री जगत-शिरोमणिजी		३०	नकल ५-५-१९३६
	आंमेर तथा मीरांबाई को हाल फुटफर नोट: श्री भगवत् सुधा-शतकम्. निम्वार्क सम्प्रदाय, सुदर्शन चक्र आदि से		५	
	फुटकर: द नागाज (अंग्रेजी) श्री दुर्गाभक्ति प्रकाश, मधु-मालती, पुस्तकों की सूची, हितो पदेशलिखित		६	
	फुटकर—प्रिंटेड-हिन्दी, उर्दू भाषा के		६	
	फुटकर—उर्दू भाषा		६	
	श्री प्रेम महाविद्यालय, वृन्दावन		२	

पुरोहित हरिनारायणजी को विभिन्न व्यक्तियों के लिखे गये मीरां सम्बन्धी साहित्यक पत्र (मूल)

फाइल सं०	विषय	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६३ A	ठाकुर गोपालसिंहजी बदनोर वाले को पत्र (नकल)	जयपुर	५	१३/२९-८-१९३८
	,, का पत्र (साथ नकल)	बदनोर	१	३-९-१९३८
	(मीरांबाई) ,, प्रिंटेड	—	१	—
	हनुमान शर्मा	नीम का थाना	१	आश्विन कृ. ३ वि.सं.१९९५
	,,	चौमूं कोठी	१	८-१०-१९३८
	ठाकुर गोपालसिंह राठौड़ (नकल)	—	२	१२-३-१९२८

फाइल सं०	विषय	स्थान	पृष्ठ संख्या	दिनांक
६३ A	'सुधा-पत्रिका'-वर्ष-१-खंड२, फाल्गुन, ३०५ तुलसी संवत् पृष्ठ-१७१			
	चाँद पत्रिका, वर्ष ६, खंड १, संख्या १, नवम्बर, १९२७ पृष्ठ ६७	—	३	१६-३-१९२८
	श्रीमती शान्तीदेवी (नकल)			
	ठाकुर गोपालसिंह	वदनोर	१	३-१-१९४०
	,,	,,	१	११-६-१९४०
	अर्जुनलाल शर्मा	—	२	१०-३-१९४०
	हनुमान शर्मा	चोमूं कोठी	१	१०-३-१९४०
	,,	,,	१	पोष. शु. ७ वि.सं १९९६
	अर्जुनलाल शर्मा	जयपुर	१	९-११-१९४०
	ठाकुर गोपालसिंह	वदनोर	१	२१-११-१९४०
	ठाकुर चतुरसिंहजी रूपाहेली वाले के पत्र की नकल	—	१	१४-१०-१९४१
	सत्यनारायण मिश्र	मेड़तासिटी	१	२४-१०-१९४१
	ठाकुरचतुरसिंहजी के पत्र की नकल	रूपाहेली (मेवाड़)	४	चैत्र कृ.७, वि.सं. १९९०
	,,	,,	११	२७-३-१९३३
	ठाकुर गोपालसिंह जी को पत्र (नकल)	जयपुर	१	१८-१२-१९३९
	ठाकुर चतुरसिंहजी	रूपाहेली	१	२१-१-१९४०
	चतुरकुल चरित्र इतिहास पृष्ठ ७८-८१	—	४	—
	'संक्षिप्त इतिवृत्त मीरांबाई'			
	ठाकुर चतुरसिंहजी का पत्र	रूपाहेली	१	१९-२-१९४०
	जुवानी साधु गोतमारामजी	—	१	१०-३-१९४०
	ठा. गणपतसिंहजी मेड़तिया	—	१	५-३-१९४०
	ठा. चतुरसिंहजी	रूपाहेली	१	२८-२-१९४०
	मीरांबाई के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण लेख	—	७	—
	फुटनोट		२	९-३-१९४०
	ठा. चतुरसिंह का पत्र	रूपाहेली(मेवाड़)	१	१३-३-१९४०

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
६३ A	ठा. चतुरसिंह का पत्र	रूपाहेली (मेवाड़)	१	१३-३-१९४०
	,, (साथ उत्तर)	,,	१	३१-८-१९४०
				१७-९-१९४०
	,, को भेजे पत्र की नकल	—	१	३-४-१९४०
	,, का पत्र	,,	१	२८-३-१९४०
	,,	,,	१	२४-९-१९४०
	संत कार्यालय का पत्र (पीछे उत्तार की नकल	जयपुर	१	२५-९-१९४०
	ठा. चतुरसिंह का पत्र	रूपाहेली	१	१५-७-१९४१
				२-७-१९४१

पु. हरिनारायणजी को विभिन्न व्यक्तियों द्वारा लिखे गये मीरां सम्बन्धी साहित्यिक पत्रों की नकल।

६३ B	संत कार्यालय से वंशीधर लड़ीवाल का पत्र	जयपुर	१	२५-९-१९४०
	ठा. सा. चतुरसिंहजी रूपाहेली को लिखा	,,	१	२-७-१९४१
	,,	रूपाहेली	१	१५-७-१९४१
	ठा. गोपालसिंह बदनोर वालों को पु.ह.ना. जी का पत्र	जयपुर	६	१३-८-१९३८
	,, ,,	,,	२	२९-८-१९३८
	,, के सेक्रेट्री छगनसिंह का पत्र	बदनोर	१	३-९-१९३८
	,, को पु.ह.ना. जी का पत्र	जयपुर	१	५-९-१९३८
	श्री हनुमानप्रसाद शर्मा	गणेसर	१	आश्विन कृ.३. वि.सं.१९९५
	,,	चौमूं कोठी	१	आश्विन शु.१३ वि.सं१९९५
	'सुधा' पत्रिका-वर्ष १-खंड २, फाल्गुन, ३०५ तुलसी संवत् लेखक-ठाकुर गोपालसिंह राठौड़ मेड़तिया	—	4	१२-३-१९२८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
६३ B	'चाँद' पत्रिका वर्ष ६ खंड १ संख्या १ नवम्बर १९२८, पृष्ठ ९७ ले. श्रीमती शान्तिदेवीजी	—	७	१६-३-१९२८
	ठा. सा. गोपालसिंह बदनोर वालों का पत्र आया	बदनोर	१	३-१-१९४०
	,,	,,	१	११-६-१९४०
	पं. अर्जुनलाल शर्मा का पत्र आया	चोमू कोठी	१	१०-३-१९४०
	पं. श्री हनुमान शर्मा ,,	,,	१	फा.कृ.३०, वि.सं. १९९६
	,, ,,	,,	१	पोष शु.७ वि.सं. १९९६
	पं. अर्जुनलाल शर्मा	जयपुर	१	९-११-९९४०
	ठा. सा. गोपालसिंहजी बदनोर वालों का पत्र आया	बदनोर	१	२१-११-१९४०
	ठा. सा. चतुरसिंह बड़ी रूपाहेली मेवाड़ का पत्र जो उन्होंने मेड़ता के सत्यनारायण व पूषाराम को भेजा	बड़ी रूपाहेली	२	१४-१०-१९४१
	सत्यनारायण मिश्र	मेड़ता सिटी	१	२४-१०-१९४१
	ठाकुर चतुरसिंह के पत्र की नकल जो उन्होंने बदनोर के ठाकुर गोपालसिंह को लिखा था	रूपाहेली	८	चैत्र कृ. ७ वि.सं. १९९०
	ठा. चतुरसिंहजी द्वारा लिखित मीराँबाई के जीवन चरित्र की सामग्री	बदनोर	३	—
	ठाकुर चतुरसिंह जी का पत्र जिसमें मीरांबाई का चरित्र बनाने के साधन और नवीन शोध से जो वृत्तान्त ज्ञात हुए हैं, उनकी सूची	रूपाहेली	१८	२७-३-१९३३
	ठा.सा. गोपालसिंह बदनोर वालों को पु. ह. ना. जी का पत्र	जयपुर	१	१८-१२-१९३९
	ठा. सा. चतुरसिंह जी का पत्र	रूपाहेली	२	२१-१-१९४०
	'संक्षिप्त इतिवृत्त मीरांबाई' चतुर कुल चरित्र इतिहास से पृ. ७८-८१			

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
६३B	ठा. चतुरसिंह रूपाहेली का भेजा हुआ पत्र	—	—	—
	ठा. सा. चतुरसिंहजी को लिखा पत्र पु.ह.ना. जी का	जयपुर	४	१-२-१९४०
	,, का आया पत्र	रूपाहेली	१	१९-२-१९४०
	जुबानी साधु गोतमरामजी से प्राप्त	—	१	१०-३-१९४०
	ठा.गणपतसिंहजी मेड़तिया से प्राप्त	—	२	५-३-१९४०
	ठा. सा. चतुरसिंहजी का पत्र	रूपाहेली	३	२८-२-१९४०
	,, (कापी नोट्स)	,,	८	१७-४-१९४०
	,, के पास भेजा	जयपुर	१	९-३-१९४०
	,, का आया पत्र	रूपाहेली	१	१३-३-१९४०
	,, ,,	,,	२	१३-३-१९४०
	,, ,, (साथ में उत्तर)	,,	१	३१-८-१९४० १७-९-१९४०
	मीरांबाई सम्बन्धी ब्रह्म ठा. जोबनेर को भेजे पत्र की नकल।	—	१	३-४-१९४०
	ठा. सा. चतुरसिंह जी का पत्र आया।	रूपाहेली	१	२८-३-१९४०
	,,	,,	१	२४-९-१९४०
६४	अनाथनाथ बसु का पत्र	शान्तिनिकेतन	१	२४-११-१९२६
	,, की नकल	,,	२	,,
	,, के पत्र का उत्तर	—	२	—
	,,	,,	१	१२-१-१९२७
	,, की नकल	,,	२	,,
	,, का उत्तर	,,	२	,,
	,,	,,	१	२०-७-१९२७
	,, की नकल	,,	२	,,
	,,	,,	१	२४-८-१९२७
	,, की नकल	,,	२	,,
	,,	,,	१	१२-९-१९२७
	,, की नकल	,,	२	,,
	,,	,,	१	३१-१०-१९२८

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
६४	अनाथनाथ बसु के पत्र की नकल	शान्तिनिकेतन	२	३१-१०-१९२८
	„ का उत्तर	„	२	७-११-१९२८
	„	„	१	५-५-१६२७
	„	„	१	२६-४-१६३०
	„	„	१	२३-१० सांय
	„	„	१	२४-१०-१६२९
	शोभालाल शास्त्री का पत्र	उदयपुर	१	२८-२-१९२६
	मोतीलाल मेनारिया का पत्र	„	१	२२-६-१९३८
	„	„	१	१-७-१६३८
	„	„	१	९-८-१६३८
	शोभालाल के पत्र से नोट	—	१	—
	एम. एल. मेनारिया का पत्र (साथ उत्तर पीछे है)	„	१	१०-११-१९३६
	„	„	१	१८-३-१९४०
	अंग्रेजी अखबार 'दा इण्डियन रिव्यू' की कटिंग मीरां पर लेख —सी. एस. श्री निवासाचारी	—	३	अक्तूबर १६२५
	एम. एल. मेनारिया	उदयपुर	१	१५-९-१९४१
	„	„	१	१६-१०-१९४१
	अंग्रेजी अखबार की कटिंग-मीराँ पर लेख—लाजपतराय नैयर	—	१	—
	श्री भक्तदाम गुण चित्रनी के नोट्स	—	१	—
	श्री भक्तदास गुण चित्रनी नाम भक्तमाल की टीका से नकल	—	५	—
	भक्तमाल की टीका से 'मीरां वाई का चरित्र'	—	६	—
	वाई नवनिधि कुंवरि के पत्र के साथ गुजराती पद	जोवनेर	२	फा. क्र. १५, १९८५ वि०
	मन्दिर श्री गिरधारीजी (सिल.वटों) में लेख	—	१	—
	फुट नोट (मालपुरे के गुटके में मीरां पद)	—	१	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
६४	सूर्यनारायण चतुर्वेदी	—	१	—
	हनुमानप्रसाद पोद्दार	गोरखपुर	१	१९-६-१९३९
	,, को पु.ह.ना. का उत्तर	स्वामीकूप	१	९-८-१९३९
	रामनारायण लाल	इलाहाबाद	१	१६-११-१९३९
	हनुमानप्रसाद पोद्दार	गोरखपुर	१	१८-११-१९३८
	,,	,,	१	का. कृ. १२ वि. १९९२
	,,	,,	१	१७-११-१९३८
	नोट	—	१	१-१-१९३९
	पुरोहित हरिनारायण	जयपुर	१	७-९-१९३८
	फुट नोट्स	—	१	—
	सत्यनारायण शास्त्री मेड़ता सिटी को भेजे पत्र की नकल	,,	१	५-४-१९४४
	प्रकाश पिकचर बम्बई का पत्र (साथ में उत्तर)	बम्बई	३	५-७-१९४१
	,,	,,	१	२४-७-१९४१
६५	नन्दलाल बी. ए.	मेड़ता सिटी	२	२७-१२-१९२८
	पुस्तकों की सूची (N.M.Tripathi	—	१	२५-११-१९४१
	एन. एम. त्रिपाठी & Co.)	बम्बई	१	२५-११-१९४१
	स्फुट नोट्स	—	१	—
	अनाम	—	१	१४-१-१९२९
	हॉलन की डिक्शनरी में (१०-११४२ पर) मीरां शब्द।	—	१	२९-८-१९३८
	स्फुट नोट्स 'मीरांबाई'	—	१	२९-९-१९४०
	मीरांबाई Speeches of Annie Besant (P. 71-72 Calcutta Congress) 1917.	—	१	—
	मीरांबाई 'Jr. Indian Epire	—	—	—
	Vol. II. Historical (New Edition of 1909)	—	१	—
	Jr. Vernacular Literature P. 424	—	—	—

फाइल सं०	पत्र लिखने वाले का नाम	स्थान	पत्र संख्या	दिनांक
६५	मीरां-यह शब्द कबीर जी के पद में-गुटका मालपुरे का २७८-(छ) पृ० २२५ पर	—	१	—
	पद सं० ५ में	—	—	—
	स्फुट नोट्स	—	५	—
	स्फुट नोट्स	—	५	—
	मीरां नाम सम्बन्धी	—	१	—
६६	भीमसिंह	—	१	१०-५-१९४५
	शम्भुनाथ वाजपेयी	काशी	१	२९-७-१९४४
	,,	,,	१	७-७-१९४४
	विश्वेश्वरनाथ रेऊ	जोधपुर	१	१८-६-१९४७
	सहायक मन्त्री, नागरी प्रचारिणी सभा (दो खाली लिफाफे व एक रसीद)	काशी	१	२१-६-१९४७
	पं० सत्यनारायण मिश्र शास्त्री	मेड़ता सिटी	१	९-२-१९४८
	उदयराज उज्ज्वल का पत्र मीरांबाई के सम्बन्ध में	सोजत सिटी	३	—
६७	राजस्थान पुरातत्वान्वेषण मन्दिर, जयपुर का वृहत् मीरां पदावली के सम्बन्ध में पत्र व्यवहार	—	११	१९५७-५८

क्रमांक	ग्रन्थ-नाम	श्लोक संख्या	पत्र संख्या

पुरोहित हरिनारायणजी द्वारा संकलित
शिखरिणी छन्द-संग्रह

१	शिवमहिम्नःस्तोत्र	२९	१-५
२	भगवन्मानसपूजा	१०	६-७
३	कृष्णाष्टक	८	८ वां
४	जगन्नाथाष्टक	८	९-१०
५	सौन्दर्यलहरी (सटीक)	१०४	११-९६
६	गणेशमहिम्नःस्तोत्र	२८	९७-१०३
७	परमेश्वर-स्तुतिसार	१५	१०४-१०७
८	विष्णुमहिम्नःस्तोत्र	३२	१०८-११५
९	गोविन्दाष्टक	९	११६-११७
१०	देव्यपराध-क्षमापन-स्तोत्र	८	११८-११९
११	आनन्दलहरी	२०	१२०-१२४
१२	लक्ष्मीलहरी	४१	१२५-१३४
१३	दत्तलहरी	१०२	१३५-१५९
१४	यमुनाष्टक (यमुनास्तव)	१	१६० वां
१५	अभिलाषाष्टक	८	१६१-१६२
१६	गङ्गालहरी	४८	१६३-१७५
१७	सुभाषित-भाण्डागार सभाषार्थ (निर्णयसागर)	४३४	१७६-३०९
१८	जानकीचरणचामर-स्तोत्र सभाषार्थ	१०३	३१०-३३४
१९	राममहिम्नःस्तोत्र (सभाषार्थ) (१९ वें श्लोक पर्यन्त)	४५	३३५-३४९
२०	राधाष्टक	९	३५०-३५२
२१	विष्णोरष्टक	८	३५३-३५४
२२	सूर्याष्टक	९	३५५-३५६
२३	रामचन्द्राष्टक	९	३५७-३५९
२४	रघुनाथाष्टक	८	३६०-३६१
२५	शिवानन्दलहरी	१७	३६२-३६६
२६	कृष्णलहरी (सभाषार्थ)	८	३६७-३७८
२७	विहारिणोऽष्टक	८	३६९-३७०
२८	सूक्तमुक्तावली (सटीक)	१५	३७१-३७४
२९	साहित्यवैभव	१७	३७५-३८०

क्रमांक	ग्रन्थ-नाम	श्लोक संख्या	पत्र संख्या
३०	सिद्धभैषजमणिमाला (वैद्यक)	२५	३८१-३८६
३१	भागवत (सभापार्थ)	३	६८७ वां
३२	ज्ञानार्णव ,,	७	३८८-३८९
३३	वैद्यजीवव ,,	३	३९० वां
३४	संस्कृत कवियों की अनोखी सूझ	२	३९१ वां
३५	बृहत्संहिता (सभापार्थ)	६	३९२-३९३
३६	आलवन्दारस्तोत्र	६	३९४ वां
३७	औचित्य विचार चर्चा	६	३९५-३९८
३८	अध्यात्मतत्वालोक	२	३९४ वां
३९	गिरिजेश्वरस्तोत्र	६८	४००-४१६
४०	पार्श्वनाथमहिम्नःस्तोत्र	३६	४१७-४२५
४१	महावीराष्टक	८	४२६-४२७
४२	मुहूर्त्तचिन्तामणि (सभापार्थ)	२	४२८ वां
४३	यन्त्रचिन्तामणि	१	४२९ वां
४४	वाणीलहरी	४८	४३०-४४१
४५	जगदीशशतक	१६	४४२-४४४
४६	सुधर्माविलास	८	४४५-४४६
४७	भर्तृहरिशतक (सभापार्थ)	२६	४४७-४५२
४८	मालतीमाधव	१८	४५३-४६७
४९	अभिज्ञानशाकुन्तल	३	४६८ वां
५०	महावीरचरित	३८	४६९-४७४
५१	काव्यानुशासन (हेमचन्द्र)	२३	४७५-४७८
५२	भामिनीविलास (सभापार्थ)	१३	४७९-४८०
५३	रसगङ्गाधर	१८	४८१-४८३
५४	उत्तररामचरित (सभापार्थ)	२४	४८४-४९६
५५	श्लोकसंग्रह, पंचतंत्र (प्रकीर्णक) ,;	८	४९७ वां
५६	काव्यानुशासन	८	४९८-४९९
५७	काव्यप्रदीप	२	५०० वां
५८	गीतगोविन्द (सभापार्थ)	२	५०१ वां
५९	चातुर्वर्ण्यशिक्षा	१३	५०२-५०३
६०	कथासरित्सागर	७	५०४ वां
६१	विवेकचूडामणि (सभापार्थ)	८	५०५ वां
६२	रुक्मिणीहरण	७	५०६ वां

क्रमांक	ग्रन्थ-नाम	श्लोक संख्या	पत्र संख्या
६३	किरातार्जुनीय	३	५०७ वां
६४	भवानीसिंह-कारकरत्न	२	५०८ वां
६५	पुरुषार्थप्रकाश	२	५०८ वां
६६	लटकमेलक	१	५०९ वां
६७	मिथ्याज्ञान-विडम्बना	१	५०९ वां
६८	सिद्धिस्तव	१	५०९ वां
६९	विहारीविनय	१	५०९ वां
७०	कालीस्तोत्र	१६	५१०-५१३
७१	गङ्गाष्टक	९	५१४-५१५
७२	सुभाषितावली	५८	५१६-५२९
७३	शार्ङ्गधरपद्धति	११	५३०-५३५
७४	स्वप्नवासवदत्ता	२	५३६ वां
७५	पंचरात्र	६	५३७ वां
७६	माधवनिदान (सभापार्थ)	१	५३८ वां
७७	श्रवणकुमारनाटक	१	५३९ वां
७८	विष्णुकृत शिवमहिम्नःस्तोत्र	४०	५४०-५५०
७९	शिखरिणी विषयक स्फुट श्लोक, अर्थ व टिप्पणियां	३० पृष्ठात्मक	१-३०
८०	सुभाषितरत्नभाण्डागार (सभापार्थ)	४ से ६ प्रकरण	१-३५
८१	शिखरिणी-श्लोकानुक्रमणिका	३८ पृष्ठात्मक	१-३८

गौरीशङ्कर हीराचन्द ओझा, अजमेर से प्राप्त शिलालेखानुसार शिखरिणी श्लोक-संख्या-सूची

क्रमांक	शिलालेख का विवरण	श्लोक संख्या	पत्रांक
१	डभोई (दर्भावती--गुजरात में) के हीराभागोल नाम के दरवाजे में लगी हुई वि० सं० १३११ ज्येष्ठ सुदि १५ बुधवार की गुजरात के बघेल (सोलंकी) वंशी राजा वीसलदेव के समय की प्रशस्ति से।	२	१
२	गठौड़ वंश के राजा के सामन्त लखनपाल के समय की बदायूं की प्रशस्ति से। प्रशस्ति वि० सं० १२२० के आसपास की है। लखनपाल कन्नौज के गाहड़वाल राजाओं का सामन्त था।	१	२
३	छतरपुर (बुन्देलखण्ड) राज्य के खजुराहो नाम के प्राचीन स्थान की वि० सं० १०११ की चन्देल राजा यशोवर्मा के समय की प्रशस्ति से।	४	३

क्रमांक	शिलालेख का विवरण	श्लोक संख्या	पत्रांक
४	खजुराहो से मिली चंदेल राजा धंगदेव के वि० सं० १०५६ और जयवर्मदेव के वि० सं० ११७३ की प्रशस्ति से।	२	४
५	मऊ (जि० झांसी) से मिले हुए चंदेल राजा मदनवर्मदेव के शिलालेख से। इसमें संवत् नहीं है, परन्तु यह वि० सं० १२०० के आसपास का होना चाहिये।	३	५
६	वेदी के राजा केयूरवर्ष की रानी नोहला के बनवाये हुए बिलहारी के शिव मन्दिर की प्रशस्ति से। बिलहारी स्थान जबलपुर जिले में है। इसमें संवत् नहीं है, परन्तु यह ११ वीं शताब्दी की है।	४	६
७	देवपाड़ा (जिला राजशाही-बंगाल) से मिले हुए बंगाल के सेनवंशी राजा विजयसेन के शिलालेख से। यह ११-१२ वीं शताब्दी के आसपास का है।	१	७
८	ग्वालियर राज्य के नारौद (झांसी और गुना के बीच) गांव के तालाब के पास के गढ़ की प्रशस्ति से। इसमें संवत् नहीं है, परन्तु यह ११ वीं शताब्दी के आसपास की है।	२	८
९	जैनों के शत्रुञ्जय (काठियावाड़) तीर्थ की वि० सं० १६५० की प्रशस्ति से।	१	९
१०	हैहयवंशी राजा लक्ष्मण राज के समय के कारीतलाई (जबलपुर जिले में) के शिलालेख से। इसमें संवत् का उल्लेख नहीं है, परन्तु यह विक्रम की ११ वीं शताब्दी का है।	१	१०
११	यादव राजा भिल्लम (दूसरे) के शक संवत् ९२२ (वि० सं० १०५७) के दानपत्र से। यह दानपत्र बम्बई दूहाते के अहमद नगर जिले के संगमनेर गांव से मिला है।	२	११
१२	कछवाहा राजा विक्रमसिंह के वि० सं० ११४५ के दुबकुण्ड से मिले हुए शिलालेख से। दुबकुण्ड ग्वालियर से ७६ मील नैऋत्य कोण में घने जंगल के अन्दर भग्नावशेष रूप में है।	१	१२
१३	कवि गंगाधर के शक संवत् १०५९ (वि० संवत् ११९४) के गोविन्दपुर के शिलालेख से। गोविन्दपुर गया जिले के नवाड़ा विभाग में है।	१	१३
१४	मेवाड़ के महाराणा मोकल के समय की वि० संवत् १४८५ की चित्तौड़गढ़ के मोकलजी के मन्दिर की प्रशस्ति से।	२	१४
१५	देवपाटण (सोमनाथ-काठियावाड़ में) से मिली हुई वि० सं० १२७३ वैशाख सुदी ४ शुक्रवार की श्रीधर की प्रशस्ति से।	३	१५

कर्त्तानामानुक्रमणिका

(परिशिष्ट–4)

(ख)